RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 23
नई दिल्ली, सोमवार, 25 नवंबर, 2019
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

कई अभिनेताओं की फीस महिला प्रधान फिल्मों के बजट के बराबर: तापसी

राष्ट्रीय-11

महाराष्ट्र पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा:

राज्यपाल की चिट्ठी, समर्थन पत्र करें पेश

● उच्चतम न्यायालय में आज भी सुनवाई, एनसीपी-कांग्रेस और शिवसेना की याचिका पर केंद्र, महाराष्ट्र सरकार, सीएम फडणवीस और डिप्टी सीएम अजीत पवार को नोटिस जारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

महाराष्ट्र में सरकार गठन का मामला उच्चतम न्यायालय की न्यायिक समीक्षा के दायरे में आ गया है जिसने केंद्र सरकार से कहा है कि वह सोमवार को राज्यपाल का पत्र अदालत को सौंपे जिसमें देवेन्द्र फडणवीस को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया गया है। साथ ही अदालत ने केंद्र सरकार से कहा कि वह भाजपा नेता द्वारा राज्य में सरकार बनाने के लिए किए गए दावे का पत्र भी अदालत के समक्ष सोमवार को सुबह साढ़े दस बजे सुनवाई के दौरान पेश करे।

छुट्टी के दिन विशेष सुनवाई में न्यायमूर्ति एनवी रमन, न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की पीठ ने देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाने के महाराष्ट्र के राज्यपाल के निर्णय को चुनौती देने वाली शिवसेना-एनसीपी-कांग्रेस की याचिका पर रविवार को केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी किए। पीठ ने मुख्यमंत्री फडणवीस और उप मुख्यमंत्री अजीत पवार को भी नोटिस जारी किया है। उच्चतम न्यायालय ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के पत्र पेश करने के लिए दो दिन का समय मांगने के मेहता के अनुरोध को अनसुना कर दिया। वरिष्ठ वकील (शेष पेज 10)

खरीद-फरोख्त की आशंका के बीच विधायकों को होटलों में भेजा

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

महाराष्ट्र में चल रहे राजनीतिक नाटक और विधायकों की खरीद-फरोख्त की आशंका के बीच एनसीपी, कांग्रेस और शिवसेना ने अपने-अपने विधायकों को मुंबई के विभिन्न लग्जरी होटलों में भेजा है। एनसीपी ने अपने सभी विधायकों को होटल रेनेसां से हयात में शिफ्ट कर दिया है। कांग्रेस नेता अशोक चव्हाण ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं ने हमारे विधायकों को तोड़ने के लिए होटलों में कमरे बुक करवा रखे हैं। लेकिन, हमारे विधायक एकजुट हैं।

इससे पहले रेनेसां होटल में शरद पवार की अध्यक्षता में राकांपा विधायकों की बैठक हुई। इस बीच अजित पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए ट्वीट किया था कि हम आपको स्थिर सरकार का भरोसा दिलाते हैं जो राज्य के लोगों के कल्याण के (शेष पेज 10)

भाजपा को भरोसा, फडणवीस साबित करेंगे बहुमत

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

● पार्टी ने 170 से अधिक विधायको का समर्थन मिलने का किया दावा

भाजपा ने रविवार को दावा किया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास 170 से अधिक विधायकों का समर्थन है और भरोसा जताया कि वह राज्य विधानसभा में अपनी सरकार का बहुमत साबित करेंगे। भाजपा विधायकों की बैठक में रविवार को एकमत से सभी ने कहा कि सदन में पार्टी विश्वास मत अवश्य जीतेगी।

बैठक में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल भी मौजूद थे। बैठक के बाद पार्टी के वरिष्ठ विधायक आशीष शेलार ने मीडिया से कहा कि सभी विधायकों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व में विश्वास जताया और कहा कि विश्वास प्रस्ताव में उन्हें जरूर विजयी मिलेगी। सदन में पार्टी अपना बहुमत सिद्ध कर देगी।

भाजपा नेता ने एनसीपी विधायक दल के नेता पद से अजीत पवार को हटाए जाने पर रविवार को आपत्ति जताते हुए कहा कि यह कदम अमान्य है। अजित पवार के शनिवार को भाजपा को समर्थन देने और उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के कुछ ही घंटे बाद एनसीपी ने उन्हें पार्टी के विधायक दल के नेता पद से बर्खास्त कर दिया था और व्हिप जारी करने के उनके अधिकार को भी वापस ले लिया था। शेलार ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि अजीत पवार को हटाकर (शेष पेज 10)

अजीत भ्रम न फैलाएं, हम भाजपा के साथ नहीं: पवार

● शिवसेना ने 165 एमएलए के समर्थन का किया दावा, कहा-भाजपा को भारी पड़ेगा उसका दांव

● एनसीपी के तीन लापता विधायक पार्टी के साथ, मुंडे ने भी जताई आस्था

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई/नई दिल्ली

महाराष्ट्र में पल पल बदलते सियासी घटनाक्रम के बीच रविवार को एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने साफ किया कि राज्य में भाजपा के साथ गठबंधन का कोई सवाल ही नहीं उठता। वे अपने भतीजे अजीत पवार के इस ट्वीट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि वह (अजीत) अब भी एनसीपी के साथ हैं और 'भाजपा-एनसीपी' गठबंधन राज्य में स्थिर सरकार देगा। (शेष पेज 10)

मै एनसीपी के साथ, शरद पवार हमारे नेता : अजित

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार ने कहा कि वह अब भी एनसीपी के साथ हैं और शरद पवार उनके नेता बने रहेंगे। भाजपा नेताओं के बधाई संदेश का शुक्रिया अदा करने के बाद सिलसिलेवार ट्वीट में अजित ने यह भी कहा, भाजपा- एनसीपी गठबंधन महाराष्ट्र में अगले पांच साल में स्थाई सरकार देगा। उन्होंने ट्वीट किया, मैं एनसीपी में हूं और हमेशा ही एनसीपी में रहूंगा तथा (शरद) पवार साहेब हमारे नेता हैं। हमारा भाजपा-एनसीपी गठबंधन महाराष्ट्र में अगले पांच साल एक स्थाई सरकार देगा जो राज्य और इसके लोगों के कल्याण के लिए गंभीरता से काम करेगा। उन्होंने ट्वीट किया, चिंता करने की कोई बात नहीं है, सब ठीक है। हालांकि, कुछ संयम रखने की जरूरत है। आपके समर्थन के लिए आपका धन्यवाद।

महाराष्ट्र का ताजा राजनीतिक घटनाक्रम

नई दिल्ली (भाषा)। महाराष्ट्र का ताजा राजनीतिक घटनाक्रम इस प्रकार है..

दोपहर 02:29 बजे: महाराष्ट्र में राकांपा के अजित पवार द्वारा उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लिए जाने और उसके बाद चल रहे राजनीतिक उठापटक के बीच पवार का गढ़ कहे जाने वाले बारामती में लोगों ने भरोसा जताया कि राकांपा प्रमुख शरद पवार मौजूदा राजनीतिक संकट सुलझाने में सक्षम होंगे।

दोपहर 01:42 बजे: राकांपा ने दावा किया कि उनके जो तीन विधायक लापता चल रहे थे, वह संपर्क में हैं और पार्टी के साथ हैं। पार्टी अनिल पाटिल, बाबासाहेब पाटिल और दरोड़ा से संपर्क करने में सफल रही।

दोपहर 01:14 बजे: कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने मांग की कि फडणवीस सरकार को सदन में तत्काल शक्ति परीक्षण से गुजरने का आदेश दिया जाए।

दोपहर 01:07 बजे: महाराष्ट्र में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री नहीं बनने से दुखी एक शिवसेना समर्थक ने वाशिम जिले में कथित तौर पर आत्महत्या करने की कोशिश की। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

दोपहर 12:59 बजे: उच्चतम न्यायालय ने सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता को महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन समाप्त कर फडणवीस की सरकार बनाने (शेष पेज 10)

मौसम

अधिकतम	26.8°C (0)
न्यूनतम	15.3°C (+4)

बाजार

सेंसेक्स	40,359	
निफ्टी	11,914	
सोना	38,456	/10g
चांदी	44,949	/kg

क्विक न्यूज

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी का निधन

भोपाल (भाषा)। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश जोशी (90) का लंबी बीमारी के बाद यहां एक निजी अस्पताल में रविवार को निधन हो गया। वह राजनीतिक शुचिता और समर्पण के प्रतीक थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि वह एक ऐसे कद्दावर नेता थे, जिन्होंने मध्य प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कैलाश जोशी का जन्म 14 जुलाई 1929 को मध्य प्रदेश के देवास जिले के हाटपिपलिया में हुआ था। वह मप्र की पहली गैर कांग्रेसी सरकार के मुख्यमंत्री बने। वह 1977-1978 में करीब सात महीने तक मुख्यमंत्री रहे।

तिवारी को बताया सीएम उम्मीदवार, फिर इनकार

● बयान से पलटे दिल्ली भाजपा के सह-प्रभारी हरदीप पुरी, आप ने ली चुटकी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अगले साल के शुरू में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा में हलचल तेज है। हालांकि पार्टी मुख्यमंत्री पद को लेकर ऊहापोह की स्थिति में फंसी है। एक दिन पहले ही खुद को सीएम रेस से बाहर बताने वाले केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को ऐलान किया कि भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी अगले मुख्यमंत्री होंगे। हालांकि बाद में वह अपनी बात से पलट गए।

उन्होंने ट्वीट कर सफाई दी कि उनका मतलब था कि पार्टी तिवारी के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी और भारी बहुमत हासिल करेगी। पुरी दिल्ली भाजपा के सह प्रभारी हैं। केंद्रीय मंत्री पुरी ने रविवार को पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हम विधानसभा चुनाव मनोज तिवारी के नेतृत्व में लड़ेंगे और उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर ही दम लेंगे। पुरी के इस ऐलान का कई कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया और अबकी बार मनोज तिवारी का नारा लगाया। मालूम हो कि भाजपा ने अपनी तरफ से कोई मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। आम आदमी पार्टी ने पुरी के बयान को फौरन लपक लिया। आप प्रवक्ता राघव चड्ढा ने कहा कि अब लड़ाई अरविंद केजरीवाल बनाम मनोज तिवारी होगी। यही (शेष पेज 10)

लोकसभा में पेश होगा एसपीजी अधिनियम संशोधन विधेयक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सरकार सोमवार से शुरू सत्र में लोकसभा में विशेष सुरक्षा समूह अधिनियम में संशोधन विधेयक पेश करेगी जिसमें किसी पूर्व प्रधानमंत्री के परिवार को एसपीजी की सुरक्षा के दायरे से बाहर रखने का प्रस्ताव किया गया है। कैबिनेट पहले ही एसपीजी कानून में संशोधन विधेयक को हरी झंडी दे चुकी है। संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने बताया कि सोमवार से शुरू हो रहे सत्र में विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) अधिनियम में संशोधन के लिए विधेयक लाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रतिष्ठित एसपीजी कमांडो देश के प्रधानमंत्री, उनके परिजनों, पूर्व प्रधानमंत्रियों और उनके परिवार के सदस्यों की सुरक्षा का जिम्मा संभालते हैं। सुरक्षा संबंधी खतरों के आधार पर यह सुरक्षा प्रदान की जाती है। प्रस्तावित विधेयक में पूर्व प्रधानमंत्रियों के परिवार के सदस्यों को एसपीजी सुरक्षा के दायरे से बाहर रखने का प्रस्ताव किया गया है।

भारत ने जीता पिंक बाल टेस्ट

कोलकाता में गुलाबी गेंद से खेले गए दिन-रात के टेस्ट मैच में बांग्लादेश को हराने के बाद प्रसन्न मुद्रा में भारतीय टीम के खिलाड़ी

बोडो विद्रोही समूह एनडीएफबी पर प्रतिबंध पांच साल और बढ़ा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने असम आधारित बोडो विद्रोही समूह नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (एनडीएफबी) पर लगे प्रतिबंध को और पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। एनडीएफबी पर हत्या, जबरन वसूली समेत कई हिंसक गतिविधियों में शामिल होने और भारत विरोधी ताकतों से हाथ मिलाने को लेकर प्रतिबंध लगा हुआ है। एक अधिसूचना में, गृह मंत्रालय ने कहा कि नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (एनडीएफबी) एक अलग बोडोलैंड बनाने की अपनी मंशा से भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बाधित करने के लिए अवैध और हिंसक गतिविधियों में लिप्त रहा है। अधिसूचना में कहा गया, गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (1967 की 37) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसार, केंद्र सरकार नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड को उसके (शेष पेज 10)

स्विस बैंक खातों की भारत की जांच ने लिया शाही मोड़

पायनियर समाचार सेवा/एजेंसी। नई दिल्ली/बर्न

स्विस बैंकों में खाता रखने वाले भारतीयों की जांच के घेरे में एक शाही घराना भी आ चुका है। भारतीय जांच अधिकारी महाराष्ट्र में सांगली के पूर्व रियासतदारों के परिवार के दो लोगों की जानकारी स्विट्जरलैंड के कर विभाग से मंगाई हैं। इस जांच में आधिकारिक सहयोग के लिए भारतीय अधिकारियों ने स्विट्जरलैंड सरकार से अनुरोध कर रखा है।

इस पर स्विट्जरलैंड के अधिकारी सार्वजनिक नोटिस जारी कर सांगली के पूर्व शाही घराने के विजयसिंह माधवराव पटवर्धन और उनकी पत्नी रोहिणी विजयसिंह पटवर्धन से इस मामले को देखने के लिए अपना प्रतिनिधि नियुक्त करने को कहा है। स्विट्जरलैंड के अधिकारियों ने दोनों से यह भी कहा है कि यदि उन्हें अपने खातों से संबंधित सूचना भारत को दिए जाने को लेकर कोई आपत्ति है, तो वे उसे बाकाया दर्ज कराएं। पटवर्धन दंपति की पुत्री भाग्यश्री फिल्मों में काम करती हैं। स्विट्जरलैंड सरकार ऐसे मामलों में विदेशी सरकारों को सूचनाएं देने से पहले खाते दारों को अपना पक्ष रखने का मौका देने के लिए राजपत्र में सार्वजनिक नोटिस जारी करती हैं। स्विट्जरलैंड के हालिया संघीय राजपत्र में प्रकाशित दो अलग अधिसूचनाओं में पटवर्धन दंपत्ति को 10 दिनों के भीतर अपना पक्ष रखने वाले व्यक्ति को नामित करने को कहा है। हालांकि इन अधिसूचनाओं में दंपत्ति के नाम तथा उनकी जन्मतिथियां छोड़ कोई अन्य जानकारी नहीं दी गई है। इस मामले में पटवर्धन परिवार से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। एक कंपनी जिसमें दोनों पति-पत्नी निदेशक हैं, के आधिकारिक ईमेल पर भेजे गए सवालों का भी अब तक कोई जवाब नहीं मिला है।

इंसानों की दखल से सरिस्का में घट रही बाघों की संख्या

समस्या हल होने तक एनटीसीए ने दो बाघों को अभ्यारण्य में भेजने के प्रस्ताव को किया खारिज

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने मध्य प्रदेश से दो बाघों को अलवर स्थित सरिस्का बाघ अभ्यारण्य (एसटीआर) भेजने के राजस्थान सरकार के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। एनटीसीए का कहना है कि उसने 'मानवीय दखल' को रोकने के लिए कुछ नहीं किया जिससे कि संरक्षित क्षेत्र में बाघों के प्रजनन पर नकारात्मक असर पड़ रहा है।

बाघों की निगरानी करने वाली एजेंसी ने साफ कर दिया कि जब तक कि राजस्थान बाघों के संरक्षण में पेश आने वाली समस्या को दूर करना सुनिश्चित करता तब तक नए बाघों को एसटीआर नहीं भेजा जाएगा। एसटीआर में मुख्य समस्या जैसे वहां रह रहे ग्रामीणों के कारण बाघों को स्वछंद विचरण में दिक्कत पेश आती है तथा वन कर्मियों की कमी भी बरकरार है। एनटीसीए के प्रमुख अनूप कुमार नायक के मुताबिक और बाघों को भेजने की अनुमति देने से पहले इन सवालों को देखना होगा।

एनटीसीए के साथ राज्य के अधिकारियों की समीक्षा बैठक में यह बात सामने आई। इस दौरान पता चला कि संरक्षित इलाके में बाघों के रिहायश के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए। 1200 वर्ग किलोमीटर में फैले एसटीआर में करीब

26 गांवों हैं, जबकि कर्मचारी खास तौर पर वन रक्षकों की संख्या 50 फीसदी कम है।

2018 से दो साल की अवधि में अभ्यारण्य में तीन बाघों की मौत हो चुकी है। मौजूदा वक्त में एसटीआर में मादाओं की संख्या ज्यादा हो गई है। अभी नौ मादाओं पर एक नर बाघ है। कुल मिलाकर संरक्षित क्षेत्र में 16 बाघ हैं-इसमें नौ मादाएं, तीन बच्चे और चार नर बाघ हैं। इसमें केवल एक ही प्रजनन कराने के योग्य है, जबकि तीन अव्यस्क है और अभी प्रजनन के योग्य नहीं हैं। राजस्थान के मुख्य वन्यजीव वार्डन अरिंदम तोमर ने कहा कि चूंकि कुछ बाघिन प्रजनन नहीं कर सकती लिहाजा अभ्यारण्य को मध्य प्रदेश से एक मादा और एक नर बाघ की जरूरत है, जिससे कि उनकी संख्या बढ़ाई जा सके।

उन्होंने कहा कि अभ्यारण्य में मौजूदा बाघिनों के गर्भपात होने के कारण वे प्रजनन के योग्य नहीं रह गई हैं इसलिए बाघों का एक ताजा जीन पूल तैयार करना पड़ेगा। बहरहाल, तोमर ने माना कि बाघों में प्रजनन दर कम होने का एक बड़ा कारण मानवीय हस्तक्षेप भी है, जिससे उन्हें अनुकूल माहौल नहीं मिल पा रहा है। तोमर ने कहा कि तीन साल के अंतराल के बाद गांवों को दूसरी जगह बसाने की प्रक्रिया शुरू की गई है और हमें उम्मीद है कि जल्द से जल्द हम बड़ी संख्या में गांवों को पुनर्वास करेंगे।

एनटीसीए ने 2008 में बाघों को स्थानांरित करने का कार्यक्रम शुरू किया था, करीब 20 बाघों को एसटीआर में भेजा गया था। इनमें से अभी तक नौ बचे हैं। जबकि चार नर और एक मादा की विभिन्न कारणों से मौत हो गई, जिसमें जहर देना, क्षेत्रीय वर्चस्व के लिए संघर्ष, शिकार और लू जैसे कारण शामिल हैं। इससे पहले ओडिशा के सतकोसिया अभ्यारण्य में बाघों के स्थानांरण को लेकर उठे विवाद, जहां स्थानीय बाघों के साथ संघर्ष में एक की मौत हो गई थी, जबकि दूसरे को पिंजरे में बंद करना पड़ा था, के बाद एनटीसीए ने एसटीआर में बाघों को भेजने से इनकार किया है।

यूपी कांग्रेस के 10 वरिष्ठ नेता छह वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति ने रविवार को पार्टी के 10 वरिष्ठ नेताओं को अनुशासन हीनता के आरोप में पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह वर्षों के लिए तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया है।

निष्कासित किए जाने वाले प्रमुख नेताओं में क्रमशः संतोष सिंह पूर्व सांसद, सिराज मेंहदी पूर्व एमएलसी, रामकृष्ण द्विवेदी पूर्व गृह मंत्री, सत्यदेव त्रिपाठी पूर्व मंत्री, राजेन्द्र सिंह सोलंकी एआईसीसी सदस्य, भूधर नारायण मिश्रा पूर्व विधायक, विनोद चौधरी पूर्व विधायक, नेक चन्द्र पाण्डेय पूर्व विधायक, स्वयं प्रकाश गोस्वामी पूर्व अध्यक्ष उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस, संजीव सिंह पूर्व जिलाध्यक्ष गोरखपुर के नाम शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति के संज्ञान में आया था कि उक्त नेतागण कुछ समय से उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी से सम्बन्धित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्णयों पर अनवरत अनावश्यक रूप से सार्वजनिक तौर पर बैठक करके विरोध कर रहे थे। उनका यह आचरण पार्टी की नीतियों और आदर्शों के विपरीत है जो अनुशासन हीनता की परिधि में आता है। उनके अनुशासन हीनता के कारण अनुशासन समिति ने उन्हें 6 वर्ष के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया है।

लॉटरी का लालच देकर ठग लिए 10 लाख रुपए

साइबर सेल को केस जांच के लिए भेजा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर-122 में खाने की ठेली लगाने वाले से 10 लाख रुपए ठग लिए गए। ठगों ने 50 लाख रुपए की लॉटरी निकलने का झांसा दिया था जिसमें वॉट्सऐप कॉल कर पीड़ित से ठगी की। इसके बाद कई बार में प्रोसेसिंग के नाम पर रुपये जमा कराए गए। सेक्टर 24 थाने में शिकायत लेकर पीड़ित युवक पहुंचा तो पुलिस ने केस को साइबर सेल में जांच के लिए भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार मूलरूप से मिर्जापुर निवासी राजेश कुमार सेक्टर 122 श्रमिक कुंज में रहते हैं। वह घर के पास ही फूड की ठेली लगाते हैं। राजेश ने पुलिस को बताया है कि 6 अक्टूबर को उनके पास एक वॉट्सऐप कॉल आई थी। कॉलर ने खुद का नाम आकाश वर्मा बताया। आकाश ने उन्हें बताया कि उनकी 50 लाख रुपये की लॉटरी लगी है। उसने खुद को एसबीआई बैंककर्मी बताकर उनका विश्वास जीता। फिर कुछ जरूरी दस्तावेज और सिक्युरिटी मनी के तौर पर रुपये जमा कराने के लिए कहा। बैंक का नाम सामने आने पर राजेश ने फोन-पे के जरिए 2 लाख रुपये भेज दिए। साथ ही वॉट्सऐप पर आधार कार्ड और बैंक खाते की डिटेल भी भेज दी। कुछ समय बाद आरोपी ने फिर कॉल किया और रकम अधिक बताने के लिए 5 लाख रुपये और जमा कराने के लिए कहा। राजेश उसके झांसे में आ गए। रुपये का इंतजाम करने के लिए अपने गांव गए और पुश्तैनी जमीन बेच दी। जमीन बेचने से मिले 5 लाख रुपये आरोपी के खाते में जमा कर दिया। इसके बाद फिर अन्य मदों में उनसे 2 लाख 20 हजार रुपये बैंक खाते में जमा कराए गए। 10 लाख 20 हजार रुपये देने के बाद आरोपी और डिमांड करता रहा तो उन्हें ठगी का पता चला। इसके बाद आरोपी ने अपना नंबर भी बंद कर लिया।

जेब में था क्रेडिट कार्ड, जालसाजों ने विदेश में कर ली खरीदारी

साइबर ठगों ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर के क्रेडिट कार्ड से यूके और यूएस में शॉपिंग कर ली। ट्रांजेक्शन के समय उनका क्रेडिट कार्ड जेब में पड़ा था। पहले 2.46 लाख के ट्रांजेक्शन की कोशिश हुई, जिसे बैंक की तरफ से रिजेक्ट कर दिया गया था। सुबह उठने पर बैंक का मेसेज देखकर घटना का पता चला। सेक्टर 49 थाने में पीड़ित ने शिकायत दी है। सेक्टर 77 की प्रतीक विस्टीरिया निवासी अमित गुप्ता सेक्टर 62 स्थित एक निजी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। सुबह सोकर उठे तो उनके मोबाइल पर 33 मेसेज आए थे। उनके आरबीएल बैंक के क्रेडिट कार्ड से शॉपिंग हुई थी। मेसेज चेक करने पर पता चला कि यूके और यूएस में 33 बार में शॉपिंग कर रुपये खर्च किए गए। मेसेज देखने के बाद उन्होंने बैंक में कॉल कर सूचना दी और कार्ड को ब्लॉक कराया। सेक्टर 49 थाना इंचार्ज धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि शिकायत की जांच की जा रही है। जांच के बाद केस दर्ज किया जाएगा।

'स्वच्छ सर्वेक्षण 2020' के लिए जुटा नगर निगम

गाजियाबाद। स्वच्छता सर्वेक्षण 2020 में गाजियाबाद को प्रथम स्थान पर लाने के लिए गाजियाबाद नगर निगम ने कमर कस ली है। नगर निगम महापौर आशा शर्मा एवं नगर आयुक्त दिनेशचंद्र समेत तमाम अधिकारियों और कर्मचारियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। शहर को स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रथम स्थान बनाने के लिए नगर निगम जल्द ही महानगर में बड़े स्तर पर अभियान चलाएगा।

नगरायुक्त दिनेश चंद्र ने बताया कि महानगर में लोगों को स्वच्छता और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग ना करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। नगर निगम इस अभियान से करीब दो हजार स्कूली छात्रों को जोड़ेगा जोकि आम जनता को शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। स्कूली छात्र नगर निगम की आवाज बनकर आम जनता को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग ना करने और अपने क्षेत्र को सुंदर और स्वच्छ बनाने का संदेश देंगे। महापौर आशा शर्मा ने बताया कि आने वाले सप्ताह में नगर निगम विशाल रैली का आयोजन भी करेगा।

गृहक्लेश के चलते दंपति ने पी लिया तेजाब, हालत गंभीर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● पिछले कई दिनों से चल रहा था विवाद

लोनी कोतवाली क्षेत्र की एक कॉलोनी में गृह क्लेश के कारण पति-पत्नी ने तेजाब पी लिया। इसकी जानकारी दंपती के बच्चों ने पड़ोसियों को दी तो उन्होंने तुरंत पुलिस बुलाकर दोनों को दिल्ली स्थित जीटीबी हॉस्पिटल में भर्ती कराया। अस्पताल में दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पड़ोसियों ने बताया कि पति-पत्नी के बीच कई दिनों से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। इसी बीच शनिवार को दोनों में फिर से झगड़ा हो गया। इस विवाद में पति ने घर में रखे तेजाब का सेवन कर लिया। बताया जा रहा है कि पति की हालत बिगड़ते देख पत्नी ने भी वही तेजाब पी लिया। जब दोनों की हालत खराब होने लगी तो बच्चों ने इसकी जानकारी अपने पड़ोसियों को दी। मौके पर पहुंचे पड़ोसियों ने आनन-फानन में पुलिस को बुला लिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को दिल्ली के जीटीबी हॉस्पिटल में भर्ती कराया। फिलहाल दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है।

लोनी कोतवाली के एडिशनल एसएचओ बीके त्रिपाठी का कहना है कि प्रथम दृष्टया जांच में यह सामने आया है कि पहले पति ने तेजाब का सेवन किया था। इसके बाद पत्नी को भी तेजाब पिलाने का प्रयास किया। फिलहाल पुलिस घटना की जांच में जुटी है। हालत में सुधार होने पर पति-पत्नी के बयान लिया जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभी तक इस मामले कोई तहरीर नहीं मिली है।

सड़क सुरक्षा सप्ताह : अंतिम दिन निकाली बाईकोथन रैली

गाजियाबाद। एआरटीओ परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतिम दिन रविवार को बाईकोथन रैली का आयोजन किया गया। जिसमें ट्रैफिक पुलिस के 50 जवान सहित मोटर वाहन डीलर एवं अन्य समाजसेवी संगठनों के लगभग 200 बाइकरों ने भाग लिया।

रैली का शुभारंभ रामलीला ग्राउंड कविनगर से एसपी यातायात एस.एन सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। बताते चलें कि संभागीय परिवहन विभाग द्वारा हर साल की तरह इस बार भी लोगों को जागरूक करने के सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दौरान तमाम जगह लोगों को नुक्कड़ नाटक के जरिए यातायात नियमों के पालन का आह्वान किया।

रविवार को कविनगर रामलीला मैदान में बाइक रैली के बाद सड़क सुरक्षा सप्ताह का समापन हुआ। इस दौरान एआरटीओ प्रशासन विश्वजीत सिंह एवं यातायात इंस्पेक्टर परमहंस तिवारी ने बाइक चलाकर रैली का नेतृत्व किया।

जलभराव से परेशान हैं निवासी जनप्रतिनिधि, अधिकारी मौन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

लोनी में दिल्ली-सहारनपुर रोड पर रविवार सुबह पानी भरने से जलभराव हो गया इसकेचलते यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दिल्ली सहारनपुर रोड स्थित शांति नगर से लेकर दो नंबर के बीच पानी भरा गया। यहां ये समस्या कई वर्षों से बनी हुई है। इसमें हल्की सी बारिश भी हो जाती है तो पानी भर जाता है और उसके बाद सड़क गड्ढे में तब्दील हो जाती है। इसको लेकर स्थानीय निवासियों और दुकानदारों में काफी रोष है।

दुकानदारों का कहना है कि यहां जलभराव की समस्या कई वर्षों से बनी हुई है। अभी तक सड़क पर पानी निकालने का कोई इंतजाम सरकार नहीं करा पाई है। इससे उनकी दुकान पर ग्राहक भी नही आता है। उनका कहना है कि जब सड़क पर पानी भर जाता है तो गड्ढों का पता नहीं चल पाता जिससे आए दिन यहां दुर्घटनाएं होती रहती है लेकिन, अधिकारी और जनप्रतिनिधि अपनी आंखे मूंदे बैठे हैं। अभी तक इस समस्या से छुटकारे का कोई इंतजाम नहीं किया है।

बता दें कुछ माह पूर्व मानव कल्याण सेवा संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र त्यागी ने 25 दिन गड्ढा मुक्त अभियान की एक मुहिम चलाई थी जिसको लेकर क्षेत्र की कई संस्थाओं ने उनका समर्थन किया था और गड्ढों को भर दिए थे उसके बाद भी कहीं-कहीं पर गड्ढे मौजूद हैं।

लुधियाना से तस्करी कर लाई जा रही अवैध शराब बरामद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जांच के दौरान अवैध शराब के साथ पकड़ा गया तस्कर।

● एक तस्कर धरा गया अन्य फरार अभियुक्तों की तलाश में जुटी पुलिस

थाना साहिबाबाद इलाके में पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त कार्रवाई के दौरान अवैध शराब की एक बड़ी खेप पकड़ी गई । इस दौरान पुलिस ने एक शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से शराब की 655 पेटी बरामद की गई है। बाजार में बरामद शराब की कीमत करीब 32 लाख रुपये से भी ज्यादा बताई जा रही है। वहीं पुलिस गिरफ्तार तस्कर के अन्य साथियों की तलाश में जुटी है।

क्षेत्राधिकारी राकेश मिश्रा ने बताया कि साहिबाबाद में पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम जांच कर रही थी। इस दौरान पुलिस को अवैध शराब की 655 पेटी की बड़ी खेप मिली। इस एक तस्कर भी गिरफ्तार हुआ है जबकि उसके अन्य साथी मौके से पहले ही फरार हो गये। बरामद शराब की कीमत करीब 32 लाख से भी ज्यादा आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार यह शराब पंजाब के लुधियाना से लाई जा रही थी। आरोपी तस्कर इसे उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में लेकर जा रहे थे, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। बता दें शनिवार को भी पुलिस ने भारी मात्रा में शराब बरामद की थी। इससे साफ हो रहा है कि दिल्ली-एनसीआर में शराब का बड़ा जखीरा पहुंचाया जा रहा है। हालांकि इसके पीछे कौन बड़ा तस्कर है उस तक पुलिस अभी नहीं पहुंच पाई है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही उन लोगों को भी चिन्हित कर गिरफ्तारी की जाएगी जो इस गोरखधंधे में लिप्त हैं।

चार मासूम लापता, पति पर लगाया अपहरण का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● रेप केस में हिरासत से फरार है आरोपी

लिंक रोड थाना क्षेत्र के कड़कड़ मॉडल से बहन व तीन भाई संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। सीसीटीवी फुटेज में एक आदमी बच्चों को ले जाता दिखाई दिया है। पीड़ित मां का आरोप है कि उनकी बेटी से उनके पति ने बीते माह दुष्कर्म किया था।

इस मामले में आरोपित पिता को लिंक रोड थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया था। अदालत में पेशी के दौरान बीते 1 नवंबर को आरोपित पिता पुलिस हिरासत से फरार हो गया था, जो अभी तक गिरफ्तार नहीं हो सका है। अपहृत बच्चों की मां का कहना है कि उनकी ननद व उनके ससुराल के अन्य लोग उसपर केस वापस लेने का दबाव बना रहे थे। आशंका है कि उसके पति ने ही चारों बच्चों का अपहरण कराया है।

पीड़िता ने लिंक रोड थाने में अज्ञात के खिलाफ अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता वसुंधरा की एक कोठी में काम करती है। शनिवार शाम छह बजे जब वह घर पहुंची तो बच्चे गायब मिले। फिर रात करीब एक बजे पुलिस में उसने मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई।

संक्षिप्त समाचार

मोदीनगर के रुकमणी स्कूल में यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी और एहसास महिला समिति द्वारा लगाए चिकित्सा शिविर में मौजूद डॉक्टर।

चिकित्सा शिविर में डेढ़ सौ लोगों ने कराई जांच

गाजियाबाद। मोदीनगर के रुकमणी स्कूल में यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी गाजियाबाद ने एहसास महिला समिति के साथ मिलकर मोदीनगर की जनता के लिए एक विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। कैंप का उद्घाटन स्थानीय विधायक डॉ मंजू सिवाच ने किया। शिविर में यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी के वरिष्ठ फेफड़ा रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अर्जुन खन्ना, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अमरलाल, जनरल फिजिशियन डॉक्टर हेमंत विश्वास, फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर मुबारक एवं डाइटिशियन ने मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया। इस शिविर में 150 से भी ज्यादा लोगों की मुफ्त ब्लड शुगर जांच, बीएमआई जांच, हृदय का ईसीजी एवं पेपरों की कंप्यूटर द्वारा पलमोनरी फंक्शन जांच भी की गई। कैंप में सबसे ज्यादा फेफड़े एवं हृदय रोग के मरीज पाए गए। इस शिविर के आयोजन में एहसास महिला समिति मोदीनगर की कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और मरीजों को उचित मार्गदर्शन देकर उनकी डॉक्टरी सलाह एवं जांच करवाई।

गोवंश अवशेष मिलने पर केस दर्ज

नोएडा। गौतमबुद्धनगर जनपद के दादरी थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक गांव के तालाब के पास से कथित गोवंश के अवशेष मिले हैं। पुलिस उपाधीक्षक (दादरी) सतीश कुमार ने बताया कि पुलिस को सुबह दादरी थाने के मायचा गांव में तालाब किनारे कथित गोवंश का अवशेष पड़े होने की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने अवशेष को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सीओ ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने गो-वध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

नन्हें कलाकारों ने चित्रों में उकेरे समाज के रंग

गाजियाबाद। रविवार को कविनगर ए-ब्लॉक पार्क में रोटरी गाजियाबाद नॉर्थ द्वारा पेंटिंग कंपटीशन का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता की शुरुआत मुख्य अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार सिंह, एसपी सिटी मनीष मिश्रा ने रंग बिरंगे गुब्बारे आसमान में उड़ाकर किया। प्रतिभागिता में नन्हे कलाकारों ने आज के गंभीर वातावरण पर ध्यान आकर्षित किया। किसी ने जल संचय पर ध्यान आकर्षित किया तो किसी ने प्लास्टिक से होने वाले पर्यावरण के नुकसान को दर्शाया। आज के वातावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए नन्हे कलाकारों ने अपने चित्रों के माध्यम से समाज को नई दिशा देने का काम किया। इस अवसर पर क्लब प्रधान अंकुर अग्रवाल, सचिव संजय जैन, मोहित गोयल, ललित जायसवाल, रजत गुप्ता, अनुपम जैन, पीयूष, सुधीर गुप्ता, सुमेश गर्ग, के साथ बड़ी संख्या में क्लब के सदस्य व महिलाओं सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

'उल्टा न चलो अभियान' के तहत किया गया जागरुक

नोएडा। शहर में रविवार को वेलफेयर टीम द्वारा 'उल्टा न चलो अभियान' के अंतर्गत एक जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें लोगो को उल्टा न चलने के बारे में बताया गया। बोला गया कि आप बायें चलो दायें चलो सीधा चलो पर उल्टा न चलो।

सेक्टर 76 के टी कट के पास ये अभियान 10 से 11:30 बजे तके चलाया गया जिसमें 100 से ज्यादा लोगो को एक-एक चॉकलेट देकर जागरूक किया गया, बदले में लोगों ने भी इस बात की पुष्टि की कि अब से वो सीधा ही चलेंगे और दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर लगाएंगे। टीम द्वारा अब आने वालों हफ्तों में भी ऐसा ही अभियान चलाया जाएगा, जिससे हर दिन होने वाली दुर्घटना कम हो सके। ट्विटर के माध्यम से भी ये अभियान चलाया जा रहा है, इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी लोगों ने मिलकर ढ़ेर सारे पोस्टर बनाए।

शरीर, इंद्री, मन व अध्यात्म को जोड़ता है आयुर्वेद

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

एमिटी विश्वविद्यालय एवं विश्व आयुर्वेद परिषद के सहयोग से आयुर्वेद में एंडोक्राइनोलॉजी के नैदानिक पहलु पर अन्त: मंथन नामक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इस सम्मेलन का उद्घाटन भारत सरकार के केन्द्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के निदेशक प्रो के एस धीमान, जयपुर के राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के निदेशक प्रो संजीव कुमार, नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के पूर्व डीन प्रो पी के प्रजापती, एमिटी साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फांउडेशन के अध्यक्ष डा डब्लू सेल्वामूर्ती, विश्व आयुर्वेद परिषद के राज्य अध्यक्ष डा सुरेंद्र चौधरी, ग्रुप एडिशनल प्रो वाइस चांसलर आर एंड डी डा तनु जिंदल एवं एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन के निदेशक डा एस के राजपूत ने पारंपरिक दीप जलाकर किया।

इस क्लीनिक के अंर्तगत आम जन सहित एमिटी के शिक्षकों, छात्रों एवं कर्मचारियों को निशुल्क चिकित्सा सहायता प्रदान की जायेगी। केन्द्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के निदेशक प्रो के एस धीमान ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सर्वप्रथम जीवन क्या है उसे समझने की आवश्यकता है। जीवन के चार भाग शरीर, इंद्रीयां, मन एवं अध्यात्म हैं और आयुर्वेद इन चारों भागों को जोड़ता है। आयुर्वेद, जीवन जीने की कला, विज्ञान, स्वास्थय एवं कल्याण है।

प्रो. धीमान ने बताया कि वर्तमान में आधुनिक विज्ञान एवं चिकित्सा भले ही आयुर्वेद को वैकल्पिक चिकित्सा मानता हो किंतु प्राचीन भारत में लगभग 5000 वर्ष पूर्व यह चिकित्सा की मुख्य पद्धती रही है। सम्मेलन के जरिए आयुर्वेद के क्षेत्र के विद्वानों द्वारा नई पीढ़ी का मार्गदर्शन प्राप्त करना भी एक उददेश्य है।

पुलिसकर्मी बनकर महिला से जेवरात ले गए बदमाश

गाजियाबाद। रामप्रस्थ कॉलोनी में खुद को पुलिसकर्मी बताकर चार बदमाशों ने महिला से गहने ठग लिए। लिंक रोड पुलिस ने एक सप्ताह बाद मामले में रिपोर्ट दर्ज की है।

दिल्ली के कड़कड़डूमा स्थित बाहुबली एंक्लेव में माया देवी पत्नी महेंद्र कुमार परिवार के साथ रहती हैं। उनकी बेटी की शादी रामप्रस्थ कॉलोनी में हुई है। बीते 17 नवंबर शाम को माया देवी रामप्रस्थ कॉलोनी के बाजार से सामान खरीदकर पैदल अपनी बेटी के घर जा रहीं थी तभी उनके साथ यह घटना हुई।

शादी में आतिशबाजी करने पर दी चेतावनी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● कार्रवाई में दूल्हा भी हो सकता है गिरफ्तार

जिले में पटाखे और आतिशबाजी पर अभी तक लोगों को जागरूक किया जा रहा था लेकिन, अब प्रशासन ने सख्ती बरतने की चेतावनी दे दी है। साथ ही जिले के सभी थाना प्रभारियों और पीआरवी को निर्देश दिए हैं कि इस तरह की सूचना मिलती है तो संबंधित लोगों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

वहीं, इस संबंध में सिटी मजिस्ट्रेट ने एक वीडियो जारी कर निर्देश दिया है कि कार्रवाई के दौरान दूल्हे को भी गिरफ्तार किया जा सकता है। सिटी मजिस्ट्रेट शैलेंद्र कुमार मिश्र ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने पटाखे और आतिशबाजी पर पाबंदी लगा दी है लेकिन, कुछ लोग शादी समारोह में आतिशबाजी कर रहे हैं।

इसके लिए सभी थाना प्रभारियों और पीआरवी पर तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए हैं कि वह सूचना मिलने पर तत्काल फोन से फोटो लें और इस संबंध में जो भी आरोपी हो उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कर गिरफ्तारी करें।

उन्होंने कहा कि अभी इस तरह की घटनाओं में दूल्हे को गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है। यदि लोग नहीं माने तो आयोजक के साथ दूल्हे को भी गिरफ्तार करना शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पुलिस के साथ मिलकर इस योजना पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी हालत में आतिशबाजी नहीं होने दी जाएगी।

मेगा स्वास्थ्य मेले में आयोजित रन फॉर हेल्थ रैली के दौरान मौजूद लोग।

सरकार की नीतियों के खिलाफ आंदोलन करेंगे सपाई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर-12 के पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान मौजूद सपा कार्यकर्ता।

● कार्यकर्ताओं को एकजुट होने को कहा

समाजवादी पार्टी के नेताओं ने शहर में बिजली की समस्या, भ्रष्टाचार और किसानों-मजदूरों के शोषण पर सरकार की नीतियों के खिलाफ आंदोलन छेड़ने का फैसला किया है। सेक्टर-12 स्थित पार्टी कार्यालय पर रविवार को हुई बैठक में फैसला किया गया कि पार्टी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के अफसरों से मिलेगी। उसके बाद भी समस्याओं के समाधान न होने पर बड़े आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी।

बैठक में समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश कोषाध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि मौजूदा समय में बिजली हर किसी के जीवन का अंग बन गया है। बिजली बिना विकास की कल्पना ही बेमानी है लेकिन, प्रदेश सरकार ने नो पॉवर कट जोन नोएडा में नियमित विद्युत आपूर्ति नहीं हो पा रही है। इतना ही नहीं, बिजली की दरों और सिक्योरिटी में बेतहाशा इजाफा कर दिया है। उन्होंने कहा कि पुराने कनेक्शन पर भी अतिरिक्त सिक्योरिटी राशि जमा करने का नोटिस भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले वह विभाग के मुख्य अभियंता को ज्ञापन देकर इस समस्या के समाधान की मांग करेंगे। इसके बाद भी अगर उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो बड़े आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी।

बैठक में मौजूद समाजवादी मजदूर सभा के प्रदेश महासचिव देवेंद्र सिंह अवाना ने कहा कि सबका साथ सबका विकास का नारा बुलंद करने वाली भाजपा सरकार के शासन में किसान और मजदूर बेहाल हैं। किसानों की जमीनें ली जा रही हैं और उन्हें उचित मुआवजा तक नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्षों पहले जिन किसानों की जमीनें अधिग्रहित की गई थीं उन्हें भी अब तक पांच प्रतिशत भूमि नहीं मिली। नोएडा जैसे औद्योगिक शहर में भी शिक्षित युवा भी रोजगार के लिए दर-दर भटक रहे हैं।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष बीर सिंह यादव ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे एकजुट होकर पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करें। बैठक का संचालन मजदूर सभा के प्रदेश सचिव हीरालाल यादव ने किया।

मेगा स्वास्थ्य मेले में 2642 लोगों ने कराई नि:शुल्क जांच

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● रन फॉर हेल्थ का भी हुआ आयोजन

शहर की डायबिटिक फोरम की नोएडा शाखा के तत्वाधान में डायबिटिक माह के अवसर पर सरस्वती शिशु मन्दिर विद्यालय सै-12, में नि:शुल्कव मेगा स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया है। आयोजन में भारत विकास परिषद और नोएडा इन्ट्रप्रिनियोर एसोसिएशन ने भी अपना विशेष योगदान दिया।

मेला सुबह 9 बजे आरम्भ हुआ जिसके समापन होने तक 2642 लोगों की ईसीजीए, ब्लड ग्लूबको, लंग्स टेस्ट, ऑख-कान-गला, अल्ट्रा साउंड, बॉडी मांस इंडेक्सि, इको जांच की गई। ये जांच शहर के प्रमुख अस्साल के 40 डॉक्टरों ने किया। स्वास्थ्य मेले में 20 से ज्यादा फार्मास्टिकल कंपनियों ने अपने स्टाल लगाकर मुफ्त दवाओं का वितरण भी किया।

नोएडा डायबिटिक फोरम चैयरमैन प्रताप मेहता ने बताया कि नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य मेला के उद्घाटन से पूर्व रन फार हेल्थ का आयोजन किया गया। जिसको जिलाधिकारी बीएन सिंह और सीएमओ अनुराग भार्गव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

मुफ्त होगी सेप्टिक टैंक की सफाई

बोले केजरीवाल- कच्ची कॉलोनियों में रजिस्ट्री करवा कर ही दम लेंगे

बुराड़ी में सीवर लाइन का उद्घाटन करते दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल व क्षेत्र के विधायक संजीव झा।

बुराड़ी में 250 किमी सीवर लाइनों का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चुनावी साल में एक और बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि राजधानी में लोगों के सेप्टिक टेंक मुफ्त में साफ किए जाएंगे। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने रविवार को बाहरी दिल्ली के बुराड़ी में 250 किलोमीटर सीवर लाइनों के काम का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वह कॉलोनियों में लोगों को रजिस्ट्री करवा कर देंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्तर साल में किसी पार्टी को कच्ची कालोनियों में रहने वालों से कोई मतलब नहीं था। जब अरविंद केजरीवाल ने पांच साल में काम कराकर इन कालोनियों को बदला तो उन्हें इन कॉलोनियों की याद आ गई। हमने कसम खाई थी कि कच्ची कालोनियों का उद्धार करेंगे। सरकार में आते ही हमने इसके लिए नियम-कानून बदल दिए। पहले कच्ची कालोनियों में नियम था कि काम नहीं हो सकता। आज 1300 कच्ची कालोनियों में विकास कार्य, सड़क-नालियों के काम चल रहे है।

पांच साल में 900 कालोनियों में नई सीवर व 500 में पानी की पाइप लाइन बिछाई गई है। कच्ची कॉलोनियों में पानी, नाली, सीवर व बिजली की व्यवस्था पर छह हजार करोड़ खर्च रुपये खर्च हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार दो माह से कॉलोनियों को पक्का करने की बात कह रही है, लेकिन हाथ में रजिस्ट्री देने के नाप पर चुप्पी साध लेती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग चिंता न करें, वह हर हाल में संपत्ति की रजिस्ट्री दिलवाएंगे। मोहल्ला क्लीनिक और सीसीटीवी योजना मैं अपनी जिद पर अड़ा रहा, एलजी दफ्तर में दस दिन बैठा और फाइल पास कराकर लाया। इसी तरह कच्ची कालोनियों की रजिस्ट्री भी कराएंगे। एक महीने बाद राजधानी में सेप्टिक टैंक की सफाई मुफ्त की जाएगी। इसके लिए लोगों को एक हेल्पलाइन नंबर दिया जाएगा जिस पर फोन कर मशीन बुलाई जा सकेगी। उन्होंने कहा कि हम आम आदमी हैं, इसलिए कच्ची कॉलोनियों में रहने वाले लोगों का दर्द समझते हैं।

गिनवाई योजनाएं, केंद्र पर साधा निशाना

अपनी योजनाएं गिनवाते हुए सीएम ने कहा कि स्कूली शिक्षा की सूरत बदली है। बुजुर्गों को तीर्थ कराया है। महिलाओं के लिए बसों में मुफ्त सफर किया। इसके अलावा कॉलोनियों में सीवर लाइनें डलवायी हैं। राजधानी में 24 घंटे बिजली की व्यवस्था कराई गई। दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली दी गई। बीस हजार लीटर मुफ्त पानी दिया। इन कामों में कच्ची कालोनियों में रहने वालों का जीवन स्तर भी दिल्ली के अन्य हिस्सों में रह रहे लोगों के बराबर हुआ है। केंद्र सरकार के मंत्री उनकी योजनाओं का विरोध करते हैं। बिजली की 200 यूनिट फ्री करने पर जिस मंत्री ने विरोध किया, उनके घर चार हजार यूनिट बिजली फ्री जलती है।

संतनगर समूह की 32 कॉलोनियों में पड़ेगी सीवर लाइनें

दिल्ली जल बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बुराड़ी के संत नगर इलाके में सीवर लाइन डाले जाने से यमुना नदी में प्रदूषण कम होगा। इस योजना के तरह संत नगर समूह की 32 कालोनियों में सीवर लाइन डाली जाएगी। साथ ही मुकंदपुर गांव में भी सीवर डलेगा। इसमें जमीन के अंदर और बाहर सीवर लाइन होगी। यहां से सीवेज बुराड़ी पंप हाउस से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट भेजा जाएगा। कुल 250 किलोमीटर लंबी लाइन डलेगी। इसकी लागत करीब 250 करोड़ रुपये है। यह काम 36 महीने में पूरा होगा और इससे करीब साढ़े पांच लाख परिवार को फायदा होगा।

सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी

आरटीआई में खुलासा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

छठी से 10वीं तक शिक्षकों के पद खाली	स्वीकृत शिक्षकों की संख्या
3,825	33,397
स्थाई शिक्षक	**अतिथि अध्यापक**
17,695	11,877

राजधानी के सरकारी स्कूलों में अध्यापकों का भारी टोटा है। दिल्ली सरकार के 1030 स्कूलों में कक्षा छठी से 10वीं तक के शिक्षकों के 3,825 पद खाली हैं। इन कक्षाओं के लिए स्वीकृत शिक्षकों की संख्या 33,397 है, जिसमें स्थाई शिक्षक सिर्फ 17,695 हैं जबकि 11,877 अतिथि अध्यापक स्कूलों में पढ़ा रहे हैं।

ज़र्फ एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष मंजर अली की ओर से दायर आरटीआई के जवाब में शिक्षा निदेशालय ने बताया है कि सरकारी स्कूलों में विभिन्न अहम विषयों के शिक्षकों की कमी के साथ-साथ प्रधानाचार्य एवं उप प्रधानाचार्य के काफी पद भी खाली पड़े हैं। शिक्षा निदेशालय के अनुसार 25 सितंबर 2019 तक अंग्रेजी विषय के टीजीटी के शिक्षकों के 704 पद खाली हैं, जबकि कुल स्वीकृत पदों की संख्या 5462 है। दिलचस्प है कि 5462 पदों में से स्थाई शिक्षक केवल 2614 हैं और अतिथि शिक्षकों की संख्या 2144 है। आरटीआई से यह भी पता चला कि गणित जैसे अहम विषय के भी 696 पद खाली पड़े हैं। इस विषय के लिए स्थाई शिक्षकों के 5848 पद स्वीकृत हैं, लेकिन स्थाई अध्यापक केवल 3282 हैं।

वहीं अतिथि शिक्षक 1870 हैं। हिंदी विषय के लिए कुल स्वीकृत पदों की संख्या 5048 है, जिसमें 3063 स्थाई अध्यापक हैं और 1821 अतिथि शिक्षक हैं। इस विषय के लिए 164 शिक्षकों की कमी है। टीजीटी संस्कृत के 162 और टीजीटी उर्दू के 675 पद खाली हैं। संस्कृत के लिए कुल स्वीकृत पद 4174, जिसमें से 2231 स्थाई शिक्षक हैं और 1781 अतिथि अध्यापक इस भाषा को पढ़ा रहे हैं। वहीं उर्दू के लिए 1031 पद स्वीकृत हैं और स्थाई शिक्षक मात्र 74 हैं, 282 अतिथि शिक्षक हैं और 675 अध्यापकों की कमी हैं।

शिक्षा निदेशालय ने आरटीआई के जवाब में बताया है कि सहायक शिक्षक (नर्सरी) के 925 पद स्वीकृत हैं जिनमें स्थाई शिक्षक 460 हैं और खाली पदों की संख्या 465 है। ड्राइंग, पुस्तकालय और गृह विज्ञान के क्रमश: 439, 202 तथा 399 पद खाली पड़े हैं। आरटीआई के अनुसार वहीं 11वीं और 12वीं कक्षा को पढ़ाने वाले पीजीटी शिक्षकों की बात करें तो 26 सितंबर 2019 तक अंग्रेजी के पीटीजी शिक्षकों के 42 पद खाली पड़े हैं, जबकि इस भाषा के लिए आवंटित पदों की संख्या 1822 है, जिसमें स्थाई शिक्षक 1399 है और अतिथि अध्यापक 381 है।

गणित के 823 पद स्वीकृत हैं जिनमें से 494 स्थाई शिक्षक और 226 अतिथि अध्यापक इस विषय को पढ़ा रहे हैं। विभिन्न स्कूलों में कॉमर्स के 129 शिक्षकों की कमी है। इस विषय के लिए 1056 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 663 स्थाई शिक्षक और 264 अतिथि अध्यापक नियुक्त हैं। कक्षा 11वीं और 12वीं में अर्थशास्त्र पढ़ाने वाले 21 शिक्षकों की कमी है। राजनीति विज्ञान के नौ, कैमेस्ट्री के 33, फिजिक्स के 47, बायोलॉजी के लिए 46 शिक्षकों की कमी है।

विद्यालयों में प्रधानाचार्यों का भी पड़ा टोटा

शिक्षा विभाग में 31 अगस्त 2019 तक प्रधानाचार्य के 711 और उपप्रधानाचार्य के 419 पद खाली पड़े हैं। हालांकि शिक्षा निदेशालय ने बताया कि उसने सीधी भर्ती कोटे के तहत टीजीटी, टीजीटी 9981 पदों पर भर्ती के लिए दिल्ली स्टाफ चयन बोर्ड (डीएसएसबी) को एक पत्र भेजा गया है। वर्ष 2017-18 और 2018-19 के लिए विभागीय पदोन्नति कोटे के तहत टीजीटीटीजीटी (एमआईएल) के 1760 पद रिक्त हैं। निदेशालय फीडर कैडर से आवेदन करने के लिए दो सितंबर 2019 को पहले ही अधिसूचना जारी कर चुका है। एजेंसी के अनुसार इस बाबत दिल्ली सरकार के प्रवक्ता और शिक्षा मंत्री का जिम्मा संभाल रहे उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया से बात करने की कोशिश की गई। सिसोदिया को ई-मेल पर सवाल भेजे गए। हालांकि उनका जवाब नहीं मिला है।

फीस का मामला सुलझाने को बनी समिति

जेएनयू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) प्रशासन ने हॉस्टल फीस बढ़ोतरी के विवाद को सुलझाने के लिए एक ऑनलाइन उच्च स्तरीय समिति बनाई है।

जेएनयू रजिस्ट्रार डॉ. प्रमोद कुमार ने रविवार को इस सिलसिले में सर्कुलर जारी किया जिसमें इस संबंध में जानकारी दी गई। सर्कुलर में में कहा गया है कि यह समिति जेएनयू हॉस्टल फीस के मसलों का हल निकालने के लिए छात्रों के प्रतिनिधियों से सुझाव लेगी। हालांकि सर्कुलर के हिसाब से सुझाव देने के लिए छात्रों को रविवार शाम यानी 24 नवंबर, शाम 5.30 बजे तक का वक्त दिया गया है। समिति गठित किए जाने पर जेएनयू छात्रसंघ ने नाराजगी जाहिर की और इसे नाटक करार दिया।

जेएनयू के रेक्टर 3 डॉ. राणा पी सिंह को इस समिति का चेयरमैन बनाया गया है। इसके अलावा इस समिति में स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के डीन प्रोफेसर अश्वनी महापात्रा, स्कूल ऑफ संस्कृत एंड इंडिक स्टडीज के डीन प्रोफेसर गिरीश नाथ झा, स्कूल ऑफ बायोटेक्नॉलजी के डीन प्रोफेसर पवन कुमार धर, डीन ऑफ स्टूडेंट्स प्रोफेसर उमेश कदम, असोसिएट डीन स्टूडेंट्स डॉ. वंदना मिश्रा और प्रोवोस्ट नीरजा समजदार शामिल हैं। जेएनयू छात्रसंघ ने इसे प्रशासन का नाटक बताया है। छात्रसंघ अध्यक्ष आईसी घोष ने कहा कि इस समिति के सभी सदस्य जेएनयू वीसी की सोच वाले उनकी टीम के ही सदस्य हैं। समिति में जेएनयू छात्र संघ को जगह नहीं दी गई है।

बाराखंभा मेट्रो स्टेशन पर पचास लाख कैश के साथ युवक पकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मेट्रो में 50 लाख रुपये लेकर सफर करता हुआ पाए जाने पर एक युवक को सीआईएसएफ ने पकड़ा है।

अधिकारियों ने रविवार को बताया कि वह गुजरात के ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर की तरफ से यह रकम लेकर जा रहा था। बाराखम्भा मेट्रो स्टेशन पर ठाकुर दिलीप नाम के शख्स को शनिवार शाम को सुरक्षा कर्मियों ने रोक लिया। शक होने पर मेट्रो स्टेशन पर सीआईएसएफ कर्मियों ने उसके बैग की तलाशी ली। बैग में 50 लाख रुपये कैश थे। उसके मालिक को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। उसके मैनेजर जलपेश के बी पटेल मेट्रो स्टेशन पहुंचा और उसने बताया वह अहमदाबाद के ध्रुव भाई पोल के निर्देश पर कैश ट्रांसफर करता है। 50 लाख की यह रकम चांदनी चौक भेजी जा रही थी। इस कैश को लेकर सफर करने के संबंध में इनकम टैक्स विभाग के पास भेज दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

ई-कॉमर्स कंपनियों को लेकर कैट ने लिखा पत्र

नई दिल्ली। कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन को एक पत्र भेजकर अमेजन और फ्लिपकार्ट सहित ई-कॉमर्स कंपनियों को लेकर पत्र लिखा। कैट का आरोप है कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म कंपनियां उचित बाजार मूल्य की तुलना में काफी कम कीमत पर बेचे जाने पर जीएसटी की पूरी वसूली नहीं रही है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कंपनियों व्यापार मॉडल में लागत से बे कम मूल्य पर माल बेचना और गहरी छूट द्वारा कृत्रिम रूप से कम कीमत पर माल बेचना जारी रखा है जबकि वस्तुओं का वास्तविक मूल्य बहुत अधिक है।

राजौरी गार्डन में नगर कीर्तन

नई दिल्ली। गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व पर राजौरी गार्डन में नगर कीर्तन का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी अध्यक्ष मनजिन्दर सिंह सिरसा मौजूद रहे। गुरुद्वारा साहिब के अध्यक्ष हरमनजीत सिंह ने बताया कि वैसे तो हर साल गुरु नानक दे के प्रकाश पर्व को मुख्य रखकर नगर कीर्तन निकाला जाता है परन्तु इस बार 550वां पर्व होने के कारण संगतों में बहुत अधिक उत्साह देखने को मिला है। पिछले एक महीने से गुरुद्वारा साहिब में निरन्तर समागम करवाये जा रहे थे जिसमें पंथ प्रसिध कीर्तनी जत्थों द्वारा गुरबाणी कीर्तन संगतों को श्रवण करवाया जा रहा था। हरमनजीत सिंह ने बताया कि नगर कीर्तन गुरु ग्रन्थ साहिब की छत्रछाया और पांच प्यारों की अगुवाई में निकाला गया।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला

आम लोगों के लिए खुलने वाले पहले रविवार को व्यापार मेले में खूब भीड़ उमड़ी। फोटो रंजन डिमरी

बिहार मंडप में लिट्टी चोखा की धूम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रविवार को व्यापार मेले में लोगों ने जमकर आनंद लिया। छुट्टी का दिन होने के कारण यहां पर काफी भीड़ देखी गई। वहीं बिहार पवेलियन में लोगों में बुद्ध की प्रतिमा के साथ सेल्फी लेने की होड़ रही। इसके साथ ही लोगों ने भागलपुरी सिल्क साड़ी एवं सूट के कपड़ों की खरीदारी की।

बिहार पवेलियन के डायरेक्टर बिशेश्वर प्रसाद ने बताया कि पवेलियन के केंद्र में लगे टेराकोटा सीकी स्टोन एवं टिकुली कला की लाइव डेमो की गई जिसे लोगों ने काफी पसंद किया।

39वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में बिहार पवेलियन में रविवार को लोगों ने जमकर खरीदारी की और बिहार के मशहूर व्यंजन लिट्टी चोखा का आनंद उठाया। बिहार के हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट उत्पादों के साथ भागलपुर के तसर सिल्क, बिहार के लाख की चूड़ियां, सिल्क पर मंजूषा पेंटिंग एवं मिथिला पेंटिंग की हुई साड़ियों ने लोगों को जमकर लुभाया। भागलपुर खाजा नगर अगर के खादी रेशम स्टॉल के मोहम्मद जहांगीर अंसारी ने बताया कि हमारे पास तसर सिल्क के 200 रुपये से लेकर 800 रुपये प्रति मीटर तक के कपड़े हैं एवं सूट के कपड़े एवं साड़ियां भी हैं जिसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं।

वहीं अन्य मंडपों में नए व्यजंन लोगों को खूब भा रहे है। व्यापार मेले 27 नवंबर को समाप्त हो जाएगा।

भाजपा आर्थिक अपराधियों की मददगार बनी : चोपड़ा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ने आर्थिक मंदी को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ हल्ला बोला।

पार्टी द्वारा आयोजित हल्लीा बोल कार्यक्रम के तहत बाबरपुर जिला में बाबरपुर बस टर्मिनल, करावल नगर जिला के गोकलपुरी चौक व पटपड़गंज जिला के भोगल सेंट्रल रोड़ पर आयोजित तीन अलग-अलग आक्रोश रैलियों को संबोधित कर रहे थे। चोपड़ा ने कहा कि आर्थिक अपराधियों को दंड देने की जगह पूरी भाजपा बैंकों से धोखा करने वाले आर्थिक अपराधियों की मददगार साबित हुई है। वहीं अरविन्दर सिंह लवली ने कहा कि मोदी सरकार का ''न खाऊँगा और न खाने दूंगा'' का नारा पूरी तरह खोखला साबित हुआ है। पूर्व सांसद परवेज हाश्मी और पूर्व विधायक चौ मतीन अहमद ने इस मौके पर कहा कि 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का सपना केवल जुमला है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बाबरपुर, भोगल व गोकुलपुरी में धरना दिया।

शकूरपुर सीवर मामले में जिम्मेदारी लें सीएम : आजाद

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अभियान समिति चेयरमैन कीर्ति आजाद ने शकूरपुर में हुए मौत व तीन सफाई कर्मचारी के बेहोश होने के मामले में बयान जारी कर केजरीवाल को मौत का जिम्मेदार ठहराते हुए इस्तीफे की मांग की है।

उन्होंने कहा कि सत्येंद्र जैन द्वारा जाँच के आदेश व दूसरी तरफ दिल्ली सरकार का यह बयान कि मौत सीवर सफाई में नहीं नाले में गिरकर हुई, बेहद गंभीर सवाल पैदा कर रहे। यह केजरीवाल सरकार के असली चरित्र को बता रहा, बिना जांच के इस निष्कर्ष पर आखिर दिल्ली सरकार कैसे पहुंची कि मौत नाले में गिरकर हुई है।

निगम स्कूलों में सुविधाओं पर रहेगा जोर : श्याम जाजू

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के महापौर अवतार सिंह और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू ने सेक्टर-4, रोहिणी में नवनिर्मित निगम प्राथमिक विद्यालय भवन का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर शिक्षा समिति की अध्यक्षा रितु गोयल और निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर श्याम जाजू ने कहा, निगम की प्राथमिकता आधुनिक एवं मूलभूत सुविधाओं के साथ बेहतर शिक्षा प्रदान करना है व इस भवन का निर्माण इस दिशा में एक कदम है।

उन्होंने कहा, निगम का प्रयास है कि बेहतर से बेहतर शिक्षा प्रदान करे इसके लिए अध्यापक-अध्यापिकाएं अपने विद्यालयों में प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण बना पाएंगे। महापौर कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं और हम अधिकतम सुविधाएं बच्चों को देने का प्रयत्न कर रहे हैं।

ऑनलाइन दवाओं के बिक्री के खिलाफ 29 को प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दवाओं की ऑनलाइन बिक्री और सरकारी अनदेखी को लेकर फेडरेशन ऑफ इंडियन फार्मसिस्ट ऑर्गेनाइजेशन (एफआईपीओ) देशव्यापी आंदोलन करने जा रहा है।

फेडरेशन के अध्यक्ष साधुराम के अनुसार देश भी में आठ लाख से अधिक सदस्यों वाले फार्मेसी ग्रुपों ने सरकार से जीवन रक्षक दवाओं की बिक्री पर कड़े मानदंड लागू करने व साथ ही ऑनलाइन दवाओं की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग कर चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि जीवन रक्षक दवाइयों इन दिनों ऑनलाइन बेची जा रही है, मरीजों और उनके तिमारदारों को बिना खतरा बताये दवाओं को आकर्षक दामों पर बेचा जा रहा है, जबकि ये जीवनरक्षक दवा है न ही कोई परिधान। राममनोहर लोहिया अस्पताल में आयोजित 58वें राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह के मौके पर साधु ने कहा कि ऑनलाइन दवा बेचने वाली कुछ कंपनियां दवाओं के पैकेट का वापस भी ले लेती है जो कि पूरी तरह गैर-कानूनी है।

फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) के कार्यकारी सदस्य इंदर सिंह चौहान ने ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स नियम 1945 के संशोधन की मसौदा अधिसूचना के संबंध में मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि एक पंजीकृत फार्मासिस्ट केवल दवा मिश्रण, तैयार और वितरित कर सकते हैं। हम सख्त मापदंडों के लिए 29 नवंबर को प्रदर्शन करेंगे।

चलती बस में जेबतराशी करने वाला पकड़ा गया

नई दिल्ली। पीसीआर वैन की सर्तकता के चलते एक जेबतराश को रंगे हाथों को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान देवेंद्र के रूप में हुई है। उसके पास से चोरी का पर्स में बरामद हुआ है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक एक पीसआर वैन बुराड़ी फ्लाईओवर पर खड़ी थी इसी दौरान एक डीटीसी बस में जेबतराशी घटना की जानकारी मिली। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए देवेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के पता चला है कि वह इस रूट पर काफी समय से वारदातों को अंजाम दे रहा था।

अंग दान में सबसे आगे दिल्ली के लोग

तमिलनाडु और महाराष्ट्र दूसरे व तीसरे नंबर पर, उप्र-बिहार फिसड्डी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अंग दान को महादान कहा जाता है और इस महादान में दिल्ली के लोग सबसे आगे हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने हाल ही में अंग दान से जुड़े आंकड़े एवं ब्योरे को संसद में पेश किया है। इसमें बताया गया है कि दिल्ली में 2018 में देश में सर्वाधिक 2066 अंग दान किए गए।

यह संख्या 2016 में 1947 और 2017 में 1989 थी। देश में मुख्यत: गुर्दा, हृदय, फेफड़े और कॉर्निया के अलावा स्टेम सेल प्रत्यारोपण की मांग सबसे ज्यादा होने के कारण इन अंगों का दान ही किया जाता है। आंकड़ों में कहा गया है कि अंग दान के मामले में दिल्ली के बाद तमिलनाडु और महाराष्ट्र का नंबर है। तमिलनाडु में 2018 में 1936 लोगों ने अंग दान किया था जबकि 2016 में यह संख्या 1611 और 2017 में बढ़कर 1855 हो गई। वहीं महाराष्ट्र में पिछले तीन साल से लगभग एक हजार लोग प्रतिवर्ष अंग दान कर रहे हैं।

इस मामले में उत्तर प्रदेश और बिहार सबसे पीछे हैं। बिहार में पिछले तीन सालों में महज 44 अंग दान हुए, जबकि उत्तर प्रदेश में मृतकों के अंग दान का आंकड़ा तीन साल में महज 26 तक पहुंच पाया है। अंगदान को लेकर सरकार द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान का असर यह दिखा कि पिछले तीन साल में देश में अंग दान के ग्राफ में बढ़ोतरी हुई है और अंग दान के मामले 2016 में 9046 से बढ़कर 2018 में 10,387 हो गए हैं। हालांकि अभी भी 28 राज्यों और नौ केंद्र शासित प्रदेशों में से 22 में ही अंग दान शुरू हो पाया है।

उल्लेखनीय है कि मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (नोटो) राष्ट्रीय स्तर पर अंग दान को बढ़ावा देने, कानूनी प्रक्रिया के तहत अंगदान कराने और इस बारे में गैरकानूनी गतिविधियों पर निगरानी रखता है। यह संगठन अंग दान के संबंध में देशव्यापी जागरुकता अभियान भी चलाता है। खास यह कि कि मृत शरीर से अंग दान के बजाय जीवित लोगों द्वारा लगभग तीन गुना अधिक अंग दान किया जा रहा है। आंकड़ों से स्पष्ट है कि 2016 में मृत शरीर से 2265 अंग दान किए गए जबकि जीवित लोगों द्वारा 6781 अंग दान हुए। यह अंतर 2017 में बढ़कर 2110 के मुकाबले 7489 हो गया। वहीं 2018 में मृत शरीर से 2254 अंग दान की तुलना में 8133 लोगों ने जीवित रहते ही अंग दान किया।

नोटो ने अंग प्रत्यारोपण की देश में लगातार बढ़ती जरूरत और चिकित्सा विज्ञान में शोध के लिए अंग दान की अहमियत के मद्देनजर मृत शरीर के देहदान को लेकर उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब जैसे बड़े राज्यों में व्यापक जागरुकता अभियान शुरू किया है जो अंगदान के मामले में अभी भी काफी पीछे हैं।

जब सोशल मीडिया पर फैली वीडियो का दिव्यांगों ने भुगता खामियाजा

कृत्रिम अंग मिलने का एक वीडियो हुआ था वायरल

रेडक्रॉस सोसायटी गुरुग्राम के पूर्व सचिव का था यह वीडियो

रेडक्रॉस के पूर्व सचिव ने इसे पुराना वीडियो बताया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सोशल मीडिया किस तरह से दूसरों के लिए परेशान का बड़ा कारण बन जाता है, इसकी बानगी रविवार को यहां देखने को मिली। एक वीडियो सोशल मीडिया पर इतना अधिक वायरल हुआ कि वह ऐसे लोगों के लिए परेशानी का सबब बनाया गया, जो कि ठीक से चल-फिर भी नहीं पा रहे थे। यानी वे दिव्यांग थे।

गुरुग्राम रेडक्रॉस सोसायटी के पूर्व सचिव श्याम सुंदर का एक वीडियो कई दिनों से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें वे कह रहे हैं कि रविवार को गुरुग्राम के सदर बाजार के पास स्थित जैन बारादरी मंदिर में दिव्यांगों को कैंप लगाकर कृत्रिम अंग आवंटित किए जाएंगे। इस सूचना के बाद से तो रविवार की सुबह यहां काफी संख्या में दिव्यांग जैन बारादरी मंदिर में पहुंच गए। मंदिर में किसी तरह की ऐसी तैयारियां नजर नहीं आई। फिर भी लोग इंतजार करने के लिए वहीं पर बैठ गए। देखते ही देखते वहां पर सौ से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसमें दिव्यांग और उनके परिजन भी शामिल थे। करीब दस बजे मंदिर में समाज के जिम्मेदार नरेश जैन वहां पहुंचे और उन्होंने उनके वहां भीड़ से एकत्रित होने का कारण पूछा। जब उन्हें बताया गया कि यहां पर कृत्रिम अंग वितरित करने का कैंप लगा है तो उन्हें ऐसा किसी कैंप लगने से साफ मना कर दिया। उन्हें भी लोगों ने वह वीडियो दिखाया। नरेश जैन ने बताया कि जो वीडियो वायरल किया जा रहा है, दरअसल वह वीडियो पुराना है। वह कैंप पहले मंदिर में लग चुका है। अभी कोई कैंप नहीं है।

यह वायरल वीडियो पुराना है: श्याम सुंदर

इस बाबत रेडक्रॉस सोसायटी गुरुग्राम के पूर्व सचिव एवं वर्तमान में रेवाड़ी रेडक्रॉस के सचिव श्याम सुंदर से बात की गई। उन्होंने भी बताया कि यह वीडियो पुराना है। यह वीडियो सिर्फ गुरुग्राम में नहीं बल्कि विदेशों में बैठे लोगों तक पहुंच गया है। बहुत से लोगों से उनकी बात हुई है। उन्होंने साफ किया कि यह कैंप वर्ष 2018 में लगाया जा चुका है।

लोगों को परेशानी न हो, इसके लिए वे पूर्व में भी अपनी ओर से इस वीडियो के संदर्भ में सोशल मीडिया पर कह चुके हैं कि यह वीडियो पुराना है। फिर भी लोग इसे वायरल कर रहे हैं। इससे साबित होता है कि लोग बिना किसी तथ्य को प्रमाणित किए सोशल मीडिया पर औरों के लिए परेशान खड़ी कर देते हैं। किसी भी वीडियो या बात को वायरल करने से पूर्व उसके बारे में छानबीन कर लेनी चाहिए।

रेडक्रॉस सोसायटी का नहीं लगा कोई शिविर: महेश गुप्ता

वहीं गुरुग्राम रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव महेश गुप्ता का कहना है कि रेडक्रॉस की ओर से किसी भी तरह का कोई शिविर आयोजन नहीं किया जा रहा। अगर कभी किया जाएगा तो उसकी मीडिया व अन्य साधनों के माध्यम से पूर्व सूचना दी जाएगी। वायरल वीडियो को जनता नजरअंदाज कर दे।

मिट्टी में ही टाइल्स बिछाने पर ग्रामीणों में रोष

गुरुग्राम के खंड फर्रूखनगर के गांव जमालपुर-पंचगांव मार्ग की पटरी पर मिट्टी में बिछाई जा रहीं टाइल्सें।

गुरुग्राम। गुरुग्राम-पटौदी स्टेट हाइवे से जमालपुर चौक से गांव तक सड़क के साथ बिछाई जा रही टाइल्सों की पटरी में ठेकेदार द्वारा बरती जा रही खामियों से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों के अनुसार अधिकारियों से शिकायत के बावजूद भी टाइल्सों को बिछाने का कार्य चल रहा है। जिससे अंदेशा है कि ठेकेदार राजनीतिक पैठ का लाभ उठा रहा है।

जिला पार्षद राव विजय पाल संटी, जमालपुर के पूर्व सरपंच श्रीकिशन, पवन कुमार, दिनेश कुमार आदि ने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा जमालपुर चौक से गांव तक पंचगाव रोड के दोनों साइडों में टाइल्सों बिछाने का काय कराया जा रहा है। ठेकेदार नियमों को ताक पर रख कर मनमर्जी से मिट्टी लेवल करके मिट्टी के उपर ही टाइल्स बिछा रहा है, जो बरसात के मौसम के वाहनों के दवाब से बैठ जाएंगी। ग्रामीणों ने कई बार ठेकेदार व उसके कर्मचारियों से नियम अनुसार कार्य करने के लिए कहा तो वह ग्रामीणों से बात न करके बिना किसी रुकावट के निर्माण कार्य में लगा हुआ है, जिसके चलते ग्रामीणों में रोष बना हुआ है। अधिकारियों से की गई शिकायतों पर भी कोई अमल नहीं होता है। उन्होंने कहा कि अगर नियमों को ताक पर रख कर इसी प्रकार कार्य होते रहे तो पटौदी विधायक सत्यप्रकाश जरावता को ज्ञापन देकर बरती गई खामिसों की जांच कराएंगे।

संक्षिप्त समाचार

दहेज लेने व देने से पहले स्वयं रुकें मास्टर व मौलाना

नूंह। समाज में चल रही दहेज प्रथा के मामले को रोकने के लिए पहले मौलाना व मास्टरों को स्वयं रुकना होगा। इसके बाद में दूसरों को नसीहत दें। उक्त बातें पत्रकारों से बातचीत करते हुए कारी मोहम्मद आकिल निवासी मालब ने नूंह में कही। उन्होंने कहा है कि अपने लिए फजीहत दूसरों के लिए नसीहत देने से दहेज का लेन-देन नहीं रुकेगा। इसके लिए समाज के जिम्मेदार व समाजसेवियों, मौलवियों व मास्टरों को परहेज करना होगा। कारी मोहम्मद आकिल ने कहा है कि दहेज लेन-देन के चलते गरीब लोगों की शादियां नहीं हो पाती हैं। जिसको लेकर गरीब परिवारों से ताल्लुक रखने वाली लड़कियों की शादियां समय पर नहीं हो पाती हैं। उन्होंने कहा है कि आज के दौर में लोग जितना पैसा बच्चों की शादियों में खर्च करते हैं, इतना पैसा उनकी तालीम पर खर्च नहीं करते। जिस पैसे को शादी में खर्च किया जाए, यदि उसी पैसे से बच्चों की शिक्षा पर खर्च किया जाए तो कहीं बेहतर होगा।

जेल में दो बंदियों से मोबाइल फोन बरामद होने पर केस दर्ज

सोहना। भोंडसी जिला जेल में दो बंदियों के पास से अलग-अलग मोबाइल फोन मिले। भोंडसी थाना पुलिस ने जेल अधिकारी की शिकायत पर मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है। भोंडसी जिला जेल के उपाधीक्षक साजिद खान ने बंदी मौसीम उर्फ पोलर्ड निवासी नगरलीवार थाना नौगाव जिला अलवर राजस्थान तथा मौनू उर्फ आर्यन निवासी राजेन्द्र पार्क जींद से तलाशी के दौरान वार्ड-एक बी में एक-एक मोबाइल फोन बरामद किया है। शिकायतकर्ता जेल उपाधीक्षक साजिद खान ने पुलिस से दोनों बंदियों से प्राप्त मोबाइल फोनों की कॉल डिटेल की जांच कराने की मांग की है।

विद्यार्थियों को आग से आत्म सुरक्षा व काबू पाना सिखाया

सोहना। सोहना के फायर स्टेशन कर्मचारी व अधिकारियों ने स्कूली विद्यार्थियों को आग की घटनाओं में आत्म सुरक्षा से लेकर उस पर काबू पाने का पाठ पढ़ाया। स्कूली विद्यार्थियों को आग की घटना में हौसला न हारने का मंत्र भी दिया। शनिवार को सोहना में स्थित फायर स्टेशन पर शहर के निजी स्कूल के विद्यार्थियों ने कर्मचारियों और अधिकारियों से आग की घटना में बचाव व सुरक्षा के उपाय का पाठ पढ़ा। फायर स्टेशन प्रभारी जयवीर सिंह भड़ाना ने बताया कि निजी स्कूल के विद्यार्थियों को उनके कर्मचारी सलीम अहमद, नरेश कुमार व सतकुमार ने बारी-बारी से अलग-अलग प्रकार से आग की घटनाओं में आत्म रक्षा से लेकर काबू पाने के तौर तरीके बताए गए। आम में फंसे लोगों को कैसे बाहर सुरक्षित निकाला जा सकता है, ताकि उनकी जान बच सके। विद्यार्थियों को आग लगने के दौरान हौसला न तोड़ने की हिम्मत दी। घर की रसोई से लेकर मकान की पहली, दूसरी और अन्य मंजिलों में आग लगने के दौरान फंसे लोगों को कैसे सुरक्षित बाहर निकाला जाए। आग के बीच में अपने आपको कैसे सुरक्षित बचाकर रखना चाहिए।

आरबीएसएम स्कूल की छात्रा ने गोल्ड का पंच मारा

सोहना। भोंडसी के आरबीएसएम स्कूल की छात्रा ने दिल्ली में हुई मुक्केबाजी प्रतियोगिता में अपने दमदार पंच से गोल्ड मेडल जीता। स्कूल प्रशासन ने छात्रा का जोरदार स्वागत किया। दिल्ली में 18 से 22 नवंबर तक राज्य स्तर की स्कूल विद्यार्थियों की मुक्केबाजी प्रतियोगिता हुई। इस प्रतियोगिता में देश के लगभग सभी राज्यों से आए खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में भोंडसी के आरबीएसएम स्कूल की कक्षा 11वीं में पढ़ने वाली यशी शर्मा ने अंडर-19 तथा 60 किलोग्राम में भाग लिया। यशी शर्मा ने एक बाद एक राउंड में अपने दूसरे खिलाड़ियों को मात देते हुए आखिरी मुकाबले में शानदार पंच मारते हुए गोल्ड मेडल जीत लिया। इस पर आरबीएसएम स्कूल के निदेशक भागीरथ राघव ने प्रधानाचार्य विमला राघव तथा कोच मनोज शर्मा की मौजूदगी में सम्मानित किया। निदेशक ने मुक्केबाज यशी शर्मा की योग्यता पर गर्व करते हुए कहा कि एक दिन वह ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर लाएगी। आज बेटियां हर क्षेत्र में बेटों को पछाड़ रही है। उन्होंने कहा कि यशी शर्मा नेशनल स्तर पर भी कई मेडल जीत चुकी है। स्कूल प्रशासन की तरफ से उन्हें शिक्षा के साथ-साथ खेल में भी पूरा सहयोग दिया जा रहा है।

गुरुग्राम में 30 को होगा 'विश्व में गूंजे मां भारती' सेमिनार

गुरुग्राम। गुरु द्रोण की नगरी गुरुग्राम में विश्व में गूंजे मां भारती सेमिनार को होगा। इस कार्यक्रम में हजारों हिंदू विचारकों के अलावा हिन्दू वक्ता पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ और भाजपा के तीन राष्ट्रीय प्रवक्ता हिस्सा लेंगे। सुरक्षा की दृष्टि से कार्यक्रम स्थल पर तकनीकी जांच, पहचान पत्र और पंजीकरण के बाद प्रवेश किया जा सकेगा। इस कार्यक्रम को लेकर यहां सिद्धेश्वर स्कूल में आयोजित बैठक में संस्कृति के सारथी के अध्यक्ष राम बहादुर सिंह तथा अखिल भारतीय हिन्दू क्रांति दल के राष्ट्रीय प्रभारी राजीव मित्तल ने बैठक में सभी साथियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा है कि 30 नवंबर को महानगर में रहने वाले सभी प्रबुद्ध और समान विचारधारा के हजारों लोगों की उपस्थिति नया कीर्तिमान स्थापित करेगी। संस्कृति के सारथी, अखिल भारतीय हिन्दू क्रांति दल तथा सुदर्शन राष्ट्र निर्माण सरीखे एक दर्जन संगठनों द्वारा गुरुग्राम में विश्व में गूंजे मां भारती विषय पर एक सेमिनार का आयोजन 30 नवंबर को सिद्धेश्वर स्कूल सेक्टर-9 में किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रखर वक्ता पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ का संबोधन होगा। इसके साथ ही भारतीय जनता पार्टी के तीन राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला, सुदेश वर्मा तथा राज्य सभा सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

देसी पिस्टल सहित राजा गिरफ्तार

फर्रूखनगर। फर्रूखनगर के डाबोदा मोड़ पर अपराध की नीयत से घूम रहे राजा को एक देशी पिस्टल व एक जिंदा राउंड सहित पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। अपराध शाखा पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि फर्रूखनगर के डाबोदा मोड़ पर एक व्यक्ति अवैध हथियार सहित खड़ा है। सूचना के अनुसार क्राइम गश्त पर खड़ी अपराध शाखा की टीम ने मौके पर पहुंच कर अज्ञात व्यक्ति को काबू किया तो उसने अपना नाम सुनील उर्फ राजा पुत्र सुबे सिंह निवासी शहरपुर जिला महेंद्रगढ़ बताया। उसकी पेंट की जेब से एक देशी पिस्टल, उसके अंदर एक जिंदा राउंड भी बरामद हुआ। उसके पास कोई आर्म्स लाइसेंस भी नहीं था।

सड़क हादसे में दिल्ली पुलिस के जवान की मौत

पायनियर समाचार सेवा। फर्रूखनगर

केएमपी पर दो गाड़ियों की टक्कर में दिल्ली पुलिस के एक जवान की मौत हो गई। मृतक के चाचा के बयान पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस को दिए बयान में रामपत पुत्र मूलाराम यादव निवासी गांव बहाली अटेलीमंडी जिला महेंद्रगढ़ ने बताया कि वह सेवानिवृत सरकारी कर्मचारी है। उसके बड़े भाई का लड़का बस्तीराम दिल्ली पुलिस में नौकरी करता है। मेरी तबियत कई दिनों से खराब चल रही थी। 23 नवंबर को अपने भतीजे बस्तीराम के साथ उपचार के लिए खेड़ा डाबर स्थित आयुर्वेदिक अस्पताल दिल्ली से स्विफ्ट कार में सवार होकर जा रहे थे। गाड़ी बस्तीराम चला रहा था। पंचगांव चौक से केएमपी रोड से दिल्ली जा रहे थे।

जब झुंडसराय टोल से आगे निकले तो कुंडली ओल की तरफ से आ रही तेज रफ्तार गाड़ी टाटा नेक्सन ने सड़क के बीच में बने डिवाइडर को क्रॉस करके हमारी गाड़ी को टक्कर मार दी। दुर्घटना में मेरे भतीजे बस्तीराम को काफी चोट आई। एंबुलेंस की सहायता से बस्तीराम को उपचार के लिए बुढेड़ा के एसजीटी अस्पताल पहुंचा दिया, जहां पर चिकित्सकों ने जांच के बाद बस्तीराम को मृत घोषित कर दिया।

मनचलों पर शिकंजा कसने को होगी पुलिस व्यवस्था

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

विधायक जी गांव में बस सुविधा नहीं होने के कारण बेटियों का उच्च शिक्षा के लिए स्कूल, कॉलेज जाना दुर्भर हो गया है। प्राइवेट बसों में बेटियों पर मनचले लड़के फब्तियां कसते हैं। जिसके चलते आए दिन झगड़े होना आम बात हो गई है। पंचगांव चौक पर पुलिस की व्यवस्था बढ़ाई जाए।

यह बात धन्यवादी दौरे के दौरान गांव पुखरपुर में विधायक सत्यप्रकाश जरावता के समक्ष ग्रामीणों ने रखी। विधायक ने ग्रामीणों को आश्वासन देते हुए कहा कि बेटियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान तो दिया ही जाएगा, वहीं मनचलों के उपचार के लिए पुलिस व्यवस्था कराई जाएगी, ताकि बेटियों की ओर कोई नजर उठाने की भी गुस्ताखी ना करे। जब तक पटौदी खंड के गांच उंचा माजरा में हरियाणा सरकार द्वारा सब बस डिपो नहीं खोला जाता, तब तक इस रूट पर अस्थाई तौर पर परिवहन मंत्री से कह कर बस सेवा शुरू कराई जाएगी। इस मौके पर उन्होंने ग्रामीणों द्वारा रखी गई मांगों पर स्वीकृति की मोहर मारते हुए आश्वासन दिया कि जल्द ही क्षेत्र के सभी गांवों में विकास का रथ पूरी गति से दौड़ता नजर आएगा। पुखरपुर, मोकलवास, खरखड़ी की ढ़ाणी, खरखड़ी, बांसलाम्बी, बांस लाम्बी का ढ़ाणी, जमालपुर, ख्वासपुर, बावड़ा बाकीपुर मे पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका फूल-मालाओं व पगड़ी बांध कर स्वागत किया और गांव की समस्याओं व विकास संबंधी मांगों को पूरा करने के लिए मांगपत्र सौंपा।

गांव मौकलवास में पटौदी विधायक सत्यप्रकाश जरावता का स्वागत करते ग्रामीण।

इस अवसर पर जिला पार्षद राव विजय पाल संटी, सरपंच राजसिंह पुखरपुर, राकेश प्रधान ख्वासपुर, मजौज जनौला, राव कृष्ण उंच्चा माजरा, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं पूर्व चेयरमैन दलीप पहलवान छिलरकी, सज्जन सिंह, दाताराम, लीलाराम, मामराज, पूर्व सरपंच कृष्ण, यशबीर सिंह सिधरावली, अधिवक्ता प्रदीप जनौला, पटौदी नपा के वाइस चेयरमैन जर्मन सैनी, पूर्व सरपंच ब्रह्मप्रकाश मौकलवास, जगबीर सिंह, रविंद्र उर्फ बिट्टू आदि ग्रामीण मौजूद थे।

पर्यावरण संरक्षण व स्वच्छ भारत अभियान पर हुई हाफ मैराथन

गुरुग्राम। पर्यावरण संरक्षण व स्वच्छ भारत अभियान को लेकर आईएमटी मानेसर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन व मानेसर अपार्टमेंट्स एसोसिएशन के संयुक्त सहयोग से यूनाईटेड रनर्स द्वारा रविवार को हाफ मैराथन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में उद्यमियों, कर्मचारियों, श्रमिकों व क्षेत्रवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के महासचिव मनोज त्यागी ने बताया कि पटौदी विधानसभा क्षेत्र के विधायक सत्यप्रकाश जरावता मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे और उन्होंने आयोजकों के साथ 21, 10, 5, 3 व एक किलोमीटर पुरुष व महिलाओं की मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया। विधायक ने इस मैराथन द्वारा ग्रीन व क्लीन मानेसर पर्यावरण और स्वच्छ भारत अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि आयोजकों का यह प्रयास सराहनीय है।

नौकरी बचाने को होंडा के अस्थायी श्रमिकों का धरना 20वें दिन भी जारी

श्रमिक नेताओं के निलंबन से श्रमिकों में रोष

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अपनी नौकरी को बचाने के लिए होंडा मोटर्स के अस्थायी श्रमिक कंपनी गेट पर डटे हुए हैं। रविवार को 20वें दिन भी सर्दी के इस मौसम में श्रमिकों का धरना जारी रहा। कंपनी प्रबंधन की हठधर्मिता को लेकर श्रमिकों में रोष व्याप्त होता जा रहा है।

श्रमिकों की हौसला बढ़ाने को विभिन्न संस्थाओं व श्रमिक यूनियनों के प्रतिनिधियों का धरना स्थल पर पहुंचना जारी है। रविवार को भी बड़ी संख्या में श्रमिक नेता धरना स्थल पर पहुंचे। श्रमिक संगठन एटक के जिला महासचिव कामरेड अनिल पंवार ने आंदोलनरत श्रमिकों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी मांगों को मनवाने के लिए सभी श्रमिक संगठन एकजुट होकर प्रयास कर रहे हैं।

ट्रेड यूनियन काउंसिल भी सतत प्रयासरत है। उन्होंने श्रमिकों से संगठित रहने का आग्रह करते हुए कहा कि संगठन के बल पर ही प्रबंधन से अपनी मांगें पूरी कराई जा सकती हैं। कंपनी प्रबंधन श्रमिकों की एकता तोड़ने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रख रहा है।

मानेसर स्थित होंडा कंपनी से निकाले जाने पर विरोध जताते अस्थायी श्रमिक।

आज खुलेगी होंडा मोटर्स

श्रमिक नेता ने बताया कि गत दिवस होंडा प्रबंधन ने कंपनी गेट पर नोटिस चस्पा कर दिया था, जिसमें कहा गया था कि आज सोमवार से कंपनी में उत्पादन शुरू हो जाएगा। प्रबंधन ने साथ ही यह शर्त भी रखी है कि ड्यूटी पर आने वाले श्रमिकों को कंपनी द्वारा तैयार की गई अंडरटेकिंग पर हस्ताक्षर करने होंगे, तभी वे ड्यूटी पर जा सकेंगे।

अंडरटेकिंग से श्रमिकों में रोष

होंडा श्रमिक यूनियन के अध्यक्ष सुरेश गौड़ का कहना है कि अंडरटेकिंग की शर्त लगाकर प्रबंधन अस्थायी श्रमिकों का आंदोलन कुचलना चाहती है, लेकिन ऐसा होने नहीं देंगे। उनका कहना है कि होंडा के अन्य श्रमिक नेताओं से भी अंडरटेकिंग को लेकर विचार-विमर्श जारी है। सभी की सहमति से इस पर कोई निर्णय लिया जाएगा।

फर्रूखनगर में अवैध शराब का कारोबार जोरों पर

गुरुग्राम। फर्रूखनगर क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार जोरों पर चल रहा है। अवैध शराब का कारोबार करने वालों में युवा, बुजुर्ग ही नहीं महिला भी पीछे नहीं हैं। गांवों में ही नहीं शहर की गलियों में भी लोगों से अवैध शराब बेचने वाले अक्सर देखे जा सकते हैं। अवैध शराब के बढ़ते कारोबार से जहां सरकार के राजस्व को तो हानि पहुंच ही रही है, वहीं युवा वर्ग तेजी से नशे की गिरफ्त में समाता जा रहा है। शिकायतों के बाद प्रशसन द्वारा कोई सख्त कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। इतना ही विभिन्न मार्गों पर खुले छोटे बड़े होटल, ढाबों पर भी खुलेआम अवैध शराब का कारोबार फल-फूल रहा है। शराब की लत के चलते शाम ढलते ही गांव के गलिहारों, शहर के चौराहों पर खुलेआम शराब की बोतल रखकर पैग बानते शराबी देखे जा सकते हैं।

इंसाफ के लिए लगातार धरना जारी, पुलिस कर रही अनदेखी

इंसाफ के लिए अनिल विज से जल्द मुलाकात करेगा धरने पर बैठा परिवार

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

नूंह के लघुसचिवालय पर एक पीड़ित परिवार इंसाफ के लिए लगातार पिछले करीब दस दिनों से धरना दे रहा है। लेकिन पुलिस के आला अधिकारियों को सब कुछ पता होने के बावजूद भी पीड़ित परिवार की सुनवाई नहीं हो पा रही है। पीड़ित परिवार का कहना है कि पुलिस उनकी सुनवाई नहीं कर रही है। जिसको लेकर वह अनिल विज से जल्द मुलाकात कर इंसाफ की गुहार लगाएंगे।

धरने पर बैठे पीड़ित परिवार के सदस्य आस मोहम्मद ने बताया कि झूठे मुकद्मे को रद्द कराने के लिए वह पुलिस के खिलाफ लगातार धरना दे रहे हैं। जिसके बारे में पुलिस कप्तान सहित सभी पुलिस कर्मियों को सब कुछ पता है, लेकिन इस मामले में सबने चुप्पी साध रखी है। पीड़ित परिवार की चेतावनी है कि यदि तीन दिन के अंदर उनके झूठे मुकद्मे को खारिज कर उन्हें इंसाफ नहीं दिलाया गया तो मजबूरी में उन्हें या तो पलायन करना पड़ेगा या फिर पूरे परिवार को आत्महत्या करने के लिए मजबूरी में कदम उठाना पड़ेगा। आरोप है कि 20 नवंबर को कुछ पुलिस कर्मियों ने धरने पर बैठने पर उन पर देर शाम लाठी-डंडे भांजे। पीड़ित आस मोहम्मद का कहना है कि जब तक उन्हें इंसाफ नहीं मिलेगा, तब तक धरना जारी रहेगा।

धरने पर बैठा परिवार।

> **पीड़ित** परिवार हमारे पास लिखित शिकायत दे। उसके बाद मामले पर जरूर संज्ञान लिया जाएगा। यदि इस तरह का मामला है तो मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी।
>
> **अनिल विज।**

उनका कहना है कि इंसाफ के लिए उन्हें चाहे किसी भी हद तक जाना पड़े, जब तक उन्हें इंसाफ नहीं मिलेगा वो पीछे नहीं हटेंगे। वहीं जब इस मामले में डीएपी अनिल कुमार से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच के लिए एसआईटी कमेटी गठित कर दी गई है। जांच चल रही है।

सत्य का मार्ग दिखाता है गीता ग्रंथ: स्वामी विवेकानंद

गुरुग्राम। श्रीमद् भगवत गीता मात्र एक ग्रंथ नहीं है, अपितु हजारों वर्षों पूर्व कहे गए ऐसे उपदेश हैं, जो मनुष्य को आज भी जीने की कला सिखाते हैं। जीवन के विभिन्न रास्तों पर उसका मार्गदर्शन करते हैं। यह बात बसई रोड स्थित पर्णकुटि आश्रम के अधिष्ठाता स्वामी विवेकानंद महाराज ने आश्रम परिसर में आयोजित धार्मिक आयोजन में प्रवचन करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में मनुष्य जब जीवन के कई पड़ावों पर आकर परिस्थितियों से मजबूर हो जाता है तो श्रीमद् भगवद्गीता ही उसे सही मार्ग दिखाती है। यह ग्रंथ उस मनुष्य को हमेशा ही सत्य का मार्ग चुनने की सलाह देता है। गीता में संपूर्ण वेदों का सार निहित है। गीता की महत्ता को शब्दों में वर्णन करना असंभव है।

यह स्वय भगवान श्रीकृष्ण के मुखारबिंद से निकली है। जो मनुष्य अपने जीवन में गीता शास्त्र का अध्ययन या श्रवण करेगा, वह सभी पापों से मुक्त हो जाएगा। गीता शास्त्र संपूर्ण मानव जाति के उद्धार के लिए है।

अच्छे संस्कारों से बच्चे बनेंगे सभ्य नागरिक : मधु

अवर लेडी ऑफ फातिमा स्कूल के वार्षिकोत्सव पर पहुंचीं मेयर मधु आजाद।

गुरुग्राम। बच्चों में संस्कारों का समावेश किया जाना चाहिए और इस कार्य को अभिभावकों से अधिक शिक्षक अच्छे तरीके से कर सकते हैं। बच्चे देश का भविष्य हैं। यदि उनको अच्छे संस्कार मिलेंगे तो जहां वे देश के सभ्य नागरिक बन सकेंगे, वहीं देश व समाज भी उन्नति कर सकेगा।

यह बात नगर निगम की मेयर मधु आजाद ने बीती देर सायं न्यू कॉलोनी क्षेत्र स्थित अवर लेडी ऑफ फातिमा कॉन्वेंट स्कूल के वार्षिकोत्सव आभार में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कही। उन्होंने कहा कि शिक्षा में आमूल-चूल परिवर्तन किए जाने की जरूरत है, जिससे छात्रों को अत्याधुनिक शिक्षा मिल सके। उन्होंने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में यह संस्था बहुत पुरानी है। नगर निगम फरीदाबाद के अतिरिक्त आयुक्त विक्रम ने कहा कि प्रबंधन नन्हे-मुन्ने बच्चों की आधारशिला को शुरू से ही मजबूती से रखती है, जिससे बच्चों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता। स्कूल की प्रधानाचार्या सिस्टर कैलोफी ने मुख्य अतिथियों का स्वागत करते हुए सभी को आश्वस्त किया कि सभी शिक्षिकाएं बच्चों को अच्छे संस्कार देने के लिए वचनबद्ध हैं।

भारी राहत : आज से शुरू होगा नया सिक्स लेन पुल

केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर व प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा करेंगे पुल का उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारी वाहनों के कारण गुड़गांव नहर पर बना पुल जर्जर होने के कारण टूट गया था। इसके न बनने से उद्योगों और लोगों को पिछले करीब डेढ़ साल से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अब उनकी परेशानियों का समाधान सोमवार को हो जाएगा। सेक्टर 25 में गुड़गांव नहर पर नया सिक्स लेन पुल पूरी तरह से तैयार हो चुका है। सोमवार को केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर व प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा पुल का उद्घाटन करेंगे। सुबह नौ बजे से पुल की दोनों साइड लोगों के आवागमन के लिए खोल दी जाएंगी।

इस पुल से शुरू होने से सेक्टर 25 के आस-पास औद्योगिक क्षेत्रों और कॉलोनियों को भारी राहत मिलेगी। सेक्टर 25 में गुड़गांव नहर पर बना पुराना पुल पिछले साल नौ मार्च की शाम को अचानक टूट गया था। पुल टूटने से सेक्टर 25, 58 और आस-पास के काफी बड़े इलाकों की सोहना रोड से कनेक्टिविटी खत्म हो गई थी।

इस कारण इन सभी को सोहना रोड़ के लिए बल्लभगढ़ की तरफ से आना पड़ रहा था। जिस कारण बल्लभगढ़-सोहना रोड पर बने रेलवे ओवरब्रिज पर जाम लग जाता था। समस्या का समाधान करने के लिए पीडब्ल्यूडी ने हल्के वाहनों के लिए एक अस्थाई लोहे का पुल बना दिया था। सिंचाई विभाग ने पिछले साल अक्टूबर महीने में यहां पर लगभग छह करोड़ रुपये की लागत से सिक्स लेन का स्थाई पुल बनाने का काम शुरू किया था। क्षेत्र में ट्रैफिक का दवाब अधिक होने के चलते सिंचाई विभाग ने पुल की एक साइड को इसी साल अक्टूबर महीने के अंतिम सप्ताह में शुरू कर दिया था। वहीं, दूसरी साइड पर काम जारी रखा हुआ था।

अब पुल की दूसरी साइड भी तैयार हो चुकी है। ट्रैफिक ने इस पुल से गुजरना शुरू कर दिया है। सोमवार को इस पुल का औपचारिक उद्घाटन कर इसे पूरी तरह से शुरू कर दिया जाएगा।

प्राणायाम सोसाइटी में धूमधाम से मनाया गया प्रकाश उत्सव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्राणायाम सोसाइटी के निवासियों ने गुरू नानक देव जी के 550वें प्रकाश उत्सव को बड़े ही धूमधाम से मनाया। मुख्य अतिथि एवं तिगांव क्षेत्र के विधायक राजेश नागर ने सभी को प्रकाश पर्व की बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्राणायाम सोसाईटी उनके घर जैसा है। यहां के निवासी उनके पड़ोसी हैं। इस लिए उनका अधिकार उन पर उतना ही है, जितना कि उनके परिवार का।

उन्होंने कहा कि प्राणायाम सोसाइटी के सभी लोग सभी पर्व मिल-जुल कर मनाते हैं। ये बहुत ही अच्छी बात है। सोसाइटी में रहने वाले निवासियों के बारे में लोग समझते हैं कि यहां के लोग अकेले रहते हैं, एक दूसरे से कोई मतलब नहीं रखते, लेकिन प्राणायाम सोसाइटी के निवासियों ने इसे बदल कर रख दिया है।

जिस उत्साह और उमंग से यहां के निवासी गुरुनानक देव जी के 550 वें पर्व को मना रहे हैं, उसे देख कर लगता है कि सभी लोग एक ही परिवार के सदस्य हैं। विधायक राजेश नागर और गांव भतौला के सरपंच अजय वीर ने सभी को गुरुनानक देव जी के 550वें प्रकाश उत्सव की बधाई दी। इस मौके पर प्रकाश पर्व के आयोजक जीएस भाटिया, दलजीत चहल, एडवोकेट बेदी, सरदार प्रीतम सिंह, कैप्टन केएस मजीठिया, महेश भूटानी, दीपक चावला, योगेश मान विशेष रूप से उपस्थित रहे।

एनएसयूआई ने चंदा लेने पर फूंका पीएम मोदी का पुतला

कंपनी पर आतंकियों को फंडिंग करने का लगाया आरोप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि भाजपा ने एक ऐसी कंपनी से 10 करोड़ रुपये का चुनावी चंदा लिया था, जिस कंपनी के खिलाफ आतंकियों को फंडिंग करने के मामले में जांच चल रही है।

कृष्ण अत्री ने कहा कि भाजपा ने वर्ष 2014-2015 में आरकेडब्ल्यू डेवलपर्स नामक कंपनी से 10 करोड़ रुपये का चुनावी चंदा लिया था, जबकि उस कंपनी पर आतंकियों को फंडिंग करने का आरोप है और अभी तक भी इस पर जांच चल रही है। यह जानकारी चुनाव आयोग को भाजपा पार्टी के चुनावी डोनेशन से जुड़े दिए गए विवरण में सामने आई है। विवरण के अनुसार पार्टी ने 2014-2015 में आरकेडब्ल्यू डेवलपर्स लिमिटेड से 10 करोड़ रुपये का चंदा लिया था। यह चंदा पार्टी को मुंबई के एक्सिस बैंक की बांद्रा ब्रांच के जरिये दिया गया था।

आरकेडब्ल्यू डेवलपर्स के अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के सहयोगी रहे इकबाल मिर्ची की कंपनी के साथ संबंधों की भी जांच हो रही है। आरकेडब्ल्यू डेवलपर्स ने डी-गैंग से जुड़ी कंपनी के साथ कथित रूप से करोड़ों रुपये के लेन-देन भी किये हैं।

अत्री ने भाजपा पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ तो बीजेपी के नेता अपने आप को सबसे बड़ा देशभक्त साबित करने में लगे रहते हैं और वही दूसरी तरफ आतंकियो को फंडिंग करने वाली कंपनी से करोड़ों का चंदा लेते हैं। इस घिनोने कृत्य से भाजपा की दोहरी मानसकिता का पता चलता है।

अत्री ने कहा कि देशहित से ऊपर पैसों को वरीयता देकर भाजपा ने देश विरोधी कार्य किया है। इस घिनोने कृत्य के लिए देश की जनता इन्हें कभी माफ नही करेगी। इस मौके पर जमील मलिक, इकबाल कुरैशी, कृष्ण शर्मा, सचिन गर्ग, यश भारद्वाज, नितिन यादव, छात्र नेता साहिल कुरैशी, अरुण गर्ग, चांद, गुलज़ार अंसारी, अमन सितारा, हर्ष, आरिफ, आकिब आदि मौजूद थे।

परिवहन मंत्री से महिला स्पेशल बस चलाने की मांग

पायनियर सामचार सेवा। फरीदाबाद

सुनहरी किरण संस्था की अध्यक्ष सीमा भारद्वाज व अन्य सदस्यों ने परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा से मुलाकात की और उन्हें बधाई देकर एक मांग पत्र सौंपा। इसमें मुख्य रूप से महिला स्पेशल बसें चलाने की मांग की गई है।

सुनहरी किरण संस्था द्वारा दिए गए मांगपत्र में लिखा था कि विगत कई वर्षों से शहर के भीतर हाइवे पर महिलाओं को और बच्चों के लिए उनकी संस्था कार्य कर रही है, जिसमें मुख्य रूप से गरीब बच्चों की शिक्षा, पोषण महिलाओं की सुरक्षा व उनके रोजगार के लिए कार्यरत है। संस्था ने अपने सर्वे में पता लगाया कि पिछले कई वर्षों से सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के क्रम में एक अहम कार्य नहीं हुआ है। वह है फरीदागाद से गुरुग्राम तक नौकरी करने वाली युवतियों के लिए सुरक्षित सरकारी वाहन। उन्होंने लिखा है कि हाल ही में गुरुग्राम से फरीदाबाद आते हुए एक युवती के साथ रेप की घटना हुई। इसके अपराधियों को अभी तक पकड़ा नहीं जा सका। इसका मुख्य कारण अवैध टैक्सियों का चलना भी है। उन्होंने कहा कि 2015 के पुलिस सर्वे में महिलाओं की सुरक्षा में यहीं सबसे बड़ा कारण सामने आया था, जो था सरकारी बसों का न चलना। हरियाणा पुलिस कई बार सरकार से इस रूट पर बसे चलाने की मांग कर चुकी है।

सीमा भारद्वाज ने कहा कि परिवहन मंत्री के रूप में देखकर फरीदाबाद की महिलाओं के मन में एक उम्मीद जगी है कि अब उनकी सुरक्षा सुनिश्चित होगी। हम संस्था के माध्यम से आपसे निवेदन करते हैं कि आप फरीदाबाद से गुरुग्राम तक कम से कम दो-दो महिला स्पेशल बस चलाए और तिगांव, मोहना, पलवल की तरफ से आने वाली छात्राओं और नौकरीपेशा महिलाओं के लिए भी महिला मिनी बस चलवाकर सरकार का बेटी पढ़ाओ-बेटी बढ़ाओं का सपना साकार करें। इस पर परिवहन मंत्री ने कहा कि वह इस विषय में जल्द ही कुछ कदम उठाएंगे।

टाउन पार्क में लगेंगे चार रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

फरीदाबाद। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) ने सेक्टर 12 स्थित टाउन पार्क में चार नए रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने का काम शुरू किया है। हालांकि यहां पहले से चार रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगे हुए हैं, लेकिन 43 एकड़ में फैले इस पार्क के लिए ये अपर्याप्त हैं। इसलए एचएसवीपी ने शहर के इस सुंदर पार्क में साढ़े सात लाख रुपए खर्च करके चार रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने का कार्य शुरू करवाया है। एचएसवीपी एसई राजीव शर्मा का कहना है कि इसका कार्य दिसंबर माह के अंत तक पूरा हो जाएगा। एक रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम हर साल लगभगत 14 लाख पानी जमीन में रीचार्ज करने का काम करता है।

कॉलेज के लिए बनेगी पक्की सड़क कई गांवों को मिलेगी कनेक्टिविटी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नचौली महिला कॉलेज तक बनेगी नई सड़क

नचौली से महावतपुर तक कच्चे रास्ते पर पक्की सड़क बनाने का काम शुरू किया जा रहा है। यह रोड नचौली में बन रहे नए महिला कॉलेज तक बनाई जा रही है। ताकि यहां आने वाली छात्राओं को परेशानियां न हों। फिलहाल नचौली कॉलेज की छात्राओं की कक्षाएं सेक्टर 16 स्थित महिला महाविद्यालय में लग रही है। इस बार के नए सत्र से छात्राओं की कक्षाएं यहां लगेगी। इसलिए इस सड़क को बनाया जा रहा है। इस सड़क के बन जाने से कई गांवों के लोगों को लाभ मिलेगा।

पाबंदी के कारण बंद है काम : नचौली तक बन रहे कच्चे रास्ते का कार्य सुप्रीम कोर्ट के द्वारा लगाई गई पाबंदी के कारण बंद है। प्रतिबंध हटने के बाद पीडब्ल्यूडी सड़क के लिए पत्थर डालने व नई सड़क बनाने का काम शुरू करेगा। नचौली कॉलेज से महावतपुर तक जाने वाले रास्ता ढाई किमी लंबा है। इस रास्ते को पक्का करने पर पीडब्ल्यूडी लगभग डेढ़ करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। इस सड़क की चौड़ाई 18 फुट होगी। सड़क पर मिट्टी का लेवल हो चुका है। पाबंदी हटते ही पीडब्ल्यूडी सड़क पर पत्थर डालने और नई सड़क बनाने का काम शुरू करेगा। यह नई सड़क महावतपुर गांव की भी फरीदाबाद-मंझावली रोड से कनेक्टिविटी को बेहतर करेगी। महावतपुर से बंसतपुर तक यमुना किनारे नई सड़क बनाई जा रही है, जिससे कालिंदी कुंज तक पहुंचना आसान हो जाएगा।

नचौली से महावतपुर तक बनाई जा रही सड़क के तैयार होने के बाद नचौली की तरफ बसे गांवों भी महावतपुर तक आसानी से पहुंचकर यमुना किनारे की सड़क से कालिंदी कुंज तक आ जा सकेंगे। फिलहाल नचौली की तरफ से महावतपुर तक जाने से लिए भूपानी गांव की तरफ से लंबा चक्कर लगाकर जाना पड़ता है। पीडब्ल्यूडी एक्सईएन राहुल सिंह ने बताया कि प्रदूषण के चलते फिलहाल महावतपुर से नचौली तक बनाई जा रही सड़क का काम बंद है। प्रतिबंध हटते ही काम तेजी से शुरू किया जाएगा। फरवरी महीने के अंत तक इस सड़क का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

सूरजकुंड मेले में हिमाचल के सहयोग पर की चर्चा

फरीदाबाद। सूरजकुंड मेले की थीम स्टेट हिमाचल के एक शिष्टमंडल ने रविवार को मेला परिसर का भ्रमण किया और हिमाचल प्रदेश की कला एवं संस्कृति प्रदर्शित करने के लिए स्थानों को चिन्हित किया।

मेले के नोडल अफसर राजेश जून ने बताया कि थीम स्टेट हिमाचल के शिष्टमंडल में अतिरिक्त निदेशक पर्यटन मनोज शर्मा, संयुक्त निदेशक उद्योग टीएस नेगी और भाषा, कला एवं संस्कृति प्रबंधक सुदर्शना शर्मा शामिल थीं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के मेले में भाग लेने की व्यवस्था पर मेले के नोडल अफसर राजेश जून, आर्कीटेक्ट धर्मवीर सिंह आदि अधिकारियों से चर्चा की।

पूर्व छात्रों ने कहा, वाईएमसीए को सहयोग करेंगे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए फरीदाबाद के प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा औद्योगिक संबंध प्रकोष्ठ के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में एक बिजनेस मीट का आयोजन किया। बिजनेस मीट का आयोजन प्रबंधन अध्ययन विभाग के पूर्व छात्रों के मिलन कार्यक्रम (एलुमनाई मीट) का हिस्सा था, जिसमें भारी संख्या में पूर्व छात्रों ने हिस्सा लिया।

इसमें परस्पर सहयोग को लेकर विभिन्न विषयों पर विचार किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की और डीन (संस्थान) डॉ. संदीप ग्रोवर, डीन (प्रबंधन) डॉ. अरविंद गुप्ता, प्रबंधन अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष निगम और प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़े पूर्व छात्र उपस्थित थे। पूर्व छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और औद्योगिक क्षेत्र में अपने के अनुभव साझा किये तथा शिक्षण प्रक्रिया को मजबूत बनाने तथा प्रासंगिक सहयोग प्रदान करने के लिए विचार रखे। पूर्व छात्रों ने परियोजना परामर्श, विशेष व्याख्यान और छात्रों को रोजगार मार्गदर्शन प्रदान करने की इच्छा व्यक्त की। कई पूर्व छात्रों ने इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट, प्लेसमेंट और औद्योगिक भ्रमण और उद्यमिता संबंधी गतिविधियों की व्यवस्था में विभाग को सहयोग करने की पेशकश की।

शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में जनता का सहयोग जरूरी है: मूलचंद शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

परिवहन मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा ने कहा कि मानव जीवन में स्वास्थ्य एवं शिक्षा दो ऐसी सेवाएं हैं, जो हर व्यक्ति के लिए सबसे जरूरी है और श्री आशाराम टेकराम एजुकेशनल ट्रस्ट यह दोनों सुविधाएं समाज को उपलब्ध करा रहा है, यह सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार लोगों को बेहतर चिकित्सा शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है, लेकिन फिर भी इन दोनों ही सेवाओं में आम जनमानस का सहयोग जरूरी है और इस काम को सत्यवीर डागर बखूबी निभा रहे हैं।

मूलचंद शर्मा रविवार को यहां सेक्टर 65 शाहपुरा गांव में स्थित आशा ज्योति विद्यापीठ में श्री आशाराम टेकराम एजुकेशनल ट्रस्ट एवं प्रगतिशील किसान मंच द्वारा स्वर्गीय श्री टेकराम डागर जी की पुण्यतिथि पर आयोजित विशाल निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर एवं रक्तदान शिविर में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस मौके पर बड़खल विधानसभा क्षेत्र से विधायक सीमा त्रिखा, हरियाणा सरकार में चेयरमैन सुरेंद्र तेवतिया, रोहतक नगर निगम के आयुक्त प्रदीप गोदारा, बल्लभगढ़ के एसडीएम, बस अड्डा दुकानदार यूनियन के प्रधान प्रेम खट्टर, प्रमुख समाज सेवी महेश गोयल, श्री वैश्य अग्रवाल समाज के प्रधान भगवान दास गोयल, पूर्व प्राचार्य डॉ. एसके गर्ग, सीमा जैन, योगेश गौड़, नगेन्द्र भड़ाना, गोपाल सिरोही, मोहिन्द्र बीसला, मोहम्मद बिलाल, राजन ओझा, चौ. खजान डागर, सुमित गौड़, एकवोकेट एसएस चौधरी, प्रदीप डागर, अवतार सारंग, मकरंद शर्मा, पार्षद कमल तेवतिया, अजय चौधरी, जगन डागर, गौरव चौधरी, डॉ. एसएल शर्मा, अमीरचंद, पीटीआई परशुराम शर्मा, पीटीआई श्यामलाल शर्मा सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

सत्यवीर डागर ने बताया कि इस कैंप में 101 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया तथा लगभग 1600 लोगों ने अपनी स्वास्थ्य की जांच कराया। इस कैंप में जसोला नई दिल्ली के प्रमुख नेत्र चिकित्सालय विजिटेक आई केयर सेंटर, सर्वोदय अस्पताल, डॉ. सुधा रस्तोगी डेंटल कॉलेज तथा जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के डॉक्टरों ने लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। उन्होंने बताया कि विजिटेक आई केयर सेंटर के डॉक्टरों द्वारा जिन आंखों के मरीजों के ऑपरेशन तय किए गए हैं, उनके निशुल्क ऑपरेशन भी श्री आसाराम टेकराम एजुकेशन ट्रस्ट तथा प्रगतिशील किसान मंच द्वारा संयुक्त रूप से कराए जाएंगे।

सीमा त्रिखा ने कहा की सत्यवीर डागर ने स्वास्थ्य एवं शिक्षा दोनों ही क्षेत्रों में जिस प्रकार से समाज सेवा का बीड़ा उठाया है वह अपने आप में एक उदाहरण है। पूर्व चेयरमैन सुरेंद्र तेवतिया ने कहा कि आज के समय में लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना भी अपने आप में समाज सेवा का एक रूप है और यह समाज सेवा सत्यवीर डागर भली-भांति कर रहे हैं। आभार व्यक्त करते हुए सत्यवीर डागर ने कहा कि वह इस कैंप का आयोजन अपने पिताजी की पुण्यतिथि के मौके पर करते हैं, लेकिन जिस प्रकार से सभी साथियों का सहयोग उनको इस कैंप के आयोजन में मिलता है उसके लिए मैं उनका हमेशा आभारी रहुंगा।

शिविर में जोड़ों के दर्द के लिए 153 मरीजों की जांच

फरीदाबाद। भारत विकास परिषद की संस्कार शाखा द्वारा घुटनों एवं जोड़ों के दर्द से बचाव के लिए निःशुल्क शिविर के दूसरे दिन के उद्घाटन समारोह का वरिष्ठ भाजपा नेता पं. टिपर चंद शर्मा ने दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। इसमें 153 मरीजों की जांच की गई।

पं. टिपर शर्मा ने ने संस्कार शाखा द्वारा संचालित सिलाई केन्द्र के बच्चों को पारितोषिक एवं प्रमाण पत्र देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा संस्कार द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों की प्रशंसा की। समारोह में शाखा अध्यक्ष सुनील गर्ग, सुरेन्द्र जग्गा, कैलाश शर्मा, संजीव शर्मा, अजय मल्होत्रा, अनूप गुप्ता, सुभाष अग्रवाल, अमर खान, मनोज मंगला व अमित शाह मौजूद रहे। शिविर संयोजिका रश्मि जैन, सुनीता रानी, रमा सरना, ज्योति गर्ग, सोनिया मल्होत्रा, कल्पना अग्रवाल, विनीता गुप्ता, शालिनी गुप्ता, नीरज जग्गा, विनीता गुप्ता शालू शर्मा, मीरा माथुर, सीमा मंगला व वंदना दुआ ने शिविर के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दिल्ली से आए डॉ1 यशवीर सिंह, डॉ. मीनू गौतम, डॉ. सनमीत कौर, डॉ. अनिल पाल कुमार, कमल एवं फैजान ने मरीजों की जांच की।

PUBLIC ANNOUNCEMENT

1. The Hon'ble National Company Law Tribunal, New Delhi Bench, (Adjudicating Authority) in C.A. No. 16/C-III/ND2019 in Company Petition No.(IB)-29/(ND)/2018 filed by the undersigned as Resolution Professional under Section 33(2) of Insolvency and Bankruptcy Code, 2016, vide order dated 23.09.2019 ordered liquidation of Woolways (India) Limited, Corporate Debtor (CD) and, inter alia, ordered the appointment of Sajeve Bhushan Deora, the undersigned, as Liquidator (copy of order was received by the undersigned on 24.09.2019).
2. The Public Announcement of filing of the list of stakeholders of CD with the Hon'ble Adjudicating Authority is being made by the undersigned as per provisions of Regulation 31(2) of Insolvency and Bankruptcy Board of India (Liquidation Process) Regulations, 2016 (Regulations) read with Regulation 12(3) of Regulations.
3. The list of stakeholders of CD has accordingly been filed by the undersigned today, i.e., on 24.11.2019 with the Hon'ble Adjudicating Authority and is available on the web site of the CD, www.woolways.com.
4. Public Announcement of filing of the list of stakeholders of CD with the Hon'ble Adjudicating Authority is accordingly being made by the undersigned in the (i) newspapers and (ii) on website of the CD, and will be filed with the Regulatory Authorities as per provisions of Regulation 31(2) of Regulations read with Regulation 12(3) of Regulations.

Dated: November 24, 2019; Place: New Delhi.

Sajeve Bhushan Deora,
Liquidator of Woolways India Limited (In Liquidation)
Regn. No.: IBBI/IPA-001/IP-P00317/2017-18/10581
606 New Delhi House, 27 Barakhamba Road, New Delhi 110001.
Tel: +91-11-43542784; Mobile: +91 9811903450
e-mail address: sajeve.deora@deora.com; in.woolways.sbd@gmail.com

DHFL Changing Rules Changing Lives

दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

राष्ट्रीय कार्यालय : एचडीआईएल हाउस, आठवीं मंजिल, अनंत कानेटकर मार्ग, बांद्रा (पूर्व), मुंबई 400051.
शाखा कार्यालय : डीएचएफएल, ड्रीम्स मॉल, पहली मंजिल, एलबीएस मार्ग, भांडुप (पश्चिम), मुंबई 400078.

माँग सूचना

सिक्यूरीटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनेन्सियल एस्सेट्स एवं इंफोर्समेंट ऑफ सिक्यूरिटी इंटरेस्ट एक्ट २००२ (उपरोक्त कानून की धारा १३(२) के साथ सपठित सिक्यूरिटी इंटरेस्ट (इंफोर्समेंट) नियम २००२(उपरोक्त नियम) का नियम ३(१) के अंतर्गत तथा उपरोक्त नियम का नियम ३ के साथ उपरोक्त कानून की धारा १३(१२) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त कानून की धारा १३(२) के अंतर्गत संबंधित सूचना(ओं) में वर्णित राशि का पुर्नभुगतान करने हेतु ऋणकर्ता (ओ) को मांग पत्र जारी किया है। उपरोक्त संबंध में एक बार पुनः सूचना दी जाती है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से ६० दिवस के अंदर माँग सूचना के दिनांक से भुगतान करने की दिनांक तक शेष ब्याज राशि सहित ऋणकर्ता पूर्ण राशि का भुगतान करे, राशि को नीचे दर्शाया गया है। ऋणकर्ताओं का विवरण, मांग पत्र का दिनांक तक शेष राशि एवं ऋण राशि का पुर्नभुगतान हेतु जमानत का विवरण निम्न है। ऋण की उचित चुकौती के लिए सुरक्षा के . प में, निम्नलिखित संपत्ति क्रमशः डीएचएफएल को ऋणकर्ता (ओं) द्वारा गिरवी रख दी गई है।

ऋण अनुबंध नं. मांग/ऋणकर्ता(ओं)/ प्रत्याभूति दाता/ओं का नाम	डिमांड नोटीस दिनांक एवं एनपीए दिनांक सहित राशि	धरोहर संपत्तियों का विवरण (अचल संपत्ति/याँ)
(गुडगांव - सोहना रोड शाखा की एलसी नं. ०००४१२५४) मनोज कुमार (ऋणी) श्रीमती रजनी (सहऋणी १)	२६.०९.२०१९/ ₹ २७२१५३१/- (सत्ताईस लाख इक्कीस हजार पांच सौ इकत्तीस) एनपीए (०१.०९.२०१८)	फ्लैट नं. के-११०२, ११ वीं मंजिल, टॉवर नं. सी सुषमा ग्रीन विस्टा गाजीपुर, जिरकपुर, चंडीगढ, मोहाली - १४०६०३
(फरीदाबाद - सेक्टर १९ शाखा की एलसी नं. ०००४११४१) राजन गुप्ता (ऋणी) पायल अग्रवाल (सहऋणी १)	२६.०९.२०१९/ ₹ २३८६४६१/- (तेईस लाख छियासी हजार चार सौ इकसठ) एनपीए (०१.०४.२०१९)	फ्लैट नं. १८०१, १८ वीं मंजिल, टॉवर - सी मनोरथ ग्रेटर नोएडा वेस्ट, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, गौतमबुद्ध) नगर - २०१३०१
(दिल्ली - सफदरजंग शाखा की एलसी नं. ०००४१४५८) पवन कुमार वर्मा (सहऋणी १) संगीता वर्मा (सहऋणी १)	२६.०९.२०१९/ ₹ ३६४४१३९/- (छत्तीस लाख चवालिस हजार एक सौ उनचालिस) एनपीए (०१.०४.२०१८)	फ्लैट नं. ४०२, ४ थी मंजिल, टॉवर टी२, स्पायर साउथ, सेक्टर ६८, गुडगांव, गुडगांव - १२२००१
(कनॉट प्लेस शाखा की एलसी नं. ०००००३७६) खगेश गुप्ता (सहऋणी) पदम कुमार गुप्ता (सहऋणी १)	२६.०९.२०१९/ ₹ ४२९१०८३/- (बयालिस लाख इक्यानवे हजार तिरासी) एनपीए (०१.०२.२०१८)	युनिट नं. जी-१५०२, १५ वीं मंजिल, टॉवर जी ला गैलेक्सिया, प्लॉट नं. एच आर ए-११, सुरजपुर साइट -सी-पी - एच-२, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध) नगर - २०१३९०
(दिल्ली सीपी शाखा की एलसी नं. ०००४१०९१) आलोक माथुर (ऋणी) प्रेमा माथुर (सहऋणी १)	२६.०९.२०१९/ ₹ २६०७५३६/- (छब्बीस लाख सात हजार पांच सौ छत्तीस) एनपीए (०१.०१.२०१९)	युनिट नं. जी-१८०२, १८ वीं मंजिल, टॉवर डी ट्यूलिप १ पार्क एवेन्यू प्लॉट नं. जी सी ०२, टाउनशिप गौर सिटी प्लॉट जीएच ०१, सेक्टर - ४, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध) नगर - २०१३०८
गुडगांव सोहना रोड शाखा की एलसी नं. ०००४१५४७) विजय प्रताप सिंह (ऋणी) पूजा सिंह (सहऋणी १)	२६.०९.२०१९/ ₹ ४१६१७८७/- (इकतालिस लाख इकसठ हजार सात सौ सिस्यासी) एनपीए (०१.०४.२०१९)	फ्लैट नं. जी-१२०२, १२ वीं मंजिल, टॉवर ई मस्कट मनोरथ सोहो, प्लॉट नं. जी एच ०४बी/१सेक्टर - १६, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध) नगर - २०१३०७
(नई दिल्ली - पश्चिम शाखा की एलसी नं. ०००००९६३) रमीज कमर (ऋणी) जावेद कमर (सहऋणी १)	२६.०९.२०१९/ ₹ ३६२४९५४/- (छत्तीस लाख चौबीस हजार नौ सौ चौवन) एनपीए (०१.०४.२०१९)	फ्लैट नं. जी-१४०३, १४ वीं मंजिल, टॉवर सी मस्कट मनोरथ सोहो, प्लॉट नं. जी एच ०४बी/१सेक्टर - १६, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, गौतमबुद्ध) नगर - २०१३०८
(कडकडडुमा नोएडा शाखा की एलसी नं. ०००००००७४) फैजल अनीस (ऋणी) मरियम फातिमा (सहऋणी १)	२६.०९.२०१९/ ₹ २७९९२८५/- (सत्ताईस लाख निन्यानवे हजार दो सौ पिच्चसी) एनपीए (०१.१२.२०१८)	फ्लैट नं. जी-८०४, ८ वीं मंजिल, टॉवर टी २०, आम्रपाली ला-रेसिडेंशिया, प्लॉट नं. जी एच ००६ए, टेक जोन ४, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, गौतमबुद्ध) नगर - २०१३०८
(भिवाडी शाखा की एलसी नं. ०००००२७६) आकांक्षा शुक्ला (ऋणी) राजकुमार शुक्ला (सहऋणी १)	२६.०९.२०१९/ ₹ ३२३२८०९/- (बत्तीस लाख बत्तीस हजार आठ सौ नौ) एनपीए (०१.०६.२०१७)	प्लॉट नं. ए ०९, अवनी ग्रीन्स विलेज शाहबाद अलवर बायपास रोड, तीजारा, राजस्थान, अलवर - ३०१०१९
(दिल्ली सफदरजंग शाखा की एलसी नं. ०००४३००७) पूजा शर्मा (ऋणी) अमित कुमार (सहऋणी १)	२६.०९.२०१९/ ₹ ४३१०९७१/- (तिरालिस लाख दस हजार नौ सौ इकहत्तर) एनपीए (०१.०३.२०१९)	फ्लैट नं. २४०४, २४ वीं मंजिल, आयरिस टॉवर क्लाउड ९, गाजियाबाद, गाजियाबाद - २०१०१०
(हल्दवानी शाखा की एलसी नं. ००००३०५१) राजेश कुमार (ऋणी) सुमन देवी (सहऋणी १)	२६.०९.२०१९/ ₹ १४४९५३५/- (चौदह लाख उनपचास हजार पांच सौ पैंतीस) एनपीए (०१.०८.२०१९)	खेत नं. १४०, पार्ट बांके ग्राम, चनेहाटी, बरेली, सब्जी मंडी के पास, बरेली, बरेली - २४३००१
(भिवाडी शाखा की एलसी नं. ०००००४२७) विपिन कुमार (ऋणी) अंजू (सहऋणी १)	२६.०९.२०१९/ ₹ २४८९८४९/- (चौबीस लाख नवासी हजार आठ सौ उनपचास) एनपीए (०१.०७.२०१९)	प्लॉट नं. ३९४, प्रथम मंजिल, ब्लॉक बीएच भावराव देवरस योजना, सेक्टर १२, प्रताप विहार, गाजियाबाद, गाजियाबाद - २०१०१०
(गुडगांव शाखा की एलसी नं. ००००१७६९) अमित डबास (ऋणी) अंजू (सहऋणी १)	२६.०९.२०१९/ ₹ ४०३७३७७/- (चालिस लाख सैंतीस हजार तीन सौ सतहत्तर) एनपीए (०१.०२.२०१९)	डी-२०, २ री मंजिल, सेक्टर ८, द्वारका, नई दिल्ली, नई दिल्ली - ११००७५
(भिवाडी शाखा की एलसी नं. ०००००५६७) गुरमीत सिंह (ऋणी) चरणजीत कौर (सहऋणी १) गुरुचरण सिंह (सहऋणी २)	२६.०९.२०१९/ ₹ २२६८४७२/- (बाईस लाख अडसठ हजार चार सौ बहत्तर) एनपीए (०१.०२.२०१९)	पी नं. ३३-ए, टी. एफ. विथ रुफ, बैक साइड, ख. नं. १२३, गली नं. ०९, ब्लॉक-० एक्स्ट, विलेज बिंदापुर, वानी विहार, उत्तम नगर, नई दिल्ली, नई दिल्ली - ११००७५
(रोहिणी शाखा की एलसी नं. ००००१८२८) इंद्रेश (ऋणी) रजनी (सहऋणी १)	२६.०९.२०१९/ ₹ २६५७४७३/- (छब्बीस लाख सत्तावन हजार चार सौ तिहत्तर) एनपीए (०१.०७.२०१९)	बी-४५१, पुराना नं. ३९, ३ री मंजिल, एलएचएस छत सहित, ख. नं. २९७८/६३५, अहाता नं. ३९, विलेज बसई दारापुर, सुदर्शन पार्क एक्स्ट, दिल्ली, नई दिल्ली - ११००१५

यदि उपरोक्त ऋणकर्ता राशि का डीएचएफएल को भुगतान करने में असफल रहते है तो डीएचएफएल धरोहर संपत्ति के वि.) उपरोक्त कानून की धारा १३(४) के अंतर्गत लागू नियमों के अनुसार ऋणकर्ता के स्वयं के परिणाम, मूल्य एवं पूर्ण जोखिम पर कार्यवाही करेगी । उपरोक्त ऋणकर्ता

स्थानीय भाषाओं को खत्म होने से बचाना होगा: मोदी

● आकाशवाणी पर प्रसारित मन की बात कार्यक्रम में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा, हमारी सभ्यता, संस्कृति और भाषाएं पूरे विश्व को विविधता में एकता का सन्देश देती है।

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की संस्कृति एवं विविधता में स्थानीय भाषाओं एवं बोलियों के महत्व को रेखांकित करते हुए चिंता व्यक्त की कि इन भाषाओं के संरक्षण के स्थानीय प्रयासों के बावजूद कहीं ये भाषाएँ और बोलियाँ खत्म तो नहीं हो जाएंगी। आकाशवाणी पर प्रसारित मन की बात कार्यक्रम में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा, हमारी सभ्यता, संस्कृति और भाषाएं पूरे विश्व को विविधता में एकता का सन्देश देती हैं। 130 करोड़ भारतीयों का ये वो देश है, जहाँ कहा जाता था कि, कोस-कोस पर पानी बदले और चार कोस पर वाणी। हमारी भारत भूमि पर सैकड़ों भाषाएँ सदियों से पुष्पित पल्लवित होती रही हैं। हालाँकि, हमें इस बात की भी चिंता होती है कि कहीं ये भाषाएँ और बोलियाँ खत्म तो नहीं हो जाएगी।

मोदी ने कहा कि पिछले दिनों, उन्हें उत्तराखंड के धारचूला की कहानी पढ़ने को मिली।उन्हें काफी संतोष मिला कि किस प्रकार लोग अपनी भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए आगे आ रहे हैं। कुछ लोग नवोन्मेष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि धारचूला की खबर पर उनका ध्यान इसलिए भी गया कि किसी समय वह धारचूला में आते-जाते रुका करते थे। उस पार नेपाल, इस पार कालीगंगा - तो स्वाभाविक है धारचूला सुनते ही इस खबर पर उनका ध्यान गया। मोदी ने कहा कि पिथौरागढ़ के धारचूला में, रंग समुदाय के का2398ीं लोग रहते हैं, इनकी, आपसी बोल-चाल की भाषा रगलो है। ए लोग इस बात को सोचकर अत्यंत दुखी हो जाते थे कि इनकी भाषा बोलने वाले लोग लगातार कम होते जा रहे हैं - फिर क्या था, एक दिन, इन सबने, अपनी भाषा को बचाने का संकल्प ले लिया। देखते-ही-देखते इस मिशन में रंग समुदाय के लोग जुटते चले गए। उन्होंने कहा कि इस समुदाय के लोगों की संख्या गिनती भर की है। मोटा-मोटी अंदाज़ कर सकते हैं कि शायद दस हज़ार हो, लेकिन, रंग भाषा को बचाने के लिए हर कोई जुट गया, चाहे, चौरासी साल के बुज़ुर्ग दीवान सिंह हों या बाईस वर्ष की युवा वैशाली गर्ब्याल प्रोफेसर हों या व्यापारी, हर कोई,हर संभव कोशिश में लग गया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस मिशन में, सोशल मिडिया का भी भरपूर प्रयोग किया गया। कई व्हाट्स एप ग्रुप बनाए गए। सैकड़ों लोगों को उसमें जोड़ा गया। इस भाषा की कोई लिपि नहीं है। सिर्फ, बोल-चाल में ही एक प्रकार से इसका चलन है। ऐसे में, लोग कहानियाँ, कविताएँ और गाने पोस्ट करने लगे। एक-दूसरे की भाषा ठीक करने लगे। मोदी ने कहा कि एक प्रकार से व्हाट्स एप ही कक्षा बन गया जहाँ हर कोई शिक्षक भी है और विद्यार्थी भी। रंगलोक भाषा को संरक्षित करने का एक इस प्रयास में है। तरह-तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, पत्रिका निकाली जा रही है और इसमें सामाजिक संस्थाओं की भी मदद मिल रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने 2019 को अंतरराष्ट्रीय स्थानीय भाषा वर्ष घोषित किया है। यानी उन भाषाओं को संरक्षित करने पर जोर दिया जा रहा है जो विलुप्त होने के कगार पर हैं। उन्होंने इस संबंध में आधुनिक हिंदी के जनक, भारतेंदु हरिश्चंद्र और महाकवि सुब्रह्मण्यम भारती द्वारा तमिल में कही गई बातों का जिक्र भी किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दो दिन बाद 26 नवम्बर है। यह दिन पूरे देश और गणतंत्र के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इस दिन को हम संविधान दिवस के रूप में मनाते हैं। उन्होंने कहा कि इस बार का संविधान दिवस अपने आप में विशेष है, क्योंकि, इस बार संविधान को अपनाने के 70 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस बार इस अवसर पर संसद में विशेष आयोजन होगा और फिर साल भर पूरे देशभर में अलग-अलग कार्यक्रम होंगे।

मोदी ने कहा, इस अवसर पर हम संविधान सभा के सभी सदस्यों को आदरपूर्वक नमन करें, अपनी श्रद्धा अर्पित करें। भारत का संविधान ऐसा है जो प्रत्एक नागरिक के अधिकारों और सम्मान की रक्षा करता है और यह हमारे संविधान निर्माताओं की दूरदर्शिता की वजह से ही सुनिश्चित हो सका है। मैं कामना करता हूँ कि संविधान दिवस हमारे संविधान के आदर्शों को कायम रखने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की हमारी प्रतिबद्धता को बल दे। आखिर यही सपना तो हमारे संविधान निर्माताओं ने देखा था।

प्रधानमंत्री मोदी का संवाद जनवरी की शुरुआत या बीच में आयोजित हो सकता है

नई दिल्ली (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बताया कि उनका प्रयास होगा कि इस बार परीक्षा पर चर्चा का उनका संवाद जनवरी की शुरुआत या बीच में हो जाए और इस दिशा में मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं माई जीओवी की टीम मिलकर काम कर रही है। आकाशवाणी पर प्रसारित मन की बात कार्यक्रम में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कार्यक्रम के बाद कई लोगों ने परीक्षा पर चर्चा को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने सुझाव भेजे हैं, और शिकायत भी की थी कि पिछली बार देर से हुआ था, परीक्षा एकदम से निकट आ गई थी। मोदी ने कहा, यह सुझाव सही है कि मुझे इसको जनवरी में करना चाहिए। मानव संसाधन विकास मंत्रालय और माई जीओवी की टीम मिलकर इस पर काम कर रही है। मैं कोशिश करूंगा इस बार परीक्षा पर चर्चा जनवरी की शुरुआत में या बीच में हो जाए। उन्होंने कहा कि देश भर के विद्यार्थियों-साथियों के पास दो अवसर हैं। पहला, अपने स्कूल से ही इस कार्यक्रम का हिस्सा बनना। दूसरा, यहाँ दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में भाग लेना। दिल्ली के लिए देश-भर से विद्यार्थियों का चयन माई जीओवी के माध्यम से किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम सबको मिलकर परीक्षा के भय को भगाना है। मेरे युवा-साथी परीक्षाओं के समय हँसते-खिलखिलाते दिखें। अभिभावक तनाव मुक्त हों, शिक्षक आश्वस्त हों, इसी उद्देश्य को लेकर पिछले कई सालों से हम मन की बात के माध्यम से परीक्षा पर चर्चा के माध्यम से या फिर एक्जाम वैरियर्स पुस्तक के माध्यम से लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इस मिशन को देशभर के विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों ने गति दी। इसके लिए मैं इन सबका आभारी हूँ और आने वाली परीक्षा चर्चा का कार्यक्रम हम सब मिलकर मनाएँ - आप सब को निमंत्रण हैं। दरअसल, नमो ऐप पर मध्य प्रदेश से श्वेता ने अगली परीक्षा पर चर्चा के बारे में पूछा था। नौवीं कक्षा की छात्रा श्वेता ने लिखा है कि बोर्ड की परीक्षा में अभी एक साल का समय है और वह छात्रों एवं एक्जाम वैरियर्स के साथ उनकी बातचीत लगातार सुनती हैं लेकिन आपने अब तक ए नहीं बताया है कि अगली परीक्षा पर चर्चा कब होगी। सम्भव हो तो, जनवरी में ही इस कार्यक्रम का आयोजन करें। प्रधानमंत्री ने इस पर कहा कि उन्हें यह बात बहुत अच्छी लगती है - युवा-मित्र उनसे अधिकार और स्नेह के साथ शिकायत करते हैं, आदेश देते हैं, सुझाव देते हैं। श्वेता जी ने बहुत ही सही समय पर इस विषय को उठाया है। परीक्षाएँ आने वाली हैं, तो हर साल की तरह हमें परीक्षा पर चर्चा भी करनी है। आपकी बात सही है इस कार्यक्रम को थोड़ा पहले आयोजित करने की आवश्यकता है।

मुंबई में रविवार को महाराष्ट्र सरकार के गठन पर अखबार में समाचार पढ़ता हुआ व्यक्ति

बारामती के लोगों को भरोसा, राकांपा संकट का समाधान कर लेंगे शरद पवार

भाषा। पुणे

● बारामती को पवार परिवार का मजबूत गढ़ माना जाता है

महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए राकांपा नेता अजित पवार द्वारा भाजपा को समर्थन देने के बाद बने राजनीतिक हालात के मद्देनजर बारामती के लोगों को लगता है कि राकांपा प्रमुख शरद पवार अपनी पार्टी के मौजूदा संकट का समाधान कर लेंगे। बारामती को पवार परिवार का मजबूत गढ़ माना जाता है।

अजित पावर राकांपा प्रमुख के भतीजे हैं और इस बार विधानसभा चुनाव में पुणे की बारामती सीट से रिकॉर्ड 1.65 लाख वोट के अंतर से जीते हैं। उन्होंने शनिवार को भाजपा से हाथ मिला लिया और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस के साथ उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। बारामती के कुछ स्थानीय लोगों ने अजित पवार के फैसले से नाखुशी जताई है, और अन्य को उम्मीद है कि शरद पवार हालत से निपटने में सक्षम होंगे और अपने भतीजे को वापस राकांपा में ले आएंगे।

बारामती के 35 वर्षीय एक नागरिक ने कहा, अजित पवार का फैसला गलत है लेकिन हमें उम्मीद है कि बड़े (शरद) पवार उन्हें वापस पार्टी में ले आएंगे। बारामती के गांव काटेवाड़ी के एक निवासी ने कहा, अजित पवार ने शनिवार को जब भाजपा के साथ हाथ मिलाकर उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली तो बारामती में कहीं कोई जश्न नहीं मनाया गया। मुंबई में शनिवार को हुए इस नाटकीय घटनाक्रम के तुरंत बाद बारामती में शरद पवार के समर्थन में बड़ी-बड़ी होर्डिंग लगा दी गईं, लेकिन कुछ घंटों बाद ही स्थानीय निकाय ने इसे हटा दिया।

पुलिस ने कहा कि बैनर इसलिए हटाए गए क्योंकि इन्हें लगाने से पहले नगर परिषद की अनुमति नहीं ली गई थी। राकांपा के एक कार्यकर्ता ने कहा कि बैनर इसलिए हटाए गए ताकि पवार परिवार में विभाजन खुलकर सामने न आए। जब एक कार्यकर्ता से पूछा गया कि दोनों पवार में वह किसे चुनेंगे तो उसने उम्मीद जताई कि सबकुछ ठीक हो जाएगा और अजित दादा वापस पार्टी में आ जाएंगे। बारामती के एक अन्य निवासी ने कहा कि अगर उन्होंने कोई फैसला किया है, तो उसकी कुछ वजह होगी। उस व्यक्ति ने कहा, उन्होंने (अजित) फैसला किया है, हम उनके साथ हैं।

क्विक न्यूज

श्रीनगर का साप्ताहिक बाजार खरीददारों से गुलजार

श्रीनगर (भाषा)। श्रीनगर मे लगने वाले साप्ताहिक बाजार मे रविवार को खरीददारो की भारी भीड़ देखने को मिली। चार दिन पहले धमकी वाले पोस्टर चिपके मिलने के बाद घाटी मे बंद की स्थिति हो गई थी। अधिकारियो ने यह जानकारी दी। अधिकारियो ने बताया कि कश्मीर घाटी मे रविवार सुबह सिविल लाइन्स समेत कुछ स्थानो पर दुकानदारो ने दुकाने खोली और क्षेत्र मे छोटी बसे दौड़ती देखने को मिली। कारोबारी हब लालचौक के पास भी कुछ दुकाने खुली रही। हालांकि अधिकारियो के अनुसार शहर के पुराने हिस्सो मे अधिकतर दुकाने और अन्य कारोबारी प्रतिष्ठान बंद रहे। जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान समाप्त करने के बाद इसके विरोध मे घाटी मे तीन महीने तक बंद के बाद घाटी मे जनजीवन पिछले कुछ हफ्तो से वापस पटरी पर लौट रहा था लेकिन यहां एवं अन्य स्थानो पर दुकानदारो एवं स्थानीय ट्रांसपोर्टरो को धमकी देने वाले पोस्टर चिपकाए जाने के बाद बुधवार से फिर से बंद शुरू हो गया।

बच्ची से दुष्कर्म का आरोपी शिक्षक गिरफ्तार

बांदा, उप (भाषा)। बांदा जिले के तिदवारी क्षेत्र स्थित एक निजी स्कूल मे पढ़ने वाली छह साल की बच्ची के बलात्कार के आरोप मे उसके शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। बांदा सदर के पुलिस उपाधीक्षक (सीओ) ओमप्रकाश ने रविवार को बताया कि तिदवारी थाना क्षेत्र मे एक गांव के स्कूल की कक्षा एक मे पढ़ने वाली छह साल की बच्ची के दुष्कर्म के आरोप मे शनिवार को उसी स्कूल के शिक्षक किशन मिश्रा (24) को गिरफ्तार किया गया। उन्होने पीड़ित बच्ची की मां की तहरीर पर शनिवार को दर्ज की गई रिपोर्ट के हवाले से बताया कि शुक्रवार शाम स्कूल की छुट्टी होने के बाद बच्ची और उसके छोटे भाई को शिक्षक ने ट्यूशन पढ़ाने के बहाने स्कूल मे रोक लिया था। उसने कुछ देर बाद उसके भाई को गांव की दुकान से टॉफी लेने भेज दिया और बच्ची के साथ कथित रूप से दुष्कर्म किया है।

इस बार जेकेके के शिल्पग्राम में होगा साहित्य उत्सव

जयपुर (भाषा)। राजस्थान प्रगतिशील लेखक संघ द्वारा आयोजित सालाना समानांतर साहित्य उत्सव (पीएलएफ) इस बार यहां के प्रतिष्ठित जवाहर कला केंद्र (जेकेके) के शिल्पग्राम मे आयोजित होगा। इसमे देश भर से भारतीय भाषाओं के लेखको पाठको के भाग लेने की उम्मीद है। उत्सव के मुख्य संयोजक ईशमधु तलवार ने बताया कि सामानंतर साहित्य उत्सव का यह तीसरा साल होगा और पहली बार यह जवाहर कला केन्द्र के शिल्प ग्राम मे आयोजित किया जा रहा है। तीन दिवसीय उत्सव 21 फरवरी 2020 से शुरू होगा। उन्होने बताया किहिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्यकारो को प्रोत्साहित करने व एक मंच देने के लिए इसकी शुरुआत की गई थी।

सुकमा में तीन नक्सली गिरफ्तार, दो महिला नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

भाषा । सुकमा

● उन्हें न्यायिक हिरासत में रिमांड पर भेज दिया गया है

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में अलग-अलग स्थानों पर तीन नक्लसियों को गिरफ्तार किया गया और दो महिला नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया।

एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि एक सुरक्षा दल ने जांच अभियान के दौरान चिंतागुफा पुलिस थाना क्षेत्र के तहत आने वाले टिमेलवाडा गांव के समीप शनिवार को नक्सलियों कवासी सिंगा (40), पोडियम आयटा (42) और मडकम सोमदा (22) को पकड़ा। उन्होंने बताया कि डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) इस अभियान में शामिल थे। उन्होंने कहा, ए तीनों चिंतागुफा इलाके में 2017 में पुलिस दलों पर हमला करने की दो घटनाओं में शामिल थे। उन्हें न्यायिक हिरासत में रिमांड पर भेज दिया गया है।

एक अन्य घटना में महिला नक्सली पोडियम सोमदी (24) और मादवी मुके (27) ने शनिवार को सुकमा शहर में वरिष्ठ पुलिस और सीआरपीएफ के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया। इस बीच, छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में नक्सलियों ने सड़क निर्माण में शामिल पांच वाहनों और एक मशीन को फूंक दिया। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना छोटेडोंगर पुलिस थाना इलाके के तहत मादोनर गांव के समीप शनिवार शाम को हुई जहां प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण का काम चल रहा था।

पुनर्विचार याचिका से हिंदू-मुस्लिम एकता को नुकसान होगा

भाषा। नई दिल्ली

● अयोध्या विवाद पर राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष गयूरुल हसन रिजवी ने कहा

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष गयूरुल हसन रिजवी ने रविवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय के अयोध्या पर आए फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करना मुस्लिमों के हित में नहीं होगा और इससे दोनों समुदायों के बीच एकता को नुकसान पहुंचेगा।

अल्पसंख्यक आयोग के प्रमुख ने कहा कि पुनर्विचार याचिका दायर करने से हिंदुओं के बीच ऐसा संदेश जाएगा कि वे राम मंदिर के निर्माण के रास्ते में रोड़े अटका रहे हैं। उन्होंने मुस्लिम पक्ष से मस्जिद के लिए दी गई पांच एकड़ की वैकल्पिक भूमि को स्वीकार करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि ऐसा करना न्यायपालिका का सम्मान होगा। एक साक्षात्कार में रिजवी ने कहा कि एनसीएम ने उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद एक बैठक की थी और उसके सभी सदस्यों ने एक सुर में कहा था कि फैसले को स्वीकार करना चाहिए। एनसीएम अध्यक्ष ने कहा कि मुस्लिमों को अयोध्या में मंदिर बनाने में मदद करनी चाहिए जबकि हिंदुओं को मस्जिद के निर्माण में मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह दोनों समुदायों के बीच सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा।

रिजवी के अनुसार, पुनर्विचार याचिका दायर करने से हिंदुओं के बीच यह संदेश जाएगा कि मुस्लिम समुदाय अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की राह में रोड़े अटकाना चाहता है। उन्होंने कहा कि इससे हिंदू-मुस्लिम एकता को नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने कहा, पुनर्विचार याचिका दायर नहीं करनी चाहिए क्योंकि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) और जमीयत उलेमा-ए-हिंद समेत सभी पक्षों ने वादा किया था कि उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि एआईएमपीएलबी और जमीयत जैसे मुस्लिम संगठन अपने वादे से मुकर रहे हैं।

रिजवी ने पूछा, सिर्फ अभी नहीं बल्कि कई वर्षों से वे कह रहे हैं कि वे उच्चतम न्यायालय के फैसले को स्वीकार करेंगे तो फिर पुनर्विचार की क्या जरूरत है? उन्होंने पूछा कि पुनर्विचार याचिका दायर करने का क्या औचित्य है जब वे भी कह रहे हैं कि याचिका 100 फीसदी खारिज कर दी जाएगी। एनसीएम प्रमुख ने कहा, इस देश का आम मुस्लिम पुनर्विचार याचिका के पक्ष में नहीं है क्योंकि वह नहीं चाहता कि जो मामले सुलझ गए है उन्हें फिर उठाया जाए और समुदाय ऐसी चीजों में फंसे।

उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री नहीं बनने से दुखी शिवसेना समर्थक ने की आत्महत्या की कोशिश

मुंबई (भाषा)। महाराष्ट्र में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री नहीं बनने से दुखी एक शिवसेना समर्थक ने वाशिम जिले में कथित तौर पर आत्महत्या करने की कोशिश की। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार शाम को मुंबई से 580 किमी दूर मनोरा चौक पर हुई। वाशिम जिले के उमरी गांव निवासी रमेश बालू जाधव वहां किसी काम से गया था। दिगरस पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की खबर मिलने के बाद नशे में धुत जाधव ने ब्लेड से अपना हाथ काट लिया।

अंधेरी, मुंबई में रविवार को जे डब्ल्यू मैरियट के बाहर सुरक्षाकर्मी गश्त करते हुए जहां कांग्रेस विधायकों को स्थानांतरित किया गया है

शहद निर्यात को बढ़ावा देने के लिए निर्यातकों के बीच एनएमआर जांच पर बनी सहमति

भाषा। नई दिल्ली

शहद निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने वाणिज्य मंत्रालय के तहत आने वाले निर्यात निरीक्षण परिषद (ईआईसी) से कहा है कि वह निर्यात किए जाने वाले शहद की शुद्धता को सुनिश्चित करने के लिए एनएमआर जांच को अनिवार्य करे।

एनएमआर (परमाणु चुम्बकीय प्रतिध्वनि) जांच के जरिए शहद के उत्पादन स्थल, उसमें किसी भी तरह की मिलावट, उसमें विभिन्न पोषक अवयवों की उपलब्धता आदि की गहन जांच की जाती है और इस परीक्षण से गुजरने के बाद निर्यात पर शहद के लिए अच्छे दाम मिलते हैं। शहद उद्योग के प्रतिनिधियों के अनुसार वाणिज्य मंत्रालय के तहत आने वाले कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकार (एपिडा) की बैठक में 18 नवंबर को शहद निर्यातकों की एक बैठक बुलाई गई और उसी दिन शहद निर्यातक संघ का गठन किया गया। इस बैठक में सभी निर्यातकों के बीच इस बात को लेकर सहमति बनी कि एनएमआर जांच को अनिवार्य किया जाए।

राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड के कार्यकारिणी सदस्य देवव्रत शर्मा ने बताया, अभी ईआईसी ने मुंबई के पास एक प्रयोगशाला की स्थापना की है जिसमें अभी सिर्फ निर्यात खेप वाले शहद के नमूनों की जांच की व्यवस्था है लेकिन आम किसानों को यह सुविधा हासिल नहीं है। दो वर्ष पहले निर्यातकों को जहां शहद के लिए 2,900 डॉलर प्रति टन के दाम मिलते थे वहीं मिलावटी शहद के कारण अब 1,500 डॉलर के आसपास भाव मिलने लगा है। लेकिन एनएमआर जांच से गुजरने के बाद विदेशों में हमारे सामान की गुणवत्ता और उसकी साख बढ़ेगी। इससे निर्यात बढ़ेगा और दाम भी अच्छे मिलेंगे। उन्होंने बताया, पिछले साल 62,000 टन शहद का निर्यात हुआ था। हमें शहद के लिए 1,500 डॉलर प्रति टन का भाव मिला। लेकिन उम्मीद है कि एनएमआर जांच वाले शहद के लिए हमें फिर से लगभग 2,000 डॉलर प्रति टन से अधिक का भाव मिलना शुरु होगा।

दल बदल मामलों में स्पीकर के अधिकतम छह महीने में फैसला सुनाने की व्यवस्था बने : आचारी

भाषा। नई दिल्ली

महाराष्ट्र और कर्नाटक के सियासी घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में दलबदल कानून के प्रावधानों को लेकर बहस छिड़ी हुई है। विशेषज्ञ, दल बदल के मामलों में स्पीकर को विधायकों की सदस्यता के बारे में छह महीने के भीतर फैसला लेने पर जोर दे रहे हैं। दल बदल विरोधी कानून पर संविधान विशेषज्ञ एवं लोकसभा के पूर्व महासचिव पी डी टी आचारी से भाषा के पांच सवाल एवं उनके जवाब :

सवाल : महाराष्ट्र, कर्नाटक जैसी स्थितियों में दल बदल विरोधी कानून कब और किस प्रकार से लागू किया जा सकता है?

जवाब : दल बदल विरोधी कानून (एंटी डिफेक्शन लॉ) के तहत अयोग्य करार दिए जाने के कुछ आधार स्पष्ट किए गए हैं जिसमें यदि कोई विधायक स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता त्याग दे, अगर वह पार्टी द्वारा जारी किए गए निर्देश या व्हिप के खिलाफ जाकर वोट करे या फिर वोटिंग से दूर रहे। इसके अलावा इसमें प्रावधान है कि एक पार्टी का विलय दूसरी पार्टी में हो सकता है लेकिन इसके लिए कम से कम पार्टी के दो-तिहाई विधायकों का वोट जरूरी है। महाराष्ट्र में अजीत पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के रुख के खिलाफ विधायकों को लेकर भाजपा के साथ सरकार बनाई। ऐसे में वहां दल बदल विरोधी कानून का आधार बनता है। शक्ति परीक्षण के समय राकांपा का व्हिप भी अजीत पवार एवं उनके सहयोगी विधायकों पर लागू होगा एवं व्हिप के उल्लंघन पर वे कानून के दायरे में आएंगे।

सवाल : सदन में चुनाव के बाद अस्थाई स्पीकर विधायकों को शपथ दिलाते हैं, इसके पश्चात स्पीकर का चुनाव होता है और फिर शक्ति परीक्षण होता है। ऐसे में अगर अजीत पवार को समर्थन देने वाले विधायकों की संख्या सदन में दो तिहाई होती है तब क्या दल बदल विरोधी कानून लागू होगा?

जवाब : अगर अजीत पवार को समर्थन देने वाले विधायकों की संख्या पार्टी के विधायकों की कुल संख्या की दो तिहाई हो, तब भी दल बदल विरोधी कानून लागू होगा। संविधान की 10वीं अनुसूची के पैराग्राफ 4 में यह प्रावधान किया गया है कि दो दलों का विलय होना चाहिए और इसके लिए पार्टी के दो तिहाई विधायकों का समर्थन जरूरी है। अगर विलय नहीं होता है तब दल बदल विरोधी कानून लागू होने का आधार बनता है।

सवाल : दल बदल विरोधी कानून के समक्ष वर्तमान चुनौतियां क्या हैं और आगे का रास्ता क्या है?

जवाब : जब तब राजनीतिक व्यवस्था है तब तक दल बदल होता रहेगा, ऐसा मेरा मानना है। समस्या इस कानून के अनुपालन को लेकर है। ऐसा कई बार हुआ है जब स्पीकर ने दो..तीन साल तक फैसला नहीं दिया और कुछ मामले में पूरे कार्यकाल में निर्णय नहीं लिया। मेरा मानना है कि स्पीकर के लिए दल बदल के मामलों में फैसला लेने की समय अवधि को निश्चित किया जाना चाहिए। इसके लिए अधिकतम छह महीने में फैसला लेने की एक व्यवस्था या नियम बनाया जाना चाहिए।

सवाल : जब एक पार्टी के कुछ विधायक इस्तीफा देकर दूसरे दल के लिए सदन में बहुमत प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं, जैसा कि कर्नाटक के मामले में देखा गया, ऐसी परिस्थिति में दल बदल विरोधी कानून कैसे लागू होगा?

जवाब : ऐसी स्थिति में भी दल बदल विरोधी कानून लागू होगा। अगर स्पीकर को लगता है कि विधायक ने इस्तीफा स्वेच्छा से नहीं बल्कि किसी दबाव में अथवा किसी दूसरे पार्टी के इशारे पर दिया है, तब स्पीकर इस्तीफे को अस्वीकार कर सकते हैं।

सवाल : वर्तमान दल बदल विरोधी कानून को आप कितना प्रभावी मानते हैं?

जवाब : दल बदल विरोधी कानून काफी प्रभावी है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अगर किसी विधायक या जन प्रतिनिधि के आचरण से यह स्पष्ट हो जाए कि वह स्वेच्छा से पार्टी से अलग नहीं हुआ बल्कि किसी दबाव में हुआ, तब उसे आयोग्य ठहराने का आधार बनता है। अगर किसी जन प्रतिनिधि के आचरण से स्पष्ट हो जाए कि वह दूसरे दल के इशारे पर पार्टी से इस्तीफा दे रहा है तब भी स्पीकर उस पर कार्वाई कर सकता है।

सरकार ने बोडो विद्रोही समूह एनडीएफबी पर प्रतिबंध को बढ़ाया

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्र सरकार ने असम आधारित बोडो विद्रोही समूह नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (एनडीएफबी) पर लगे प्रतिबंध को और पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। एनडीएफबी पर हत्या, जबरन वसूली समेत कई हिंसक गतिविधियों में शामिल होने और भारत विरोधी ताकतों से हाथ मिलाने को लेकर प्रतिबंध लगा हुआ है। एक अधिसूचना में, गृह मंत्रालय ने कहा कि नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (एनडीएफबी) एक अलग बोडोलैंड बनाने की अपनी मंशा से भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बाधित करने के लिए अवैध और हिंसक गतिविधियों में लिप्त रहा है।

संसद में नागरिकता विधेयक का विरोध करेगी कांग्रेस

● पूर्वोत्तर की सभी प्रदेश कांग्रेस कमेटियों की राय

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस की पूर्वोत्तर राज्यों की इकाइयों ने पार्टी नेतृत्व से कहा है कि वे नागरिकता (संशोधन) विधेयक के विरुद्ध हैं और संसद के दोनों सदनों में पार्टी को इसका विरोध करना चाहिए। सरकार द्वारा संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र में इस विधेयक को पेश किए जाने की संभावना है। हालांकि सरकार की तरफ से इस बारे में फिलहाल आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया, नागरिकता विधेयक को लेकर पार्टी ने कोई आधिकारिक रुख तय नहीं किया है। पूर्वोत्तर के राज्यों की इकाइयों से हाल ही में राय मांगी गई थी। पूर्वोत्तर की सभी पीसीसी की तरफ से विरोध किया गया है। मोदी सरकार 1955 के नागरिकता कानून में बदलाव के लिए यह विधेयक लाने के प्रयास में है। पाक, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आकर भारत में बसे हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शरणार्थियों को नागरिकता देने का प्रस्ताव है। इन समुदायों के उन लोगों को नागरिकता दी जाएगी, जो बीते एक साल से लेकर 6 साल से भारत में रह रहे हैं।

असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रिपुन बोरा ने कहा, असम और पूर्वोत्तर के दूसरे राज्यों की कांग्रेस इकाइयां नागरिकता संशोधन विधेयक के खिलाफ हैं। यह विधेयक न सिर्फ असंवैधानिक है, बल्कि इससे पूर्वोत्तर की मूल पहचान के लिए खतरा पैदा होगा। इस विधेयक के विरोध में कांग्रेस 17 दिसंबर से असम में पदयात्रा निकालने जा रही है। पूर्वोत्तर के एक अन्य राज्य के पीसीसी अध्यक्ष ने कहा, हमने पार्टी नेतृत्व को अपने रुख से अवगत करा दिया है। हमारा यह भी कहना है कि संसद में यह विधेयक आने पर पार्टी को दोनों सदनों में इसका विरोध करना चाहिए। कांग्रेस ने इस विधेयक पर पूर्वोत्तर की अपनी इकाइयों की राय जानने के मकसद से पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक की अगुवाई में छह सदस्ईय समिति बनाई थी। इस समिति ने पिछले महीने पूर्वोत्तर का दौरा किया और स्थानीय नेताओं से बातचीत की। पार्टी की प्रदेश ईकाई ने इस विधेयक के विरोध में होने के अपने रुख से समिति को अवगत कराया। पूर्वोत्तर में सिर्फ राजनीतिक दल नहीं, बल्कि कई सामाजिक संगठन भी इस विधेयक का विरोध कर रहे हैं। इस क्षेत्र के एक बड़े वर्ग का कहना है कि अगर नागरिकता संशोधन विधेयक को लागू किया जाता है तो पूर्वोत्तर के मूल लोगों के सामने पहचान और आजीविका का संकट पैदा हो जाएगा।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी का निधन

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश जोशी का लंबी बीमारी के बाद यहां एक निजी अस्पताल में रविवार को निधन हो गया। वह 90 वर्ष के थे। यह जानकारी मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री एवं उनके बेटे दीपक जोशी ने दी। उन्होंने कहा, मेरे पिताजी का बंसल अस्पताल में आज सुबह निधन हो गया। कैलाश जोशी का जन्म 14 जुलाई 1929 को हुआ था। वह 1977-1978 में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने मध्यप्रदेश में जनसंघ एवं भाजपा को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। उनके परिवार में तीन बेटे एवं तीन बेटियां हैं। उनकी पत्नी का निधन कुछ महीने पहले ही हुआ है। जोशी मध्यप्रदेश विधानसभा में आठ बार विधायक रहे। वह राज्यसभा एवं लोकसभा के सदस्य भी रहे। उनका अंतिम संस्कार मध्यप्रदेश के देवास जिले में उनके गृह नगर हाटपिपल्या में सोमवार को किया जाएगा।

आंध प्रदेश के श्रीहरिकोटा में इसरो में पोलर सैटेलाइट के लांच की तैयारी में

देश की निचली अदालतों में 10 साल से अधिक पुराने 23.90 लाख मामले लंबित

नई दिल्ली। देश की निचली एवं जिला अदालतों में 3.14 करोड़ मामले लंबित हैं जिसमें से करीब 14 प्रतिशत मामले 10 साल या इससे अधिक पुराने हैं। इसमें से 10 साल से अधिक पुराने सर्वाधिक मामले क्रमश: उत्तरप्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, ओडिशा, गुजरात में लंबित हैं। लोकसभा में दिया कुमारी, लाकेट चटर्जी, निशिकांत दूबे, पंकज चौधरी के सवाल के लिखित जवाब में विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से पेश राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रीड के आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में उच्चतम न्यायालय में 59,867 मामले लंबित हैं जबकि उच्च न्यायालय में 44, 76,625 मामले तथा जिला एवं निचली अदालतों में 3,14,53,555 मामले लंबित हैं। इस प्रकार से देश के न्यायालयों में करीब 3.59 करोड़ मामले लंबित हैं।

राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रीड के आंकड़ों के अनुसार, देश की निचली एवं जिला अदालतों में 3.14 करोड़ मामले लंबित हैं जिसमें से करीब 14 प्रतिशत यानि 23,90,715 मामले 10 साल या इससे अधिक पुराने हैं। इसमें से उत्तर प्रदेश में 10 साल से अधिक पुराने 9,43,935 मामले लंबित हैं जबकि बिहार में 377250 महाराष्ट्र में 250095, पश्चिम बंगाल में 286443, ओडिशा में 175409, गुजरात में 175439, राजस्थान में 48437 मामले 10 साल या उससे अधिक पुराने हैं और लंबित हैं।

कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने सदन को बताया कि देश के सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से आग्रह किया गया है कि वे अपने यहां की अदालतों में लंबित पड़े 10 साल या इससे अधिक पुराने मामलों का त्वरित निपटारा सुनिश्चित करें। 50 फीसदी से ज्यादा सजा काट चुके लोगों को जेल से बाहर निकालने से जुड़ी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। 25 फीसदी सजा काट चुकी महिला कैदियों को भी छोड़ा जाना चाहिए।

94.5 प्रतिशत ग्रामीण और 97.4 प्रतिशत शहरी परिवारों ने शोधित पेयजल उपयोग किया: एनएसओ

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) द्वारा शनिवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार जुलाई 2018 से दिसंबर 2018 के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में 94.5 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 97.5 फीसदी परिवारों ने बोतल में, ट्यूबवेल, टैंकर और पाइप से आने वाले शोधित पेयजल का उपयोग किया। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के विभाग एनएसओ ने जुलाई 2018 से दिसंबर 2018 के बीच पेयजल और स्वच्छता आदि का सर्वेक्षण कराया था। सर्वेक्षण के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 94.5 प्रतिशत और नगरीय इलाकों में 97.4 प्रतिशत परिवारों ने शोधित पेयजल का प्रयोग किया। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि ग्रामीण क्षेत्रों में 42.9 प्रतिशत परिवारों ने पेयजल के मुख्य स्रोत के रूप में चापाकल का इस्तेमाल किया और शहरी इलाकों में 40.9 प्रतिशत लोगों ने पाइप से आने वाले पानी का पेयजल के रूप में इस्तेमाल किया। रिपोर्ट के मुताबिक 48.6 फीसदी ग्रामीण परिवारों और 57.5 फीसदी शहरी परिवारों के पास पेयजल का स्रोत है। सर्वेक्षण के मुताबिक 58.2 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों और 80.7 प्रतिशत शहरी परिवारों के घर में ही पेयजल की सुविधा है।

झारखंड में सरकारी नाकामी छुपाने के लिए भाजपा राम मंदिर का मामला उठा रही है: झारखंड कांग्रेस प्रमुख

नई दिल्ली। झारखंड में कांग्रेस प्रमुख रामेश्वर उरांव ने कहा कि पार्टी यहां विधानसभा चुनाव स्थानीय मुद्दों पर लड़ रही है। उनका आरोप है कि भाजपा राज्य में अयोध्या राम मंदिर के मुद्दे को उठाकर सरकारी नाकामी से लोगों का ध्यान भटकाना चाहती है। उरांव की यह टिप्पणी भाजपा प्रमुख अमित शाह द्वारा झारखंड की चुनावी रैलियों में अयोध्या का मामला उठाने के कुछ दिन बाद आई है। शाह ने कांग्रेस पर उच्चतम न्यायालय में इस मामले में रोड़ा अटकाने का आरोप लगाया था।

पूर्व आईपीएस अधिकारी उरांव को अगस्त में झारखंड कांग्रेस प्रमुख बनाया गया था। उन्होंने कहा कि पार्टी में अब गुटबाजी में कमी आई है और चुनाव के बाद राज्य इकाई के पदों को पुनर्गठित किया जाएगा। उन्होंने साक्षात्कार में पीटीआई को बताया, पार्टी में गुटबाजी थी जो बाधाएं पैदा कर रही थी लेकिन ऐसे गुट जो बाधा डाल रहे थे, वह पार्टी से जा चुके हैं। डॉक्टर अजय कुमार, सुखदेव भगत और प्रदीप कुमार बालमुचु जा चुके हैं।

उरांव ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा-कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल मुख्यमंत्री रघुबर दास नीत भाजपा सरकार को रोकने की ईमानदार कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन राज्य की सड़कों की खराब स्थिति, अनियमित तौर पर जल और बिजली आपूर्ति, शिक्षकों की कमी की वजह से राज्य के स्कूलों की खराब स्थिति और शिक्षा में गुणवत्ता की कमी का मुद्दा उठा रहे हैं। उरांव ने कहा, हम स्थानीय मुद्दों पर चुनाव लड़ रहे हैं न कि राष्ट्रीय मुद्दों पर।

चुनावी रैलियों में अमित शाह द्वारा अयोध्या राम मंदिर का मामला उठाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह एक व्यर्थ कोशिश है और उच्चतम न्यायालय के फैसले के साथ ही इस मामले का हल निकल चुका है। कांग्रेस नेता ने कहा, भाजपा सरकार लोगों तक रोजी-रोटी पहुंचाने में विफल रही है इसलिए वह ध्यान भटकाने के लिए अयोध्या जैसे मामले उठा रही हैं। उनसे जब चुनाव में भाजपा द्वारा राष्ट्रवाद का सहारा लेने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि राज्य में सभी राष्ट्रवादी हैं।

उन्होंने कहा, आदिवासी राष्ट्रवादी लोग हैं और इसलिए भाजपा हमें राष्ट्रवाद नहीं सिखा सकती है। राज्य में कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार राज्य में पीट-पीटकर हत्या वाली घटनाओं (मॉब लिंचिंग) और भुखमरी की घटनाओं को रोकने में नाकाम रही है। जेएमएम-कांग्रेस और राजद ने चुनाव पूर्व गठबंधन की घोषणा राज्य में की है और संयुक्त रूप से हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किया है। झारखंड में पांच चरणों में 30 नवंबर से लेकर 20 दिसंबर के बीच चुनाव आयोजित किए जाएंगे और वोटों की गिनती 23 दिसंबर को होगी।

सीजी पावर ने गौतम थापर को प्रवर्तक पद से हटाने की मांग की

भाषा। नई दिल्ली

धोखाधड़ी से जूझ रही कंपनी सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस ने संस्थापक गौतम थापर को चेयरमैन पद से हटाने के बाद अब उन्हें प्रवर्तक पद से भी हटाने की मांग की है। कंपनी की सालाना रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। कंपनी ने थापर को 29 अगस्त को निदेशक मंडल से बाहर किया था। थापर कंपनी के गैर-कार्यकारी चेयरमैन थे। सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस के नए चेयरमैन आशीष कुमार गुहा ने नई सालाना रिपोर्ट में कहा कि सीजी पावर कई अनियमित लेन-देन से प्रभावित रही है और एक विस्तृत जांच में पता चला कि बड़े स्तर पर महत्वपूर्ण गड़बड़ियां हुईं। उन्होंने कहा, जांच के पहले चरण की रिपोर्ट मिलते ही निदेशक मंडल ने तुरंत कदम उठाया और कंपनी संचालन में महत्वपूर्ण बदलाव करने समेत कंपनी के हितों की रक्षा के लिए बड़े कदम उठाया। गुहा ने कहा, उक्त बातों को देखते हुए आपकी कंपनी मानती है कि गौतम थापर एवं प्रवर्तक के साथ किसी तरह का संबंध रखना आपकी कंपनी तथा शेयरधारकों के हितों के लिए प्रतिकूल साबित हो सकता है। कंपनी ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष 18 अक्टूबर को एक आवेदन दायर कर थापर की अवंता होल्डिंग्स लिमिटेड को प्रवर्तक शेयरधारक की जगह सार्वजनिक शेयरधारक वर्गीकृत करने की मांग की। हालांकि यह आवेदन अभी सेबी के समक्ष लंबित है।

पटना में जन वेदना मार्च निकालते कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पानी की बौछार करते हुए सुरक्षा बल

आरकॉम के कर्जदाताओं ने अनिल अंबानी, चार अन्य निदेशकों का कंपनी से इस्तीफा नामंजूर किया

नई दिल्ली। दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत चल रही निजी क्षेत्र की दूर संचाकार कंपनी रिलायंस कम्यूनिकेशंस के कर्जदाताओं ने चेयरमैन अनिल अंबानी तथा चार अन्य निदेशकों का कंपनी से इस्तीफा नामंजूर कर दिया और उन्हें जारी दिवाला एवं ऋणशोधन प्रक्रिया में सहयोग करने का निर्देश दिया। कंपनी ने रविवार को बीएसई को इसकी जानकारी दी। अंबानी समेत कंपनी के चार निदेशकों रायना करानी, छाया विरानी, मंजरी काकेर तथा सुरेश रंगाचार ने इस महीने की शुरुआत में कंपनी से इस्तीफा दे दिया था। कंपनी ने बाजार को बताया है कि उसके कर्जदाताओं की समिति की 20 नवंबर को बैठक हुई.. समिति ने एकमत से यह निर्णय किया कि ए इस्तीफे स्वीकार नहीं किए जा सकते। कंपनी ने कहा, आरकॉम के संबंधित निदेशकों को बताया जा रहा है कि उनके इस्तीफे स्वीकार नहीं किए गए हैं।

महाराष्ट्र में राजनीतिक उथल-पुथल से जुड़े घटनाक्रम

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में आनन-फानन में सरकार के गठन के बाद कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना के शनिवार को राज्यपाल के फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने के बाद यह मामला अब न्यायालय में है। सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता से राज्य में राष्ट्रपति शासन हटाने की सिफारिश करने तथा देवेंद्र फडणवीस को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने वाली चिठ्ठी सोमवार की सुबह तक अदालत में पेश करने का निर्देश दिया है। महाराष्ट्र में जारी सियासी उठा-पटक का घटनाक्रम इस प्रकार है-

21 अक्टूबर : महाराष्ट्र के 288 सदस्ईय विस के लिए मतदान हुआ।

24 अक्टूबर : चुनाव के परिणाम घोषित। भाजपा को 105 सीटें मिली, शिवसेना, राकांपा एवं कांग्रेस को क्रमश: 56, 54 एवं 44 सीटें मिली।

नौ नवंबर : राज्यपाल ने भाजपा को सरकार बनाने की इच्छा और क्षमता व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किया और 24 घंटे के भीतर बहुमत साबित करने के लिए कहा।

10 नवंबर : भाजपा ने सरकार गठन में असमर्थता जाहिर की।

10 नवंबर : राज्यपाल ने शिवसेना को सरकार बनाने के लिए कहा और बहुमत साबित करने के लिए 24 घंटे का वक्त दिया।

11 नवंबर : शिवसेना ने यह कहते हुए सरकार बनाने का दावा किया कि उनके पास बहुमत का समर्थन है। शिवसेना ने समर्थन पत्र देने के लिए तीन दिन का समय देने का आग्रह किया।

11 नवंबर : राज्यपाल ने तीन दिन का समय देने से इंकार कर दिया और शिवसेना के सरकार गठन के दावे को खारिज कर दिया। राज्यपाल ने राकांपा को सरकार बनाने के लिए अपनी इच्छा और क्षमता व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किया।

12 नवंबर : पर्याप्त समर्थन के साथ शिवसेना के सरकार बनाने के दावे को खारिज करने के राज्यपाल के निर्णय को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई।

12 नवंबर : महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लागू।

13 नवंबर : शिवसेना ने उच्चतम न्यायालय में राज्यपाल के फैसले को चुनौती देने वाली अपनी याचिका का उल्लेख नहीं किया।

22 नवंबर : चुनाव के बाद कांग्रेस, राकांपा एवं शिवसेना नीत महाराष्ट्र विकास अघाडी में मुख्यमंत्री के पद के लिए उद्धव के नाम पर सहमति बनी।

23 नवंबर : शनिवार को सुबह पांच बजकर 47 मिनट पर राज्य से राष्ट्रपति शासन हटाया गया। फडणवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के तौर पर जबकि अजित पवार ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

23 नवंबर : गठबंधन ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के निर्णय के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया और तत्काल सुनवाई करने की मांग की। उच्चतम न्यायालय की रजिस्ट्री ने मामले की सुनवाई के लिए रविवार का दिन मुकर्र किया।

24 नवंबर : उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार और अन्य को नोटिस जारी करते हुए रविवार को सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता को राज्य में राष्ट्रपति शासन हटाने की सिफारिश करने वाली चिठ्ठी सोमवार की सुबह तक अदालत में पेश करने का निर्देश दिया।

महाराष्ट्र के राज्यपाल दें इस्तीफा : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र के राजनीतिक घटनाक्रम में राज्यपाल की भूमिका भाजपा से मिलीभगत वाली प्रतीत होती है जोकि दुर्भाग्यपूर्ण है और राज्यपाल को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। महाराष्ट्र में पर्दे के पीछे हुए खेल से पूरा देश स्तब्ध है। गहलोत ने यहां प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में संवाददाताओं से मामले के न्यायालय के अधीन होने का जिक्र करते हुए कहा, मैं यह कह सकता हूं कि महाराष्ट्र के राज्यपाल को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि उनकी भूमिका भाजपा से मिलीभगत की रही है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा, राज्यपाल की भूमिका ऐसी होनी चाहिए कि आप संतुष्ट हों उसके बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल से सिफारिश करें.... लेकिन कब तो सिफारिश की, कब सुनवाई हुई, कब फैसला हुआ, कब राष्ट्रपति महोदय ने साइन किए और सुबह 5:47 पर राष्ट्रपति शासन हट गया। सुबह आठ बजे शपथ हो गई?

गहलोत ने कहा, पर्दे के पीछे यह जो लुकाछिपी का खेल खेला गया है, पूरा देश उससे स्तब्ध है। कल पूरे देश में इस बात की चर्चा रही, यह उदाहरण बन गया है। मेरा मानना है कि राज्यपाल महोदय को नैतिक आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा, कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना के पास में बहुमत है। वह इसकी घोषणा भी कर चुके हैं। और जब वह कल दावा पेश करने वाले थे तो ऐसे में आपने क्या खेल खेला। नावी बांड विवाद पर गहलोत ने कहा, यह देश में आजादी के बाद का सबसे बड़ा घोटाला है। किनसे क्या सौदे किए गए, उनके बदले में क्या बॉन्ड लिए गए हैं, क्या छूट दी गई है देश की और विदेशी कंपनियों को किसी को नहीं मालूम है इतना बड़ा गेम हुआ है।

भारत पेट्रोलियम की परिसंपत्ति के मूल्यांकन के लिए 50 दिन की समयसीमा

नई दिल्ली। देश की दूसरी सबसे बड़ी ईंधन विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के निजीकरण के लिए समयसीमा निर्धारित करते हुए सरकार ने कंपनी की परिसंपत्तियों के मूल्यांकन की रपट 50 दिन के भीतर देने को कहा है। कंपनी की परिसंपत्तियों का मूल्यांकन एक बाहरी परिसंपत्ति मूल्यांकनकर्ता द्वारा किया जाएगा। इस प्रक्रिया के पूरे होने के बाद सरकार कंपनी की हिस्सेदारी खरीदने के लिए बोलियां आमंत्रित करेगी।

मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने 20 नवंबर को भारत पेट्रोलियम, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एससीआई), टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड (टीएचडीसीआईएल) और नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचने के फैसले को मंजूरी प्रदान कर दी थी। इसके अलावा सरकार ने कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकोर) में अपनी 54.8 प्रतिशत में से 30.8 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने को भी मंजूरी प्रदान की है।

अधिकारियों ने जानकारी दी कि इस विनिवेश प्रक्रिया को दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में संभावित खरीदारों से रुचि पत्र आमंत्रित किए जाएंगे और दूसरे चरण में उनसे उनकी बोलियां जमा करने के लिए कहा जाएगा।

निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने 11 अक्टूबर को एक विज्ञापन जारी कर कंपनियों के मूल्यांकन के लिए बाहरी मूल्यांकनकर्ता, लेनदेन एवं कानूनी सलाहकार की जरूरत बताई थी। तब विभाग ने कंपनियों का नाम नहीं बताया था, बस इतना संकेत दिया था कि यह सरकारी कंपनियां बिजली मंत्रालय, पेट्रोलियम मंत्रालय, जहाजरानी मंत्रालय और रेलवे मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं। भारत पेट्रोलियम के मामले में परिसंपत्ति के मूल्यांकनकर्ता को अपनी मूल्यांकन रपट उसकी नियुक्ति के 50 दिन के भीतर करनी है। इस मामले में परिसंपत्ति के मूल्यांकनकर्ताओं की नियुक्ति के लिए आवेदन जमा कराने की अंतिम तारीख चार नवंबर थी।

इस प्रक्रिया के पूरे होने के बाद दीपम संभावित खरीदारों से आशय पत्र मंगवा सकता है, लेकिन कीमतों की बोली केवल कंपनी के मूल्यांकन के बाद ही मंगाई जाएंगी। अधिकारियों ने बताया कि ठीक इसी तरह की प्रक्रिया एससीआई और कॉनकोर की हिस्सेदारी बिक्री के लिए भी अपनाई जाएगी। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड और नीपको को सरकारी कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड को बेचा जाएगा। दीपम वित्त मंत्रालय के तहत काम करने वाला एक विभाग है जो विनिवेश गतिविधियों के लिए जिम्मेदार है।

गुवाहाटी में एक प्रतिभागी अंग दान जागरूकता कार्यक्रम के दौरान टायर को खींचते हुए

चुनाव बांड पर विवाद

राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता जरूरी

चुनाव बांडों में अपारदर्शिता पर काफी समय से बहस हो रही है। हालांकि, इससे विभिन्न स्तर तक सभी राजनीतिक पार्टियां लाभान्वित हुई हैं, पर इसकी अपारदर्शिता पर सवाल हैं। इस पर संसद के वर्तमान सत्र में बहस हो रही है। विपक्ष का आरोप है कि इन बांडों से राजनेता-कार्पोरेट गठजोड़ और मजबूत होगा। बांडों के माध्यम से कोई कार्पोरेट, ट्रस्ट, एनजीओ या व्यक्ति राजनीतिक पार्टियों को असीमित धनराशि दे सकता है। पहले दावा किया गया था कि अल्फान्यूमरिक कोड से दानदाता की पहचान गुप्त रहेगी, पर दस्तावेजों ने सिद्ध कर दिया है कि भारतीय स्टेट बैंक न केवल खरीदारों के नाम जानता है, बल्कि आवश्यकता होने पर वह जांच एजेंसियों को ये नाम बताने के लिए बाध्य है। यह सूचना केवल सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। ऐसा लगता है कि इन बांडों पर वित्त मंत्रालय की पैनी नजर थी तथा कुछ मामलों में एसबीआई व आरबीआई की आपत्तियों को दरकिनार कर दिया गया था। निर्वाचन आयोग ने भी इस योजना को खारिज किया था। हालांकि, सत्तारूढ़ पार्टी ने योजना पर विपक्षी दलों के विचार मांगते हुए पारदर्शिता का दावा किया था, पर उसने एक गोपनीय संरचना तैयार की। लेकिन संसद में कई मंत्रियों ने इस बारे में सूचना देने से इनकार किया और सरकार ने किसी आलोचना का जवाब नहीं दिया है। गुप्त रह कर दानदाता पार्टियों को रिश्वत दे कर उसका लाभ 'मैत्रीपूर्ण' नीति के रूप में उठा सकते हैं। निर्वाचन आयोग ने कहा था कि चुनाव बांडों से विदेशों व सरकारी कंपनियों से पार्टियों को मिलने वाले दान पर निगरानी के उसके प्रयास कठिन हो गए हैं। निगरानी का

अर्थ अब केवल कुछ विशिष्ट लोगों की कार्रवाई तक सीमित रह गया है। अब नकद दान प्राप्त करने के साथ ही दान प्राप्त करने की कोई अधिकतम सीमा नहीं है। बैंक बांड जारी कर सकते हैं, पर वे दानदाता व प्राप्तकर्ता के बीच 'समझदारी' का अनुमान लगाने की स्थिति में नहीं होंगे।

सचमुच पारदर्शिता की मांग है कि एक बार हमेशा के लिए संदेह की स्थिति समाप्त की जाए। ऐसा न होने पर चुनाव बांड योजना चुनाव प्रक्रिया को स्वच्छ करने के बजाय इसे जहर से भर देगी। दानदाता व राजनीतिक प्राप्तकर्ता की पहचान स्पष्ट होनी चाहिए। कुछ सुधारवादियों ने कम से कम उम्मीदवारों के स्तर पर चुनावों की राज्य फंडिंग का सुझाव दिया है। लेकिन इसके लिए लगभग 2,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि सांसद निधि को पांच साल के बजाय चार साल करने पर यह लक्ष्य प्राप्त हो सकता है। इससे असंदिग्ध रूप से चुनावों में प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ेगा, पार्टियों पर निर्भरता घटेगी तथा बाहुबल व धनबल के आधार पर उम्मीदवारों का वर्चस्व घटेगा। इससे बड़ी पार्टियों का लोकतांत्रीकरण होगा। चुनाव व उनका प्रबंधन महंगा मामला है। चुनाव बांड जारी करने का मुख्य उद्देश्य पैसे के संदिग्ध स्रोतों को चुनाव प्रक्रिया से बाहर रखना तथा नकदी का प्रयोग घटाना था। लेकिन यदि मई लोकसभा चुनाव में जब्त धनराशि पर गौर किया जाए तो स्पष्ट होगा कि यह लक्ष्य अभी पूरा नहीं हुआ है। निर्वाचन आयोग को भी चुनाव खर्च की यथार्थपरक सीमा तय करनी चाहिए क्योंकि प्रति उम्मीदवार 70 लाख रुपये की धनराशि काफी नहीं है। राष्ट्रीय चुनाव फंड के माध्यम से राजनीतिक पार्टियों को उनको मिले वोटों को देखते हुए फंडिग की जा सकती है। इससे न केवल दानदाताओं की पहचान सुरक्षित रहेगी, बल्कि राजनीति से कालेधन की सफाई भी होगी। लेकिन कार्पोरेट या राजनेता जवाबदेही में विश्वास नहीं रखते हैं, इसलिए नागरिकों को परिवर्तन के लिए व्यापक अभियान चलाना होगा।

पाकिस्तान में सेना की भूमिका

पाकिस्तानी सेना अत्यधिक राजनीतिक जनरलों के कारण अभिशप्त रही है। वर्तमान विमर्श में राजनीतिक सैनिक अधिकारियों ने देश में गतिरोध जैसी स्थिति पैदा कर दी है।

भूपिंदर सिंह
लेखक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी व पूर्व उपराज्यपाल हैं)

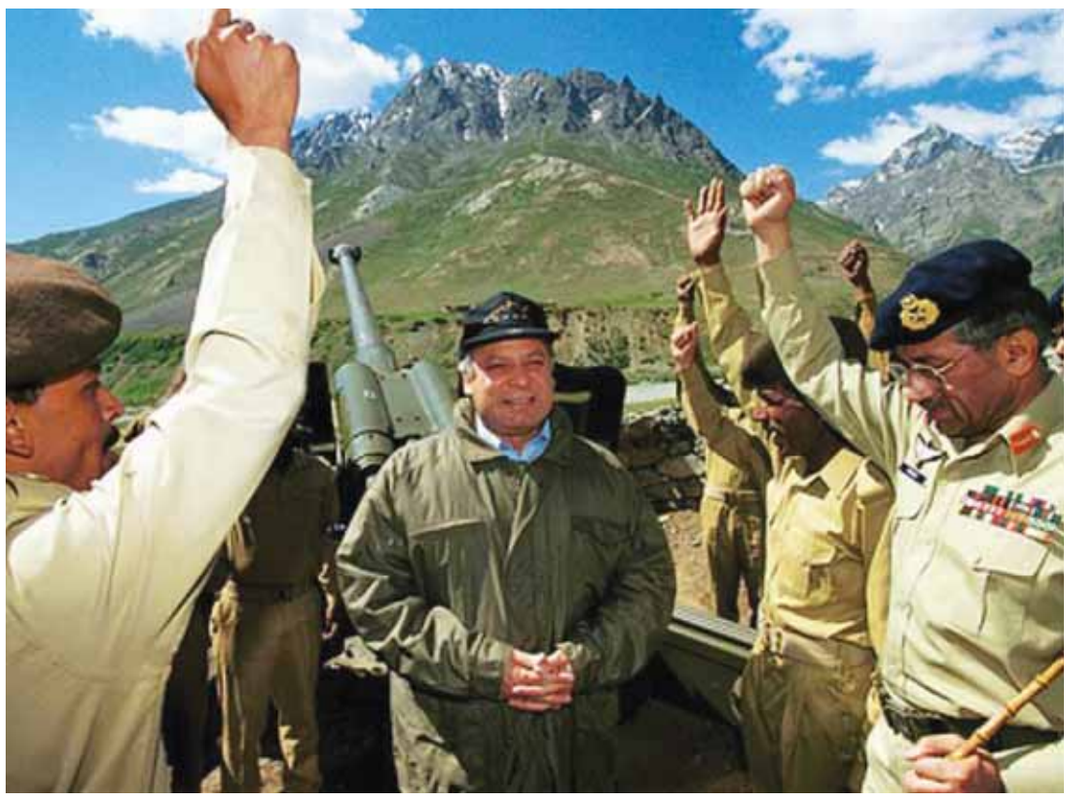

पाकिस्तान में 1980 का दशक जनरल जियाउल हक के अफगानिस्तान में कुख्यात शीत युद्ध तथा देश के 'शरीयाकरण' का समय है जिसने हमेशा के लिए पाकिस्तानी सेना की संस्कृति बदल दी। विमान दुर्घटना में जनरल जिया की रहस्यमय मृत्यु के बाद पाकिस्तानी सेना पर उनके विरोधी जनरल मिर्जा असलम बेग का प्रभुत्व स्थापित हो गया। जनरल जिया के पुत्र एजाजुल हक ने उन पर अपने पिता की हत्या के षडयंत्र में लिप्त होने का आरोप लगाया था। इस विवादास्पद सेना प्रमुख के बाद पाकिस्तानी सेना के शिखर पर एक पेशेवर जनरल आसिफ नवाज जंजुआ को आने का अवसर मिला।

पांचवीं पंजाब रेजीमेंट-शेरदिल में तीसरी पीढ़ी के सैनिक जनरल जंजुआ का प्रशिक्षण ब्रिटेन की रायल मिलिट्री अकादमी सैंडहर्स्ट में हुआ था। वे शुद्ध रूप से लड़ाकू थे और युद्धक्षेत्र में व्यापक अनुभव के कारण उन्होंने 'सैनिक' के रूप में अपने तमगे हासिल किए थे। वे इस्लामाबाद-रावलपिंडी धुरी की राजनीतिक पैंतरेबाजी से अलग रहे तथा स्पष्ट रूप से राजनीतिक व षडयंत्रकारी ले.जन. हमीद गुल जैसे सहयोगियों को बर्दाश्त नहीं कर सके, जबकि हमीद गुल को 'तालिबानों का पिता' कहा जाता था। प्रतिबद्ध सैनिक के रूप में जनरल जंजुआ संदिग्ध राजनीतिक पहल करने वाले कुछ पाकिस्तानी जनरलों की शैली नापसंद करते थे। इनमें प्रमुख व महत्वाकांक्षी ब्रिगेडियर परवेज मुशर्रफ थे जिनको जनरल जंजुआ ने जैसे भविष्यवाणी करते हुए 'चालबाज मुश' कहा था।

लेकिन जनरल जंजुआ पाकिस्तान में जनरलों की षडयंत्रकारी रणनीतियों के शिकार बन गए और उनकी रहस्यमय मृत्यु हो गई। उनके परिवारी सदस्यों ने इसे 'हत्या' बताते हुए कुछ असंतुष्ट सहयोगियों पर आरोप लगाया जो उनके मानकों पर खरे नहीं उतर रहे थे। बाद में 'चालबाज मुश' ज्यादा कुख्यात हुए क्योंकि उन्होंने अपने पूर्व संरक्षक नवाज शरीफ को पद से हटा दिया। पहले उन्होंने स्वयं को देश का मुख्य कार्यकारी घोषित किया और बाद में पाकिस्तान के राष्ट्रपति बन गए।

'चालबाज मुश' की क्रूरता और महत्वाकांक्षा जल्द ही कारगिल दु:साहस के रूप में सामने आई जिसके बारे में उन्होंने अपने ही प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को अंधेरे में रखा था। यह दुष्टतापूर्ण सैनिक कार्रवाई भारत व पाकिस्तान के बीच सुलह-समझौता प्रस्तावों के दौरान हुई। इसमें लाहौर बस यात्रा भी शामिल थी जिसमें दोनों देशों के लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित नेताओं ने शांति प्रयास को गति दी थी। कारगिल युद्ध में पराजय की शर्म के बावजूद जनरल मुशर्रफ ने जल्द ही एक 'जवाबी विद्रोह' को जन्म दिया। उन्होंने दो वरिष्ठ अधिकारियों को पीछे छोड़ कर 'चालबाज मुश' को पाकिस्तानी सेना प्रमुख बनाने वाले नवाज शरीफ को निर्वासन में भेज दिया तथा स्वयं को सर्वाधिक गैर-राजनीतिक राष्ट्रपति के रूप में पेश किया। उन्होंने एक इंटर सर्विसेज़ इंटेलीजेंस-आईएसआई में एक वरिष्ठ जनरल को यह स्वीकार करने के लिए दंड दिया कि उनको विजय दिलाने वाले राष्ट्रपति चुनाव में भयानक धांधली हुई थी।

इसके फौरन बाद मुशर्रफ ने कारगिल पराजय का आधिकारिक विमर्श पुन: तैयार कराया, तालिबान के साथ अपने पुराने गठजोड़ पर लीपापोती की तथा वैश्विक 'आतंक के खिलाफ युद्ध' में शामिल हो गए। लेकिन 'चालबाज मुश' के दोमुंहेपन के अभूतपूर्व मानक थे जो आगरा शिखर सम्मेलन में उनकी उलट-पलट से सिद्ध हो गए। इसके साथ ही उन्होंने भारत या अफगानिस्तान में आतंकी समूहों को सहायता देना जारी रखा।

आतंकी संगठनों से निपटने में मुशर्रफ की लगातार धोखेबाजी ने अमेरिकनों को निराश कर दिया और उन्होंने एकपक्षीय रूप से सीधे ड्रोन द्वारा हमलों की शुरुआत कर दी। अमेरिका को लगातार सर्वाधिक वांछित आतंकियों से निपटने में मुशर्रफ की प्रतिबद्धता पर शक बना रहा जिनमें ओसामा बिन लादेन भी शामिल था। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने मुशर्रफ की रणनीतियों के चलते पाकिस्तान को चेतावनी दी थी। मुशर्रफ लगातार कहते थे कि वे एकमात्र सक्षम नेता हैं जो पाकिस्तान में परिवर्तन कर सकते हैं। इस पर ओबामा ने कहा था, 'मैंने सालों इस बात की पैरवी की है कि हमें मुशर्रफ नीति के बजाय पाकिस्तान नीति की ओर आगे बढ़ने की आवश्यकता है।' 2011 में ओसामा बिन लादेन को एबटाबाद की सैनिक छावनी वाले कस्बे में काकुल सैनिक अकादमी से केवल आधा मील दूर पाया गया था। अमेरिकी पत्रकार डेविड इग्नेटियस ने कहा था कि पाकिस्तानी खुफिया विभाग ने जनरल मुशर्रफ के आदेश पर उसे एक 'सेफ हाउस' दिया था। व्हाइट हाउस के पूर्व चीफ आफ स्टाफ लियोन पनेटा पाकिस्तानी संलिप्तता से परिचित थे। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि मिशन को गोपनीय रखने का कारण था। 'यह तय किया गया था कि पाकिस्तानियों के साथ काम करने के किसी प्रयास से मिशन खतरे में पड़ सकता था। वे हमारे निशानों को सतर्क कर सकते थे।' पूर्व सीआईए अधिकारी ब्रूस रिडेल ने आईएसआई के पूर्व प्रमुख जियाउद्दीन ख्वाजा का संदर्भ देते हुए कहा था कि मुशर्रफ 'जानते थे कि बिन लादेन एबटाबाद में है।' मुशर्रफ के सत्ता में आने के बाद ही ओसामा बिन लादेन को एबटाबाद परिसर में लाया गया था और वह तब से वहां रह रहा था। आश्चर्यजनक रूप से मुशर्रफ ने दु:ख प्रकट किया कि अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन पर हमला कर पाकिस्तानी संप्रभुता का 'उल्लंघन' किया था। ऐसा कह कर वे केवल संलिप्तता से हाथ झाड़ना चाहते थे। लेकिन उस समय तक मुर्शरफ पाकिस्तान के भीतर और बाहर सारी विश्वसनीयता खो चुके थे। यदि पाकिस्तानी सेना समय पर हस्तक्षेप न करती तो 'चालबाज मुश' को विभिन्न गलतियों की सजा मिल सकती थी क्योंकि सभी राजनीतिक पार्टियों ने उनका साथ छोड़ दिया था। इनमें नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-एन तथा बेनजीर भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी-पीपीपी शामिल थीं। उसने बेनजीर की हत्या में मुर्शरफ की भूमिका पर सवाल उठाए थे। प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीके इन्साफ-पीटीआई ने भी आरोप लगाया था कि मुशर्रफ स्वयं को उसकी ओर से प्रधानमंत्री उम्मीदवार के रूप में सामने आना चाहते थे। आज मुशर्रफ स्वयं को प्रासांगिक बनाए रखने के लिए अक्सर बचकाना, लेकिन सत्य बयान देते रहते हैं ताकि पाकिस्तान के अतिवादी तत्व उनका समर्थन करें। लेकिन यह किसी देश के पूर्व नेता व पेशेवर सैनिक के लिए उचित नहीं है। हाल ही में उन्होंने एक स्पष्ट तथा सबको ज्ञात पाकिस्तानी गोपनीय बात स्वीकार की। उन्होंने कहा कि कश्मीरी उग्रवादियों और आतंकवादियों को ओसामा बिन लादेन और जलालुद्दीन हक्कानी की तरह प्रशिक्षण दिया गया था और वे 'पाकिस्तानी नायक' थे।

पाकिस्तानी राजनेता फरहतुल्ला बाबर ने हाल में वीडियो क्लिप जारी किए हैं जिनमें मुशर्रफ को यह सब कहते हुए दिखाया गया है। यह आतंकवाद पर पाकिस्तानी दोमुंहेपन का प्रमाण है। जहां पाकिस्तान में सिविलियन राजनेता स्वयं को गौरवान्वित नहीं कर सके हैं, वहीं जनरल जिया व जनरल मुशर्रफ जैसे सैनिक नेताओं ने व्यवस्थित रूप से आईएसआई को सीधे अपने नियंत्रण में रख कर संस्थाओं को नुकसान पहुंचाया है।

अमेरिकी ज्वाइंट चीफ आफ स्टाफ के प्रमुख जनरल जोसेफ डनफोर्ड ने विदेशी संबंधों पर अमेरिकी स्टेटस सिनेट समिति को 2017 में कांग्रेस की एक सुनवाई के दौरान बताया था, 'मेरे विचार से यह स्पष्ट है कि आईएसआई के आतंकी समूहों से संबंध हैं।' आज तक 'चालबाज मुश' जैसे लोग उस बदनामी के जिम्मेदार हैं जो उन्होंने पाकिस्तानी सेना संस्थान तथा इस प्रकार एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान को दिए हैं।

आवासों के अभाव में पनपती हैं मलिन बस्तियां

अवनीश सूद
(लेखक एक रियल इस्टेट समूह के निदेशक हैं)

भारत एक तेजी से नगरीकृत हो रहा देश है जिसके समक्ष तीव्र प्रगति के चलते पैदा होने वाली विकासीय चुनौतियां हैं। सबसे अहम चुनौतियों में से एक है नगरीय पलायन, जो आवास की तीव्र होती मांगों की पूर्ति के लिए आवश्यक संसाधनों के अभाव में और ज्यादा बढ़ जाती है। ग्रामीण इलाकों से नगरों की ओर श्रम पलायन के उच्च प्रतिशत ने नगरीय सघनता में योगदान दिया है, मूलभूत सुविधाओं यथा जल, स्वच्छता पर भारी दबाव एवं सबसे ज्यादा आवास का संकट शहरों में व्याप्त है। देश का कुल नगरीस आवास अभाव 2022 तक 30 मिलियन तक पहुंच जाने का अनुमान है। वहनीय आवास के क्षेत्र में मांग और पूर्ति के बीच लगातार बढ़ता अंतर लोगों को मलिन बस्तियों एवं अनौपचारिक बस्तियों में रहने को विवश कर रहा है। यदि इस समस्या से बेहतर ढंग से नहीं निबटा गया तो इसका देश की वित्तीय वृद्धि एवं गरीबी घटाने के प्रयासों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

ऊंचे रिटर्न मिलने के कारण रियल इस्टेट निर्माणकर्ता और निजी खिलाड़ी मध्य आर्य वर्ग एवं उच्च आय वर्ग तबकों पर ही ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। दूसरी ओर, जमीन के ऊंचे दाम, परियोजनाओं की मंजूरी में बाधाएं, कच्चे माल की बढ़ती कीमतें एवं निम्न मुनाफे के चलते सस्ती आवास परियोजनाएं कम आकर्षक रह गई हैं। इसके साथ ही, सस्ते आवास राज्य का विषय है। इसलिए, विकास प्राधिकरणों की अस्थिर वित्तीय स्थितियों के कारण इनके क्रियान्वयन में जटिलता पैदा होती है। राज्य व शहर की एजेंसियों व उनकी सीमित क्षमताओं के कारण परियोजनाओं की निगरानी में कठिनाई होती है। इन बाधाओं से निबटने के लिए केंद्र, राज्य व शहरी स्थानीय संस्थाओं, नागरिक समाज, निजी क्षेत्र व वित्तीय संगठनों के बीच साझीदारी आवश्यक है।

सस्ते आवासों को मुख्य धारा में लाने के लिए सरकार को विकास व निवेश में प्रोत्साहक की भूमिका निभानी चाहिए, जिसमें निजी व सार्वजनिक क्षेत्र शामिल हैं। उसे मूल्य श्रृंखला की प्रक्रियाओं में भी परिवर्तन करना होगा। सबके लिए 2022 तक आवास सरकार का सपना है और कोई कार्रवाई करने से पहले वर्तमान स्थिति की जांच करना, बाधाओं का पता लगाना तथा सक्षम क्रियान्वयन रणनीति बनाना आवश्यक है। शहरी क्षेत्रों की तुलना में, ग्रामीण क्षेत्रों में आवासों की कमी अधिक है, पर 2022 तक यहां कुल निवेश का एक छोटा हिस्सा ही आएगा। केंद्र सरकार को राज्यों के साथ मिलकर एक योजना बनानी चाहिए ताकि

ग्रामीण क्षेत्रों में 3.45 लाख करोड़ के शुरुआती निवेश से आगे कदम बढ़ाए जा सकें। 21वीं शताब्दी के प्रारम्भ में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के संदर्भ में निगरानी में परिवर्तन आया है, परिवारों द्वारा कर्ज लेने की प्रवृत्ति बढ़ी है, आवास कर्जों पर कर प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं, विशेष आर्थिक क्षेत्रों व ढांचागत विकास को प्रोत्साहन मिला है। यह उच्च आर्थिक वृद्धि से जुड़ा है जिसमें निजी क्षेत्र की शहरी आवास विकास में सहभागिता बढ़ी है। लेकिन, मुख्यत: इसका नतीजा मध्य आय वर्ग व उच्च आय वर्ग आवासों के रूप में सामने आया है जिससे ससते आवासों की भारी कमी पैदा हुई है। शहरी सस्ते आवासों के विकास में निजी क्षेत्र की सहभागिता बढ़ाने के प्रयास केंद्र व राज्य सरकारों के स्तर पर होने चाहिए। केंद्र सरकार की मुख्य भूमिका भूमि अधिग्रहण में विधिक व पर्यवेक्षणात्मक परिवर्तनों, रियल इस्टेट प्रबंधन तथा रियल इस्टेट क्षेत्र पर लागू पुराने विनियमनों के विश्लेषण से उपयुक्त माहौल बनाना है। इसके साथ ही, केंद्र सरकार की एजेंसियों यथा पर्यावरण एवं वन मंत्रालय तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय को अनुमतियों व संस्तुतियों में तेजी लानी चाहिए।

बड़े पैमाने पर सस्ते आवासों के विकास के लिए भारी संसाधनों की आवश्यकता है। इनमें, वित्त पोषण, निर्माण क्षमता, श्रम व तकनीक आदि पर खर्च शामिल हैं। निजी क्षेत्र की भागीदारी के बगैर इसे प्राप्त करना कठिन है। इसलिए, निर्माण जोखिम प्रबंधन व परियोजना क्रियान्वयन में बेहतर नतीजे दिखाने वाले निजी क्षेत्र को सरकार द्वारा प्रोत्साहित किए जाने के लिए अनेक ढांचागत मुद्दे दुरुस्त करने चाहिए।

सार्वजनिक-निजी साझीदारी आवासों की मांग व आपूर्ति में कमी को संबोधित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इससे वित्तीय रूप से उपयुक्त सस्ती आवास परियोजनाओं में निजी पूंजी आकर्षित होगी। सार्वजनिक-निजी साझीदारी का प्रयोग आवास विकास के कुछ मुद्दों, यथा भूमि की उपलब्धता, संस्तुति में विलंब, वित्तपोषण तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए सस्ते घर बनाने में प्रयोग किया जा सकता है।

आवास क्षेत्र में भारी क्षमता है कि वह अर्थव्यवस्था में रोजगार सृजन व राजस्व वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह क्षेत्र 250 सहायक उद्योगों की सहायता करता है तथा इसका अर्थव्यवस्था पर कई गुना बेहतर असर पड़ता है। समुचित प्रोत्साहन मिलने पर 2022 तक इसके हिस्से में 10-12 प्रतिशत वृद्धि हो सकती है। केंद्र को आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय के अंतर्गत एक नोडल एजेंसी बनाने पर विचार करना चाहिए जो सस्ते आवास परियोजनाओं के तेजी से विकास में सहायक हो सके। यह नोडल एजेंसी निजी क्षेत्र, उपभोक्ताओं, कर्जदाता संस्थाओं, निवेशकों, विभिन्न आवास नियामक एजेंसियों तथा राज्य सरकारों के बीच समन्वय स्थापित कर सकती है। सस्ते आवास परियोजना की कल्पना करते हुए एक प्रमुख आयाम इनके रखरखाव तथा आवासों को प्रयोगकर्ताओं का सौंपना है ताकि ये नई शहरी मलिन बस्तियों में न बदल जाएं। सस्ते आवास निर्माण को टिकाऊ बनाने के लिए सह आयाम अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

सस्ते आवासों पर डेलोलाइट की एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने इस क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं पर चुनौतियां अभी बरकरार हैं। उदाहरण के लिए, राजीव आवास योजना में बनी परिसंपत्तियों के रखरखाव हेतु एक निधि की कल्पना की गई थी जिसमें केंद्र का एक बार योगदान होता था। इसे और व्यापक स्तर पर लागू करने की आवश्यकता है।

आप की बात

आयुष्मान योजना की बाधाएं

आयुष्मान भारत योजना के पूर्ण क्रियान्वयन में कुछ समस्यायें हैं। निजी अस्पतालों समेत सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के माध्यम से इस योजना का लक्ष्य 11 करोड़ गरीब परिवारों को स्वास्थ्यरक्षा प्रदान करना है। निजी अस्पताल गुणवत्ता के नाम पर दरें घटाने से इनकार करते रहे हैं। योजनाओं में सहभागिता के बावजूद कुछ निजी अस्पताल सरकार द्वारा निर्धारित मानकों पर मरीजों के इलाज से इनकार करते हैं। ऐसा इस वर्ष के प्रारम्भ में दरों में संशोधन तथा पैकेजों के तर्कसंगत बनाने के बावजूद है ताकि निजी अस्पतालों को समान आधार मिल सके। स्वास्थ्यरक्षा के लिए सामाजिक उद्यमिता माडल अभी बहुत दूर है। अत: गरीबों को केवल सरकारी अस्पतालों का सहारा है तथा एम्स जैसे रेफरल अस्पताल भी मरीजों के भारी दबाव का सामना कर रहे हैं। चिकित्सा ढांचे की गुणवत्ता तथा उपकरणों व सर्जिकल प्रक्रियाओं में विविधता के कारण दरों में एकरूपता लाना कठिन है। ऐसे में उच्च मानकों पर काम करने वाले निजी अस्पतालों से दरें ज्यादा घटाने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। ऐसे में यह सराहनीय कल्याणकारी योजना कहीं ने कहीं व्यवस्था की खामियों से जूझ रही है।

– **अविनाश कौशिक**, रायबरेली

असंतोष से पैदा अराजकता

राष्ट्रीय राजधानी में अभूतपूर्व रूप से सैकड़ों पुलिसकर्मियों ने विरोध प्रदर्शन किया। वे अपने मुख्यालय के सामने एकत्र हुए और तीस हजारी जिला अदालत परिसर में अपने साथ वकीलों से टकराव के मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप व उनके समर्थन की मांग की। पुलिस और वकीलों के बीच टकराव असंतोष एवं अव्यवस्था की गंभीर समस्या का केवल एक नवीनतम लक्षण है। सरकार में किसी ने दिल्ली पुलिस व वकीलों में व्याप्त गतिरोध अथवा उसे जिम्मेदार तरीके से समाप्त करवाने की जिम्मेदारी नहीं ली, जबकि दिल्ली पुलिस केन्द्रीय गृह मंत्रालय के आधीन है। ऐसे में नेतृत्व पर सवाल उठते हैं। हालांकि, इस पूरे विवाद में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया। अनुशासित मानी जानी वाले पुलिस अब अपने अधिकारियों के ढुलमुल रवैये के कारण असंतोष से ग्रसित हो रही है जो शुभ लक्षण नहीं है। पुलिस व वकीलों के बीच टकराव से निपटने के लिए ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो लोगों को परिपक्वता के साथ आश्वस्त कर सके कि सरकार ऐसे कदम उठाने में सक्षम है जिनसे संकट टाला जा सकता है।

– **संदीप गर्ग**, नोएडा

महिलाओं की भागीदारी

नौकरी से ड्रापआउट दरों पर गौर करते हुए बताया है कि 18 से 30 वर्ष की आयु में परिवार की जिम्मेदारियां संभालने के कारण महिलाओं की रोजगार में उपस्थिति कम हो रही है, जबकि अधिकांश मामलों में यही अधिकतम कमाई करने का समय होता है। वैश्वीकृत अर्थव्यवस्थाओं का भविष्य बेहतर होने से रोजगारों में महिलाओं की सहभागिता अवश्य बढ़ेगी। दुख की बात है कि जेंडर असमानता सूचकांक में शामिल 136 देशों में भारत का स्थान 132वां है। जेंडर समानता मूलभूत मानवाधिकार है और यह उपलब्धि सामाजिक-आर्थिक उपलब्धियों के मामले में महत्वपूर्ण है। महिलाओं के सशक्तीकरण से अर्थव्यवस्था मजबूत होती है, महिलाओं का आत्मसम्मान बढ़ता हे तथ उनको घरेलू हिंसा से मुक्ति मिलती है। सर्वेक्षण में बताया गया है कि जन धन योजना में महिलाओं के 79 प्रतिशत व्यक्तिगत बैंक खाते खुले हैं जो वित्तीय समावेशन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन उपयुक्त आमदनी के बिना केवल बैंक खाता खोलना काफी नहीं है।

– **शालिनी राय**, प्रयागराज

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

मोदी भले ही प्रज्ञा को दिल से माफ न कर सकें, पर उनको भारत की रक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में जिम्मेदारी दी गई है।

– **रणदीप सुरजेवाला**
कांग्रेस प्रवक्ता

संभवत: कांग्रेस का लोकतंत्र पर विश्वास समाप्त हो गया है और वह भूल गई है कि प्रज्ञा ठाकुर संसद की निर्वाचित सदस्य हैं।

– **मीनाक्षी लेखी**
भाजपा सांसद

भारत-अफगान संबंधों के बारे में कोई चर्चा बिना बालीवुड व क्रिकेट के उल्लेख के नहीं हो सकती है।

– **रोया रहमानी**
अमेरिका में अफगान राजदूत

पहली दिसंबर से भाजपा का ग्राम स्वराज अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी की एक संगठनात्मक बैठक आज प्रदेश मुख्यालय में हुई। जिसमें प्रदेश के सभी मोर्चों के अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी, क्षेत्रीय अध्यक्ष की बैठक को प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह एवं प्रदेश महामंत्री सुनील बंसल ने सम्बोधित किया।

प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि देव तुल्य कार्यकर्ताओं की वजह से ही भारतीय जनता पार्टी को 2014, 2017 तथा 2019 के चुनावों में अभूतपूर्व सफलता मिली है। मैं उन्हें नमन करता हूँ। जो कार्यकर्ता अपने अंदर कार्यकर्ता भाव जगा कर कार्यकर्ताओं के सुख-दुख में शामिल होते हैं। जनता के घर-घर जाकर संपर्क करते हैं, तो आपको नेता बनने से कौन रोक सकता है। तपस्वी परिश्रमी, पराक्रम की पराकष्ठा करने वाले कार्यकर्ताओं की बदौलत आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। उन्होंने कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, प. दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी, कुशाभाऊ ठाकरे ने अपने खून-

● इमर्जेन्सी में पार्टी के कार्यकर्ताओं पर बहुत अत्याचार हुएः स्वतंत्र देव

पसीने से पार्टी को बड़ा किया है। दिन में सौ घरों में संपर्क करते थे तो तीन घरों में चाय पीने को मिलती थी एक घर में भोजन मिल पाता था। फिर भी हमारे नेताओं ने हिम्मत न हारी। चरैवेती चरैवेती के लक्ष्य के साथ संपर्क जारी रखा जिसका परिणाम है कि आज भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र और राज्यों में सरकारें है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इमर्जेन्सी में बहुत अत्याचार हुए।

कई कार्यकर्ता आर्थिक रूप से बर्बाद कर दिये गए। कभी पार्टी में पद नहीं मांगा केवल सेवा भाव में कार्य करते रहे। राष्ट्रवाद के ध्येय के साथ आप आगे बढ़िये। क्षेत्रवाद, सम्प्रदायवाद, जातिवाद, भाई भतीजावाद से उठकर भारत को विश्व गुरु बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य करिये। आप भी कुशाभाऊ ठाकरे, अटल बिहारी वाजपेयी, नरेन्द्र मोदी हो सकते हैं। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने घर वालों को 5 लाख नहीं दिये बल्कि गरीबों

को इलाज के लिए 5 लाख दिये। अपने लिये घर न बनाकर गरीबों के लिए घर बनाये। यह वंशवाद की पार्टी नहीं है। यह आपकी पार्टी है, आप ही इसे नेतृत्व देंगे।

भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री सुनील बंसल ने आगामी कार्य योजनाओं के बारे में पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिये। उन्होंने कहा भाजपा उत्तर प्रदेश में 1.35 करोड़ सदस्य बने हैं जिसमें कि 75 लाख नए सदस्य बने हैं। पिछली बार 72 हजार सक्रिय सदस्य थे जो इस बार बढ़कर 1 लाख 11 हजार हो गए हैं। एक लाख 63 हजार बूथ समितियों का चुनाव 27 हजार सेक्टर में बांटकर 5 दिनों में चुनाव संपन्न कराये गए। एक लाख 56 हजार बूथ समितियों का गठन पूरा कर दिया गया है। 1918 मण्डलों का गठन कर के 1600 मण्डल अध्यक्ष घोषित किये जा चुके हैं। इस बार 1300 नए मण्डल अध्यक्ष बने हैं। जिसमें 1100 पहली बार बने हैं। औसत आयु इस बार 35 वर्ष रही है। जो पहले 45-50 वर्ष होती थी। भाजपा को सर्वस्पर्शी बनाने का प्रयास किया गया है। भाजपा को संगठनात्मक 94 जिलों से बढ़ाकर 98 किया गया है। 20 नवम्बर को एक ही दिन में 97 जिलों में चुनाव संपन्न हुआ।

गांधी जी की 150वीं जयन्ती मनायी जा रही है। एक दिसम्बर से 30 जनवरी 2020 राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के निर्वाण दिवस तक ग्राम स्वराज अभियान आधारित हमारी यात्रा कार्यक्रम रहेगा। मोर्चों के मण्डल अध्यक्ष से उपर के कार्यकर्ता 10000 गांवों में प्रत्येक सप्ताह में एक दिन जायेंगे। प्रत्येक कार्यकर्ता एक गांव में जाएगा। श्री बंसल ने कहा कि 30 जनवरी को महात्मा गांधी के निर्वाण दिवस पर गांव सम्मेलन कर गांधी जी के विचारों से प्रेरित होकर भाजपा सरकार द्वारा चलाये जा रहे जल संरक्षण, पर्यावरण की रक्षा, सिंगल यूज प्लास्टिक का निषेध, बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओ, सबको शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसे कार्यक्रमों के बारे में बताएंगे। पहली दिसम्बर से 30 जनवरी 2020 तक चलने वाले इस अभियान में 1-7 दिसम्बर तक जिलों में कार्यशालायें होंगी। 90000 से अधिक राजस्व गांव इस प्रदेश में हैए 10000 गांवों में मोर्चा के सक्रिय कार्यकर्ता जाएंगे।

कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष जेपीएस राठौर, प्रदेश महामंत्री विजय बहादुर पाठक, महिला मोर्चा अध्यक्ष दर्शना सिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष सुभाष यदुवंश, किसान मोर्चा अध्यक्ष चौधरी राजा वर्मा,ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष राजेश वर्मा, अनुसूचित मोर्चा अध्यक्ष कौशल किशोर, अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष रामधनी गौड़, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष हैदर अब्बास उपस्थित रहे।

सुस्त रफ्तार के चलते फंसी धान खरीद की गाड़ी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

धान खरीद की सरकारी गाड़ी एक बार फिर दलदल में फंस गई हैं। दो महीनों में जैसे-तैसे लगभग साढ़े सात लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हो सकी है। बचे दो महीनों में सरकार के लक्ष्य को पूरा करने के लिये चालीस लाख मीट्रिक टन से ज्यादा धान की खरीद क्रय एजेन्सियों को करनी होगी। मौजूदा समय में धान खरीद की सुस्त रफ्तार को देखते हुये यह लक्ष्य काफी कठिन लगता है।

वैसे तो पिछले साल के मुकाबले इस साल ज्यादा धान खरीदा जा चुका है, लेकिन वर्ष 2017 की तुलना में धान खरीद काफी पीछे चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2017 में नवम्बर माह तक बीस लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीदा गया। जिसके मुकाबले में इस बार करीब 12 लाख मीट्रिक की कम खरीद हो सकी है। हालांकि पिछले साल की तुलना में करीब दो लाख मीट्रिक टन अधिक धान खरीदा जा चुका है। दरअसल नियमों की जटिलता के चलते पिछले साल शुरू को दो महीनों में धान खरीद बेहद सुस्त थी। खरीद के न बढ़ने पर सरकार को धान खरीद नीति में बदलाव करने पड़े थे। जिसके बाद धान खरीद में तेजी आयी थी।

अब तक की खरीद की पिछले साल से तुलना करके अधिकारियों को भले ही संतोष हो, लेकिन आगे का रास्ता काफी कठिन है। सूत्रों का कहना है कि इस बार खरीद बढ़ाने के लिये सरकार ने पहले से ही नीति में अनेक तरह की ढील दे रखी है। इसके बावजूद खरीद का रफ्तार न पकड़ना गंभीर है। हालांकि विभाग की तरफ से छूट के लिये शासन को प्रस्ताव भेजा गया है लेकिन फिलहाल सरकार की तरफ से छूट दिये जाने के कोई ठोस संकेत नहीं मिले हैं।

सिविल मैटर्स के लिए राज्य लोक सेवा अधिकरण एक उचित प्लेटफार्मः जस्टिस भंडारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उच्च न्यायालय इलाहाबाद के न्यायाधीश एमएन भंडारी ने कहा कि सिविल मैटर्स के लिए राज्य लोक सेवा अधिकरण एक उचित प्लेटफार्म है। ट्रिब्युनल कोर्ट द्वारा होने वाले फैसले काफी मायने रखते हैं। श्री भंडारी ने यह बात रविवार को इन्दिरा भवन के सभाकक्ष में आयोजित राज्य विधिक सेवा अधिकरण के 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर कही। इस मौके पर 'फोरम फॉर स्पीडी जस्टिस' पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा संबंधी मामले काफी लम्बे समय तक विभिन्न कोर्ट में लम्बित रहते हैं, जिसकी वजह से सरकारी कर्मचारी एवं उसके परिवार को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वहीं राज्य सरकार को सालों बाद निर्णय होने से कर्मी को बिना काम के भुगतान भी करना पड़ता है। उन्होंने अधिवक्ताओं से अपील करते हुए कहा कि केस अधिक लम्बित ना होने पाये इसके लिए पूरी तैयारी से मुकदमे को फाइल करना चाहिए। इस अवसर पर राज्य विधिक सेवा अधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुधीर कुमार सक्सेना ने कहा कि यह सरकार का महत्वपूर्ण अधिकरण है, कर्मचारियों को इसके

● राज्य लोक सेवा अधिकरण का 45वां स्थापना दिवस मनाया गया

● फोरम फॉर स्पीडी जस्टिस पुस्तिका का किया गया विमोचन

माध्यम से समय से न्याय मिल रहा है। यह अधिकरण त्वरित न्याय का पथ प्रदर्शक है। उन्होंने कहा कि अधिकरण में केवल 4 मेम्बर हैं, फिर भी यहां की न्याय प्रक्रिया त्वरित गति से होती है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल न्यायमूर्ति राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि सेवा संबंधी मामले हर परिवार के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा कि जब घर की नींव मजबूत होगी तभी मकान वर्षों तक चलेगा। इसी प्रकार अधिवक्ताओं की पिटीशन बहुत स्ट्रांग होनी चाहिए। वकील केस के फाउंडेशन को मजबूत बनायें। साथ ही केस की ड्राफ्टिंग पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाला समय प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने वाला है। इसलिए अधिवक्ताओं को नये युग के हिसाब से अपने आपको आगे लाना चाहिए। न्यायमूर्ति एआर मसूदी ने कहा कि कुछ कर्मचारियों का पूरा जीवन कोर्ट में ही चला जाता है। त्वरित न्याय के लिए इस अधिकरण की स्थापना की गई है। न्याय अविलम्ब हो इसके लिए सभी को समर्पण भाव से कार्य करने चाहिए। समस्याओं का सरलीकरण करके जज के सामने रखने पर न्याय शीघ्र मिलने की संभावना अधिक बढ़ जाती है।

न्यायमूर्ति राजेश सिंह चैहान ने कहा कि ट्रिब्युनल कोर्ट का कान्फीडेंस हाई कोर्ट में काम आता है। राज्य विधिक सेवा अधिकरण के गठन के फलस्वरूप हाईकोर्ट पर भार कम हुआ है। न्यायाधीश राजीव सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकरण में एक साल के अन्दर मुकदमे निस्तारित हो जाते हैं। उन्होंने लोगों को सर्विस मैटर के लिए ट्रिब्यूनल कोर्ट जाने की सलाह दी। इनके अलावा न्यायमूर्ति एनके जौहरी ने भी अधिकरण की सराहना करते हुए इसकी स्थापना को महत्वपूर्ण कदम बताया। इस कार्यक्रम में बार एसोसिएशन, लोक सेवा अधिकरण के अध्यक्ष आरसी सिन्हा सहित अधिकरण के विभिन्न न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन निबन्धक प्रतिमा श्रीवास्तव ने किया।

घोटाले दर घोटाले फिर भी प्रदेश सरकार की चुप्पी संदेहास्पदः लल्लू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि बिजली कर्मचारियों के पीएफ घोटाले मामले में दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई तो की गयी किंतु उर्जा मंत्री पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी। प्रमुख सचिव के जीओ से स्पष्ट है की निवेश करते समय नियमों की अनदेखी हुई।

सीबीआई जांच से तमाम उच्चाधिकारियों व मंत्री की संलिप्तता उजागर होने के डर से सरकार के द्वारा सीबीआई जांच की कोई सिफारिश पत्र अभी तक जारी नहीं किया गया। सरकार को उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के अधिकारीगण आलोक कुमार, संजय अग्रवाल, विशाल चौहान, अर्पणा यू तथा डीएचएफएल बोर्ड के निदेशक व अधिकारियों से

● सरकार मंत्रियों पर मेहरबानः कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

कब पूछताछ और कार्रवाई करेगी इसको स्पष्ट करना चाहिए। इस मामले में कर्मचारी संगठनों के साथ हुए समझौते पर उन्होंने कहा कि जीओ पर क्या उर्जा मंत्री, मुख्य मंत्री और केबिनेट की संतुति है यदि नहीं तो यह कर्मचारियों के साथ एक बड़ा धोखा होगा क्योंकि कैबिनेट और वित विभाग के अनुमोदन के बिना इतने बड़े बजट की उपलब्धता और प्रयोजन संभव नहीं है। इस नोट को सार्वजनिक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी तरह से होमगार्ड वेतन घोटाला प्रदेश के लगभग सभी जिलों

में है और फर्जी हाजिरी लगाकर भुगतान कराया गया है।

सरकार ने जानबूझ कर गौतम बुद्ध नगर के एसएसपी के द्वारा दस अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुकदमा दर्ज कराने की मांग को स्वीकृत करने में विलम्ब किया और आरोपियों के हौसले को बुदंल किया गया जिसका नतीजा वहां के कागजातों में आग लगने की घटना है। यदि एक जिले में दो माह में घोटाले की राशि 8 लाख है तो पूरे प्रदेश में यह सैकड़ों करोड़ का घोटाला है। एडीजी जसबीर सिंह के द्वारा मामले में कार्रवाई के लिए मुख्य सचिव को पत्र लिखे गये किंतु कोई कार्रवाई नहीं की गयी। इस मामले में भी अधिकारियों को निलम्बित कर गिरफ्तार किया गया है और होमगार्ड विभाग के तत्कालीन मंत्री पर मेहरबानी की जा रही है।

छह अगस्त 2017 को होमगार्ड मंत्री के काफिले में गाड़ी संख्या यूपी 78 बीजी 0870 लखनऊ में 1875 किमी चली, इससे बड़ी हास्यास्पद बात क्या हो सकती है। पंचायती राज विभाग में चैदहवें वित्त आयोग के परफार्मेन्स ग्रांट में हुए 700 करोड़ के घोटाले के मामले दो साल तक चली लम्बी जांच के बाद बड़े जिम्मेवार अधिकारियों के विरुद्ध कोई भी एफआईआर दर्ज न कराया जाना सरकारी मंशा पर सवाल खड़े करता है। जिसके कारण प्रदेश के पंचायतों में होने वाले विकासीय कार्य के लिए 3500 करोड़ का नुकसान हुआ है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने सरकार पर संगठित तरीके से लूट करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के गुड गर्वनेंस के नारे की पोल जनता के बीच खुल चुकी है।

उन्होंने मांग की कि प्रदेश सरकार को आवश्यक कार्रवाई को लम्बित करने के बजाय सक्रियता के साथ घोटाले दर घोटाले की जांच कर सम्बंधित विभागों के बड़े अधिकारियों के साथ ही मंत्रियों पर कार्रवाई कर सरकार को जनता के प्रति अपनी जवाबदेही और पारदर्शिता के साथ सुशासन की मंशा स्पष्ट करनी चाहिए।

सातवें वेतनमान सहित एपीएस लागू न होने से एसजीपीजीआई के फैकल्टी में रोष

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सातवे वेतनमान आयोग को पूरी तरह से प्रभावित न बनाये जाने सहित असेस्मेंट प्रमोशन आफ फैकल्टी के रिजल्ट में देरी जैसी कई मांग को लेकर संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के फैकल्टी मेम्बरों में काफी रोष है। रविवार को एसजीपीजीआईएमएस की जनरल बॉडी की बैठक के बाद फैकल्टी मेम्बरों का कहना था कि इससे पूरी फैकल्टी प्रभावित हो रही है और इसके लिए प्रशासन जिम्मेदार हैं। प्रो. अशोक गुप्ता की अध्यक्षता में हुई फैकल्टी फोरम की बैठक में सातवें वेतनमान का पूरी तरह से प्रभावी न होने, एपीएस के रिजल्ट में देरी और प्रोफेसर्स की वरिष्ठता सूची में विसंगतियों का मामला उठा। बैठक में सदस्यों का कहना था कि सातवें वेतनमान के अंतर्गत पे फिक्सेशन सहित अन्य एलाउंस जैसे नॉन प्रेक्टिसिंग एलाउंस को कैलकुलेट नहीं किया गया है। यह मुद्दा दो बार एडमिनिस्ट्रेशन के पास लिखित रूप में भेजा गया, पर अभी तक कोई रिस्पांस नहीं किया गया है। कुछ सदस्यों का कहना था कि असेस्मेंट प्रमोशन आफ फैकल्टी का रिजल्ट जुलाई 2019 में जारी होना था। जिसमें 20 विभागों के 41 प्रोफेसर्स शामिल हैं। चार माह व्यतीत होने के बावजूद रिजल्ट नहीं जारी किया गया है। जबकि इस बावत विभिन्न अवसरों पर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया गया। वहीं प्रोफेसर्स की वरिष्ठता सूची में विसंगतियों को लेकर सदस्यों का कहना था कि इसके चलते कई शिक्षकों की वरिष्ठता गड़बड़ हो गयी है। बैठक में शामिल सदस्यों का कहना था कि इस माहौल में फैकल्टी मेम्बर पूरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। जबकि एडमिनिस्ट्रेशन के लोग अपना वीआरएस क्लीयर कराने में लगे हुए हैं और कुछ लोगों को वीआरएस के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

सत्ता के लिए भाजपा कुछ भी करने को तैयारः अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि बड़ी कुर्बानियों से मिली आजादी को निरर्थक बनाने के षडयंत्र में भाजपा जुटी हुई हैं। आजादी के आंदोलन के साथ जो मूल्य स्थापित किए गए थे उनको तिलांजलि दी जा रही है। साध्य साधन की पवित्रता महज अतीत की याद बनकर रह गई है। सत्ता के लिए भाजपा कुछ भी करने को तैयार है। लोकतंत्र में लोकलाज का महत्व होता है, भाजपा को इससे भी परहेज नहीं है। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे उत्तर प्रदेश में भाजपा राज में घोटालों की एक के बाद एक परत खुलती जा रही है। हजारों बिजली कर्मियों के प्राविडेंट फंड के घोटाले की जांच में रोज नए तथ्य सामने आ रहे हैं। 68500 सहायक अध्यापकों की भर्ती में और ग्राम पंचायतों की परफार्मेन्स ग्रांट आवंटन में

बड़े पैमाने पर धांधली के अलावा होमगार्डो के वेतन घोटाले के साथ पीएसी में सिपाही भर्ती परीक्षा में मेडिकल टेस्ट में भी गड़बड़ी की शिकायतें सामने आ चुकी हैं जिन पर जांच के एलान हुए हैं। लोकसभा में बताया गया है कि यूपी में 31 अक्टूबर 2019 तक खाद्य वितरण प्रणाली में भ्रष्टाचार के 328 मामले सामने आ चुके हैं। ये तो खैर बानगी हैं, भाजपा राज में हर विभाग में घपले ही घपले सामने आएंगे। बस थोड़े वक्त का ही इंतजार है। विडम्बना यह है कि ढाई साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी भाजपा सरकार प्रदेश में विकास की एक ईंट नहीं रख सकी है। गड्ढा मुक्त सड़कों का बड़ा दावा बड़ा झूठ साबित हो चुका है। बिजली उत्पादन में भाजपा एक यूनिट उत्पादन का भी दावा नहीं कर सकती है। गरीब अनुसूचित जाति/जनजाति छात्रों को पढ़ाई से वंचित करने के लिए शिक्षण संस्थाओं में उनके निःशुल्क प्रवेश की पुरानी व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है। दवा-पढ़ाई दोनों मंहगी हो रही है। नौजवानों की पीढ़ी का भविष्य अंधकारमय है। अखिलेश ने कहा कि सच तो यह है कि जब समाजवादी पार्टी के कामों का श्रेय लेने के लिए जनता के बीच भाजपा ने उद्घाटन का नाम बदल कर शुभारम्भ कर दिया है। भाजपा भूले नहीं कि काम न करना पाप है तो अपनी अकर्मण्यता पर पर्दा डालना महापाप है। जनता से जो वादे किए थे उनको न निभाना भी भ्रष्टाचार है।

एनसीसी दिवस पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेटों का होगा सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

71वें एनसीसी दिवस के उपलक्ष्य में लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। एनसीसी निदेशालय, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले एनसीसी कैडेटों को सम्मानित किया जायेगा । इसमें छह एनसीसी कैडेटों को मुख्यमंत्री स्वर्ण एवं रजत पदक से सम्मानित किया जायेगा। इस दौरान एनसीसी के तीनों विंगों के उत्कृष्ट कैडेटों एवं कर्मियों को सभी सम्मानित किया जायेगा।

समारोह के दौरान एनसीसी कैडेटों द्वारा रंगारंग एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि का संबोधन होगा तदोपरांत एनसीसी गान के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

'एकता एवं अनुशासन' के आदर्श के साथ वर्ष 1948 में एनसीसी का आरम्भ हुआ। ज्ञात हो कि एनसीसी ने देश के युवाओं के चरित्र निर्माण के विकास कार्य में अह्म भूमिका निभाती है। राष्ट्र निर्माण में युवाओं के उज्जवल भविष्य को संवारने के प्रति पूर्णतः कटिबद्ध रही है। इसके अतिरक्त एनसीसी का पूर्ण प्रयास रहा है कि वह देश के नवयुवकों के चरित्र निर्माण, अनुशासन नेतृत्व, की भावना आदि गुणों के विकास कार्य में उत्तरोतर विकास करें।

एनसीसी की कार्यप्रणाली एवं कैडेटों के प्रशिक्षण का उद्देश्य देश के युवाओं में चरित्र, साहचर्य, अनुशासन नेतृत्व, धर्मनिरपेक्षता, रोमांच तथा निःस्वार्थ सेवा भाव का संचार करना। इसके साथ-साथ संगठित, प्रशिक्षित व प्रेरित युवाओं का एक मानव-संसाधन तैयार करना, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान करना व देश की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना है। इसके अतिरिक्त सशस्त्र सेना में शामिल होकर राष्ट्र सेवा के लिए युवाओं को प्रेरित करना है।

ईश्वर से निकटता का अहसास है प्रार्थना

● सीएमएस गोमती नगर ऑडिटोरियम में विश्व एकता सत्संग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर ऑडिटोरियम में आयोजित विश्व एकता सत्संग में अपने विचार व्यक्त करते हुए विभिन्न धर्मावलम्बियों व विद्वजनों ने एक स्वर से कहा कि प्रार्थना भगवान से वार्तालाप है। यह पवित्रतम स्थिति है तथा ईश्वर का सानिध्य प्राप्त करने में सहायक होती है। वक्तागणों ने जोर देते हुए कहा कि भावी पीढ़ी को प्रार्थना के महत्व से अवगत करायें।

यदि आज के नन्हें-मुन्हें बच्चों प्रार्थना की शक्ति व उसके महत्व को समझ जायेंगे तो बड़े होकर उनके हृदय भी परमात्मा के दिव्य प्रकाश से प्रकाशित होंगे जो सारे समाज में व सारे संसार में शान्ति व एकता का साम्राज्य कायम करेंगे। इससे पहले, सीएमएस शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत सुमधुर

भजनों से विश्व एकता सत्संग का शुभारम्भ हुआ, जिन्होंने बहुत ही सुमधुर भजन सुनाकर सम्पूर्ण वातावरण को आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर कर दिया। विश्व एकता सत्संग में आज कानपुर रोड कैम्पस के छात्रों ने रंगारंग शिक्षात्मक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों की इन्द्रधनुषी छटा प्रदर्शित कर उपस्थित सत्संग प्रेमियों को गद्गद कर दिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ स्कूल प्रार्थना से हुआ एवं इसके उपरान्त सद्विचार, प्रार्थना गीत, प्रार्थना नृत्य, लघु नाटिका, माताओं द्वारा समूह गान आदि विभिन्न कार्यक्रमों ने सत्संग प्रेमियों को भावविभोर कर दिया। सत्संग का समापन संयोजिका वंदना गौड़ द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

लखनऊ के खिलाड़ियों ने देश-विदेश में मनवाया प्रतिभा का लोहाः महापौर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अतर्राष्ट्रीय विश्व कप रोल बॉल प्रतियोगिता में लखनऊ का नाम रौशन करने वाली खिलाड़ी को मेयर संयुक्ता भाटिया ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया। महापौर ने कहा कि लखनऊ के प्रतिभाव खिलाड़ियों को जहां भी मौका मिलता है, वहीं अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हैं। इसके पीछे खिलाड़ियों व उनके कोच के साथ माता पिता की कड़ी मेहनत होती है। महापौर संयुक्ता भाटिया ने अंतरराष्ट्रीय विश्व कप रोल बॉल प्रतियोगिता में 5 महाद्वीपों के 40 टीमों के बीच मे रजत पदक हासिल कर लखनऊ का मान बढ़ाने वाली लखनऊ निवासी कुमारी काशिका यादव को अंगवस्त्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। सम्मानित करने के दौरान महापौर ने कहा कि लखनऊ के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कमी नहीं है, उन्हें कहा जब भी जहां भी कहीं मंच मिलता है वह वहां पर लखनऊ के नाम रोशन करते हैं और अपनी प्रतिभा का लोहा

देश विदेश में भी मनवाते हैं। खिलाड़ी काशिका यादव ने बहुत ही छोटी उम्र में अंतराष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक जीत कर लखनऊ का नाम रौशन कर हम सभी को गौरवान्वित किया है। खिलाड़ी की सफलता के पीछे उसकी कड़ी मेहनत के अलावा उसके कोच की शिक्षा और माता-पिता के त्याग और परिश्रम को भी श्रेय जाता है इसलिए मैं काशिका के माता पिता और कोच को विशेष रूप से बधाई देती हूं। इस मौके पर पार्षद राम कुमार वर्मा, हर्षित दिक्सित, मयूर रेजीडेंसी विस्तार समिति के अध्यक्ष सत्य प्रकाश तिवारी, उपखेल अधिकारी ऋ षि दीक्षित खिलाड़ी के कोच नीरज श्रीवास्तव सहित अन्य जन उपस्थित रहे।

बांग्लादेश से गंगोत्री तक 11 जगहों पर लिए जा रहे गंगाजल के नमूने

संवाददाता। वाराणसी

गंगा में पॉलिथीन की थैलियों और प्लास्टिक की मात्रा की जॉच की जाएगी। साथ ही विभिन्न स्थानों पर पड़े प्लास्टिक के टुकड़ों व उनके स्रोत के बारे में जॉच रिपोर्ट भी जारी होगी।भारतीय वन्य जीव संस्थान(डब्ल्यूआईआई)और नेशनल ज्योग्राफिक सोसाइटी की ओर से बंगाल की खड़ी में बांग्लादेश से गंगोत्री तक 11 जगहों से गंगाजल के नमूने एकत्र किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को विशेषज्ञों कह टीम ने भैंसासुर घाट(राजघाट)से नमूने लिए गये।बनारस में शुक्रवार व शनिवार को इस टीम ने तीन जगहों से छह नमूने एकत्र किए हैं।इनमें गंगाजल के अलावा सिल्ट भी शामिल है।बाग्लादेश में तीन और भारत में सात स्थानों से नमूने लिए जा रहे हैं।डब्ल्यूआईआई के प्रो0 डॉ0 रूचि बडोला एवं डॉ0 एस ए हुसैन ने बताया कि गंगा में प्लास्टिक की मात्रा काफी अधिक होने से जलीय जीवों और मनुष्यों के लिए खतरा बढ़ रहा है।प्लास्टिक के महीन कण पानी में घुलकर जीव-जन्तुओं और मानव शरीर में पहुँच रहे हैं।इस मुहिम के लिए आईआईटी के विशेषज्ञों से भी मदद ली जाएगी।उन्होंने कहा कि भारत व यूके की लैब में नमूनों की जॉच की जाएगी, जिसकी रिपोर्ट अगले साल आयेगी।सोसायटी की सीनियर वैज्ञानिक हीथर कोल्डेवे ने बताया कि समुद्र में प्लास्टिक एक वैश्विक समस्या हैं।समुद्र में हर साल करीब नौ मीट्रिक ट्रन प्लास्टिक पहुँच रहा है।डब्ल्यूआईआई की प्रो0रूचि बडोला ने बताया कि तीन तरह से यह टीम काम कर रही है। पहली टीम गंगाजल का नमूना ले रही है, दूसरी टीम को जमीन पर प्लास्टिक की मात्रा जॉचने की जिम्मेदारी दी गई है तो तीसरी टीम गंगा के पास रहने वाले लोंगों में जागरूकता लाकर इसका समाधान करने का प्रयास कर रही है।नेशनल जियोग्राफिक सोसाइटी की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 हीथर कोल्डवे ने बताया कि यह एक वैश्विक गैर लाभकारी संगठन है, जो विज्ञान, खोज, शिक्षा और स्टोरीटेलिंग की ताकत का उपयोग कर विश्व की उत्कृष्टता को प्रकाश में लाता है और सुरक्षित रखता है। वर्ष 1888 से नेशनल जियोग्राफिक ने खोज की सीमाओं ने तोड़ा है, साहसी लोंगों और कायाकल्प करने वाली युक्तियों में निवेश किया है, सभी सातों महाद्वीपों पर काम के लिए 14 हजार से अधिक अनुदान दिए हैं, शैक्षणिक पेशकशों के जरिए प्रतिवर्ष 3 मिलियन विद्यार्थियों तक पहुँचा है और सटिक अनुभवों, कथाओं तथा विषय-वस्तु के माध्यम से विश्व से जुड़ाव बनाया है।

केंद्र व राज्य की रोजगारपरक योजनाओं का लाभ उठाएं युवा: रविंद्र जायसवाल

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

उत्तर प्रदेश के स्टांप एवं पंजीयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल ने केंद्र एवं राज्य सरकार की लागू रोजगारपरक योजनाओं का लाभ लोगों को प्राथमिकता के आधार पर मुहैया कराने के उद्देश्य से विभागीय अधिकारियों एवं जनसामान्य को आमने-सामने बैठा कर स्वरोजगार को अपनाने का रास्ता साफ कर एक सकारात्मक पहल किया। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संकल्प है कि हर हाथ को रोजगार हो और लोगों को रोजगार उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर को सुधारा जा सके। लोगों के आय को दोगुना किया जा सके। इसी संकल्प के साथ केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा अनेकोनेक रोजगारपरक योजनाओं को लागू किया गया है। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि सरकार द्वारा लागू की गई रोजगारपरक योजनाएं अब तक कार्यालयों तक ही सीमित रहीं। लेकिन अब इस प्रकार के कार्यक्रम से रोजगारपरक योजनाओं का लाभ शासन की मंशा के अनुरूप लोगों को मिलेगा। कमिश्नरी ऑडिटोरियम में 'चलो रोजगार की ओर' कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा कि सप्ताह में एक दिन सायं 3 से 5 बजे तक इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें कम से कम संबंधित दो विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ जनसामान्य प्रतिभाग करेगा। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा तमाम रोजगारपरक योजनाएं संचालित की गई है जिसका निश्चित रूप से लाभ उठाकर हमारे बेरोजगार नवयुवक जहां स्वरोजगार को अपनाकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। वहीं पूर्व से कर रहे रोजगारी लोग सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर अपने उद्यम को और बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि नौजवान हैं तो आसमान छूने की तमन्ना रखता है। इस योजना को वाराणसी की मोहल्लों-मोहल्लों एवं यहां के कालेजों तक ले जानी की बात उन्होंने जोरदार तरीके से कही। उन्होंने खादी ग्रामोद्योग विभाग के कुम्हार स्फूर्ति योजना योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इसके तहत कॉमन फैसिलिटी सेंटर वाराणसी में स्वीकृति हो चुकी है। इससे यहां के कुम्हारी कला के काम करने वाले लोगों को बड़ा फायदा होगा। उन्होंने बताया कि अब तक वाराणसी में दो हजार इलेक्ट्रिक चाक कुम्हारी कला के काम करने वालों को उपलब्ध कराया जा चुका है। इसका सकारात्मक परिणाम रहा कि दीपावली पर्व पर 60 से 65 हजार रुपए की सामग्री की बिक्री प्रति परिवार ने की है।

पेज एक का शेष

राज्यपाल की...

कपिल सिब्बल और एएम सिंघवी ने संयुक्त गठबंधन की तरफ से पेश होते हुए पीठ को बताया कि शक्ति परीक्षा आज ही कराया जाना चाहिए ताकि यह पता चल सके कि फडणवीस के पास बहुमत है या नहीं। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद हुए शिवसेना-एनसीपी -कांग्रेस के गठबंधन के पास 288 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए जरूरी संख्याबल है। सिब्बल ने मंत्रिमंडल की बैठक के बिना राष्ट्रपति शासन हटाए जाने को अजीब बताया है। वहीं सिंघवी ने कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या है। भाजपा के दो विधायकों और कुछ निर्दलीय विधायकों की ओर से पेश होते हुए वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि यह याचिका बंबई उच्च न्यायालय में दायर होनी चाहिए। सिब्बल ने कहा कि राज्यपाल ने सत्तारूढ़ पार्टी को बहुमत साबित करने के लिए 30 नवंबर तक का जो समय दिया है, उसका मतलब कुछ और है। उन्होंने कहा, यह लोकतंत्र के साथ पूरी तरह से धोखा और उसकी हत्या है कि सरकार बनाने की मंजूरी तब दे दी गई जब एनसीपी के 41 विधायक उनके साथ नहीं हैं। सिब्बल ने कहा, अगर देवेंद्र फडणवीस के पास बहुमत साबित करने के लिए संख्या है तो उन्हें सदन में साबित करने दें वरना हमारे पास सरकार बनाने के लिए संख्या है। सिंघवी ने कहा कि राकांपा के 41 विधायक शरद पवार के साथ हैं। वहीं शीर्ष अदालत ने कहा कि इसमें दो राय नहीं है कि शक्ति परीक्षण बहुमत साबित करने का सबसे अच्छा तरीका है। रोहतगी ने कहा कि कैसे कोई राजनीतिक पार्टी मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के लिए अनुच्छेद 32 के तहत न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकती है। सिंघवी ने इस दौरान उत्तराखंड में कांग्रेस सरकार की बर्खास्तगी जैसे मामलों का हवाला देते हुए कहा कि सदन में शक्ति परीक्षण ही सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने कर्नाटक मामले में न्यायालय के 2018 के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि शक्ति परीक्षण का आदेश दिया गया था और कोई गुप्त मतदान नहीं हुआ था। रोहतगी ने एनसीपी की याचिका का विरोध किया। रोहतगी ने पीठ से कहा, तीनों पार्टियों को समय दिया गया था लेकिन उन्होंने सरकार नहीं बनाई, इसलिए फडणवीस को बहुमत साबित करने दें क्योंकि कोई जल्दबाजी नहीं है। रोहतगी ने कहा कि राज्यपाल का आदेश दायर नहीं किया गया और संयुक्त गठबंधन की याचिका बिना किसी दस्तावेज की है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल या राष्ट्रपति के पास अनुच्छेद 361 के तहत कुछ कार्य स्वतंत्रता और छूट होती है जिसके तहत वह दावा करने वाले व्यक्ति को मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री चयनित कर सकते हैं। रोहतगी ने अपने तर्कों का समापन करते हुए कहा, सभी पार्टी को याचिका का जवाब देने के लिए कुछ समय मिलना चाहिए और हमें रविवार शांति से बिताने दें।

खरीद-फरोख्त...

लिए काम करेगी। सत्ता गठन के लिए कोशिशों में जुटी कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना ने टूट के डर से अपने विधायकों को अलग-अलग होटलों में रखा है। सभी विधायकों से मोबाइल भी ले लिए गए हैं। आठ निर्दलीय विधायक गोवा के एक रिजॉर्ट में ठहरे हैं। इनमें से ज्यादातर वे हैं, जो शिवसेना को समर्थन देने का ऐलान कर चुके हैं। देर शाम कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल अशोक चह्वाण, सुशील कुमार शिंदे, मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ कांग्रेस विधायकों से मिलने जेडब्ल्यू मैरियट होटल पहुंचे। वहीं मुंबई के जिस उपनगरीय होटल में रांकापा विधायकों को ठहराया गया है वहां सादी वर्दी में मौजूद दो पुलिस अधिकारियों से एक पार्टी नेता द्वारा पूछताछ करने का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि पार्टी विधायक जितेंद्र अवहाड और कार्यकर्ता पुलिसवालों से पवई को होटल रेनेसा में उनकी मौजूदगी की वजह के बारे में पूछ रहे हैं। अवहाड ने एक पुलिसकर्मी से उसके होटल में मौजूद होने की वजह पूछी तो उसने जवाब दिया कि वह वहां सिर्फ बैठा हुआ है। अवहाड ने अधिकारी के पहचान-पत्र की भी जांच की। उन्होंने आगे पूछा, ऐसे वरिष्ठ अधिकारी यहां बिना किसी कारण बैठे हैं? क्या आपको लगता है कि हम मूर्ख हैं।

भाजपा को...

उनके पद पर जयंत पाटिल को उस बैठक में नियुक्त किया गया, जिसमें पार्टी के सभी विधायक मौजूद नहीं थे। शेलार ने कहा, अजीत पवार ने राज्यपाल को समर्थन-पत्र एनसीपी के विधायक दल के नेता के रूप में सौंपा था। पवार की जगह जयंत पाटिल को नियुक्त करना अमान्य है। शेलार ने कहा कि फडणवीस एक स्थिर और मजबूत सरकार देंगे। उन्होंने कहा, फडणवीस और अजीत पवार के शपथ लेने के साथ ही लोगों के बीच खुशी और सकारात्मकता का भाव है। शेलार ने कहा कि राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने सदन के पटल पर अपना बहुमत साबित करने के लिए नई सरकार को 30 नवंबर तक का समय दिया है। उन्होंने इस आरोप को खारिज कर दिया कि शनिवार को हुआ शपथ ग्रहण रात के अंधेरे में किया गया। मुंबई भाजपा के पूर्व प्रमुख ने कहा, हम आरएसएस स्वयंसेवक हैं जो सुबह छह बजे शाखाओं में जाते हैं। हम मानते हैं कि सुबह जो किया जाता है वह अच्छा होता है। शिवसेना पर निशाना साधते हुए शेलार ने कहा, रात के अंधेरे में जो किया गया वह कांग्रेस नेता अहमद पटेल से उस कार में मिलने जाना है जिसके शीशे काले थे। उन्होंने शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के गत सप्ताह पटेल से मुलाकात करने के बारे में मीडिया में आ रही खबरों के संबंध में यह बात कही।शेलार ने कहा कि, हमारी सरकार महाराष्ट्र में पूरे पांच साल काम करेगी। हम आसानी से फ्लोर टेस्ट पास करेंगे। हमें विश्वास है, हम बहुमत साबित करेंगे। आज की बैठक में हमारे सभी विधायक मौजूद थे, जो निर्दलीय विधायक हमारा समर्थन कर रहे हैं, उनके साथ एक अलग जगह पर बैठक आयोजित किए जाएंगे। दादर के वसंतदादा स्मृति कार्यालय में बैठक के बाद शेलार ने बताया कि भाजपा विधायकों ने बैठक में एक स्वर में कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने भाजपा-शिवसेना गठबंधन को बहुमत दिया था परंतु शिवसेना ने बहुमत का अपमान किया। जिस हिंदुत्व की विचारधारा पर भाजपा से उसका गठबंधन था, कांग्रेस-एनसीपी से गठबंधन करके शिवसेना ने उस विचारधारा को त्याग दिया। शेलार ने कहा कि 23 नवंबर को फडणवीस और अजीत पवार के शपथ लेने के बाद राज्य में फिर से विश्वास का माहौल बना है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने विधायकों को किसी जगह इकट्ठा या छुपा कर नहीं रखेगी क्योंकि उसे सभी पर विश्वास है। जिन पार्टियों को अपने विधायकों पर भरोसा नहीं, वे ही उन्हें एक जगह जुटा कर रखती हैं।

अजीत भ्रम ...

शरद पवार ने ट्वीट किया कि एनसीपी ने एकमत से महाराष्ट्र में शिवसेना और कांग्रेस के साथ गठबंधन कर सरकार बनाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा ' अजीत पवार का बयान झूठा और यह गुमराह करने वाला तथा लोगों में गलत धारणा बनाने के उद्देश्य से दिया गया है।' इस बीच, शिवसेना नेता संजय राउत ने दावा किया कि शिवसेना-एनसीपी -कांग्रेस गठबंधन के पास महाराष्ट्र विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए 165 विधायकों का समर्थन है और उन्होंने कहा कि भाजपा का एनसीपी से अजीत पवार को तोड़ने का दांव उस पर ही भारी पड़ेगा। उधर, एनसीपी ने दावा किया है कि शनिवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में देवेंद्र फड़णवीस और उपमुख्यमंत्री के रूप में अजित पवार के शपथ ग्रहण के बाद लापता हुए उसके पांच में से तीन विधायक से संपर्क किया गया है और वे पार्टी के साथ हैं। एनसीपी ने कहा कि अजीत पवार को भी पार्टी में लौट आने के लिए समझाने की कोशिश की जा रही हैं। अजीत पवार के लिए विधायक जुटाने वाले नेता धनंजय मुंडे ने भी शरद पवार के प्रति आस्था जताई है। वहीं एनसीपी नेता जयंत पाटिल पार्टी के विधायक दल के नेता के तौर पर अजीत पवार का स्थान लिए जाने के संबंध में महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को सूचना देने के लिए एक पत्र लेकर रविवार को राज भवन गए और बाद में दावा किया कि सभी एनसीपी विधायक पार्टी के साथ हैं। राज भवन के एक अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल मुंबई में नहीं हैं। पार्टी ने कहा कि अगले विधायक दल के नेता के चुनाव तक प्रदेश एनसीपी प्रमुख जयंत पाटिल के पास सभी संवैधानिक अधिकार होंगे। वहीं शरद पवार और शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने आज उपनगर के उस रिजॉर्ट में मुलाकात की जहां एनसीपी विधायक ठहरे हुए हैं। पवार से मुलाकात के दौरान शिवसेना अध्यक्ष के साथ वरिष्ठ पार्टी नेता और पुत्र आदित्य ठाकरे भी थे। इस बीच कांग्रेस ने सदन में तुरंत विश्वास मत परीक्षण की मांग करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा महाराष्ट्र विधानसभा में बहुमत साबित करने से भाग रही है क्योंकि उसके पर्याप्त संख्या बल नहीं है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा और अजीत पवार ने संवैधानिक मूल्यों का क्षरण किया है और देवेंद्र फडणवीस की सरकार अवैध है। उन्होंने कहा सदन में विश्वास मत परीक्षण ही इस संकट का एकमात्र जवाब है। यहां पत्रकारों से बातचीत में राउत ने आरोप लगाया कि राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने अजीत पवार द्वारा दिखाए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भाजपा के देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में नई सरकार के गठन की इजाजत दी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को बहुमत साबित करने के लिए 30 नवंबर की समयसीमा केवल इसलिए दी गई ताकि दल बदल कराया जा सके। राउत ने कहा, शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के पास 165 विधायक हैं। अगर राज्यपाल पहचान परेड के लिए बुलाते हैं तो दस मिनट में हम अपना बहुमत साबित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अजीत पवार ने जन नेता शरद पवार के साथ विश्वासघात करके अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी भूल की है। राज्यसभा सदस्य ने कहा, अजीत पवार को एनसीपी से तोड़ना भाजपा का आखिरी दांव है जो उस पर भारी पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अजीत पवार ने अपनी पार्टी के विधायकों को भ्रम में रखा और ज्यादातर विधायक एनसीपी खेमे में लौट आए हैं। राउत ने यह भी कहा कि 23 नवंबर का दिन महाराष्ट्र के इतिहास में काला शनिवार था। उन्होंने कहा, शिवसेना और एनसीपी को 24 घंटे का वक्त दिया गया था और भाजपा को 30 नवंबर तक का समय दिया गया है। भाजपा पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा, मुझे लगता था कि भाजपा व्यापार जानती है। पार्टी ने सोचा कि अजित पवार 30 से 40 विधायकों को अपने साथ ला सकते हैं लेकिन केवल पांच गए। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि को नुकसान पहुंचाया। इस बीच एनसीपी के प्रवक्ता नवाब मलिक ने कहा कि रविवार सुबह तक पांच विधायकों- दौलत दरोडा (शाहपुर), नितिन पवार (कलवन), नरहरी झिरवाल (डिंडोरी), बाबासाहेब पाटिल (अहमदपुर), अनिल पाटिल (अमलनेर) के लापता होने की सूचना है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने अनिल पाटिल, बाबासाहेब पाटिल और दरोडा से संपर्क किया है। एनसीपी के प्रवक्ता नवाब मलिक ने रविवार को अनिल पाटिल के ट्वीट को टैग करते हुए ट्वीट किया, जिसमें कहा गया कि वह (पाटिल) एनसीपी का हिस्सा बने रहेंगे और उन्होंने शरद पवार के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त किया। पाटिल ने ट्वीट में कहा कि वह राजभवन गए थे क्योंकि अजीत पवार विधायक दल के नेता थे। पाटिल ने ट्वीट में कहा, मुझे इस बारे में जानकारी नहीं थी कि राजभवन में क्या होने वाला है। मैं शरद पवार के साथ हूं। मलिक ने कहा कि यह पाटिल की पार्टी में वापसी का संकेत है। मलिक ने रविवार को कहा कि पार्टी ने दरोडा और बाबा साहेब पाटिल के दो अलग-अलग वीडियो जारी किए हैं, जिसमें उन्हें यह कहते हुए देखा गया है कि वे एनसीपी के साथ हैं। एनसीपी प्रवक्ता ने कहा, झिरवाल और नितिन पवार से संपर्क किए जाने का भी प्रयास चल रहा है। सभी आज शाम तक पार्टी के साथ वापस आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि अजीत पवार को भी पार्टी में लौट आने के लिए समझाने की कोशिश की जा रही हैं। मलिक ने कहा, अगर वह अपनी गलती स्वीकार कर लेते हैं तो यह उनके लिए बेहतर होगा। हम उन्हें अकेले नहीं छोड़ना चाहते हैं। एक अन्य महत्त्वपूर्ण घटना में, भाजपा सांसद संजय काकडे और एनसीपी नेता जयंत पाटिल, छगन भुजबल और बबन शिंदे ने सुबह शरद पवार से यहां उनके आवास पर मुलाकात की। 15 मिनट तक चली बैठक के बाद, काकडे ने कहा कि वह अपने निजी काम के लिए पवार से मिलने आए थे। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने भी शरद पवार से मुलाकात की।

महाराष्ट्र का...

की सिफारिश करने वाले राज्यपाल के पत्रों को सोमवार सुबह अदालत में पेश करने का आदेश दिया है।

दोपहर 12:32 बजे: उच्चतम न्यायालय ने देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार को भी नोटिस जारी किया।

दोपहर 12: 29 बजे: शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस की शक्ति परीक्षण संबंधी याचिका पर उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र सरकार और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया।

दोपहर 12: 28 बजे: महाराष्ट्र में चल रहे सियासी ड्रामे और विधायकों की खरीद-फरोख्त की आशंका के बीच राकांपा, कांग्रेस और शिवसेना ने अपने-अपने विधायकों को मुंबई के विभिन्न लग्जरी होटलों में भेजा।

दोपहर 12:28 बजे: उच्चतम न्यायालय ने आदेश पारित करने के लिए सोमवार सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर राज्यपाल के पत्रों को पेश करने के लिए कहा।

दोपहर 12: 27 बजे: रोहतगी ने कहा कि राज्यपाल का आदेश दाखिल नहीं किया गया और संयुक्त गठबंधन की याचिका बिना किसी दस्तावेज की है।

दोपहर 12: 18 बजे: रोहतगी ने कहा कि राज्यपाल का राजनीतिक पार्टियों को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने का फैसला न्यायिक समीक्षा के दायरे से बाहर है क्योंकि यह उनका विवेकाधीन अधिकार है।

दोपहर 12: 17 बजे: तीनों पार्टियों को समय दिया गया था लेकिन उन्होंने सरकार नहीं बनाई, इसलिए फडणवीस को बहुमत साबित करने दें क्योंकि कोई जल्दबाजी नहीं है।

दोपहर 12: 14 बजे: सिंघवी ने न्यायालय से कहा कि सदन में शक्ति परीक्षण संवैधानिक दायित्व है, औपचारिकता की कोई जरूरत नहीं है और इसका आदेश दिया जा सकता है। यह लोकतंत्र के साथ पूरी तरह से धोखा और उसकी हत्या है कि सरकार बनाने की अनुमति तब दे दी गई जब राकांपा के 41 विधायक उनके साथ नहीं हैं।

दोपहर 12:13 बजे: सिंघवी ने कर्नाटक मामले में उच्चतम न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि शक्ति परीक्षण का आदेश दिया गया था और वहां कोई गुप्त मतदान नहीं हुआ था। सिंघवी ने इस दौरान उत्तराखंड में कांग्रेस सरकार की बर्खास्तगी जैसे मामलों का हवाला देते हुए कहा कि सदन में शक्ति परीक्षण ही सर्वश्रेष्ठ है।

दोपहर 12:12 बजे: रोहतगी ने कहा कि कैसे कोई राजनीतिक पार्टी मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के लिए अनुच्छेद 32 के तहत न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकती है।

दोपहर 12:11 बजे: भाजपा ने विश्वास जताया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस राज्य विधानसभा में बहुमत साबित करेंगे क्योंकि उनके पास 170 से ज्यादा विधायकों का समर्थन है।

दोपहर 12:11 बजे: सिंघवी ने कहा कि राकांपा के 41 विधायकों का समर्थन वाला पत्र आज आया है तो फिर अजित पवार को उप मुख्यमंत्री कैसे बन सकते हैं।

दोपहर 12:06 बजे: राकांपा विधायकों की कुल संख्या 52 है और 41 विधायकों ने महाराष्ट्र के राज्यपाल को पत्र लिखकर कहा है कि अजित पवार को विधायक दल के नेता पद से हटा दिया गया है।

दोपहर 12: 06 बजे: वरिष्ठ वकील ए एम सिंघवी कांग्रेस-राकांपा की तरफ से न्यायालय में पेश हुए। उन्होंने कहा कि राकांपा के 41 विधायक शरद पवार के साथ हैं।

दोपहर 12: 04 बजे: सिब्बल ने कहा कि राज्यपाल ने सत्तारूढ़ पार्टी को बहुमत साबित करने के लिए 30 नवंबर तक का जो समय दिया है, उसका मतलब कुछ और है।

दोपहर 12:02 बजे: उच्चतम न्यायालय ने कहा कि इसमें दो राय नहीं है कि शक्ति परीक्षण बहुमत साबित करने का सबसे अच्छा तरीका है।

पूर्वाह्न 11:53 बजे: केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस के पास सरकार बनाने का मौलिक अधिकार नहीं है और उनकी याचिका मंजूर नहीं की जा सकती है।

पूर्वाह्न 11: 50 बजे: वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी कुछ भाजपा और निर्दलीय विधायकों की ओर से न्यायालय में पेश हुए। उन्होंने कहा कि यह याचिका बंबई उच्च न्यायालय में दायर होनी चाहिए।

पूर्वाह्न 11: 49 बजे: कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायालय से कहा कि यदि फडणवीस के पास संख्या बल है, तो उन्हें सदन के पटल पर यह साबित करने दें, अन्यथा महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए हमारे पास संख्या बल है।

पूर्वाह्न 11:47 बजे: शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस ने उच्चतम न्यायालय से आज ही (रविवार) सदन में शक्ति परीक्षण कराने का निर्देश देने का अनुरोध किया।

पूर्वाह्न 11: 46 बजे: न्यायालय में महाराष्ट्र मामले की सुनवाई के दौरान सिब्बल ने कहा कि राष्ट्रपति शासन को रद्द करने की सिफारिश करने वाले राज्यपाल के फैसले से पक्षपात की बू आती है।

पूर्वाह्न 11: 44 बजे : सिब्बल ने न्यायालय से कहा कि देवेंद्र फडणवीस, अजित पवार ने अजीब तरीके से शपथ ली, राज्यपाल दिल्ली से मिल रहे सीधे निर्देशों पर काम कर रहे थे।

पूर्वाह्न 11:43 बजे: कपिल सिब्बल ने उच्चतम न्यायालय में कहा कि चुनाव पूर्व गठबंधन टूट गया, तीनों दलों की चुनाव के बाद गठबंधन की कोशिशें चल रही है।

पूर्वाह्न 11:42 बजे: राकांपा के जयंत पाटिल पार्टी के विधायक दल के नेता के तौर पर अजित पवार का स्थान लिए जाने की सूचना राज्यपाल को देने के लिए एक पत्र लेकर राज भवन पहुंचे।

पूर्वाह्न 11:38 बजे: वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल शिवसेना की तरफ से पेश हुए और उन्होंने रविवार के दिन न्यायाधीशों को हुई परेशानी के लिए माफी मांगने के साथ बहस शुरू की।

पूर्वाह्न 11: 35 बजे : उच्चतम न्यायालय ने तीनों पार्टियों की इस याचिका पर विचार करने के लिए सुनवाई शुरू की कि उन्हें मुख्यमंत्री के तौर पर शिवसेना सुप्रीमो उद्धव ठाकरे के साथ सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया जाए।

पूर्वाह्न 11: 34 बजे : उच्चतम न्यायालय की पीठ देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाने के राज्यपाल के निर्णय को चुनौती देने वाली शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस की याचिका पर सुनवाई करने के लिए बैठी।

पूर्वाह्न 11:29 बजे : लापता विधायक ने राकांपा में वापस आने का संकेत दिया। भाजपा सांसद संजय ककाडे और अजित पवार के करीबी समझे जाने वाले राकांपा नेता जयंत पाटिल, छगन भुजबल और बबन शिंदे ने शरद पवार से की मुलाकात।

पूर्वाह्न 11:25 बजे: पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला उच्चतम न्यायालय पहुंचे।

सुबह 10:30 बजे: शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस गठबंधन के पास कुल 165 विधायकों का समर्थन है। महाराष्ट्र के राज्यपाल ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर महाराष्ट्र की नई सरकार के गठन को मंजूरी दी है। महाराष्ट्र विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए 30 नवंबर की समय सीमा केवल इसलिए दी गई ताकि दल बदल कराया जा सके।

सुबह 10: 10 बजे : भाजपा ने अजित पवार को राकांपा के विधायक दल के नेता पद से हटाए जाने का विरोध करते हुए इसे अमान्य बताया।

सुबह 9: 20 बजे : सूत्रों ने बताया कि राकांपा नेता अजित पवार रविवार को तड़के चर्चगेट के निकट अपने निजी आवास पहुंचे। उन्होंने शनिवार को महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

तिवारी को...

नहीं, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी ट्वीट कर भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित होने पर तिवारी को बधाई दी। पिछले विधानसभा चुनाव में शुरू में भाजपा ने मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया था। जब आप भाजपा के कई नेताओं को मुख्यमंत्री पद का दावेदार बताने लगी तो भाजपा ने केजरीवाल की काट के लिए पूर्व आईपीएस किरन बेदी को मैदान में उतारा। इस बार भी आप के नेता भाजपा नेताओं से बार-बार मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार नाम पूछ रहे हैं। भाजपा गुटबाजी के डर से सीएम चेहरा घोषित करने से कतरा रही है। रविवार को जैसे ही पुरी ने तिवारी के नाम का ऐलान किया, तुरंत ही आप के दो-दो वरिष्ठ नेताओं की प्रतिक्रिया आ गई। बाद में जब पुरी बयान से पलटे तो आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने चुटकी ली और कहा कि विरोधी दल का सीएम कंडीडेट दो ही घंटे में मैदान छोड़कर भाग गया।

बोडो विद्रोही ...

सभी समूहों, गुटों और अग्रिम संगठनों के साथ गैरकानूनी संगठन घोषित करती है। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और यह पांच साल तक जारी रहेगा।

सांसद फूलपुर ने किया क्षतिग्रस्त प्रयागवाल तख्त का निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सांसद फूलपुर केशरी देवी पटेल ने संगम क्षेत्र में सेना व मेला प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से प्रयागवाल तख्त को बुरी तरह से नष्ट किया गया था का निरीक्षण करने पहुंची। निरीक्षण के पश्चात सांसद ने तीर्थ पुरोहितों द्वारा मां गंगा व त्रिवेणी का भव्य पूजन प्रयागवाल तख्त के पास कराया।

सांसद फूलपुर केशरी देवी पटेल ने पूजन के बाद तीर्थ पुरोहितों के उजड़े शिविरों को देखा और मौके कुछ तीर्थ यात्रियों से भी मिली और कुशल क्षेम पूछा। उसके बाद उपस्थित तीर्थ पुरोहितों की ओर से तीर्थ पुरोहितों की समस्या की जानकारी पं.राजेंद्र पालीवाल महामंत्री प्रयागवाल सभा द्वारा दिया गया और प्रयागवाल तख्त पूर्व की भांति अपने निर्धारित स्थान पर सम्मान जनक तौर पर सेना द्वारा सहमति पत्र देकर लगाया जाय। सांसद फूलपुर केशरी देवी पटेल ने प्रयागवाल तीर्थपुराहितों को पूर्ण आश्वासन दिया कि तीर्थ पुरोहितों के स्थान देने के बारे में मेरा पूरा प्रयास होगा। रक्षामंत्री से मिलने के बाद समस्या का समाधान निकलेगा और तीर्थ पुरोहितों अपने निर्धारित स्थान पर ही सम्मान से बैठेंगे ऐसा मुझे विश्वास है। राजेंद्र पालीवाल ने सांसद फूलपुर से कहा कि हरिद्वार व वाराणसी की भांति प्रयागराज में भी प्राचीन किला घाट से पौराणिक नागबासुकी मंदिर तक पक्के घाट का निर्माण हो, इससे सम्पूर्ण प्रयागराज का विकास होगा। उन्होंने कहा कि सांसद फूलपुर प्रधानमंत्री से वार्ता कर संगम क्षेत्र का विकास कराये। इससे प्रयागराज के सभी वर्ग होटल, वाहन चालक, छोटे-छोटे दुकानदार आदि सहित अनेकों प्रकार का लाभ प्रयागवासी पायेंगे।

किसानों ने ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक का विरोध किया

अहमदाबाद। गुजरात के तंबाकू उगाने वाले इलाकों के 5 लाख से अधिक किसानों ने प्रस्तावित 'इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट्स (उत्पादन, आयात, निर्यात, परिवहन, बिक्री, वितरण, भंडारण और विज्ञापन) विधेयक, 2019 पर अपना विरोध दर्ज किया है। स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय ने जनता की राय जानने के लिए इस बिल पर सार्वजनिक प्रतिक्रियाएं मांगी थी। तंबाकू किसानों और व्यापारियों के संगठन गुजरात टॉब

चार दशक में औसत मौसमी बारिश घटी

भाषा। नई दिल्ली

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने स्वीकार किया है कि भारत में पिछले चार दशक के दौरान न सिर्फ मौसमी बारिश की औसत मात्रा राष्ट्रीय स्तर पर घटी है बल्कि पिछले एक दशक में मानसून के क्षेत्रीय वितरण का असंतुलन भी बढ़ा है।

मौसम विभाग की एक आंकलन रिपोर्ट के मुताबिक वर्षा चक्र में बदलाव का सीधा असर बारिश की अधिकता वाले पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश की कमी और कम बारिश वाले राजस्थान जैसे इलाकों में बारिश की अधिकता के रूप में देखा गया है। इससे मिट्टी के मिजाज में भी बदलाव आया है जिससे जमीन की उत्पादकता और फसल चक्र प्रभावित हुआ है। मंत्रालय ने हाल ही में मानसून संबंधी मौसम विभाग के विश्लेषण के आधार पर देश में वर्षा क्रम में बदलाव का ब्योरा संसद में

● वर्षा का क्षेत्रीय असंतुलन बढ़ाः सरकार

पेश करते हुए बताया, उत्तर पश्चिम भारत में 2010 से 2019 के दौरान कई वर्षों की तुलना में कम बारिश दर्ज की गई है। वहीं, उत्तर भारत के अधिकांश क्षेत्रों में हाल के वर्षों में कम बारिश हुई है। इसके अनुसार मानसून के असमान वितरण का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि एक तरफ उत्तर और उत्तर पूर्वी राज्यों में बारिश की अधिकता वाले इलाकों में बारिश की मात्रा कम हुई वहीं कम बारिश वाले राजस्थान में बीते एक दशक के कई सालों में सामान्य मात्रा की तुलना में अधिक वर्षा दर्ज की गई।

उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान विभाग की साल 2007 की रिपोर्ट में बताया गया था कि साल 1981 से 2016 के बीच, देश में साल 1871 . 1980 की तुलना में औसतन 24 मिमी बारिश कम दर्ज हुई है। और इससे असम, मेघालय और पूर्वी मध्य प्रदेश में मानसून की बारिश कम होने की संभावना है। ब्योरे में मंत्रालय ने बताया कि वर्षा क्रम में बदलाव के मुताबिक फसल चक्र में परिवर्तन की जरूरत को देखते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने कम बारिश और कम समय में तैयार होने वाली तथा बाढ़ और सूखे के अनुकूल फसलों की नई किस्म भी विकसित कर ली है। इन फसलों का प्रसार आईसीएआर के देश भर में मौजूद 121 कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से किया जा रहा है। साथ ही इन केन्द्रों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के अनुकूल फसल चक्र को ढालने और किसानों को इसके लिए अभ्यस्थ बनाने के लिए राष्ट्रीय कृषि जलवायु अनुकूल कृषि नवाचार (एनआईसीआरए) कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। इसके अनुसार एनआईसीआरए के तहत आईसीएआर और आईआईटी की प्रादेशिक कृषि इकाईयों में संचालित 130 ऐग्रोमेट फील्ड यूनिट में मौसम की स्थानीय गतिविधियों के आधार पर किसानों को खेती से जुड़े रोजर्मा के फैसले लेने में सहायता के लिए सप्ताह में दो दिन (मंगलवार और शुक्रवार) परामर्श शिविर लगते हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया सहित संचार के माध्यमों से भी यह परामर्श दिया जा रहा है। मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार वर्षा क्रम में बदलाव का जमीन की गुणवत्ता पर क्षेत्रवार पड़ने वाले संभावित असर को देखते हुए जिला स्तर पर केन्द्र और राज्यों के सहयोग से आकस्मिक योजनाएं बनाई जा रही है। इसके लिए केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्ययोजना के तहत राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन को भी लागू किया है। इसका मकसद जलवायु परिवर्तन के फलस्वरूप मरुस्थलीकरण, जमीन के क्षरण और बंजर होने का आंकलन करना है।

अहमदाबाद में एनसीसी दिवस पर एनसीसी मुख्यालय में आयोजित परेड में भाग लेते हुए राष्ट्रीय कैडेट कोर के सदस्य

पटना में रविवार को फिट इंडिया मूवमेंट के तहत स्वामी विवेकानन्द स्वास्थ्य साइकिल यात्रा का नेतृत्व करते बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी

सेबी की डेटा विश्लेषण परियोजना के क्रियान्वयन के लिए एजेंसी नियुक्त करने की योजना

भाषा। नई दिल्ली

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) डेटा के विश्लेषण की एक परियोजना का क्रियान्वयन करने के लिए एक एजेंसी को नियुक्त करने पर विचार कर रही है। सेबी का लक्ष्य इस परियोजना के जरिए भेदिया कारोबार तथा फ्रंट रनिंग जैसे बाजार में हेर-फेर की घटनाओं पर निगाहें रखने का है। फ्रंट रनिंग से आशय वैसी सूचना पहले से प्राप्त होना है जिसे अभी सार्वजनिक किया जाना है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर हो रही उन्नति से बाजार के समक्ष उत्पन्न हो रही चुनौतियों को दूर काने की लगातार कोशिशें कर रहा है। इसके लिए सेबी प्रौद्योगिकी पर काफी ध्यान दे रहा है। सेबी ने एक अधिसूचना जारी कर डेटा विश्लेषण परियोजना के लिए संभावित एजेंसियों से बोलियां मंगाई है। इस परियोजना में नए मॉडल विकसित करना, डेटा विश्लेषण परियोजना का क्रियान्वयन करने, बाजार के विभिन्न निकायों के बीच लिंक तैयार करना, सेबी के पास दायर दस्तावेजों से स्वत: सूचनाएं निकालना तथा भेदिया कारोबार व फ्रंट रनिंग जैसे बाजार में हेर-फेर के प्रयासों का अनुमान लगाना शामिल है। सेबी ने कहा है कि इसके लिए बोली लगाने वाली एजेंसी के पास कम- से- कम तीन साल के परिचालन का अनुभव होना चाहिए। इसके अलावा एजेंसी ने इससे पहले किसी नियामक या वित्तीय संस्थान के लिए डेटा विश्लेषण की इस तरह की परियोजना का क्रियान्वयन किया हो।

पाकिस्तानी नागरिक गुजरात में सीमा के पास से पकड़ा गया

भुज। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) कर्मियों ने गुजरात के कच्छ जिले से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर शुक्रवार शाम में गश्त के दौरान एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा। बीएसएफ की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि पाकिस्तानी नागरिक को सीमा खंबा नम्बर 1135 के पास से पकड़ा गया और उसके पास कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। इसमें कहा गया कि व्यक्ति मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत होता है और वह सुसंगत उत्तर नहीं दे पाया। बीएसएफ ने उसकी पहचान रमजान (करीब 48 वर्ष) निवासी शाहबेलो, पाकिस्तान के तौर पर की है।

केरल में मंत्री ने स्कूलों की मरम्मत के दिए निर्देश

तिरुवनंतपुरम। वायनाड के सरकारी स्कूल में सांप के काटने से पांचवी की छात्रा की मौत होने की पृष्ठभूमि में केरल सरकार ने सभी पंचायतों को निर्देश दिया है कि वे स्कूलों की मरम्मत के लंबित कार्यों को पूरा करें। शनिवार को देर रात जारी किए गए इस आदेश में स्थानीय प्रशासन मंत्री ए सी मोईद्दीन ने इस बात का भरोसा दिलाया है कि मरम्मत कार्य में आर्थिक मदद में कोई कमी नहीं की जाएगी। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने को बताया कि पंचायतें मरम्मत कार्यों में अपने निधि का प्रयोग कर सकती हैं और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें इस कार्य के लिए आर्थिक मदद भी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि मंत्री के अनुसार पंचायतें कदम्बश्री और मनरेगा अधिनियम के तहत काम करने वाले मजदूरों से मरम्मत कार्य में मदद ले सकती हैं। मंत्री ने जिन स्कूलों में बाथरुम नहीं हैं वहां बाथरुम बनाने के निर्देश दिए हैं। वायनाड के सुल्तान बथेरी जिले के सर्वजन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा में सांप काटने से एक 10 वर्षीय बच्ची शेहला सरीन की मौत के बाद लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शन के बीच केरल सरकार ने स्कूलों की मरम्मत का यह आदेश दिया है। इस मामले में बच्ची को अस्पताल ले जाने में कथित तौर पर लापरवाही की सूचना मिली थी। गौरतलब है कि 20 नवंबर को 10 वर्षीय बच्ची की कक्षा में सांप के काटने से मौत हो गई थी।

शीर्ष 10 में सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 76,164 करोड़ कम हुआ

भाषा। नई दिल्ली

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण पिछले सप्ताह संयुक्त रूप से 76,164.3 करोड़ रुपए कम हो गया। टीसीएस को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा। शीर्ष 10 कंपनियों में से सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी और भारतीय स्टेट बैंक के बाजार पूंजीकरण में ही इस दौरान तेजी रही।

टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 39,118.6 करोड़ रुपए कम होकर 7,76,950.02 करोड़ रुपए पर आ गया। इसके अलावा कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार पूंजीकरण 10,410.2 करोड़ रुपए गिरकर 2,99,602.51 करोड़ रुपए और इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण 7,174.59 करोड़ रुपए कम होकर 2,95,174.92 करोड़ रुपए पर आ गया। इसी तरह, हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 7,154.7 करोड़ रुपए कम होकर 4,38,201.26 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 7,033.72 करोड़ रुपए लुढ़ककर 6,92,671.21 करोड़ रुपए, आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 3,686.3 करोड़ रुपए कम होकर 3,04,304.16 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण ।,586.19 करोड़ रुपए कम होकर 3,21,139.67 करोड़ रुपए रह गया। इसके उलट रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 48,874.91 करोड़ रुपए मजबूत होकर 9,80,287.54 करोड़ रुपए पहुंच गया। वहीं भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 6,381.1 करोड़ रुपए चढ़कर 2,93,753.59 करोड़ रुपए और एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 2,098.74 करोड़ रुपए बढ़कर 3,86,298.69 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बनी रही। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, इंफोसिस और भारतीय स्टेट बैक का स्थान रहा। पिछले सप्ताह सेंसेक्स 2.72 अंक मजबूत हुआ।

सबरीमला मंदिर सूर्य ग्रहण के चलते 26 दिसंबर को चार घंटे बंद रहेगा

तिरूवनंतपुरम। सबरीमला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर का गर्भ गृह 26 दिसंबर को सूर्यग्रहण के चलते चार घंटे के लिए बंद रहेगा। सबरीमला मंदिर में दो महीने तक चलने वाली वार्षिक तीर्थयात्रा मंडलम मकरवीलक्कु 17 नवंबर को शुरू हुई थी और इसके लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) ने रविवार को कहा कि गर्भगृह उस दिन (26 दिसंबर को) सुबह साढ़े सात से पूर्वाह्न साढ़े ग्यारह बजे के बीच बंद रहेगा। उस दिन सूर्यग्रहण सुबह आठ बज कर छह मिनट से पूर्वाह्न ग्यारह बज कर 13 मिनट तक रहेगा। मंदिर के कार्यकारी अधिकारी ने एक बयान में कहा कि प्रतिदिन की परंपरागत पूजा और अनुष्ठान के बाद मंदिर बंद कर दिया जाएगा। इसे सूर्यग्रहण के पश्चात शुद्धिकरण के बाद दोबारा खोला जाएगा। सबरीमला तंत्री (मुख्य पुरोहित) महेश मोहनारू ने कार्यकारी अधिकारी को बताया कि सूर्यग्रहण की अवधि के दौरान मंदिर को खुला रखना सही नहीं है।

हरित बांड से 10 हजार करोड़ रुपए जुटा सकती है एनटीपीसी

भाषा। नई दिल्ली

सरकारी कंपनी एनटीपीसी हरित बांड के जरिए करीब 10 हजार करोड़ रुपए जुटा सकती है। इस पूंजी का इस्तेमाल टीएचडीसीआईएल और नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) में सरकारी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने में किया जा सकता है। एक सूत्र ने इसकी जानकारी दी है।

हरित बांड से जुटाई गई पूंजी का इस्तेमाल स्वच्छ एवं हरित तथा पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा के वित्तपोषण में किया जाता है। चूंकि टीएचडीसीआईएल और नीपको जलविद्युत ऊर्जा का उत्पादन करती हैं, इनमें किसी भी तरह का निवेश इसी श्रेणी में गिना जाएगा। सूत्र ने कहा, कंपनी टीएचडीसीआईएल और नीपको में सरकार की हिस्सेदारी खरीदने के लिए हरित बांड के जरिए 10 हजार करोड़ रुपए जुटा सकती है। यह अधिग्रहण चालू वित्त वर्ष के समाप्त होने से पहले ही किए जाने का अनुमान है क्योंकि सरकार चालू वित्त वर्ष में 1.05 लाख करोड़ रुपए के विनिवेश का लक्ष्य हासिल करना चाहती है। उसने कहा कि कंपनी ने अभी टीएचडीसीआईएल और नीपको में सरकारी हिस्सेदारी के मूल्यांकन के लिए आकलनकर्ता नियुक्त करने की प्रक्रिया अभी नहीं शुरू की है।उल्लेखनीय है कि मंत्रिमंडल ने पिछले सप्ताह टीएचडीसीआईएल और नीपको में सरकारी हिस्सेदारी एनटीपीसी को बेचने की मंजूरी दे दी थी। भारत सरकार की टीएचडीसीआईएल में 74.23 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

जम्मू कश्मीर में हिरासत में रखे गए नेताओं के पास से ग्यारह मोबाइल फोन बरामद

श्रीनगर। श्रीनगर में एमएलए हॉस्टल में हिरासत में रखे गए मुख्यधारा के कई नेताओं के पास से 11 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जेल नियमावली के मुताबिक शनिवार शाम तलाशी अभियान चलाया गया। दरअसल, इस बारे में खुफिया सूचना थी कि एमएलए हॉस्टल में रखे गए लोग मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस हॉस्टल को उप-कारागार में तब्दील कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया, तलाश अभियान के दौरान एमएलए हॉस्टल से 11 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस बारे में जांच जारी है कि ए मोबाइल फोन वहां कैसे पहुंच गए। जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को रद्द करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के पांच अगस्त के केंद्र के फैसले के बाद से करीब तीन दर्जन नेताओं को हिरासत में लिया गया है। इन नेताओं को यहां एम ए रोड के पास एमएलए हॉस्टल में रखा गया है। इन नेताओं को पिछले हफ्ते सेंटूर होटल से यहां लाया गया है क्योंकि कश्मीर घाटी में सर्दियां बढ़ने के चलते वहां सुविधाओं की कमी हो गई थी।

बुद्ध को समझने के लिए आस्था से अधिक महत्वपूर्ण है ज्ञानः दलाईलामा

भाषा। औरंगाबाद

तिब्बत के आध्यात्मिक नेता दलाईलामा ने रविवार को महाराष्ट्र के औरंगाबाद में कहा कि बुद्ध और बौद्ध धर्म को समझने के लिए केवल आस्था नहीं बल्कि ज्ञान भी जरूरी है। दलाईलामा ने यहां वैश्विक बौद्ध समागम को संबोधित करते हुए कहा, बौद्ध धर्म का जन्म और विकास भारत में ही हुआ था। बाबासाहेब आंबेडकर ने 20वीं सदी में भारत में बौद्ध धर्म के पुनरुत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दलाईलामा ने कहा, आचार्य शांतिरक्षित को तिब्बत आमंत्रित किया गया था जिसके बाद वहां साहित्य के अध्ययन, चर्चा और रचना का आंदोलन शुरू हुआ। तिब्बत ने इस अनमोल साहित्य को अब तक अक्षुण्ण रखने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा, मैं हमेशा बौद्धों को 21वीं सदी का बौद्ध होने के लिए कहता हूं। इसका मतलब है मैं आपको सब कुछ का अध्ययन करने के लिए कहता हूं। दो तरह के अनुयाई होते हैं। एक आस्था वाले और दूसरा प्रतिभा वाले। यदि आप बौद्ध धर्म को केवल आस्था के चलते पालन करते हैं, बौद्ध धर्म लंबे समय नहीं चलेगा। यद्यपि प्रतिभा के साथ यह अवश्य ही लंबा चलेगा। बौद्ध धर्म का पालन ज्ञान के आधार पर करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बौद्ध धर्म एक दवा की तरह है। उन्होंने कहा कि एक दवा हर तरह की बीमारी के लिए उपयुक्त नहीं हो सकती। दलाईलामा ने कहा, प्रत्एक व्यक्ति को अपना धर्म चयन करना चाहिए और उसका सहिष्णुता के साथ पालन करना चाहिए। भारत सहिष्णुता का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है और कई धर्मों का शांति के साथ सह-अस्तित्व है।

कैलाश जोशी के निधन पर प्रधानमंत्री मोदी ने शोक जताया

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश जोशी के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए रविवार को कहा कि वह कद्दावर नेता थे। उन्होंने मध्य प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मोदी ने ट्वीट किया है, कैलाश जोशी जी एक ऐसे कद्दवार नेता थे, जिन्होंने मध्य प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, उन्होंने (जोशी) मध्य भारत में जनसंघ एवं भाजपा को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत की। मोदी ने कहा, उन्होंने एक प्रभावी विधायक के रूप में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने कहा, उनके निधन से दुख हुआ। उनके परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदना। ओम शांति। कैलाश जोशी (90) का लंबी बीमारी के बाद भोपाल स्थित एक निजी अस्पताल में रविवार सुबह निधन हुआ।

तेय्यम के दौरान श्रद्धालुओं को पीटे जाने पर मानवाधिकार आयोग ने मांगी रिपोर्ट

कासरगोड (केरल)। राज्य मानवाधिकार आयोग (एसएचआरसी) ने तेय्यम पूजा अनुष्ठान के दौरान श्रद्धालुओं को पीटे जाने के संबंध में स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है। इस अनुष्ठान के तहत ऐसा माना जाता है कि एक व्यक्ति पर भगवान का वास हो गया है और वह श्रद्धालुओं को पीटता है। कोई इसकी शिकायत नहीं करता है। एसएचआरसी सदस्य के. मोहनदास ने रविवार को पीटीआई से कहा कि उन्होंने कलेक्टर और जिला पुलिस प्रमुख से इस मामले में 30 दिन में रिपोर्ट देने को कहा है। उन्होंने कहा, आयोग ने मीडिया में आई खबरों और वीडियो के वायरल होने के बाद मामले पर स्वत: संज्ञान लिया है। हालांकि किसी ने शिकायत नहीं की, लेकिन इस अनुष्ठान के दौरान कई लोग घायल हुए और कई लोगों के हाथ टूट गए। यह घटना कान्हागढ़ में अरयिल देवी मंदिर में दो नवंबर को हुई। एक वीडियो में तेय्यम के दौरान श्रद्धालुओं को पीटते हुए दिखाया गया है। मंदिर संबंधी मामलों का प्रबंधन करने वाली पतिनल नगरम् क्षेत्र संरक्षण समिति ने पीटीआई से कहा कि श्रद्धालुओं को पीटना अनुष्ठान का हिस्सा है।

कई अभिनेताओं की फीस महिला प्रधान फिल्मों के बजट के बराबरः तापसी

पणजी। अभिनेत्री तापसी पन्नू ने दावा किया कि बॉलीवुड में पुरुष और महिला कलाकारों को एक समान भुगतान करने दिशा में अभी एक लंबा रास्ता तय करना है। गोवा में चल रहे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईएफएफआई) के 50वें संस्करण में इंट्रैक्टिव सेशन के दौरान तापसी ने कहा कि हमें काफी लंबा रास्ता तय करना है। उन्होंने कहा, बॉलीवुड में अभिनेत्रियों को जितना भुगतान किया जाता है, वह कि फिल्म के प्रमुख अभिनेता को किए जाने वाले भुगतान का आधा भी नहीं होता है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि कई बार तो भुगतान की जाने वाली रकम एक चौथाई के बराबर भी नहीं होता है, ईमानदारी से कहूं तो उससे भी कम होता है। प्रमुख हीरो की आधी तनख्वाह ए लिस्ट की अभिनेत्रियों की महिला प्रधान फिल्मों का पूरा बजट होता है। तापसी ने आगे कहा कि मुझे आशा है कि मेरे जीवित रहते इसमें बदलाव आएगा। ऐसा तभी होगा जब लोग महिला प्रधान फिल्मों को थियेटर में देखने जाएंगे। सिर्फ बॉक्स ऑफिस ही इसे बदल सकता है।

पूर्व वाममोर्चा मंत्री क्षिति गोस्वामी का निधन

कोलकाता। रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) के महासचिव और पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री क्षिति गोस्वामी का चेन्नई के एक निजी अस्पताल में उम्र संबंधी बीमारियों की वजह से रविवार सुबह निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 77 साल के थे और उनके परिवार में उनकी पत्नी और बेटी हैं। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि उम्र संबंधी बीमारियों के अलावा गोस्वामी फेफड़े के संक्रमण से पीड़ित थे और उन्हें इसी को लेकर चेन्नई के अस्पताल में भर्ती किया गया था। वहीं उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका पार्थिव शरीर शाम को कोलकाता लाया जाएगा और सोमवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा।

पार्टी लाइन से ऊपर उठकर सभी दलों के नेताओं ने रविवार को गोस्वामी के निधन पर शोक व्यक्त किया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उनका निधन भारतीय राजनीति के लिए बहुत बड़ी क्षति है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान में बनर्जी ने कहा, मैं क्षिति गोस्वामी के आकस्मिक निधन से बहुत दुखी हूं। उनका आज सुबह चेन्नई में निधन हो गया। यह भारतीय राजनीति के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। पश्चिम बंगाल वाम मोर्चा के अध्यक्ष और माकपा पोलित ब्यूरो के सदस्य बिमान बोस ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि गोस्वामी की मौत से राज्य के राजनीतिक जगत में शून्य पैदा हो गया है।

दैनिक जीवन में विज्ञान की छोटी-छोटी बातें भी अहम

हरदोई। हमारे दैनिक जीवन में भी विज्ञान की छोटी-छोटी बाते बेहद अहम हैं। इनकों जानने और समझने की आवश्यकता है। यह विचार भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. वीपी शर्मा ने व्यक्त किए। वे राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद भारत सरकार और इंडियन साइंस कम्युनिकेशन सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में चल रही पांच दिवसीय कार्यशाला में बोल रहे थे। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को कठपुतली कला के माध्यम विज्ञान संप्रेषण सिखाया जा रहा है।

प्रो. शर्मा ने कहाकि जो हम खाते हैं उसमें विषाक्त तत्व हो सकते हैं, महिलाओं के सौन्दर्य प्रसाधन में हानिकारक तत्व हो सकते हैं, बच्चों के प्लास्टिक खिलौनों में हानिकारक पदार्थ होते हैं, जैसे तमाम तथ्य हैं जिनसे आम जनमानस परिचित नहीं होता। उन्होंने कहाकि कठपुतली विज्ञान नाटक में ऐसे तथ्यों को समाहित किया जाए जिससे लोग इससे परिचित हो सकें। भारतीय विज्ञान लेखक संघ के डॉ. वीपी ने कहाकि पुतुल विज्ञान संचार का बेहद सशक्त माध्यम है और इसके जरिए आम लोगों तक विज्ञान पहुंचाया जा सकता है। कार्यक्रम पुतुल विशेषज्ञ मिठाई लाल प्रजापति ने पुतुल निर्माण और उसके संचालन के बारे में प्रतिभागियों को बताया। कार्यशाला में डॉ. एके सिंह, कल्पना तिवारी, डॉ. सपना शर्मा, तारिक बदर और अनामिका मिश्रा ने भी प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।

वैश्विक रुख से तय होगी बाजार की चाल

भाषा। नई दिल्ली

● वायदा विकल्प खंड के सौदों के निपटान की भी होगी भूमिका

इस सप्ताह अमेरिका-चीन व्यापार समझौते से जुड़ी गतिविधियां, विदेशी पूंजी निकासी और नवंबर श्रृंखला के वायदा एवं विकल्प खंडों के सौदों के निपटान बाजार की चाल तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह बात कही। विश्लेषकों के अनुसार इसके अलावा निवेशकों की नजर महाराष्ट्र के राजनीतिक घटनाक्रम पर भी होगी। सैमको सिक्युरिटीज एंड स्टॉक नोट के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिमीत मोदी ने कहा, बाजार इस सप्ताह हल्का रह सकता है। आर्थिक नीतियों, विनिवेश और अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से जुड़ी खबरों और घटनाक्रमों के आधार पर बाजार की चाल होगी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, आने वाले समय में बाजार दूसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों पर निर्भर करेगा। दूसरी तिमाही का जीडीपी वृद्धि का आंकड़ा शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद जारी किया जाएगा। विभिन्न रेटिंग एजेंसियों ने खपत में कमी और वैश्विक चुनौतियों को देखते हुए आर्थिक वृद्धि में और गिरावट का अनुमान जताया है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 5 प्रतिशत रही थी। विश्लेषकों के अनुसार, रुपया और डॉलर की चाल, कच्चा तेल की कीमतें, विदेशी निवेशकों का रुख आदि भी शेयर बाजार को प्रभावित कर सकते हैं। नवंबर श्रृंखला के वायदा एवं विकल्प खंड के सौदों के निपटान का काम बृहस्पतिवार को समाप्त होगा। इससे बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के विश्लेषक गौरांग सोमैय्या ने कहा, अगले सप्ताह बाजार दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़ों पर निर्भर करेगा। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता कारोबार धारणा को प्रभावित करेगा। सप्ताह के दौरान सेंसेक्स केवल 2.72 अंक की बढ़त के साथ 40,359.41 अंक पर बंद हुआ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजारों में नवंबर में अब तक 17,722 करोड़ की पूंजी लगाई

एजेंसी। नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर महीने में भारतीय बाजारों में अबतक 17,722 करोड़ रुपए की पूंजी लगाई है। उत्साहजनक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय संकेतकों को देखते हुए एफपीआई ने ए पूंजी डाली। डिपोजिटरी के आंकड़े के अनुसार विदेशी निवेशकों ने एक नवंबर से 22 नवंबर के दौरान शेयरों में 17,547.55 करोड़ रुपए का निवेश किया जबकि 175.27 करोड़ रुपए का निवेश बांड में किया गया। इस प्रकार एफपीआई ने कुल 17,722.82 करोड़ रुपए के निवेश किए। इससे पहले, अक्टूबर और सितंबर में भी एफपीआई शुद्ध लिवाल रहे। उन्होंने अक्टूबर में 16,464.6 करोड़ रुपए जबकि 6,557.8 करोड़ रुपए सितंबर में घरेलू पूंजी बाजार (शेयर और बांड) में लगाए।हालांकि कुछ विशेषज्ञों के अनुसार एफपीआई अभी भी बाजारों में अपना निवेश बढ़ाने को लेकर चिंतित हैं। सैमको सिक्युरिटीज के शोध प्रमुख उमेश मेहता ने कहा, उच्च मूल्यांकन और निफ्टी के रिकार्ड स्तर के आसपास होने के बीच भारत को लेकर एफपीआई अपेक्षाकृत सतर्क हैं। बड़े और छोटे I मझोले के बीच अंतर को देखते हुए सतर्कता बरत रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा आने वाले महीनों में जीडीपी के कमजोर आंकड़े की आशंका को देखते हुए निवेशक थोड़े झिझक रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए मिलकर बोली लगानी चाहिए: रिपोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

● पीएसई के लिए अल्पकालीन (5 साल) और दीर्घकालीन (10 साल) रूपरेखा में स्पष्ट तौर पर निर्यात और वृद्धि लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है:बनर्जी

देश के सार्वजनिक उपक्रमों को अपनी भू-रणनीतिक पहुंच बढ़ाने के लिए मिलकर (समूह के रूप में) अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए बोली लगानी चाहिए। साथ ही इन उपक्रमों को सरकारी सहायता की योजनाओं को डब्ल्यूटीओ की व्यवस्था के अनुरूप बना कर निर्यात बढ़ाने के प्रयासों में सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए। उद्योग मंडल सीआईआई की रिपोर्ट क्या भारतीय पीएसई (सार्वजनिक लोक उपक्रम) भू-रणनीति पहुंच बढ़ा सकती हैं में 2022 तक निर्यात बढ़ाने तथा भू-राजनीतिक पहुंच बढ़ाने की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। इसमें कई घरेलू और विदेशी बाधाओं को रेखांकित किया गया है जो निर्यात बढ़ाने के लिए पीएसई की क्षमता प्रभावित कर रही हैं। स्वायत्तता का अभाव, विभिन्न प्रक्रियाएं और प्रबंधन अंतर समेत अन्य कारणों से संभावित कारोबारी अवसरों का नुकसान हो रहा है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, पीएसई के लिए अल्पकालीन (5 साल) और दीर्घकालीन (10 साल) रूपरेखा में स्पष्ट तौर पर निर्यात और वृद्धि लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। इसका उद्देश्य उनकी भू-राजनीतिक पहुंच को बढ़ाने में मदद करना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को मिलकर एक-दूसरे की प्रतिस्पर्धी क्षमता, अनुभव और शक्तियों का लाभ उठाते हुए अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए बोलियां लगानी चाहिए। उन्हें उन क्षेत्रों में क्षेत्रीय और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों का भी लाभ उठाना चाहिए जहां उन्हें तुलनात्मक लाभ है। इसमें कहा गया है कि पीएसई की सफलता के लिए दीर्घकालीन राजनीतिक रणनीति और योजना जरूरी है। प्रत्एक नोडल मंत्रालय में अंतरराष्ट्रीय डेस्क होना चाहिए। ज्यादातर पीएसई निर्यात के कार्य में हैं और उनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौजूदगी है।

आंगनवाड़ी के लिए स्मार्टफोन, उपकरण खरीद में और स्मार्ट बनें राज्य

भाषा। नई दिल्ली

● नीति आयोग ने राज्य सरकारों से यह काम अधिक मुस्तैदी से करने को कहा है

नीति आयोग के अधिकारियों ने राष्ट्रीय पोषण अभियान के तहत आंगनवाड़ियों के लिए स्मार्ट फोन और बच्चों की वृद्धि की माप के उपकरणों की खरीद की प्रगति में कमियां पाई हैं और राज्य सरकारों से यह काम अधिक मुस्तैदी से करने को कहा है। आयोग ने कहा कि इन उपकरणों की खरीद की प्रगति अपेक्षित दर से नहीं हुई है। अब तक विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए 6.28 लाख स्मार्टफोन और 6.37 लाख वृद्धि-मापक उपकरण खरीदे गए हैं। को मिले पोषण की चुनौती पर राष्ट्रीय परिषद की बैठक के विवरण की एक प्रति के अनुसार नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने बैठक में कहा कि पांच राज्यों ने तो अभी स्मार्टफोन की खरीद ही नहीं की है। इसी तरह 14 राज्यों ने आवश्यक वृद्धिमापी उपकरण की भी खरीद नहीं की है। कुमार ने पिछले महीने हुई बैठक में कहा, जब तक हम यह (उपकरणों की व्यवस्था) नहीं करेंगे, तब तक आंगड़वाड़ी केंद्र हमें वे आंकड़े उपलब्ध नहीं करा पाएंगे, जिनकी हमें जरूरत है। इसी तरह वे वृद्धिमापी उपकरण के बिना ऐसे बच्चों की पहचान भी नहीं कर पाएंगे जो भीषण कुपोषण का शिकार हैं। राष्ट्रीय पोषण अभियान के तहत निगरानी और जांच की कारगर व्यवस्था बनाने के लिए स्मार्टफोन और टैबलेट खरीदे जा रहे हैं। इस पोषण अभियान का मकसद कम कद, खून की कमी और जन्म के वक्त कम वजन के स्तर को कम करना है।

इंटरनेट सेवा प्रदाताओं ने कहा

सांविधिक बकाए का मामला हम पर जबरन थोपा गया

भाषा। नई दिल्ली

इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएसपीएआई) ने कहा है कि वह दूरसंचार सेवा कंपनियों की समायोजित सकल आय (एजीआर) के बारे में उच्चतम न्यायालय के हाल के निर्णय के बाद दूरसंचार विभाग की ओर से अपने सदस्यों को पुराने सांविधिक बकाया जमा कराने के लिउ भेजे गए नोटिस के कानूनी पहलुओं पर सलाह ले रहा है।एसोसिएशन का कहना है कि दूरसंचार विभाग ने न्यायालय के आदेश को इंटरनेट सेवा प्रदाताओं पर अनावश्यकत रूप से थोपा है। उसका कहना है कि उसके बहुत से उद्यमी सदस्य छोटे छोटे शहरों कस्बों में सेवाएं दे रहे हैं।संगठन के अध्यक्ष राजेश छरिया ने पीटीआई भाषा से कहा, हमने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के सामने अपनी बात रखी है। हमें उम्मीद है कि कोई सही निर्णय किया जाएगा है। चूंकि हमें दूरसंचार विभाग से पत्र मिला है, हम उस बारे में कानूनी राय ले रहे हैं। हमारा मानना है कि विभाग ने यह आदेश अनावश्यक रूप से हम पर थोप दिया है। उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत ने पिछले महीने सालाना एजीआर के आकलन के मामले में सरकार के रुख को सही ठहराया। इसमें गैर-दूरसंचार कारोबार करने वाली कंपनियां भी शामिल हैं। न्यायालय के 24 अक्टूबर के आदेश के बाद भारती एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और अन्य दूरसंचार परिचालकों को बकाए के रूप में 1.47 लाख करोड़ रुपए देने हैं। इस महीने की शुरूआत में दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार परिचालकों के साथ-साथ आईएसपीएआई जैसे संगठनों को अपने सदस्यों को सूचित कर न्यायालय के आदेश के अनुसार भुगतान करने को कहा। साथ ही निर्धारित समयसीमा के भीतर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए जरूरी दस्तावेज जमा करने को कहा। विभाग ने 13 नवंबर 2019 को जारी आदेश में कहा, लाइसेंस रखने वालों की यह जवाबदेही है कि वे लाइसेंस समझौतों के तहत आकलन करने के बाद लाइसेंस शुल्क और अन्य बकाए का भुगतान करे। इसको लेकर आईएसपीएआई ने हाल ही में प्रधानमंत्री कार्यालय से न्यायालय के फेसले के लागू होने के बारे में हस्तक्षेप का आग्रह किया।

जम्मू में धान क्रय क्रेंद्र पर धान की तौल कराते किसान

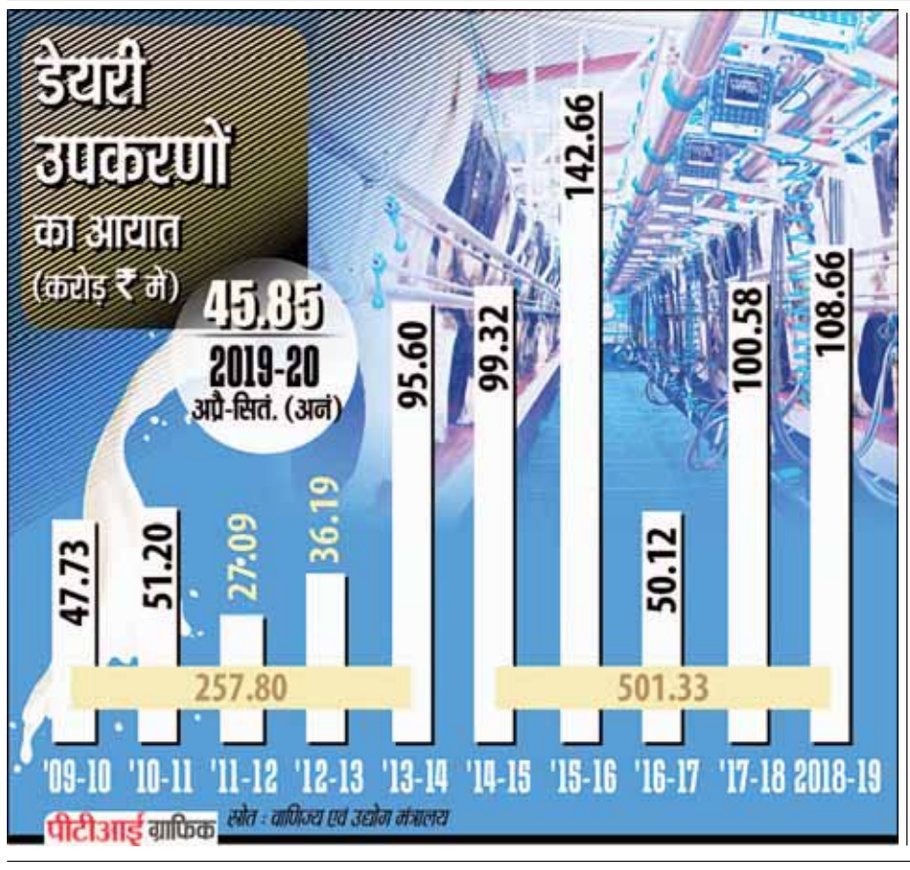

सरकारी की अपेक्षा निजी अस्पतालों में इलाज कराना सात गुना महंगा

भाषा। नई दिल्ली

सरकारी आंकड़ों का दावा

देश के निजी क्षेत्र के अस्पतालों में लोगों को इलाज कराना सरकारी अस्पतालों की तुलना में सात गुना अधिक खर्चीला पड़ता है। यह बात राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की एक सर्वेक्षण रपट में सामने आई है। इसमें प्रसव के मामलों पर खर्च के आंकड़े शामिल नहीं किए गए हैं।यह आंकड़ा जुलाई-जून 2017-18 की अवधि के सर्वेक्षण पर आधारित है। राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस) की 75वें दौर की परिवारों का स्वास्थ्य पर खर्च संबंधी सर्वेक्षण रपट शनिवार को जारी की गई। इसके अनुसार इस दौरान परिवारों का सरकारी अस्पताल में इलाज कराने का औसत खर्च 4,452 रुपए रहा। जबकि निजी अस्पतालों में यह खर्च 31,845 रुपए बैठा।शहरी क्षेत्र में सरकारी अस्पतालों में यह खर्च करीब 4,837 रुपए जबकि ग्रामीण क्षेत्र में 4,290 रुपए रहा। वहीं निजी अस्पतालों में यह खर्च क्रमश: 38,822 रुपए और 27,347 रुपए था।ग्रामीण क्षेत्र में एक बार अस्पताल में भर्ती होने पर परिवार का औसत खर्च 16,676 रुपए रहा। जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 26,475 रुपए था। यह रपट 1.13 लाख परिवारों के बीच किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। इससे पहले इस तरह के तीन सर्वेक्षण 1995-96, 2004 और 2014 में हो चुके हैं।अस्पताल में भर्ती होने वाले मामलों में 42 प्रतिशत लोग सरकारी अस्पताल का चुनाव करते हैं। जबकि 55 प्रतिशत लोगों ने निजी अस्पतालों का रुख किया। गैर-सरकारी और परमार्थ संगठनों द्वारा संचालित अस्पतालों में भर्ती होने वालों का अनुपात 2.7 प्रतिशत रहा। इसमें प्रसव के दौरान भर्ती होने के आंकड़ों को शामिल नहीं किया गया है।

प्रसव के लिए अस्पताल में भर्ती होने पर ग्रामीण इलाकों में परिवार का औसत खर्च सरकारी अस्पतालों में 2,404 रुपए और निजी अस्पतालों में 20,788 रुपए रहा। वहीं शहरी क्षेत्रों में यह खर्च क्रमश: 3,106 रुपए और 29,105 रुपए रहा।रपट के अनुसार देश में 28 प्रतिशत प्रसव मामलों में ऑपरेशन किया गया।

सरकारी अस्पतालों में मात्र 17 प्रतिशत प्रसव के मामलों में ऑपरेशन किया गया और इनमें 92 प्रतिशत ऑपरेशन मुफ्त किए गए। वहीं निजी अस्पताओं में 55 प्रतिशत प्रसव के मामलों में ऑपरेशन किया गया और इनमें केवल एक प्रतिशत ऑपरेशन मुफ्त किए गए।

चावल बिक्री के आरक्षित मूल्य में कटौती करने पर विचार

भाषा। नई दिल्ली

सरकार खुले बाजार के माध्यम से चावल बिक्री को बढ़ावा देने के मकसद से थोक खरीदारों के लिए आरक्षित मूल्य में लगभग 500 रुपए प्रति क्विंटल की कटौती करने पर विचार कर रही है। देश में चावल के भारी बफर स्टॉक होने के बीच यह कदम उठाया जा रहा है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि हालांकि, गेहूं की कीमत में कटौती की कोई योजना नहीं है। भारत सरकार की गेहूं के आरक्षित मूल्य में कोई भी संशोधन करने की कोई योजना नहीं है और गेहूं की वर्तमान आरक्षित कीमत 2019-20 की शेष अवधि के दौरान पूर्ववत बनी रहेगी। सरकार, वर्ष 2019-20 में खुली बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत केंद्रीय पूल स्टॉक से बिक्री को बढ़ावा देने के लिए चावल के आरक्षित मूल्य को 2,785 रुपए प्रति क्विंटल से घटाकर 2,250 रुपए प्रति क्विंटल करने के बारे में विचार कर रही है। खाद्य मंत्रालय, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा बफर स्टॉक में भंडारित किए गए गेहूं और चावल को बेचने के लिए ओएमएसएस का संचालन करता है। खाद्यान्न को आरक्षित मूल्य पर आटा एवं चावल मिलों और उपभोक्ता उद्योगों को निविदा के माध्यम से बेचा जाता है। खाद्यान्न की खरीद और वितरण के लिए सरकार की नोडल एजेंसी एफसीआई के पास 2.31 करोड़ टन चावल जबकि 3.73 करोड़ टन गेहूं है। एक नवंबर को कुल खाद्यान्न भंडार लगभग छह करोड़ टन का था। एफसीआई ने चालू वित्त वर्ष में थोक उपभोक्ताओं को एक करोड़ टन गेहूं बेचने का फैसला किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक होगा। गेहूं का आधार मूल्य 2,080 रुपए प्रति क्विंटल है।

सेल को संयुक्त उपक्रम की योजना पर आर्सेलर-मित्तल के जवाब का इंतजार

भाषा। नई दिल्ली

सेल को संयुक्त उपक्रम की योजना पर आर्सेलरमित्तल के जवाब का इंतजार है। इस संयुक्त उपक्रम के तहत कंपनी देश में एक अत्याधुनिक स्वचालित इस्पात संयंत्र की स्थापना करना चाहती है।सेल के चेयरमैन ए. के. चौधरी ने आर्सेलरमित्तल के साथ संयुक्त उपक्रम को लेकर बातचीत की प्रगति पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह बात कही। चौधरी ने कहा, हम अब भी उनके (आर्सेलरमित्तल) के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। अभी इस पर कोई बातचीत नहीं है। सेल के निदेशक मंडल ने दिसंबर 2017 में दुनिया की सबसे बड़ी इस्पात कंपनी आर्सेलरमित्तल के साथ संयुक्त उपक्रम स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। कंपनी ने कहा था कि इस पक्के समझौते को वित्तीय व्यावहारिकता का आकलन करके अंतिम रूप दिया जाएगा। एस्सार स्टील मामले में उच्चतम न्यायालय से मिली जीत और उसके बाद भारतीय बाजार में आर्सेलरमित्तल के प्रवेश का रास्ता साफ होने के बाद इस संयुक्त की संभावना पर चौधरी ने कहा, उन्होंने कहा है कि उन्हें और समय चाहिए क्योंकि वह एस्सार स्टील के साथ व्यस्त हैं। लेकिन अब देखते हैं कि क्या होता है।

वनप्लस का 100 एक्सपीरियंस स्टोर शुरू करने का लक्ष्य

कोयंबटूर। प्रीमियम स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी वनप्लस का लक्ष्य 2020 तक देश के 50 शहरों में 100 एक्सपीरियंस स्टोर शुरू करने का है।कंपनी ने रविवार को एक बयान में कहा कि अभी देश में उसके 25 एक्सपीरियंस स्टोर तथा करीब 70 सर्विस सेंटर हैं।

एस्सार स्टील मामले में न्यायालय का फैसला ऐतिहासिक : साहू

भाषा। नई दिल्ली

ऋण शोधन और दिवाला संहिता बोर्ड (आईबीबीआई) के प्रमुख एम एस साहू ने कहा है कि एस्सार स्टील मामले में उच्चतम न्यायालय का निर्णय ऋण शोधन कानूनी विधि के लिए ऐतिहासिक है। इससे उन पक्षों पर लगाम लगेगा जो बीच में समाधान प्रक्रिया बाधित करने का प्रयास करते हैं।

ऋण शोधन एवं दिवाला संहिता (आईबीसी) 2016 के तहत कंपनी ऋण शोधन प्रक्रिया (सीआईआरपी) के समयबद्ध निपटान के प्रावधान हैं। आईबीबीआई के प्रमुख ने कहा कि लागू होने के तीन साल में संहिता एक व्यापक और समृद्ध कानूनी प्रक्रिया साबित हुआ है। इस दौरान हर अदालती फैसले के बाद ऋण शोधन कानून की जड़ें मजबूत होती रही हैं। उच्चतम न्यायालय ने 15 नवंबर को ऋण शोधन समाधान प्रक्रिया के तहत आर्सेलर मित्तल की एस्सार स्टील के 42,000 करोड़ रुपए में अधिग्रहण के लिए रास्ता साफ कर दिया। कानूनी चुनौतियों के कारण यह लंबे समय से लंबित था। साहू ने बातचीत में कहा कि फैसला समाधान पेशेवर, समाधाव आवेदनकर्ता, कर्जदाताओं की समिति (सीओसी), न्यायाधिकरण और अपीलीय प्राधिकरण की भूमिका स्पष्ट करता है। उन्होंने कहा, यह निर्णय ऋण शोधन न्याय प्रक्रिया के मामले में ऐतिहासिक है। यह भारत में ऋण शोधन कानून के बुनियादी ढांचे के अनुरूप है...। अन्य बातों के अलावा न्यायालय का फैसला समाधान प्रक्रिया के दौरान लाभ के वितरण का भी समाधान करता है और समाधान योजना के बाद दावों पर लगाम लगाता है।साहू ने कहा, यह (फैसला) अपवादस्वरूप मामलों को छोड़कर कंपनी ऋण शोधन प्रक्रिया के लिए 330 दिन की समयसीमा को बरकरार रखता है। यह समाधान योजना के तहत राशि के वितरण से जुड़े प्रावधानों को भी बरकरार रखता है...। उन्होंने कहा, यह एस्सार के मामले में आर्सेलर मित्तल की समाधान योजना पर मुहर लगाता है जिसे कर्जदाताओं की समिति ने संशोधित किया और स्वीकार किया। इससे उन पक्षों पर अंकुश लगेगा जो विभिन्न आधार पर बीच में समाधान प्रक्रिया रोकने की कोशिश करते थे। इससे सीआईआरपी के समयबद्ध तरीके से निपटान की प्रक्रिया दुरूस्त हुई है। आईबीबीआई के आंकड़े के अनुसार 30 सितंबर की स्थिति के अनुसार 2,540 से अधिक मामलों को इस संहिता के तहत कार्वाई के लिए दाखिल किया जा चुका है। इसमें से।,497 मामलों में समाधान की कार्वाई चल रही है।

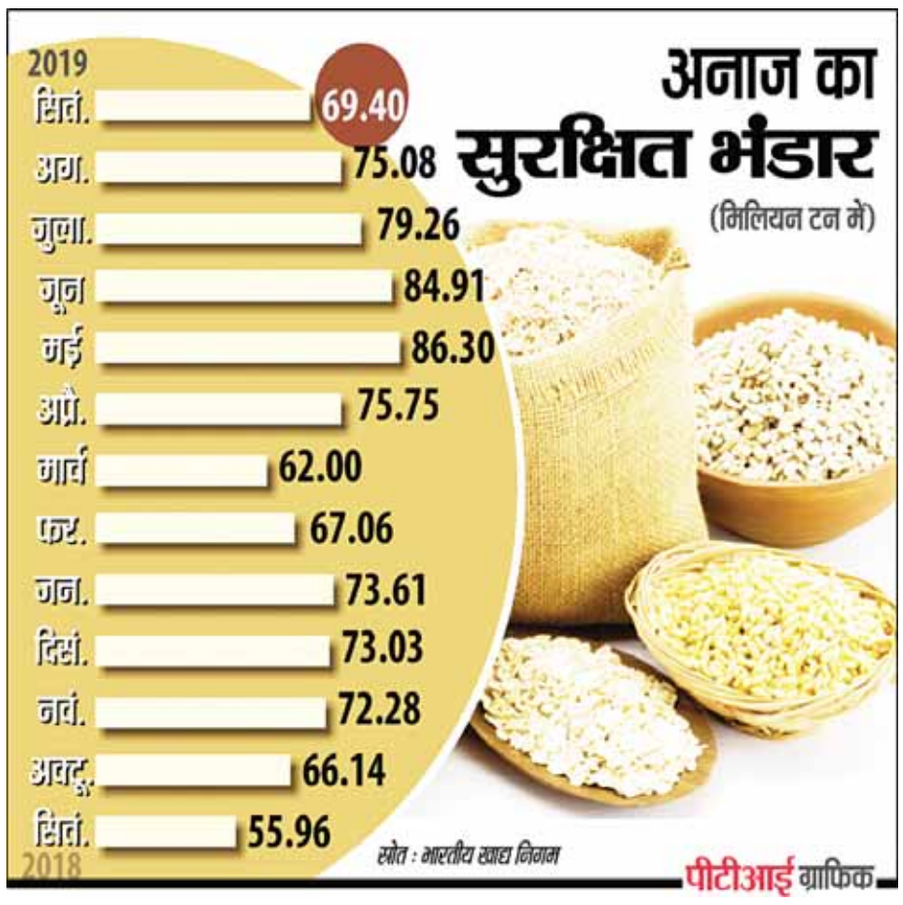

नागासाकी पहुंचे पोप फ्रांसिस, परमाणु हथियारों की निंदा की

● पोप फ्रांसिस ने कहा- मैं नेताओं से अपील करता हूं कि वे इस बात को न भूलें कि परमाणु हथियार हमारी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को मौजूदा खतरों से हमारी रक्षा नहीं कर सकते

एपी। नागासाकी (जापान)

पोप फ्रांसिस ने नागासाकी, जापान में रविवार को बेसबॉल स्टेडियम में लोगों से मिलने के दौरान एक बच्चे को पुचकारते पोप फ्रांसिस

पोप फ्रांसिस ने विश्व के नेताओं से परमाणु हथियारों की निंदा करने की अपील करते हुए रविवार को कहा कि हथियारों की दौड़ से सुरक्षा कमजोर होती है, संसाधनों की बर्बादी होती है और मानवता के विनाश का खतरा पैदा होता है।

फ्रांसिस ने नागासाकी में यह अपील की। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिका ने नागासाकी और हिरोशिमा में परमाणु बम गिराए थे। इन परमाणु हमलों में क्रमश: 74 हजार और 1.40 लाख लोग मारे गए थे। फ्रांसिस ने बारिश के बीच पीड़ितों के स्मारक पर जाकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि यह स्थान इस बात की याद दिलाता है कि मनुष्य एक दूसरे का कितना विनाश करने में सक्षम हैं।

फ्रांसिस ने कहा, परमाणु हथियारों के रहित दुनिया संभव और आवश्यक है। मैं नेताओं से अपील करता हूं कि वे इस बात को न भूलें कि परमाणु हथियार हमारी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को मौजूदा खतरों से हमारी रक्षा नहीं कर सकते। फ्रांसिस जापान की यात्रा की शुरुआत में नागासाकी और हिरोशिमा गए। उन्होंने कहा कि परमाणु हथियारों को एकत्र करने से सुरक्षा का झूठा एहसास होता है और ईरान एवं उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे को लेकर चिंताओं के दौर में ए हथियार वैश्विक शांति को नुकसान पहुंचाते हैं।

फ्रांसिस ने कहा कि शांति और अंतरराष्ट्रीय स्थिरता एकजुटता एवं सहयोग की वैश्विक नैतिकता के बल पर ही हासिल की जा सकती है। गौरतलब है कि जापान परमाणु हमले की विभीषिका झेलने वाला विश्व का अब तक का एकमात्र देश है। पोप ने वैटिकन से रवाना होने से पहले जापानी लोगों के नाम एक वीडियो संदेश में कहा था आपके साथ, मैं प्रार्थना करता हूं कि मानव इतिहास में कभी परमाणु हथियारों की विध्वंसक शक्ति का इस्तेमाल न हो। पोप थाईलैंड से जापान पहुंचे हैं। थाईलैंड में उन्होंने धार्मिक सहिष्णुता और शांति का संदेश दिया।

ब्रिटिश समिति ने आतंकवाद से अलग पाकिस्तान की नई छवि बनाने के आयामों को खोजा

भाषा। लंदन

दुनियाभर से विद्वानों और दक्षिण एशिया के विशेषज्ञों की एक समिति ने पाकिस्तान को जिहाद और आतंकवाद की विचारधारा से दूर ले जाकर उसकी एक नई छवि बनाने के आयामों को तलाशा, जिसमें विदेश में रह रहा पाकिस्तानी समुदाय भी कुछ भूमिका निभा सकता है।

जम्मू कश्मीर स्टडी सेंटर यूके थिंक टैंक और लंदन में इंडियन नेशनल स्टूडेंट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित रीइमेजिंग पाकिस्तान : ए ग्लोबल पर्सपेक्टिव कार्यक्रम में इस बात पर जोर दिया गया कि पाकिस्तान की तथाकथित जिहाद नीति गुजरे जमाने 1947 की बात है जब उसने कश्मीर पर जबरन कब्जा करने की कोशिश की थी। समिति के सदस्यों के बीच इस बात पर आम सहमति थी कि धन शोधन पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था वित्तीय कार्वाई कार्य बल (एफएटीएफ) द्वारा पाकिस्तान को ग्रे सूची में रखने के मद्देनजर उस पर तेजी से अलग-थलग पड़ने का खतरा बढ़ रहा है। ऐसा होने से पहले फौरन कुछ कदम उठाए जाए और चीन क्षेत्र में अपने आर्थिक हितों को देखते हुए इसमें कुछ मदद कर सकता है।

दक्षिण एशिया में राजनीतिक बहुलवाद को बढ़ावा दे रहे स्वतंत्र समूह लिबर्टी साउथ एशिया के सेथ ओल्डमिक्सन ने कहा, पाकिस्तान के पास क्षेत्र में अपने आप को एक नेता के तौर पर पेश करने का अनोखा अवसर है। करतारपुर कोरिडोर अच्छी शुरुआत है लेकिन उसे जिहाद की विचारधारा से अलग जाकर एक नई छवि बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान इस विचारधारा से बंध गया है और इसके दीर्घकालिक हित देश की छवि सुधारने में है या फिर उस पर तेजी से अलग-थलग होने का खतरा है। जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर डॉ. क्रिस्टिन फेयर ने कहा, अमेरिका को पाकिस्तान को दी जाने वाली सभी वित्तीय सहायता बंद करने की जरूरत है क्योंकि यह मदद खतरनाक है।

मैक्सिको में महिलाओं के खिलाफ हिंसा को खत्म करने की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे लोग

एपी। एकाटेपेक (मैक्सिको)

● प्रदर्शनकारियों ने कई माध्यमों से अपना विरोध जताया

मैक्सिको में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के खिलाफ बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। प्रदर्शनकारियों ने कई माध्यमों से अपना विरोध जताया।

चार महिलाएं गुलाबी और पीले रंग के कपड़े पहनकर गर्म डामर पर नंगे पांव चली। गुलाबी और पीला रंग उन कई महिलाओं में से एक का पसंदीदा रंग था, जिनकी हाल में हत्या कर दी गई थी। उन्होंने ब्रिसेडा कोंनो के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया। कोंनो की एक साल पहले मैक्सिको सिटी के एक उपनगर एकाटेपेक में हत्या कर दी गई थी।

मैक्सिको में हर दिन औसतन 10 महिलाओं की हत्या कर दी जाती है, जिससे यह महिलाओं के लिए दुनिया की सबसे खतरनाक जगहों में से एक बन गया है। नेटवर्क टू डीनाउंस फेमिनिसाइड्स इन द स्टेट ऑफ मैक्सिको के समन्वयक मैनुअल एमाडर ने कहा, यहां बहुत हिंसा हो रही है, हम हर दिन इस तरह का प्रदर्शन कर सकते हैं।

पाकिस्तान में हिंदू छात्रा की मौत मामले में जरूरी सबूतों को लैब नहीं भेजने का खुलासा

● पाकिस्तानी मीडिया ने यह सनसनीखेज खुलासा करते हुए पुलिस को कठघरे मे खड़ा किया है

लरकाना। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना में अपने हॉस्टल के कमरे में संदिग्ध हालात में मृत पाई गई मेडिकल छात्रा नम्रता चंदानी के मामले में पुलिस की लापरवाही का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। यह सामने आया है कि डीएनए जांच के लिए बेहद जरूरी चीजें फॉरेंसिक लैब भेजी ही नहीं गईं।

पाकिस्तानी मीडिया ने यह सनसनीखेज खुलासा करते हुए पुलिस को कठघरे मे खड़ा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आसिफा बीबी डेंटल कॉलेज लरकाना की छात्र नम्रता के गले से बंधे दुपट्टे की डीएनए रिपोर्ट लरकाना पुलिस को मिल गई है। रिपोर्ट लाहौर स्थित फॉरेंसिक लैब के महानिदेशक द्वारा जारी की गई है। पुलिस ने इसे न्यायिक जांच अधिकारी को सौंप दिया है। मीडिया रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि फॉरेंसिक विशेषज्ञों को दुपट्टे से त्वचा के टुकड़े या खून के धब्बे नहीं मिले जिस वजह से इनका डीएनए हासिल नहीं किया जा सका। कपड़े पर मौजूद त्वचा के टुकड़ों से 72 घंटे के अंदर डीएनए हासिल किया जा सकता है, अगर इससे देर हो तो फिर डीएनए मिलना असंभव हो जाता है। नम्रता के मौत के वक्त उसके गले में बंधे दुपट्टे को मौत के एक हफ्ते के बाद भेजा गया जिस वजह से डीएनए नहीं लिया जा सका। मीडिया रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि नेशनल डेटाबेस एंड रजिस्ट्रेशन अथारिटी (नादरा) ने नम्रता मामले में भेजे गए उंगलियों के निशान को वापस लरकाना पुलिस को यह कहते हुए भेज दिया है कि उसके डेटाबेस में मौजूद निशानों से इन उंगलियों के निशान का मिलान नहीं हो सका है और अब इनकी आगे जांच के लिए जरूरत नहीं है। नादरा ने लरकाना पुलिस को भेजी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि उसके (पुलिस) द्वारा भेजे गए उंगलियों के निशानों की गुणवत्ता बेहद खराब थी।

पुलिस ने मौत के एक महीने बाद उंगलियों के इन निशानों को भेजा था। इस बारे में मीडिया के सवालों के जवाब में लरकाना के एसएसपी मसूद बंगश ने कहा कि पुलिस को घटना की जानकारी तीन घंटे बाद मिली थी। पुलिस जब तक हॉस्टल पहुंची, तब तक कई लोग 'क्राइम सीन' (नम्रता के कमरे में) जा चुके थे। उसकी सहपाठियों ने खुद बताया कि उन्होंने परेशानी के आलम में नम्रता के गले से दुपट्टा निकाल दिया था और उसके शरीर को ठीक से लिटाया था। इसी वजह से पुलिस तत्काल कोई फिंगरप्रिंट जांच के लिए नहीं भेज सकी। अदालत के आदेश के बाद जो सबूत के हिसाब से जरूरी उंगलियों के निशान लगे थे, उन्हें जांच के लिए भेजा था। नम्रता की मौत 16 सितंबर को उसके हॉस्टल के कमरे में हुई थी। पुलिस व विश्वविद्यालय प्रशासन ने शुरू में इसे खुदकुशी का मामला बताया लेकिन नम्रता के घरवालों ने हत्या का आरोप लगाया था। इसके बाद मामले की न्यायिक जांच हो रही है।

केन्या में भारी बारिश के बाद बाढ़ का प्रकोप, भूस्खलन से 34 लोगों की मौत

नैरोबी। पश्चिम केन्या में रात भर हुई भारी बारिश के कारण आई बाढ़ में 34 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 17 लोगों के भूस्खलन के चपेट में आने की आशंका है। वेस्ट पोकोट प्रांत के स्थानीय प्रशासक जोएल बुलाल ने बताया कि न्यारकुलियन गांव में भूस्खलन के कारण 12 लोगों की मौत हो गई और परूआ गांव में 4 अन्य लोग लापता हैं। पश्चिम पोकोट काउंटी के आयुक्त अपोलो ओकेलो ने कहा कि दो नदियों में बाढ़ आने के कारण कीटाले और लोडवार के बीच सड़क पर कार बह जाने से 5 अन्य लोगों की मौत हो गई। सामान्य से अधिक बारिश के बाद बाढ़ आने से पूर्वी अफ्रीका में 10 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय बचाव समिति ने इस महीने कहा कि भीषण सूखा पड़ने से काफी लोग प्रभावित हुए हैं। अब सोमालिया, दक्षिण सूडान और केन्या के कई हिस्से में चार से छह हफ्ते तक बारिश होने की संभावना है।

हांगकांग में जिला परिषद चुनावों के लिए हो रहा है मतदान

भाषा। हांगकांग

हांगकांग के एक मतदान स्थल के बाहर मतदान करने के लिए लाइन में लगे लोग

हांगकांग में जिला परिषदों के चुनावों के लिए रविवार को मतदान हो रहा है जिससे यह संकेत मिलेगा कि छठे महीने में पहुंच गए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के लिए जनता कितना समर्थन दे रही है।

शहर में 18 जिला परिषदों में 452 सीटों के लिए मतदान केंद्रों के बाहर मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें लग गई हैं। जिला परिषद व्यापक तौर पर सलाहकार होती हैं और उनके पास बहुत कम शक्तियां होती हैं लेकिन अर्ध स्वायत्त चीनी क्षेत्र में इस चुनाव की सांकेतिक अहमियत बहुत ज्यादा है। अगर विपक्ष अच्छा प्रदर्शन करता है तो इससे पता चलेगा कि जनता अब भी लोकतंत्र समर्थक आंदोलन के साथ है जबकि ए प्रदर्शन हिंसक रूप ले चुके हैं। हांगकांग में सत्तारूढ़ खेमे और चीन सरकार को उम्मीद है कि दैनिक जनजीवन में अशांति और बाधा के चलते मतदाता इस आंदोलन के खिलाफ वोट देंगे। हांगकांग के मुख्य सचिव मैथ्यू चेउंग ने कहा कि यह मतदान वास्तविक लोकतांत्रिक प्रक्रिया है और मतदान केंद्रों पर भारी संख्या में पुलिसकर्मियों की मौजूदगी से यह सुनिश्चित होगा कि चुनाव शांतिपूर्ण हो।

इराक में संघर्ष के दौरान दो प्रदर्शनकारियों की मौत

इराक के बगदाद में सुरक्षा बलों और सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प के दौरान पुलिस पर पत्थर फेंकते प्रदर्शनकारी

एपी। बगदाद

मध्य बगदाद में तीसरे दिन भी जारी संघर्षों में इराकी सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों की भीड़ को तितर-बितर करने के लिए उन पर रबर की गोलियां और आंसू गैस के गोले दागे जिसमें दो प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। यह जानकारी सुरक्षा अधिकारियों और अस्पताल के सूत्रों से मिली।

रशीद स्ट्रीट पर दो प्रदर्शनकारियों की रबर की गोलियां लगने से मौके पर ही मौत हो गई और 20 से ज्यादा प्रदर्शनकारी घायल हो गए। अधिकारियों ने नाम नहीं बताने की शर्त पर जानकारी दी कि तीन दिन से चल रहे इन संघर्ष में 16 लोगों की मौत हो गई है और 100 से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना मिली है।

इराक में भ्रष्टाचार और अव्यवस्था के खिलाफ एक अक्टूबर से चल रहे इस बड़े विरोध प्रदर्शन में अब तक 342 प्रदर्शनकारियों की मौत हो चुकी है। गौरतलब है कि इराक में भ्रष्टाचार और अव्यवस्था के खिलाफ एक अक्टूबर को हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए थे। इराक संसद का सत्र कोरम पूरा नहीं होने पाने के कारण शनिवार को आयोजित नहीं हो पाया। सांसद इन प्रदर्शनों को रोकने और स्थिति में सुधार से संबंधित विधेयक पेश करने वाले थे। यह सत्र सोमवार के लिए स्थगित कर दिया गया है।

कांगो में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त

गोमा, कांगो (एएफपी)। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के शहर गोमा में शनिवार को 19 यात्रियों और चालक दल को ले जा रहा एक छोटा विमान उड़ान भरने के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एयरलाइंस और प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। डोर्नियर-228 विमान गोमा से 350 किलोमीटर उत्तर में स्थित बेनी जा रहा था। यह गोमा हवाईअड्डे के पास एक आवासीय इलाके में गिरा। बिजी बी एयरलाइन के कर्मचारी हेरिटियर ने बताया कि विमान में 17 यात्री और दो चालक दल के सदस्य थे और इसने सुबह करीब नौ-सवा नौ बजे उड़ान भरी।

मुशर्रफ ने फैसला सुरक्षित रखे जाने को दी चुनौती

देशद्रोह मामला

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व सैन्य तानाशाह परवेज मुशर्रफ ने अपने खिलाफ चल रहे देशद्रोह मामले में विशेष अदालत द्वारा फैसला सुरक्षित रखे जाने को लाहौर हाईकोर्ट में चुनौती दी है और आग्रह किया है कि विशेष अदालत को फैसला सुनाने से रोका जाए। इस्लामाबाद स्थित विशेष अदालत ने 18 नवंबर को सुनवाई पूरी करते हुए फैसला 28 नवंबर तक के लिए सुरक्षित रख लिया था। पूर्व राष्ट्रपति मुशर्रफ ने लाहौर हाईकोर्ट में अपने वकील ख्वाजा अहमद तारिक रहीम के जरिए दर्ज याचिका में कहा है कि वह अपने इलाज के लिए विदेश में हैं, इसलिए वह अपना बचाव अदालत में नहीं कर सके।उन्होंने कहा कि विशेष अदालत ने उनके मामले में कानूनी औपचारिकताओं का पालन नहीं किया है। मुशर्रफ ने हाईकोर्ट से अपील की है कि विशेष अदालत को उनके मामले में फैसला सुनाने से रोका जाए। वह खुद अदालत में पेश होकर मामले में अपना पक्ष रखना चाहते हैं, उन्हें इसका मौका दिया जाए। उन्होंने आग्रह किया है कि देशद्रोह के इस मामले की सुनवाई को तब तक रोका जाए जब तक वह स्वस्थ नहीं हो जाते और अदालत में पेश होकर अपना पक्ष नहीं रख देते।

तत्कालीन मुस्लिम लीग-नवाज सरकार ने परवेज मुशर्रफ के खिलाफ नवंबर 2007 में देश में संविधानेत्तर आपातकाल लागू करने के मामले में देशद्रोह का मामला दर्ज कराया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा उड़ान के लिए प्रतिबंधित लोगों की सूची से मुशर्रफ का नाम निकाले जाने के बाद वह 18 मार्च 2016 को इलाज के लिए दुबई चले गए। इसके कुछ महीनों बाद एक से अधिक बार समन भेजे जाने पर वह हाजिर नहीं हुए तो विशेष अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित कर उनकी संपत्तियों को जब्त करने का आदेश दिया था।

अमेरिका को पाकिस्तान का जवाब, चीन से संबंध हिमालय से ऊंचा व अरब सागर से गहरा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) पर अमेरिका की चिंताओं को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान ने चीन के सहयोग से चल रही इस परियोजना को लेकर प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि चीन से उसे कोई समस्या नहीं आने वाली, चीन के साथ उसका संबंध 'हिमालय से ऊंचा व अरब सागर से भी गहरा है।' पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने रविवार को मुल्तान में कहा कि हम (सीईपीसी पर) अमेरिका के मूल्यांकन से सहमत नहीं हैं और हमने यह बात बता भी दी है। सच तो यह है कि हमने सीपीईसी परियोजनाओं को गति प्रदान की है और इसके दूसरे चरण को लागू करना शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कुल कर्ज में चीनी कर्ज का हिस्सा बहुत कम है और सीपीईसी का केवल अच्छा ही प्रभाव होने जा रहा है। सीपीईसी पूरे क्षेत्र के लिए एक गेमचेंजर है और अमेरिका सहित किसी भी देश पर सीपीईसी के तहत विकसित विशेष आर्थिक क्षेत्रों में निवेश करने पर रोक नहीं है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की सूचना व प्रसारण मामलों की सलाहकार फिरदौस आशिक अवान ने भी रविवार को ट्वीट की एक श्रृंखला कर सीपीईसी पर अमेरिकी संदेहों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि सीपीईसी पाकिस्तान की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने चीन के साथ भविष्य में किसी तरह की दिक्कत की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि पाकिस्तान और चीन के संबंध शहद से भी मीठे, हिमालय से ऊंचे और सागरों से भी गहरे हैं।

अवान ने रविवार को जिस भाषा में अपनी भावनाओं को व्यक्त किया, ठीक उसी का इस्तेमाल शनिवार को पाकिस्तान के नवनियुक्त नियोजन मंत्री असद उमर ने किया था। उन्होंने सीपीईसी पर अमेरिका द्वारा चीन को लेकर जताए गए संदेहों के नकारते हुए कराची में कहा था, ''पाकिस्तान और चीन के संबंध हिमालय से भी ऊंचे और अरब सागर से भी गहरे बने रहेंगे।'' उमर ने कहा था कि चीन और पाकिस्तान की एकता (अमेरिका समेत) किसी भी देश के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तान में अमेरिकी निवेश का स्वागत करते हैं। अमेरिकी निवेशक पहले से ही यहां निवेश कर रहे हैं और अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं।

आईएस की संदिग्ध महिला सदस्य जर्मनी लौटी

फ्रैंकफर्ट एम मेन (एएफपी)। इस्लामिक स्टेट समूह से कथित तौर पर जुड़ी एक महिला और उसके तीन बच्चे जर्मनी लौट आए हैं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। वह पहली महिला आईएस सदस्य है जो सीरिया से जर्मनी आधिकारिक चैनल के माध्यम से लौटी है। लॉरा एच. नाम की 30 वर्षीय महिला हेसे राज्य की है जो इराक के इरबिल से शनिवार को एक विमान से फ्रैंकफर्ट हवाई अड्डे पर पहुंची। साप्ताहिक समाचार डेर स्पीजल ने सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया कि पहुंचने के तुरंत बाद लॉरा एच को गिरफ्तार नहीं किया गया। आतंकवादी संगठन की संदिग्ध सदस्यता के साथ ही अपने बच्चों की सही देखभाल नहीं करने के लिए उसकी जांच होगी।

भारत ने टेस्ट श्रृंखला पर कब्जा किया

- बांग्लादेश को 2-0 से हराया
- 47 मिनट में औपचारिकता पूरी की
- दिन-रात्रि टेस्ट में पारी की जीत के साथ भारत के 360 अंक
- विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के शीर्ष पर स्थिति मजबूत की
- घरेलू सरजमीं पर लगातार 12वीं श्रृंखला जीती

यादव ने दूसरी पारी में 53 रन देकर पांच विकेट लिए

इशांत ने 4 विकेट लिए

भाषा। कोलकाता

भारत ने गुलाबी गेंद से मिलने वाली चुनौतियों पर खरा उतरते हुए पहले दिन-रात्रि टेस्ट में बांग्लादेश को पारी और 46 रन से हराकर घरेलू सरजमीं पर लगातार 12वीं श्रृंखला जीती। बांग्लादेश ने तीसरे दिन दूसरी पारी छह विकेट पर 152 रन से शुरू की और तब वह 89 रन से पिछड़ रही थी। इससे घरेलू टीम के लिए जीतने की औपचारिकता पूरी करना बस समय की बात थी।

कप्तान विराट कोहली की टीम ने यह काम 50 मिनट से भी कम समय में पूरा कर लिया जिससे उन्होंने पारी की लगातार चौथी जीत अपने नाम की और वह ऐसा करने वाली पहली टीम बन गई। मुशफिकुर रहीम (74) को छोड़कर बांग्लादेश के बल्लेबाज एक बार फिर भारत के शानदार तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना नहीं कर सके और पूरी टीम 41.1 ओवर में 195 रन पर सिमट गई। पहले दिन टीम 106 रन पर सिमट गई थी। इस श्रृंखला में दूसरी बार मैच तीन दिन के भीतर खत्म हो गया। भारत ने इंदौर में श्रृंखला के शुरूआती मैच में बांग्लादेश को पारी और 130 रन से मात दी थी। इस 2-0 की शानदार जीत से भारत ने 120 अंक जुटाकर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में अपनी बढ़त भी बढ़ा ली और उनके सात मैचों में कुल 360 अंक हो गए हैं। मुशफिकुर ने 59 रन से खेलना शुरू किया, उन्होंने आक्रामकता दिखाते हुए इशांत शर्मा और रविंद्र जडेजा के ओवरों में दो चौके जमाए। उमेश यादव ने मुशफिकुर की पारी का अंत किया जो सही टाइमिंग नहीं करने से जडेजा को आसान कैच दे बैठे। उनकी पारी में 16 चौके जड़े थे। महमूदुल्लाह 39 रन पर रिटायर्ड हर्ट हुए थे, वह बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। यादव ने फिर अल अमीन हुसैन को विकेटकीपर के हाथों कैच आउट कराया और भारत ने जीत हासिल की। यादव ने दूसरी पारी में 53 रन देकर पांच विकेट लेकर मैच में 81 रन देकर कुल आठ विकेट चटकाए। मोहम्मद शमी ने पहली पारी में 36 रन देकर दो विकेट चटकाए थे लेकिन दूसरी पारी में भी उन्होंने अपनी गेंदबाजी का भय बनाए रखा।

इशांत को उनकी इनस्विंग और लेगकटर जैसी गेंद के कारण खेलना मुश्किल दिख रहा था , उन्होंने मैच में 78 रन देकर नौ विकेट (दूसरी पारी में 56 रन देकर चार विकेट) झटके। गुलाबी गेंद के इस एतिहासिक टेस्ट के लिए ईडन गार्डन्स बेहतरीन मेजबान रहा जिसमें तीनों दिन स्टेडियम खचाखच भरा रहा। इससे उस समय की याद ताजा हो आई जब टेस्ट क्रिकेट काफी लोकप्रिय हुआ करता था लेकिन मैदान पर प्रतिस्पर्धा की कमी इस मैच को लेकर चल रही हाइप के जरा भी करीब नहीं पहुंच सकी। एसजी गुलाबी गेंद का बड़े मैच में इस्तेमाल करने से पहले प्रतिस्पर्धी मैच में परीक्षण नहीं किया गया और उम्मीदों के अनुरूप इसने भारत के खतरनाक तेज गेंदबाजी आक्रमण की मदद की जिन्होंने सभी विकेट हासिल किए। उनकी खतरनाक फार्म का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बांग्लादेश के चार बल्लेबाजों को सिर में गेंद लगने से टीम को दो स्थानापन्न खिलाड़ियों को उतारना पड़ा। हेलमेट पर बार बार गेंद लगने से गुलाबी गेंद की दृश्यता पर सवाल भी उठे, विशेषकर सांझ ढलने पर। मैच को विराट कोहली के 27वें टेस्ट शतक के लिए भी याद रखा जाएगा जिससे उनके अंतरराष्ट्रीय शतकों की संख्या 70 पहुंच गई है। सौरव गांगुली की अध्यक्षता वाली बीसीसीआई ने इस मैच को यादगार बनाने के लिए सब कुछ किया और वे ऐसा करने में सफल भी रहे। मैदान पर महज 968 गेंद डाली गई जिससे यह देश में नतीजे निकलने वाला सबसे छोटा मैच रहा जिससे भारत ने घरेलू और विदेशी मैदान पर लगातार सातवीं टेस्ट जीत हासिल की। गेंदों के लिहाज से भारत ने इससे पहले 2018 में अफगानिस्तान के खिलाफ सबसे जल्दी जीत हासिल की थी। इसमें 1028 गेंद फेंकी गई थीं और उसने अफगानिस्तान को पारी और 262 रन से हराया था।

विराट ने की दादा की जमकर तारीफ

- टेस्ट में भारत की सफलता पर कहा- शुरूआत दादा की टीम से हुई

कोलकाता। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मे पारी और 46 रन से मैच जीतने के बाद कहा कि टीम मे बदलाव सौरव गांगुली के दौर मे आना शुरू हुआ था तथा मौजूदा टीम ने कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास से उसे आगे बढ़ाया है। कोहली ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह मे कहा, टेस्ट क्रिकेट मानसिक युद्ध कि तरह है। हमे इसमे बने रहने के लिए जुझारू होना होगा। इसकी शुरूआत दादा (सौरव गांगुली) की टीम से हुई थी। खुद पर भरोसा सफलता की कुंजी है और ईमानदारी से कहूं तो हमने इस पर काफी मेहनत की है। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज शानदार लय मे है। जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी मे इशांत शर्मा, मोहम्मद शमी और उमेश यादव की तिकड़ी ने दूसरे टेस्ट मे सभी बल्लेबाजो को चलता किया। कप्तान कोहली ने कहा कि घरेलू मैचो मे तेज गेंदबाजो को इसलिए सफलता मिल रही क्योकि उन्हे खुद पर भरोसा है कि वे किसी भी परिस्थिति मे विकेट चटका सकते है। यह वैसा ही है जैसे जब हम विदेशो मे खेलते है तो उन्हे अच्छा करने का भरोसा होता है। जिस तरह से ए गेंदबाजी कर रहे है उससे वे कही भी विकेट निकाल सकते है। स्पिनरो के लिए भी यह ऐसा ही है। वे विदेशो मे भी विकेट चटकाने के बारे मे सोचते है। हम मौके का फायदा उठाने के लिए तैयार है और इसका लुत्फ उठा रहे है। मैच के दौरान तीनो दिन स्टेडियम लगभग पूरा भरा हुआ था और कोहली ने इसके लिए दर्शको का शुक्रिया किया। यह शानदार है, संख्या बढ़ती गई। हमने सोचा नही था कि आज इतनी संख्या मे लोग आएंगे क्योकि हम जीत दर्ज करने के करीब थे। इन दर्शको ने कमाल का उदाहरण पेश किया है। मै फिर से दोहराना चाहता हू कि टेस्ट मैचो के स्थलो को सीमित करने का यह शानदार उदाहरण है। पहली पारी मे 22 रन देकर पांच और दूसरी पारी मे 56 रन देकर चार विकेट लेकर मैन आफ द मैच बने इशांत शर्मा ने कहा कि गुलाबी गेद से शुरुआत मे उन्हे परेशानी हुई थी। श्रृंखला मे 12 विकेट लेने वाले इस गेदबाज ने कहा, पिछले मैच मे हमने गेद को आगे टप्पा खिलाना शुरू किया था। मैने और मेरे गेदबाजी कोच ने इस बारे मे बात की थी। यह महज संयोग नही था। गुलाबी गेद से गेदबाजी करना थोड़ा मुश्किल है। शुरुआत मे स्विंग नही मिल रहा थी और हमने परिस्थितियो से सामंजस्य बिठाया। इस बीच बांग्लादेश के कप्तान मोमिनुल हक ने कहा कि उनकी टीम को गलतियो से सीख लेने जरूरत है। जाहिर है दोनो टीमो मे काफी अंतर है। इन दो मैचो से हमने काफी कुछ सीखा है। हम इसका आकलन करेंगे। गुलाबी गेद, नई गेद हमारे लिए चुनौतीपूर्ण रही।

स्कोरबोर्ड

बांग्लादेश पहली पारी : 106 रन,भारत पहली पारी घोषित : नौ विकेट पर 347 रन,बांग्लादेश दूसरी पारी :शादमान इस्लाम पगबाधा बो इशांत 00,इमरूल काएस का कोहली बो इशांत 05,मोमीनुल हक का साहा बो इशांत 00,मोहम्मद मिथुन का शमी बो यादव 06,मुशफिकुर रहीम का जडेजा बो यादव 74,महमूदुल्लाह रिटायर्ड हर्ट 39,मेहदी हसन मिराज का कोहली बो इशांत 15,ताईजुल इस्लाम का रहाणे बो यादव 11,इबादत हुसैन का कोहली बो यादव 00,अल अमीन हुसैन का साहा बो यादव 21,अबु जाएद नाबाद 02,**अतिरिक्त** : 22 ,**कुल योग** : 41.1 ओवर मे सभी आउट : 195 रन,**विकेट पतन** :1-0, 2-2, 3-9, 4-13, 5-133, 6-152 7-152, 8-184, 9-195,**गेंदबाजी** : इशांत 13-2-56-4,यादव 14.1-1-53-5,शमी 8-0-42-0,अश्विन 5-0-19-0, जड़ेजा1-0-8-0

मुशफिकुर रहीम ने 74 रनों का योगदान किया

टीम की एकजुटता भारत की सफलता में अहम : शास्त्री

भाषा। कोलकाता

मुख्य कोच रवि शास्त्री ने रविवार को कहा कि भारतीय गेंदबाजी इकाई बेहद खतरनाक इसलिए बन पाई है क्योंकि गेंदबाजों ने एकजुट होकर विकेट हासिल करना सीख लिया है। कुछ अधिक समय में ही बांग्लादेश को ध्वस्त कर दिया। ईडन गार्डन्स पर भारत की आसान जीत के बाद शास्त्री ने कहा, अनुशासन और जीतने की भूख के कारण ऐसा है। वे समझते हैं कि एक दूसरे का समर्थन करना और एकजुट होकर गेंदबाजी करना कितना महत्वपूर्ण है। इस तरह ही आप दबाव बना पाते हो और विकेट मिलते हैं। उन्हें पता है कि वे संभवत: दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम हैं। हम एक इकाई के रूप में गेंदबाजी कर रहे हैं और एक भारतीय के रूप में अपने खिलाड़ियों को इतने पेशेवर तरीके से काम करते देखकर आप इस पर गर्व करते हैं। इसमें समय लगा है। मुझे लगता है कि पिछले 15 महीने में उन्होंने विदेश में काफी क्रिकेट खेला है और इसी तरह उन्होंने सीखा है। हाल के समय में भारत ने दो बार वेस्टइंडीज में श्रृंखला 2-0 (अक्टूबर 2018 और अगस्त 2019) से जीती जबकि दिसंबर 2018 में आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर भी 2-1 से जीत दर्ज की। शास्त्री ने कहा कि भारत के मौजूदा तेज गेंदबाजों ने कड़ी मेहनत की है। वे पिछले कुछ समय से एक साथ हैं और उन्हें पता है कि सफलता का कोई शार्टकट नहीं है। व्यक्तिगत खिलाड़ी मैच नहीं जीत सकता और उन्हें यह पता है। भारतीय कोच ने साथ ही बांग्लादेश को सलाह दी कि अगर उन्हें विदेशों में सफल होना है तो भारत की तरह मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण की जरूरत है। भारतीय गेंदबाजी कोच भरत अरूण ने भी मेजबान टीम के तेज गेंदबाजों की तारीफ की। वे एकजुट होकर प्रदर्शन करते हैं और उन्हें एक दूसरे के प्रदर्शन पर गर्व होता है और यही इस समूह की सफलता का असली रहस्य है। इसी के कारण उन्हें सफलता मिली है। अरूण ने कहा, हमारा गेंदबाजी आक्रमण मजबूत है और इस आक्रमण की खूबसूरती यह है कि वे कितनी जल्दी स्थिति से सामंजस्य बैठा लेते हैं। मुझे लगता है कि उन्होंने गुलाबी गेंद से अच्छी तरह सामंजस्य बैठाया। न्यूजीलैंड अच्छी चुनौती होगी और हम इसे लेकर उत्सुक हैं।

साइना ने पीबीएल के पांचवें सत्र से हटने का फैसला किया

नई दिल्ली। भारत की स्टार शटलर साइना नेहवाल ने अगले अंतरराष्ट्रीय सत्र के लिए खुद को तैयार करने के लिए रविवार को आगामी प्रीमियर बैडमिंटन लीग से हटने का फैसला किया। पिछले पीबीएल सत्र में नार्थ ईस्टर्न वारियर्स के लिए खेलने वाली 29 साल की साइना 20 जनवरी से नौ फरवरी के बीच खेले जाने वाले पांचवें चरण में खेलती हुई दिखाई नहीं देंगी। साइना ने ट्वीट किया, मैं पीबीएल के पांचवें चरण का हिस्सा नहीं रहूंगी। अमाश्य संबंधित समस्याओं और चोटों के कारण मैं साल के ज्यादातर हिस्से में स्वस्थ नहीं रहीं इसलिए मैं बेहतर तैयारियों के लिए पीबीएल के दौरान कुछ समय लेना चाहूंगी। मैं अपने सभी प्रशंसकों से माफी मांगना चाहूंगी और उम्मीद करती हूं कि अगले पीबीएल का हिस्सा रहूंगी। इस समय साइना विश्व रैंकिंग में नौंवे स्थान पर काबिज है। पूरे साल वह फार्म से जूझती रहीं। उन्होंने इस महीने के शुरू में हांगकांग ओपन में हिस्सा लिया था जिसमें वह पहले दौर में चीन की काई यान यान से हार गई थीं।

टॉफेल ने अपनी किताब में किया लाहौर हमले का जिक्र

भाषा। नई दिल्ली

संन्यास ले चुके आस्ट्रेलिया के अंपायर साइमन टॉफेल ने 2009 में श्रीलंकाई क्रिकेट टीम पर हुए आतंकवादी हमले को याद करते हुए कहा कि उस घटना ने कई जिंदगियों को प्रभावित करने के साथ क्रिकेट पर भी असर डाला। उन्होंने कहा कि लाहौर, कराची, फैसलाबाद, इस्लामाबाद और पेशावर जैसे शहरों में मैच अधिकारी की भूमिका निभाने की अपनी चुनौतियां थीं लेकिन हर शहर में ऐसे पल मिले जिसका उन्होंने लुत्फ उठाया और ए हमेशा याद रहेगा। उन्होंने हाल में जारी हुई अपनी किताब फाइंडिंग द गैप्स में लिखा, लेकिन लाहौर के उनके आखिरी दौरे में कुछ ऐसा हुआ जिसे वह फिर से याद नहीं करना चाहेंगे। श्रृंखला के दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन (तीन मार्च 2009) के खेल के लिए जब श्रीलंकाई टीम मैदान पर जा रही थी तभी गद्दाफी स्टेडियम के सामने आतंकवादियों ने टीम के काफिले पर हमला कर दिया था जिसमें आठ लोग मारे गए जबकि श्रीलंकाई खिलाड़ियों सहित कई लोग घायल हुए थे। इस हमले में श्रीलंकाई टीम के कुमार संगकारा, अजंता मेंडिस, तिलन समरवीरा, थरंगा परनविताना, सुरंगा लकमल और तिलिना तुषारा घायल हो गए थे। टॉफेल इस मैच में स्टीव डेविस के साथ मैदानी अंपायर की भूमिका निभा रहे थे जबकि नदीम गौरी तीसरे और एहसान रजा चौथे अंपायर थे। क्रिस ब्राड आईसीसी मैच रेफरी थे। टॉफेल ने कहा कि श्रृंखला से पहले वह, डेविस और ब्राड की बदौलत पाकिस्तान की स्थिति से वाकिफ थे और इस मुद्दे पर आईसीसी से बात करना चाहते थे लेकिन बार बार भरोसा दिया गया था कि कुछ नहीं होगा। उन्होंने अपनी किताब में लिखा, श्रृंखला का पहला टेस्ट कराची में खेला गया जो बिना किसी रुकावट के संपन्न हो गया। इसके बाद लाहौर में स्थिति सही नहीं होने की बात चल रही थी। ऐसी भी खबरें थी कि दूसरा टेस्ट भी कराची में ही खेला जाएगा। उन्होंने कहा कि लेकिन फिर अगला मैच लाहौर में खेले जाने का फैसला किया गया। इसके बाद मैच शुरू हुआ और पहले दो दिन के खेल में श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने रनों का अंबार लगा दिया। उन्होंने 600 से ज्यादा रन बनाए। आस्ट्रेलिया के पूर्व अंपायर ने बताया कि तीसरे दिन कुछ ऐसा हुआ जिससे क्रिकेट की पूरी दुनिया बदल गई। किसी के लिए यह जिंदगी बदलने वाला था तो वहीं किसी के लिए यह त्रासदी की तरह था। हर दिन की तरह मैं उस दिन भी सामान्य दिनचर्या के मुताबिक होटल लॉबी में आया। हालांकि मैं समय से थोड़ा पहले सवा आठ बजे लॉबी में आ गया था। मैं मैच अधिकारियों की कार में आमतौर पर पूरे मैच के दौरान आते-जाते समय एक ही जगह बैठता हूं लेकिन उस दिन पता नहीं किन वजहों से मैं आईसीसी क्षेत्रीय अंपायर मैनेजर पीटर मैनुएल के साथ पीछे वाली सीट पर बैठ गया। श्रीलंकाई खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों की गाड़ियों का काफिला जब स्टेडियम से एक किलोमीटर दूर था तब भी मैंने पटाखे की तरह की आवाज सुनी। लेकिन फिर हर तरफ से गोलियों और धमाके की आवाज आने लगी। हमारी कार में भी आगे और मैं आमतौर पर जहां बैठता था वहां गोलियां लगी। इस हमले में चौथे अंपायर बुरी तरह घायल हुए थे। टॉफेल को फिर अहसास हुआ कि उनकी जगह पर चौथे अंपायर बैठे थे। आईसीसी साल के सर्वश्रेष्ठ अंपायर का खिताब पांच बार जीतने वाले टॉफेल ने कहा, रजा अगर मुझ से पहले पहुंच गए होते तो मेरे साथ कुछ और हो सकता था। मैं गोली का शिकार होने के बाद जिंदगी बचाने की जंग लड़ रहा होता।

नडाल ने स्पेन को फाइनल में पहुंचाया

- कनाडा से होगी खिताबी भिड़ंत

भाषा। मैड्रिड

राफेल नडाल ने फेलिसियानो लोपेज के साथ मिलकर निर्णायक टेनिस युगल मुकाबले मे जीत हासिल की और सेमीफाइनल मे ब्रिटेन को 2-1 से हराकर स्पेन को 2012 के बाद पहले डेविस कप फाइनल मे पहुंचाया। शनिवार को लोपेज एकल मे फाइल एडमंड से हार गए थे जिससे स्पेन 0-1 से पिछड़ रहा था। लेकिन नडाल ने डान इवांस को हराने के बाद लोपेज के साथ मिलकर निर्णायक युगल मैच मे जेमी मरे और नील स्कुपस्की की जोड़ी पर 7-6 7-6 से जीत हासिल की। इस तरह पांच बार की चैम्पियन स्पेन की टीम 2012 के बाद पहली बार फाइनल मे पहुंची। और अब टीम रविवार को फाइनल मे कनाडा के सामने होगी जिसने दूसरे सेमीफाइनल मे रूस को मात दी। एडमंड ने लोपेज को 6-3 7-6 से हराया। इसके बाद नडाल ने इवांस को 6-4 6-0 से पराजित कर स्कोर1-1 से बराबर किया। डेनिस शापोवालोव और वासेक पोसपिसिल की बदौलत कनाडा की टीम पहले डेविस कप फाइनल मे पहुंचने मे सफल रही। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नडाल अपने पांचवे डेविस कप खिताब की कोशिश मे है, उन्होने 2004 मे पहली ट्राफी हासिल की थी।

आस्ट्रेलिया ने पहला टेस्ट जीता

- पाकिस्तान को पारी और पांच रन से हराया
- आजम का शतक बेकार

भाषा। ब्रिस्बेन

आस्ट्रेलिया ने रविवार को गाबा में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में पारी और पांच रन से जीत हासिल कर दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली। पाकिस्तान ने पहली पारी में 240 रन बनाए थे और आस्ट्रेलिया ने इसके बाद पहली पारी में 540 रन बनाकर 340 रन की बढ़त हासिल की थी। पाकिस्तान ने शनिवार को दोपहर के सत्र में तीन विकेट सस्ते में गंवा दिए लेकिन रविवार को उसके बल्लेबाजों ने शानदार जज्बा दिखाया लेकिन उनकी चुनौती अंतिम सत्र में समाप्त हो गई। बाबर आजम ने शानदार शतक जड़ा जबकि मोहम्मद रिजवान अपने पहले सैकड़े से महज पांच रन से चूक गए जिससे पाकिस्तान की दूसरी पारी चौथे दिन 335 रन पर सिमट गई। लेग स्पिनर यासिर शाह ने 42 रन की पारी खेलकर अपना सर्वोच्च टेस्ट स्कोर बनाया। जब भी पाकिस्तानी बल्लेबाजी हावी होने लगते थे तभी आस्ट्रेलियाई गेंदबाज उन पर शिंकजा कस लेते थे। जोश हेजलवुड आस्ट्रेलिया के लिए बेहतरीन रहे जिन्होंने 63 रन देकर चार विकेट हासिल किए जबकि मिशेल स्टार्क ने तीन, पैट कमिंस ने एक और नाथन लियोन ने एक विकेट चटकाया। इससे पहले पाकिस्तान ने तीन विकेट पर 63 रन से आगे खेलना शुरू किया। आजम ने आस्ट्रेलिया में पहला और अपना दूसरा टेस्ट शतक जड़ा। उन्होंने 104 रन की पारी खेली जिसमें 13 चौके शामिल रहे। उन्होंने शान मसूद (42 रन) के साथ 68 और रिजवान (95 रन) के साथ 132 रन की भागीदारी निभाई। दूसरा टेस्ट एडीलेड में खेला जाएगा।

वाटलिंग का दोहरा शतक, कीवी हावी

●सैंटनर के तीन विकेट, न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में इंग्लैंड मुश्किल में

भाषा। माउंट मोनगानुई (न्यूजीलैंड)

बीजे वाटलिंग के शानदार दोहरे शतक के बाद मिशेल सैंटनर के तीन विकेट झटकाने से इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में रविवार को यहां तीन विकेट पर 55 रन बनाकर मुश्किल में है। न्यूजीलैंड ने पहली पारी नौ विकेट पर 615 रन पर घोषित की, इसके बाद इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में स्टंप तक तीन विकेट गंवा बैठी। अगर इंग्लैंड को अंतिम दिन न्यूजीलैंड को फिर से बल्लेबाजी के लिए उतारना है तो उसे 207 रन बनाने होंगे। इंग्लैंड के लिए चौथे दिन स्टंप से पहले दो घंटे का समय काफी मुश्किल रहा जिसमें उसने दोनों सलामी बल्लेबाज डॉम सिबले (12 रन) और रोरी बर्न्स (31 रन) के विकेट गंवा दिए। फिर इसके बाद रात्रि प्रहरी बल्लेबाज जैक लीच (शून्य) भी दिन की अंतिम गेंद पर पवेलियन लौट गए। तीनों विकेट सैंटनर के नाम रहे। सैंटनर के लिए यह दिन यादगार रहा जिसमें उन्होंने पहले वाटलिंग के साथ रिकार्ड साझेदारी निभाने के अलावा अपना पहला टेस्ट शतक जड़ा और फिर तीन विकेट हासिल कर लिए। इंग्लैंड की टीम का पलड़ा तब भारी था जब न्यूजीलैंड की टीम पहली पारी में 197 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी थी और उसके शीर्ष खिलाड़ी आउट हो चुके थे जिसमें करिश्माई केन विलियम्सन भी शामिल थे। लेकिन वाटलिंग ने पहले कोलिन डि ग्रैंडहोमे (65 रन) के साथ 116 रन की भागीदारी निभाई और फिर सैंटनर के साथ रिकार्ड बुक में नाम लिखवाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। वाटलिंग और सैंटनर दोनों ने टेस्ट में अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर खड़ा किया। वाटलिंग ने 205 रन बनाकर 2015 में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 142 रन की पिछली सर्वश्रेष्ठ पारी को पीछे छोड़ा। सैंटनर ने भी 126 रन बनाकर 2017 में बांग्लादेश के खिलाफ 73 रन के सर्वश्रेष्ठ स्कोर से बेहतर प्रदर्शन किया। इन दोनों ने सातवें विकेट के लिए 261 रन की रिकार्ड साझेदारी की। यह न्यूजीलैंड के लिए पिछले

225 रन के रिकार्ड से बेहतर थी जो 2004 में क्रिस केर्न्स और जैकब ओरम के बीच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ईडन पार्क में बनी थी। जोफ्रा आर्चर के वाटलिंग का विकेट झटकने के बाद न्यूजीलैंड ने नौ विकेट पर 615 रन के स्कोर पर पारी घोषित कर दी। यह इंग्लैंड के खिलाफ उसका सबसे बड़ा स्कोर भी है, इससे पहले 1973 में लार्ड्स पर नौ विकेट पर 551 रन पर पारी घोषित करना उसका सर्वश्रेष्ठ स्कोर था। वाटलिंग ने अपने दोहरे शतक के लिए 473 गेंद का सामना करते हुए 24 चौके और एक छक्का जमाया। उन्होंने 11 से ज्यादा घंटे तक शानदार बल्लेबाजी की। सैम कुरेन (119 रन देकर तीन विकेट) ने सैंटनर का विकेट हासिल किया।

आनंद पिछड़े, कार्लसन ने बढ़त बनाई

कार्लसन की बढ़त

भाषा। कोलकाता

पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद के लिए टाटा स्टील रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट में छठे स्थान पर रहे। इससे पहले शनिवार का दिन भी मिश्रित सफलता वाला रहा तथा उन्होंने एक बाजी जीती, एक में उन्हें हार मिली जबकि एक बाजी ड्रा कराई। विश्व चैंपियन मैगनस कार्लसन ने टूर्नामेंट के दूसरे दिन अपनी बढ़त तीन अंक की कर दी है। यह टूर्नामेंट ग्रैंड शतरंज टूर का हिस्सा है। रैपिड में अभी तीन बाजियां खेली जानी हैं जबकि ब्लिट्ज में 18 बाजियां होंगी ऐसे में कोई भी जीत सकता है लेकिन कार्लसन ने अभी अपना दबदबा बना रखा है। कार्लसन ने दिन की अपनी पहली दो बाजियों में अमेरिका के

हिकारू नकामुरा और नीदरलैंड के अनीश गिरी को हराया और आखिर में भारत के विदित गुजराती के खिलाफ कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद बाजी ड्रा कराई। कार्लसन के संभावित 12 में से दस अंक हैं तथा वह संयुक्त दूसरे स्थान पर काबिज नकामुरा और वेस्ली सो से तीन अंक आगे हैं। आनंद के छह अंक हैं और वह चीन के डिंग लीरेन और गिरी के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। हरिकृष्णा और गुजराती दोनों के समान पांच अंक हैं और वे संयुक्त सातवें स्थान पर हैं। आनंद ने शनिवार को पहली बाजी में लेवोन आरोनियन को हराया जबकि नकामुरा के साथ उन्होंने बाजी ड्रा खेली। आनंद को हालांकि गिरी से दिन की अपनी आखिरी बाजी में हार का सामना करना पड़ा।

एआईएफएफ ने मैदान पर दुर्व्यवहार के लिए तीन खिलाड़ियों को निलंबित किया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की अनुशासन समिति ने एक नवंबर को गुवाहाटी में एफसी गोवा और नार्थईस्ट यूनाईटेड के बीच मुकाबले के दौरान दुर्व्यवहार के लिए तीन खिलाड़ियों को निलंबित किया है। एफसी गोवा के सेमिनलेन डोगेल और ह्यूगो बोमोस जबकि नार्थईस्ट यूनाईटेड के डिफेंडर काई हीयरिंग्स को निलंबित किया गया है। डोगेल को तीन मैचों के लिए निलंबित किया गया है जिसमें से एक मैच की सजा वह नार्थईस्ट यूनाईटेड एफसी के खिलाफ लाल कार्ड के कारण पहले ही भुगत चुके है। मुंबई सिटी एफसी के खिलाफ उसी की सरजमीं पर हुए मुकाबले से बाहर रहे डोगेल अब एफसी गोवा के घरेलू मैदान पर जमशेदपुर एफसी के खिलाफ मैच और केरल ब्लास्टर के खिलाफ उसी के मैदान पर होने वाले मैच में नही खेल पाएंगे। बोमोस को दो मैचों के लिए निलंबत किया गया है और वह एफसी गोवा के अगले दो मैचों में नही खेल पाएंगे। इसी तरह नार्थईस्ट यूनाईटेड एफसी के नीदरलैंड के डिफेंडर हीयरिंग्स को भी दो मैचों के लिए निलंबित किया गया है।

मैनचेस्टर सिटी का राजस्व 53 करोड़ 50 लाख पाउंड पहुंचा

लंदन। मैनचेस्टर सिटी को मैदान पर सफलता का फायदा मिला है और क्लब का राजस्व पिछले सत्र में 53 करोड़ 50 लाख पाउंड (69 करोड़ 20 लाख डालर) तक पहुंच गया। प्रीमियर लीग चैंपियन मैनचेस्टर सिटी की टीम लगातार पांचवे साल मुनाफा कमाने में सफल रही।प्रसारण राजस्व में 20 प्रतिशत के इजाफे से सिटी की आय 2017-18 सत्र के 50 करोड़ पांच लाख पाउंड से बढ़ गई है। टीम ने पिछले सत्र में अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए प्रीमियर लीग, एफए कप, लीग कप और कम्यूनिटी शील्ड के रूप में इंग्लैंड के चार घरेलू टूर्नामेंट जीते थे।

दीपा मलिक ने 2016 पैरालंपिक की उपलब्धि को याद किया

मुंबई। पैरालंपिक खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी दीपा मलिक ने मंगलवार को यहां अपनी उपलब्धि को याद करते हुए कहा कि भाला फेंक से गोला फेंक में आने के बाद उनके पास तैयारी के लिए सिर्फ 11 महीने का समय था।
मलिक ने कहा, मैं भाला फेंक की तैयारी कर रही थी और इंचियोन एशियाई खेलों 2014 में दूसरी बार पदक जीती थी। भाला फेंक के 53 वर्ग में मैं विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर थी। यहां एक कार्यक्रम में पहुंची दीपा ने कहा कि पैरालंपिक खेल 2016 की तैयारी के लिए उनके पास काफी कम समय था। मैं 2015 में काफी खुश थी कि भाला फेंक में पदक जीतूंगी लेकिन अचानक पता चला कि मेरे वर्ग में भाला फेंक की जगह गोला फेंक है। मेरे पास पैरालंपिक में नए खेल की तैयारी के लिए सिर्फ 11 महीने थे जिसमें मुझे चार किलो के गोले को संभालने के लिए नए कौशल, नई कोचिंग की जरूरत थी।

ओलिंपिक 2020 भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम पूल ए में शामिल

भाषा। नई दिल्ली

हॉकी की प्रशासनिक संस्था एफआईएच ने ओलंपिक पूल की घोषणा की। टोक्यो ओलिंपिक 2020 में भारतीय हॉकी टीम को मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना और दुनिया की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया के साथ पूल ए में रखा गया है। इनके अलावा भारत के पूल में स्पेन, न्यूजीलैंड और जापान हैं। पूल बी में बेल्जियम, नीदरलैंड्स,जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, कनाडा और दक्षिण अफ्रीका को जगह मिली है। भारत इस समय विश्व हॉकी में पांचवें रैंक पर है। इसी महीने भुवनेश्वर में भारत ने रूस को 11.3 के एग्रीगेट से हराकर ओलिंपिक के लिए क्वॉलीफाइ किया था। भारतीय महिला टीम को भी पूल ए में जगह मिली है। उसके साथ मौजूदा चैंपियन ग्रेट ब्रिटेन और दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड्स शामिल है। इसके अलावा पूल ए में जर्मनीए आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। वहीं पूल बी में ऑस्ट्रेलियाए अर्जेंटीनाए न्यूजीलैंडए स्पेनए चीन और मेजबान जापान शामिल हैं।

मप्र में खिलाड़ियों को मिलेगा नौकरी में आरक्षण

भोपाल। मध्य प्रदेश में खिलाड़ियों को भी अब शासकीय नौकरियों में पांच प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा। इसके अलावा, स्कूली स्तर पर खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए अंडर-16 प्रांतीय ओलम्पिक शुरू किया जाएगा। मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री जीतू पटवारी ने ग्वालियर के कम्पू खेल परिसर में प्रांतीय ओलम्पिक खेलों का शुभारंभ करते हुए यह घोषणा की। अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में लगातार पदक हासिल करने के बाद भी खिलाड़ियों को नौकरी से वंचित रहना पड़ता है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री (कमलनाथ) की मंशा अनुसार नई खेल नीति में यह व्यवस्था की जा रही है कि शासकीय नौकरी में खिलाड़ियों को पांच प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिल सके। अंडर-16 प्रांतीय ओलम्पिक में सीबीएसई, सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चे शामिल होंगे। अभी यह स्पर्धा केवल 16 वर्ष तक के बच्चों में से प्रतिभा चयन के लिए आयोजित की जा रही है। इसमें दस खेल हॉकी, बास्केटबॉल, फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो, एथलेटिक्स, कुश्ती, बैडमिंटन और टेबिल टेनिस शामिल होंगे।

भारत ने अफगानिस्तान को लगातर दूसरे मैच में हराया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारत ने अफगानिस्तान को रोमांचक मुकाबले में दो विकेट से हराकर अंडर-19 एकदिवसीय सीरीज में लगातार दूसरी जीत हासिल की। इकाना बी ग्राउंड में खेले गए मैच में अफगानिस्तान ने पहले बैटिंग करके 50 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 188 रन बनाए। जवाब में भारत ने 42.3 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 189 रन बनाकर दो विकेट से मैच जीत लिया। भारत की तरफ से शास्वत रावत ने 53, यशस्वी जायसवाल ने 38, प्रियम गर्ग ने 32 और तिलक वर्मा ने 29 रन का योगदान दिया। अफगानिस्तान की तरफ से आबिद मोहम्मदी ने 25 रन देकर दो और नूर अहमद ने 36 रन देकर दो विकेट चटकाए।
इससे पहले अफगानिस्तान ने पहले बैटिंग करके 50 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 188 रन बनाए। अब्दुल रहमान रहमानी ने 57, रहमानुल्लाह जादरान ने 47 और फरहान ने 27 रन बनाए। भारत की तरफ से मानव ने 39 रन देकर दो और तिलक वर्मा ने छह रन देकर दो विकेट प्राप्त किए।

स्पेनिश ला लीगा में रियल मैड्रिड के खिलाड़ी गेंद के लिए संघर्ष करते लूका मैड्रिक

स्पोर्ट्स कालेज लखनऊ व सैफई सेमीफाइनल में

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मो.शाहिद सिन्थेटिक हाकी स्टेडियम में राज्य स्तरीय सबजूनियर बालक हाकी प्रतियोगिता के चौथे दिन स्पोर्ट्स कालेज लखनऊ व स्पोर्ट्स कालेज सैफ ई ने जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहले क्वाटर फाइनल मैच में स्पोर्ट्स कालेज लखनऊ ने अयोध्या मण्डल को 7-0 से पराजित कर सेमीफइनल में प्रवेश किया। जिसमें जैद खान ने दो, राहुल राजभर ने दो, विशाल पाण्डेय ने एक, अंकित प्रजापति ने एक फील्डगोल किये तथा सूरज पाल ने एक पेनाल्टी कार्नर से गोल किया।

दूसरे मैच में स्पोर्ट्स कालेज सैफई ने लखनऊ मण्डल को 2-1 से पराजित किया। मैच के 10वें मिनट में ही लखनऊ मण्डल की ओर से दीपू रावत ने एक फील्डगोल कर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। किन्तु उसके जवाब में मैच के 13वें मिनट में ही स्पोट्स कालेज सैफई की ओर से फ्हद खान ने एक फील्डगोलकर अपनी टीम का स्कोर 1-1 की बराबरी पर ला खड़ा किया। उसके बाद दोनो ही टीमें गोल करने के लिए संघर्ष करती नजर आयी। मैच के 45वें मिनट में स्पोर्ट्स कालेज सैफई को इसकी सफलता आयान चौधरी ने पेनाल्टी कार्नर को गोल कर तब्दील करते हुए किया और अपनी टीम को 2-1 से आगे करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनायी। वहीं रामपुर हास्टल बनाम वाराणसी मण्डल के मध्य खेला गया जिसमें दोनो ही टीमों का स्कोर 2-2 रहा। मैच का परिणाम शूटआउट के आधार पर खेला गया जिसमें वाराणसी मण्डल ने रामपुर हास्टल को 4-2 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। चौथे मैच में सैफई हास्टल ने बस्ती मण्डल को 4-0 से पराजित कर सेमीफाईनल में प्रवेश किया।

सीएसडी सहारा चमका

लखनऊ। मैन ऑफ़ द मैच बृजेंद्र अवस्थी-30 की बल्लेबाजी से सीएसडी सहारा क्रिकेट अकादमी ने शर्मिला नियोगी टी20 कारपोरेट क्रिकेट टूर्नामेंट में बीयूपीजीबी को छह विकेट से हराया। सीएसडी सहारा क्रिकेट मैदान पर बीयूपीजीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रशांत मिश्रा-19 और अंशुमान सिंह-17 की पारियों से 12.4 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 67 रन बनाए। सीएसडी सहारा अकादमी से हर्ष सिंह व अरविंद मिश्रा ने तीन.तीन विकेट चटकाए। तारिक जफर को दो विकेट मिले। जवाब में सीएसडी सहारा क्रिकेट अकादमी ने 10ण्4 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 69 रन बनाकर मैच जीत लिया। बीयूपीजीबी से आनंद मिश्रा ने दो विकेट चटकाए। दूसरे मैच में एसएसएस लीगल ने तूलिका आर्ट्स स्टूडियो को चार विकेट से हराया। तूलिका आर्ट्स स्टूडियो ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 17.2 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 106 रन बनाए। एसएसएस लीगल से ऋषभ व कमरूल ने तीन.तीन विकेट चटकाए। जवाब में एसएसएस लीगल ने कमरूल ;नाबाद 30द्धए ऋषभ ;नाबाद 18 व विवेक 26 की पारियों से 19 ओवर में छह विकेट गंवाकर जीत के लिए आवश्यक रन बना लिए। तूलिका आर्ट्स स्टूडियो से सौरभ भल्ला व सौरभ कुमार ने दो-दो विकेट चटकाए।

सेंट एंटोनी व एलपीएस ने मैच जीते

लखनऊ। इण्डियन गैम्स एंड स्पोर्ट्स सोसाईटी द्वारा आई जी एस एस क्रिकेट ट्रॉफी का शुभारंभ किया गया जिसमें लखनऊ के विभिन्न स्कूलों से 13 टीमें भाग ले रही है। इसका उद्घाटन आई जी एस एस के निदेशक एहसान ज़ैदी ने किया। प्रतियोगिता का पहला मैच सेन्ट एंटोनी और हॉर्नर कॉलेज के बीच खेला गया जिसमें हॉर्नर कॉलेज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए आल आउट होकर 18 ओवरों में 73 रन बनाये जिसमे सर्वाधिक रन आशीष के 22 रन रहे।इसके जवाब में सेन्ट एंटोनी की टीम ने यह लक्ष केवल 3 विकेट खोकर 7 ओवरों में ही हासिल कर लिया। मैंन ऑफ द मैच प्रियांशु रहे जिन्होंने 24 रन बनाकर 3 विकेट लिए। दूसरा मैच एल पी एस व टेंडर हार्ट के बीच हुआ इसमें टेंडर हार्ट की टीम ने टॉस जीतकर पहले खेलते हुये 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 103 रानो का लक्ष दिया जिसमें क्रमशः हसन 26एअक्षत 36 और शिवम् के 21 रनो का योगदान रहा।इसके जवाब में टेंडर हार्ट की टीम 15 ओवरों में 93 रनों पर ही ढेर हो गयीएइसकी ओर से सर्वाधिक 24 रन यश ने बनाये।मैन ऑफद मैच अक्षत को मिला जिसने 36 रनों के साथ साथ 3 विकेट भी लिए। मैन ऑफद मैच का पुरुस्कार निदेशक एहसान ज़ैदी साहब के द्वारा दिया गया।

डीपीएस, एक्सिलिया की जीत

लखनऊ। डीपीएस एल्डेको अंडर 10 आयु वर्ग,एक्सिलिया रेनबो वारियर अंडर 12 आयु वर्ग, सेठ एम आर जैपुरिया चेस गैम्बिटर्स अंडर 14 आयु वर्ग और डीपी एस एल्डेको अंडर 18 आयु वर्ग के विजेता बने। एक्सिलिया इंटर स्कूल टीम चेस चैंपियनशिप एक्सिलिया स्कूलए ओमेक्स सिटी में संपन्न हुई। अंडर 10 आयु वर्ग में डीपी एस एल्डेको विजेता बनी, डीपी एस एल्डेको नाइट्स और एक्सिलिया राइजिंग सन क्रमशः दूसरे तथा तीसरे स्थान पर रही। बोर्ड पुरस्कार विजेता :पहला बोर्ड दर्श द्विवेदी डीपी एस एल्डेको-1 दूसरा बोर्ड श्रेयांश साहू डीपी एस एल्डेको, नाइट्स तीसरा बोर्ड समयग डीपी एस एल्डेको-1 तथा चौथा बोर्ड लावण्या सिसोदिया एक्सिलिया राइजिंग सन। अंडर-12 आयु वर्ग में एक्सिलिया रेनबो वारियर शीर्ष पर रहीए सेठ एम् आर जैपुरिया स्कूल की ब्लाज़िंग चेस किंग तथा स्टडी हॉल क्रमशः दूसरे तथा तीसरे स्थान पर रही। बोर्ड पुरस्कार विजेता : पहला बोर्ड मेधांश सक्सेना एक्सिलिया रेनबो वारियर्स , दुसरा बोर्ड दिव्यांश पाण्डेय एक्सिलिया रेनबो वारियर्स , तीसरा बोर्ड अर्नव तिवारी एक्सिलिया रेनबो वारियर्स तथा चौथा बोर्ड बोधित पन्त एक्सिलिया रेनबो वारियर्स ।अंडर-14 आयु वर्ग में सेठ एम् आर जैपुरिया स्कूल की चेस गैम्बिटर्स विजेता बनीए डीपी एस एल्डेको तथा एक्सिलिया रेड विंग्स क्रमशः दूसरे तथा तीसरे स्थान पर रही। बोर्ड पुरस्कार विजेताः पहला बोर्ड पृथ्वी सिंह स्टडी हॉल ए दुसरा बोर्ड आर्यन सिंह जैपुरिया स्कूल चेस गैम्बिटर्स ए तीसरा बोर्ड सानवी अगरवाल जैपुरिया स्कूल चेस गैम्बिटर्स तथा चौथा बोर्ड रिषभ अवस्थी जैपुरिया स्कूल चेस गैम्बिटर्स। अंडर 18 आयुवर्ग में डीपी एस एल्डेको.1 विजता बनीए स्टेला मारिस तथा डीपी एस राइजिंग स्टार्स क्रमशः दूसरे तथा तीसरे स्थान पर रही। बोर्ड पुरस्कार विजेता-पहला बोर्ड रोहन पाण्डेय डीपी एस एल्डेको.1 ए ए वामसी कृष्णा डीपी एस एल्डेको.1 ए तीसरा बोर्ड अंशुमन नंदा डीपी एस एल्डेको.1 तथा चौथा बोर्ड सार्थक सिंह बसेरा डीपी एस एल्डेको.1 डायरेक्टर एक्सिलिया स्कूल श्री आशीष पाठकए प्रधानाचार्य एक्सिलिया स्कूल सुश्री सोनिया वर्धन और सचिव लखनऊ डिस्ट्रिक्ट चेस स्पोर्ट्स एसोसिएशन श्री एएकेण् रायजादा ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

किपचोगे और मोहम्मद बने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ एथलीट

मोनाको। दो घंटे से कम में मैराथन पूरी करने वाले एलियूड किपचोगे और 400 मीटर बाधा दौड़ विश्व चैम्पियन दालिलाह मुहम्मद ने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ एथलीट का पुरस्कार जीता। किपचोगे (35 वर्ष) ने शनिवार को मोनाको में यह पुरस्कार हासिल किया। किपचोगे ने पिछले महीने इतिहास रचा था, उन्होंने 42.195 किलोमीटर की दूरी एक घंटे 59 मिनट 40.2 सेकेंड में तय की थी। ओलंपिक चैम्पियन के नाम अधिकारिक विश्व रिकार्ड भी है जो दो घंटे एक मिनट 39 सेकेंड का है। उन्होंने इस साल अप्रैल में लंदन मैराथन जीती थी और विएना में एक अनधिकृत प्रतियोगिता में दो घंटे से कम में मैराथन पूरी करने की उपलब्धि हासिल की थी। वहीं अमेरिका की दालिलाह ने जुलाई में अमेरिकी ट्रायल्स में 52.20 सेकेंड के समय से 2003 से चले आ रहे रिकार्ड को तोड़कर विश्व रिकार्ड बनाया था। इसके बाद उन्होंने दोहा में नए विश्व रिकार्ड समय 52.16 सेकेंड से विश्व चैम्पियनशिप स्वर्ण पदक जीता था। विश्व एथलेटिक्स के 50 प्रतिशत, खिलाड़ियों, कोचों व पत्रकारों के 25 प्रतिशत तथा आम जनता के 25 प्रतिशत मतों से विजेता चुना जाता है।

भारत के विश्व कप की दौड़ से बाहर होने से स्टिमक निराश

नई दिल्ली। भारतीय फुटबाल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने गुरुवार को कहा कि वे पिछले कुछ मैचों में टीम के प्रदर्शन से निराश हैं और विश्व कप की दौड़ से टीम के बाहर होने का मुख्य कारण उन्होंने अहम खिलाड़ियों की चोट को बताया। आईलीग के 13वें सत्र के लांच के लिए आयोजित कार्यक्रम के इतर स्टिमक ने इस तथ्य पर भी नाखुशी जताई कि क्लब घरेलू लीग में भारतीय खिलाड़ियों को स्ट्राइकर के रूप में नहीं खिलाते। पिछले दो मैचों के बाद हम कुछ निराश होकर स्वदेश लौटे हैं लेकिन इससे इस पर हमारा भरोसा नहीं डिगा है कि हम क्या कर सकते हैं। विरोधी और मौसम को लेकर हमें बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। चोटों की समस्या सबसे बड़ा मुद्दा थी। क्रोएशियाई कोच ने कहा, सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी संदेश झींगन, रोवलिन बोर्गेस और अमरजीत सिंह की सेवाएं नहीं मिली और इसके बाद शुरुआती मैचों में प्रणय हलधर भी नहीं खेला। ओमान मैच के दौरान वह चोटिल भी हो गया, इन सभी का नतीजे पर असर पड़ा। मंगलवार को मस्कट में ओमान के खिलाफ 0-। की हार के साथ भारतीय टीम 2022 विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने की दौड़ से लगभग बाहर हो गई है। टीम के ग्रुप ई में पांच मैचों में सिर्फ तीन अंक है और टीम चौथे स्थान पर चल रही है। भारतीय टीम अब तक एक भी मैच नहीं जीत पाए है। टीम ने दो मैच गंवाए हैं जबकि तीन ड्रा खेले। विश्व कप क्वालीफाइंग में भारतीय खिलाड़ियों के कम गोल दागने पर स्टिमक ने कहा, क्या आप किसी भी क्लब के खिलाड़ी का नाम ले सकते हैं जिसके पास भारतीय पासपोर्ट है और वह गोल दाग रहा है? आप यह उम्मीद क्यों कर रहे हो कि हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल करेंगे जबकि घरेलू लीग में भी हमारा कोई स्ट्राइकर गोल नहीं कर रहा। मैं रोज खिलाड़ियों के साथ काम नहीं करता, मैं सिर्फ मैच से पांच दिन पहले उनके साथ काम करता हूं। लेकिन महत्वपूर्ण चीज यह है कि हम मौके बना रहे हैं। टीम को किसी विरोधी टीम का डर नहीं है। यह पहले की टीमों से अलग है, यह नई साहसी टीम है।

टीएनसीए ने एमए चिदंबरम स्टेडियम के लिए नया लीज करार किया

चेन्नई। तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) के पास एतिहासिक एमए चिदंबरम स्टेडियम का कब्जा बरकरार रहेगा क्योंकि संघ ने राज्य सरकार के साथ नया लीज करार किया है। टीएनसीए ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यह लीज 21 साल के लिए होगी और इसके साथ ही स्टेडियम में तीन बंद पड़े स्टैंड को खेलने की प्रक्रिया भी शुरू होगी। सूत्रों ने बताया कि टीएनसीए को गुरुवार को लीज करार सौंपा गया। इससे पहले लीज 2015 में समाप्त हो गई थी।

ओलंपिक क्वालीफिकेशन तय करने वाला गोल करना जबर्दस्त अहसास : रानी

नई दिल्ली। भारतीय हाकी टीम की कप्तान रानी रामपाल ने सोमवार को कहा कि पिछले तीन साल में महिला टीम के प्रदर्शन को देखते हुए तोक्यो ओलंपिक में पदक जीतना संभव लगता है। क्वालीफायर में रानी के निर्णायक गोल की मदद से भारत ने जीत दर्ज करके ओलंपिक का टिकट कटाया। रानी ने भुवनेश्वर में अमेरिका के खिलाफ क्वालीफायर मैच में यह गोल किया। भारत ने औसत के आधार पर 6 . 5 से जीत दर्ज की। रानी ने कहा कि मैं अपना संयम बरकरार रखकर गोल करने में कामयाब रही। यह सपने जैसा था जब मैं खुशी के मारे अपनी टीम के गले लग रही थी। जब मैं मैदान पर आई तब 15 मिनट का खेल बचा था। मैने सोचा कि पिछले तीन साल की मेहनत को हम यूं बर्बाद नहीं होने देंगे। मुझे जब सर्कल के भीतर गेंद मिली तो मुझे पता था कि मेरे आगे जगह है और मैने गेंद पर नियंत्रण बरकरार रखते हुए अपने बेसिक्स पर फोकस किया। चार साल पहले जब भारतीय महिला हाकी टीम ने 36 साल बाद रियो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था तब भी जापान के खिलाफ जीत में रानी ने अहम भूमिका निभाई थी। रानी ने कहा कि रियो के बाद से उनकी टीम के प्रदर्शन में काफी सुधार आया है। रियो में हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा लेकिन हमें ओलंपिक खेलने का अनुभव मिला। फिलहाल टीम में दस खिलाड़ी हैं जो रियो में खेल चुके हैं। तब से अब तक हमारे खेल में काफी सुधार आया है और मुझे यकीन है कि हम पदक जीतेंगे। भारतीय महिला हाकी टीम फिलहाल ब्रेक पर है और 18 नवंबर से बेंगलुरू में अभ्यास शिविर में भाग लेगी।

मनचाही नौकरी पाने के लिए, साक्षात्कार से होकर गुजरना जरूरी है। कैसे इसमें सफलता मिल सकती है, इसके बारे में जानकारी देती हैं **डॉ. कुलनीत सूरी**

कैसे दें सफल साक्षात्कार

कंपनियां व नियोक्ता हमेशा समय व संसाधन बचाने के तरीके तलाशते हैं, तथा स्काइप उन्हें एक उत्तम माध्यम प्रदान करता है। आप कैमरे के सामने बैठकर या स्काइप साक्षात्कार के प्रति संकोच महसूस कर सकते हैं, लेकिन नियोक्ता इसे स्थापित करता है तो आपको इसके लिए बाध्य होना पड़ेगा।

नियुक्ति करने वाले अधिकारी वीडियो या टेलीफोनिक साक्षात्कारों को, उन्हें मिलने वाले सैंकड़ों आवेदनों में से अधिक तेजी के साथ योग्य उम्मीदवारों की छंटाई के तरीकों के रूप में देखते हैं, और आप कभी भी उस मुकाम पर नहीं पहुंच सकते यदि आप इस संसाधनों के समक्ष अपनी अक्षमता प्रदर्शित करते हैं। यदि आप स्काइप इंटरव्यू को एक पैमाने के बतौर समझते हैं तो स्थितियां बिलकुल बेहतर हो जाएंगी।

हालांकि, कोई भी इस बात को नकार नहीं सकता कि स्काइप इंटरव्यू अनेक स्तरों पर भिन्न हैं। आपके और नियोक्ता के बीच एक कंप्यूटर स्क्रीन होती है, और यह लगभग मांग करती है कि आप कुछ अत्यावश्यक बातों का ध्यान रखें। आपको एक विशेषज्ञ बनाने तथा सुनिश्चित करने के लिए कि आप अपने समक्ष मौजूद किसी भी इंटरव्यू में सर्वोत्तम है, यहां पांच बातें हैं जिनका आपको पालन करना चाहिए। उन पर ध्यान दें और बेहतर तैयारी करें।

उचित तकनीकों का उपयोग करें

न केवल आपको एक तेज कंप्यूटर की आवश्यकता होगी, बल्कि आपके पास एक उचित वेबकैम और एक अच्छा हेडफोन होना जरूरी है। आपका स्काइप बेहतर ढंग से काम कर सके इसके लिए शानदार रैम वाला कंप्यूटर बहुत जरूरी है। इसके साथ तेज गति वाला इंटरनेट कनेक्शन हो, जो आपको बिना किसी बाधा के इंटरव्यू देने का अवसर प्रदान करेगा। अपने लेटटॉप का कैमरा उपयोग करने से बचें। इनका रिजोल्यूशन आम तौर पर अपेक्षित तीव्रता वाला नहीं होता है और आप चाहेंगे कि इँटरव्यूकर्ता आपको स्पष्टता से देख पाए। एक बार फिर, माइक्रोफोनयुक्त एक अलग हेडसेट सुनिश्चित करता है कि आसपास का आवाजें प्रभावशाली ढंग से दब जाएं वर्ना इससे दोनों पक्षों को एक दूसरे की बात सुनने में कठिनाइयां हो सकती हैं।

कैमरे पर अभ्यास करें

यह महत्वपूर्ण है क्योंकि: नेत्र-संपर्क तब होता है जब आप अपनी कंप्यूटर स्क्रीन को देखने के बजाय सीधे कैमरे को देखते हैं। आपके नोट्स कैमरे के स्तर पर होने चाहिए ताकि इंटरव्यूकर्ता से बार बार नजर हटाने से बचा जा सके। आपको कभी कभी स्क्रीन पर नीचे की ओर देख सकते हैं लेकिन आप दूसरों से बिलकुल खड़े हो सकते हैं यदि आप कैमरे पर निरंतर अपनी नजरें टिकाए रख सकें। ऐसे में सलाह यह है कि आप अपने नोट्स स्क्रीन पर रखें, कैमरे के ठीक नीचे ताकि जब आप संदर्भ के लिए नीचे देख रहे हों तो ऐसा लगे कि आप अपने नियोक्ता का चेहरा देख रहे हैं। गलती से बचने का यह स्मार्ट पैंतरा है।

सेटिंग का ध्यान रखें

इंटरव्यू के लिए आपको उचित मानसिक अवस्था में रहना चाहिए और यह संभव नहीं हो सकता यदि आप जींस जैसी अनौपचारिक वेशभूषा में हों। सुनिश्चित करें कि:

- स्काइप इंटरव्यू के लिए अपनी पूर्ण साक्षात्कार युक्त वेशभूषा पहनें।
- उचित ऊंचाई पर अपने कंप्यूटर को रखें मानो इंटरव्यूकर्ता आपके बिलकुल सामने बैठा है।
- अपने बैकग्राऊंड से प्रत्येक ऐसी वस्तु को हटा दें, जिससे ध्यान भंग हो सकता हो। बुकशेल्फ या सादी दीवार बेहतर काम करती है।
- अपने कंप्यूटर या सेलफोन पर सभी नोटिफिकेशंस की ध्वनियों को बंद कर दें।
- कंप्यूटर की स्क्रीन या कैमरे के लैंस पर चमक से बचने के लिए व्यापक प्रकाश की व्यवस्था करें।

> मास मीडिया पाठ्यक्रमों में, आपके लिए दरअसल ऐसे अवसरों की तैयारी कराने हेतु विशेष कक्षाएं उपलब्ध होती हैं और आप इस मौजूदा माध्यमों में कभी विफल नहीं होते हैं।

यहां ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो नियोक्ता को समझा सकते हैं कि आपने निर्धारित स्काइप इंटरव्यू के लिए सचमुच प्रयास किए हैं जो आपको लंबा रास्ता तय करने में सहायता कर सकते हैं। मास मीडिया पाठ्यक्रमों में, आपके लिए दरअसल ऐसे अवसरों की तैयारी कराने हेतु विशेष कक्षाएं उपलब्ध होती हैं और आप इस मौजूदा माध्यमों में कभी विफल नहीं होते हैं।

कृत्रिम इंटरव्यू दें

यह आपकी स्क्रीन उपस्थिति को बेहतर बनाएगा। स्काइप इंटरव्यू में शारीरिक भाव-भंगिमा महत्व रखती है और किसी भी मानक इंटरव्यू की तरह ही आपके चयन में प्रमुख कारक की भूमिका निभाती है। अपने मित्र को स्काइप पर फोन करने के लिए कहें और इन बातों का ध्यान रखें। कई बार आप कैमरे से दूर देख रहे होते हैं। इसे घटाने पर विशेष काम करें। आपकी मुद्रा, कि आप ज्यादा तनकर तो नहीं बैठे हैं या बहुत बेचैन तो नहीं दिख रहे हैं।

आपका मित्र आपको बता सके कि आप अपने नोट्स देखने के लिए कहीं देख रहे हैं तो उस स्थिति में नोट्स की जगह बदलने के बारे में सोचें।

और हां, ध्यान रखें कि आपका मित्र आपको देख सके और आपको स्पष्ट सुन पाए। हम्म या हां जैसी आवाजें भी, जो अक्सर दबी रह जाती हैं।

पहले से सभी रूकावटों को दूर कर लेंगे तो आप साक्षात्कार के मुकाम से पहले अत्यंत अभ्यस्त नजर आएंगे।

प्रत्येक चीज को अपनी सहज पहुंच में रखें

उदाहरण के लिए, आप नहीं चाहते कि आपका इंटरव्यूकर्ता आपको हड़बड़ी के साथ नोटबुक या पेन तलाशते देखे। इन्हें कंप्यूटर के बगल में, अपने उस हाथ के पास रखें जिस हाथ से लिखते हैं। इसी प्रकार, यह स्वाभाविक है कि प्रश्न आपके रिज्यूमे से पूछे जाएंगे जिसे आपने जमा किया था। टेलीफोनिक इंटरव्यू के विपरीत, स्काइप कॉल के दौरान, आप बार बार अपने सीवी की ओर नहीं देख सकते। ऐसे में उन महत्वपूर्ण बिन्दुओं को याद कर लें जिन्हें आप रेखांकित करना चाहते हैं या अपने वेबकेम के लैंस के बगल के स्थान नोट्स के रूप में चिपका दें।

और यदि आप हर चीज को टेबल पर नहीं रख सकते तो उन्हें नजदीकी दराज में रख दें और वहां जाने का कोई मौका निकाल लें। पेशेवर ढंग से चीजों को रखेंगे तो आप इंटरव्यूकर्ता पर अच्छा असर छोड़ेंगे।

यथासंभव सर्वोत्तम ढंग से चीजें रखने का हरसंभव प्रयास करें। हरसंभव ढंग से स्मार्ट दिखना व कम से कम चूक करना ही उपाय है। इस प्रकार तैयारी करेंगे तो आप उस इंटरव्यू में कामयाबी हासिल करेंगे।

– लेखक इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट स्टडीज, नोएडा के सीनियर डायरेक्टर हैं।

एडमिशन ओपेन

होटल मैनेजमेंट

लक्ष्य भारतीय इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल होटल मैनेजमेंट अपने होटल मैनेजमेंट में अंडर ग्रेजुएट तथा पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्रामों में दाखिले के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

योग्यता: होटल मैनेजमेंट में बीएससी के लिए, आवेदकों ने मान्यताप्राप्त केन्द्रीय या राजकीय बोर्ड या मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कक्षा 12वीं उत्तीर्ण किया हो। चयन निजी साक्षात्कार पर आधारित होगा। होटल मैनेजमेंट में एमएससी करने के लिए आवश्यक है कि आवेदकों ने मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय ये अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी कर ली हो।

कोर्स की अवधि: बीएससी के लिए तीन साल तथा एमएससी के लिए दो साल।

आवेदन कैसे करें: संस्थान की वेबसाइट पर लागइन करें।

आवेदन की अंतिम तिथि: 29 नवंबर, 2019।

बैंकिंग मैनेजमेंट

थाडोमल शहानी सेंटर फार मैनेजमेंट अपने बैंकिंग मैनेजमेंट कोर्स में प्रोफेशनल डिप्लोमा में दाखिले के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

भविष्य के बैंकरों को कोर बैंकिंग एप्लीकेशंस का ज्ञान रखने के अलावा इन नए प्रयोगों के प्रबंधन के लिए योग्यताओं की आवश्यकता होगी। यह कोर्स नए कालेज स्नातकों को अत्यंत किफायती बैंकिंग कोर्स प्रदान करता है और भविष्य के बैंकर्स निर्मित करता है।

इसके साथ साथ, इस कोर्स में बैंकिंग मोबाइल एप सक्षम स्मार्ट फोन शामिल है जिसके जरिए छात्र उपलब्ध बैंकिंग रोजगार तलाश सकते हैं और देख सकते हैं कि कैसे उनकी योग्यताएं रोजगार आवश्यकताओं से मेल खाती हैं तथा उन्हें अपेक्षित नौकरी हासिल करने के लिए आवश्यक विषयों को सीखने का भी अवसर मिलेगा। व्याख्यान केवल सप्ताहांत पर आयोजित कराए जाते हैं जिन्हें कोर बैंकिंग, बैंकिंग प्रक्रियाएं, कंसल्टेटिव सेलिंग, इंटरव्यू तैयारी तथा भाषा एवं संवाद जैसे विभिन्न विषयों पर दायित्व कार्य देखने वाले बैंकरों द्वारा पढ़ाया जाता है।

कोर्स की अवधि: चार माह

आवेदन कैसे करें : https://ask.careers/courses/professional-diploma-in-banking-management पर लागइन करें या 022 6670 1111/91 99300 88330 संपर्क करें।

आवेदन की अंतिम तिथि: 29 नवंबर, 2019।

मैन्युफेक्चरिंग मैनेजमेंट

द युनिवर्सिटी आफ स्ट्रेथक्लाइड, ग्लासगो अपने नए एमएससी मैन्यूफेक्चरिंग मैनेजमेंट कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

योग्यता: संबंधित इंजीनियरिंग, तकनीक, साइंस या बिजनेस संबंधी विषय में फर्स्ट या अपर सेकेंड क्लास आनर्स डिग्री, या समकक्ष डिग्री। ओवर आल आईईएलटीएस 6.0, तथा प्रत्येक विषय श्रेणी में न्यूनतम 5.5।

फीस: विदेशी छात्रों के लिए सत्र 2020-21 के लिए 20,900 पाऊंड।

आवेदन कैसे करें: https://www.strath.ac.uk/courses/postgraduatetaught/manufacturingmanagement/#whythiscourse पर लागइन करें या eng-admissions@strath.ac.uk संपर्क करें।

कंटेंट राइटिंग

एजूकेशन एंड करियर टाइम्स साल 2019-2020 सत्र के अपने कंटेंट राइटिंग कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

योग्यता: आवेदक ने कक्षा 12वी पास कर लिया हो या उसमें भाग लिया हो, वह ईसीटी में कंटेंट राइटिंग कोर्स के लिए पंजीकरण करा सकता है। कक्षा में बैठने की योग्यता पाने हेतु अंग्रेजी भाषा को पढ़ने व समझने के योग्य होना चाहिए।

आवेदन कैसे करें: https://ect.co.in पर लागइन करें या 7827916060 पर संपर्क करें।

आवेदन की अंतिम तिथि: 29 नवंबर, 2019।

शिल्प व डिजाइन योग्यताओं का महत्व बढ़ाना- हमारा लक्ष्य

क्राफ्टिंग फ़्यूचर प्रोग्राम किस प्रकार यूके और भारत के कारीगरों को एक साथ ला रहा है और उनकी सहायता कर रहा है इसके बारे में मुस्बा हाशमी से चर्चा करते हैं जोनाथन केनेडी

■ क्राफ्टिंग फ्यूचर्स प्रोग्राम के बारे में बताएं?

– यह ब्रिटिश कौंसिल का वैश्विक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य है क्षमता निर्माण करना, आर्थिक अवसर के जरिए शिल्पकारों की आजीविका में सुधार करना- खासकर महिला शिल्पकारों की। भारत में यह तीन वर्षीय कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य भारतीय शिल्पकारों को अपनी डिजाइन योग्यताएं निखारने, आपूर्ति श्रंखला संपर्क सुधारने तथा वृहद बाजार स्थितियों के लिए जानकारी हासिल करने में सक्षम बनाना है।

टेक्सटाइल्स, ज्वेलरी, टिकाऊ फैशन, हस्तशिल्प, फर्नीचर, कुम्हारगिरी, तथा अनेक शिल्पगत क्षेत्रों की भारतीय संस्थाओं यूके समकक्षों के साथ मिलकर काम करने तथा साझा प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लंबे दौर में भारत में शिल्प व डिजाइन के भविष्य को सकारात्मक ढंग से प्रभावित करना है।

■ कार्यक्रम के विचार को आप कैसे सामने लेकर आए?

– शिल्प और डिजाइन भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके अलावा सांस्कृतिक संकेतक होने से, यह सेक्टर भी शिल्पकारी क्षेत्र में कार्यरत लोगों को भारी आर्थिक अवसर प्रदान करता है। शिल्पकारी का वैश्विक बाजार 400 अरब डॉलर का है, जिसमें से भारत का हिस्सा 2 फीसदी से भी कम है। इस स्थिति के मद्देनजर, क्राफ्ट और डिजाइन सेक्टर के लिए अपार प्रगति की संभावनाएं हैं जो 7 मिलियन कारीगरों को रोजगार देता है, जिसमें से 56 फीसदी महिलाएं (भारतीय हस्तशिल्प जनगणना के अनुसार) हैं। इसीलिए, हमने ऐसा कार्यक्रम लेकर आने का फैसला किया जो देश के कारीगरों की सहायता कर सके।

■ यह कार्यक्रम किस प्रकार महिलाओं व उनके उद्यमों की सहायता करेगा?

– भारत में महिला कारीगर ऐसी चुनौतियों का सामना करती हैं जो सेक्टर में उनकी प्रगति में बाधा बनती हैं। मसलन उत्पादन तरीकों, न्यूनतम पूंजी निवेश तथा मार्केट लिंकेज न होने जैसी अद्यतन जानकारियां न होना। वे अक्सर वैश्विक स्तर पर अपने काम को पहुंचाने में सक्षम नहीं होती हैं।

ब्रिटिश कौंसिल आर्थिक व तकनीकी सहायता प्रदान करने के साथ एक सार्वजनिक मंच की स्थापिना के जरिए इन कुछ चुनौतियों का समाधान करना चाहती है। यूके विशेषज्ञता को सहायता के रूप में भारतीय शिल्प संस्थाओं के साथ जोड़ने से बेहतर ज्ञान-साझीदारी तथा बाजार स्थितियों के नए क्षेत्र खुलेंगे।

■ कार्यक्रम किस प्रकार भारत और यूके के कारीगरों को एक साथ लाएगा?

– कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है यूके और भारत की शिल्पकारी संस्थाओं को एक साथ लाना, उनमें संपर्क स्थापित करना तथा नए नेटवर्कों के निर्माण व साझा शिक्षण के अवसर निर्मित करना।

यह महिलाओं तथा शिल्पकार समुदायों की शिक्षा, क्षमता निर्माण एवं आर्थिक सशक्तीकरण में भी सहयोग करती है। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि परियोजनाएं प्रासंगिक हैं, और रचनात्मक गतिविधियों की गुणवत्ता व विरासत संरक्षित व आधुनिक दर्शकों के लिए विकसित हो।

■ इस सेक्टर में नयी तकनीकें क्या हैं?

– भारत में क्राफ्टिंग फ्यूचर्स प्रोग्राम की दिशा में शोध व परामर्श के दौरान, हमने कारीगरों द्वारा इस्तेमाल की गयी कमतर व अत्याधुनिक डिजीटल तकनीक के शुरुआती उत्कृष्ट नमूने देखे। उदाहरण के लिए, क्राफ्ट सामग्रियों की स्केनिंग, उत्पाद खरीदारों की तलाश में जानकारी साझा करने वाले थ्रीडी मॉडल निर्मित करना।

भारत में खुदरा शिल्प बाजार के विशेषज्ञों ने समकालीन नव शिल्पगत डिजाइनों के उत्पादन व सृजन में कारीगरों, डिजाइनरों के बीच बेहतर ऑनलाईन कनेक्शन की आवश्यकता को चिन्हित किया। डिजीटल नवोन्मेषन के ऐसे उदाहरण शिल्पकारी समूहों के दायरे में टिकाऊ बाजार विकास तथा साझा सहयोग के लिए उपयोगी कनेक्शन प्रदान करते हैं।

ब्रिटिश कौंसिल का लक्ष्य डिजीटल तकनीक में नवोन्मेषन के जरिए भारत में शिल्पकारी विरासत व शिल्पकारी योग्यताओं को व्यापक दुनिया तक फैलाना है और दूसरों के साथ सहयोग के पूंजीवादी व्यापार मॉडलों तक पहुंच प्रदान करना है।

एचआर के नजरियों में बदलाव

माइंड इट

प्रतिभा अन्वेषण में एचआर के नजरियों में जबरदस्त बदलाव आया है। प्रतिभा की कमी और एचआर तकनीक के त्वरित उपभोक्ताकरण ने मानव संसाधन विभागों को मजबूर किया है कि वे अपने आवेदकों को ग्राहकों जैसा समझें। अच्छा प्रदर्शन करने वाले संगठन आवेदक के अनुभव को सामने रख रहे हैं और अपनी नियुक्ति रणनीति का केन्द्र बना रहे हैं। इस बदलाव में सक्षम होने के लिए तकनीक एक प्रमुख कारक है।

हममें से अधिकांश का कम से कम बार नकारात्मक अनुभव जरूरत रहा होगा जहां नियोक्ता इंटरव्यू या उससे भी बुरा होने के बाद गायब हो गया, सैंकड़ों फार्म भरने तथा साक्षात्कार होने के बाद, आपसे कहा जाता है कि आप इसमें विफल हुए हैं। इसके अलावा कोई भी वजह नहीं बताई जाती है। हालांकि एचआर तकनीक इसे बदल रही है।

नियोक्ताओं को अधिक तेज, अधिक वस्तुगत निर्णय लेने में सहायता करने से लेकर आवेदकों को उसी समय जानकारी प्रदान करने तक, एचआर तकनीक नियुक्ति कार्य को बेहतर उम्मीदवार केन्द्रित प्रक्रिया बनाने में संगठनों की सहायता कर रही है।

आइए देखें कि एचआर तकनीक किस प्रकार नियुक्ति को अधिक प्रभावकारी बनाने में संगठनों की सहायता कर रही है:

रिक्रूटमेंट मार्केटिंग

प्रतिभा की स्थिति आज पहले से कहीं अधिक प्रतिस्पर्धात्मक है। विज्ञापन जारी करने की तिथि और उम्मीदवारों के आने की प्रतीक्षा करने के दिन बीत गए। आज, नियोक्तओं को अधिक तेज गति से पदों को भरने हेतु आवेदकों को कार्यभार बेचने होंगे और उम्मीदवारों को अनेक प्रस्ताव मिलने की ज्यादा संभावनाएं हैं जब वे साक्षात्कार दे रहे होते हैं। जो नियोक्ताओं व संस्थाओं के लिए एक मजबूत समर्पित कर्मचारी बनाने में निवेश करना अत्यावश्यक बनाता है जो आवेदकों को प्रोत्साहित करता है कि वे उस कंपनी को दूसरों से अधिक प्राथमिकता दें। सक्रिय सामाजिक मंचों से मिलकर आनॅलाइन उपस्थिति बेहतर नियोक्ता ब्रांड बनने का एक तरीका है। कर्मचारी पैरवी के लिए समर्पित तकनीकें या रीक्रूटमेंट मार्केटिंग विविधता, अधिक समृद्ध भंडारों का पता लगाने तथा उच्च प्रतिभा को नियुक्त करने में संगठनों की सहायता कर सकते हैं। अनेक एचसीएम या एटीएस समाधान भी करियर पेज विकास तथा अधिकतम उपयोग के माड्यूल प्रदान करते हैं जो सफलतापूर्ण रिक्रूटमेंट मार्केटिंग का प्रमुख चालक भी हैं।

कुछ एचआर टेक समाधान, ज्यादा छोटे बजट वाली कंपनियों की सहायता करते हुए, कुछ स्तर का आटोमेशन भी प्रस्तावित करते हैं और एचआर टीमें टेलेंट बाजार में प्रतिस्पर्धी बनी रहती हैं। एचआर तकनीक द्वारा प्रस्तावित ईमेल मार्केटिंग एवं ड्रिप कैम्पेन क्षमताएं अमूल्य ब्रांडिंग व मार्केटिंग उपकरण बनती साबित हो सकती हैं। पुन:, इन क्षमताओं को अनुकूल समाधानों के साथ मिलाकर या विशेष प्रस्तावों के रूप में प्रस्तावित किया जा सकता है।

ज्यादा स्मार्ट रीसोर्सिंग

रिक्रूटमेंट में एक क्षेत्र जहां तकनीक का सर्वाधिक गहन प्रभाव रहा है, वो है टेलेंट सोर्सिंग। देश में इंटरनेट की पहुंच बढ़ रही है। सामाजिक मंच, रोजगार बोर्ड व सीआरएम मंच नियोक्ताओं को प्रतिभा के बड़े भंडार तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं। एटीएस और एचसीएम साफ्टवेयर विशेष रूप से टेलेंट सोर्सिंग की क्षमताएं प्रदान करता है और फेसबुक, ट्वीटर, लिंक्डइन, और हां, मोंस्टर जैसे मंचों पर सोर्सिंग को सहज बनाने में नियोक्ताओं की सहायता करते हैं।

वस्तुगत प्रतिभा आंकलन

अचेतन पूर्वाग्रह असरकारी नियुक्ति में एक बड़ी बाधा बना हुआ है। हालांकि, तकनीक इस समस्या से उबरने में नियोक्ताओं की सहायता कर रही है।

प्रतिभा मूल्यांकन उपकरण खुले स्तर पर उम्मीदवार की संभावित क्षमता के संबंध में वस्तुगत, आंकड़ा आधारित निर्णय लेने में नियोक्ताओं की सहायता करते हैं।

प्रतिभा मूल्यांकन उपकरण नियुक्ति प्रक्रिया को अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने तथा एक सकारात्मक उम्मीदवार अनुभव प्रस्तुत करने में सहायता करते हैं -प्रतिभा बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक ढंग से नियोक्ता ब्रांड और संस्थागत स्थिति का निर्माण करने में सहायता करते हैं।

एचआर तकनीक प्रतिभा अधिग्रहण संबंधी संगठनों के सोचने का तरीका बदल रही है। यह नियोक्ताओं की केवल कारोबारी गतिविधियां करने के बजाय रोजगार अनुभव में समक्षता हासिल करने में सहायता कर रही है।

– लेखक विद्या सेम, अड्रेनलिन ईसिस्टम में एचआर हेड हैं।